



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 32] नई दिल्ली, शनिवार, अगस्त 9, 1980/श्रावण 18, 1902  
No. 32] NEW DELHI, SATURDAY, AUGUST 9, 1980/SRAVANA 18, 1902

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके  
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

## भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

### PART II—Section 3—Sub-section (ii)

(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों को छोड़कर)  
केन्द्रीय प्राधिकारियों द्वारा जारी किए गए सांविधिक आदेश और अधिसूचनाएं

Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India  
(other than the Ministry of Defence) by Central Authorities (other than the  
Administrations of Union Territories)

#### भारत निर्वाचन आयोग

##### आदेश

नई दिल्ली, 4 जुलाई, 1980

#### ELECTION COMMISSION OF INDIA

##### ORDERS

New Delhi, the 4th July, 1980

का० आ० 2088--यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि जनवरी, 1980 में हुए केरल विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 7-पय्यान्नूर निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री एस० भारथा शेनोय, डा० पय्यान्नूर (केरल), लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा सुदृष्टि बनाने हुए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

और, यतः, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सहायक सूचना दिये जाने पर भा प्रपनी इस असफलता के लिए कोई कारण प्रथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, और निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या व्यायोजित्य नहीं है;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्त श्री एस० भारथा शेनोय को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरहित घोषित करता है।

[सं० केरल-वि० सं०/7/80(2)]

S.O. 2088.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri S. Bharatha Shenoy, P.O. Payyanur (Kerala), a contesting candidate for general election to the Kerala Legislative Assembly held in January, 1980 from 7-Payyanur constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after the notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri S. Bharatha Shenoy to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. KL-LA/7/80(2)]

का० आ० 2089--यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि जनवरी, 1980 में हुए केरल विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 93-पूजार निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री बाको बाको,

वट्टाकुलाथिल, डाक० थिदानाडू (केरल राज्य), लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं ;

और, यतः, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक् सूचना दिये जाने पर भी अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण प्रस्तुत नहीं किया है, और निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या व्यावहारिक नहीं है ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्त श्री चोको चाको को संसद् के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आवेदन की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरहित घोषित करता है ।

[सं० केरल-वि०सं०/93/80(4)]

**S.O. 2089.**—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Chacko Chacko, Vattakulathil, Thidanadu P.O. (Kerala State), a contesting candidate for general election to the Kerala Legislative Assembly held in January, 1980 from 93-Poonjar Constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder ;

And whereas the said candidate, even after the notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure ;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Chacko Chacko to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. KL-LA/93/80(4)]

का० प्रा० 2090.—यतः निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि जनवरी, 1980 में हुए केरल विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 93-पूजार निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री प्रभाकरम नय्यर, थेंगनयिल, डाक थिदामोडू (केरल राज्य), लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं ;

और, यतः उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक् सूचना दिये जाने पर भी अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण प्रस्तुत नहीं दिया है, और निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या व्यावहारिक नहीं है ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्त श्री प्रभाकरम नय्यर को संसद् के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आवेदन की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरहित घोषित करता है ।

[सं० केरल-वि०सं०/93/80(5)]

**S.O. 2090.**—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Prabhakaram Nair, Thenganyil, Thidamodu P.O. (Kerala State), a contesting candidate for general election to the Kerala Legislative Assembly held in the January, 1980 from 93-Poonjar Constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder ;

And whereas the said candidate, even after the notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure ;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Prabhakaram Nair to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. KL-LA/93/80(5)]

का० प्रा० 2091.—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि जनवरी, 1980 में हुए केरल विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 93-पूजार निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री अब्दुल सलाम मीरानन, चिन्नुकम्पारम्बिल, इरट्टुपेट्टा-2 (केरल राज्य) लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं ;

और, यतः उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक् सूचना दिये जाने पर भी अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण प्रस्तुत नहीं दिया है, और, निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या व्यावहारिक नहीं है ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्त श्री अब्दुल सलाम मीरानन को संसद् के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आवेदन की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरहित घोषित करता है ।

[सं० केरल वि०सं०/93/80(6)]

आवेदन से,

धर्मवीर, प्रवर सचिव

भारत निर्वाचन आयोग

**S.O. 2091.**—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Abdul Salam Meerannan, Chanthukamparambil, Erattupetta-2 (Kerala State), a contesting candidate for general election to the Kerala Legislative Assembly held in January, 1980 from 93-Poonjar Constituency, has failed to lodge an account of election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder ;

And whereas the said candidate, even after the notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure ;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Abdul Salam Meerannan to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. KL-LA/93/80(6)]

By order

DHARAM VIR, Under Secy.  
Election Commission of India.

आवेदन

नई दिल्ली, 15 जुलाई, 1980

का० प्रा० 2092.—यतः निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि जनवरी, 1980 में हुए लोक सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 39-नागरकोइल संसदीय निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री एस० पानेराज, श्री कामुमगादी, नागरकोइल (तमिलनाडु), लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा

अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा बरखास्त करने में असफल रहे हैं ;

और, यतः उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक् सूचना दिये जाने पर भी, अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, और निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित्य नहीं है ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्त श्री एस० पोनराज को संसद् के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान-सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आवेदन की तारीख से तीन वर्ष की कामावधि के लिए निरहित घोषित करता है ।

[सं० त०न०-सो०स०/39(i)]

आदेश से,

एस० सी० जैन, प्रवर सचिव

भारत निर्वाचन आयोग

### ORDER

New Delhi, the 15th July, 1980

**S.O. 2092.**—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri S. Ponraj, Kalumgadi, Nagercoil (Tamil Nadu), a contesting candidate for general election to the House of the People held in January, 1980 from 39-Nagercoil parliamentary constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder ;

And whereas the said candidate, even after the notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure ;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri S. Ponraj to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. TN-HP/39/(1)]

By order,

S. C. JAIN, Under Secy.

Election Commission of India

### गृह मंत्रालय

नई दिल्ली, 25 जुलाई, 1980

का० प्रा० 2093.—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 239 के खण्ड (1) के अनुसरण में और भारत सरकार के गृह मंत्रालय की अधिसूचना सं० का० प्रा० 2567 तारीख 21 जून, 1969 का प्राथमिक उपान्तरण करते हुए यह निदेश देते हैं कि उनके नियंत्रण के अधीन रहते हुए और आगे आवेदन होने तक प्रत्येक संघ राज्य क्षेत्र का प्रशासक, सम्बद्ध संघ राज्य क्षेत्र के संबंध में प्रायुक्त नियम, 1962 की अनुसूची 2 की सब 16(ख) के अधीन राज्य सरकार की शक्तियों का प्रयोग और कृत्यों का निर्वहन करेगा ।

[सं० यू० 11030/1/80-यू० टी० एल०]

आई० बी० नरंजे, प्रवर सचिव

### MINISTRY OF HOME AFFAIRS

New Delhi, the 25th July, 1980

**S.O. 2093.**—In pursuance of clause (1) of article 239 of the Constitution and in partial modification of the notification of the Government of India in Ministry of Home Affairs No. S.O. 2567, dated the 21st June, 1969, the President hereby directs that, subject to his control and until further orders, the Administrator of every Union territory, shall, in relation to the Union territory concerned, exercise the powers and discharge the functions of the State Government under Item No. 16(b) of the Schedule II of the Arms Rules, 1962.

[No. U-11030/1/80-UTL]

Y. V. NARANJE, Under Secy.

### भारत के महापंजीकार का कार्यालय

नई दिल्ली, 8 जुलाई, 1980

का० प्रा० 2094.—जनगणना अधिनियम, 1948 (1948 का 37) की धारा 4 की उपधारा (1) के द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार भारतीय प्रशासनिक सेवा के (संघ राज्य क्षेत्र संवर्ग) के श्री बी० के० भल्ला को एतद्वारा 1981 की जनगणना के लिए दिल्ली में पदेन जनगणना कार्य निदेशक के पद पर नियुक्त करती है ।

[सं० 11/61/79-प्रशा०-1]]

पी० पद्मनाभ, भारत के महापंजीकार  
और पदेन जनगणना प्रायुक्त

### Office of the Registrar General, India

New Delhi, the 8th July, 1980

**S.O. 2094.**—In exercise of the powers conferred by Sub-Section (1) of Section 4 of the Census Act, 1948 (No. 37 of 1948) the Central Government hereby appoints Shri V. K. Bhalla, IAS (UT) as Director of Census Operations, Delhi for the 1981 Census.

[No. 11/61/79-Ad. I]

P. PADMANABHA, Registrar General  
and ex-officio Census Commissioner for India

### वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

नई दिल्ली, 26 मई, 1980

आय-कर

का० प्रा० 2095.—सर्वसाधारण की जानकारी के लिए यह अधिसूचित किया जाता है कि विहित प्राधिकारी, अर्थात् भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद ने निम्नलिखित संस्था को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के प्रयोजनार्थ अनुमोदित किया है ।

संस्था

भारतीय पोटाना अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली

यह अधिसूचना तारीख 1-4-1980 से 31-3-1982 तक की 2 वर्ष की अवधि के लिए प्रभावी है ।

[सं० 3415 (का०सं० 203/123/79-आई० टी० ए० II)]

### MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

New Delhi, the 26th May, 1980

INCOME TAX

**S.O. 2095.**—It is hereby notified for general information that the institution mentioned below has been approved by

the Indian Council of Agricultural Research, the prescribed authority for the purposes of class (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income-tax Act, 1961 :

### INSTITUTION

POTASH RESEARCH INSTITUTE OF INDIA, NEW DELHI

This notification is effective for a period of 2 years from 1st April, 1980 to 31st March, 1982.

[No. 3415 (F. No. 203/123/79-ITA II)]

का०आ० 2096.—सर्वसाधारण की जानकारी के लिए यह अधिसूचित किया जाता है कि सचिव, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, नई दिल्ली से आयकर नियम, 1962 के नियम 6(iv) के साथ पठित आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (2क) के प्रयोजनों के लिए निम्नलिखित वैज्ञानिक अनुसंधान कार्यक्रम नीचे विनिर्दिष्ट अवधि के लिए अनुमोदित कर दिया है :

वैज्ञानिक अनुसंधान	हलके ओलिविन का वाष्प द्रव साम्य
कार्यक्रम का नाम :	और प्राकृतिक गैस पद्धति
प्रयोजक का नाम :	इंजीनियर्स इंडिया लिमिटेड, नई दिल्ली

क्रियान्वयन करने वाली प्रयोगशाला :	आई० आई० टी०, मुम्बई
प्रारम्भ की प्रस्तापित तारीख :	मार्च, 1980
पूरा होने की प्रस्तापित तारीख :	मार्च, 1985
अनुमानित परिधाय :	4.9 लाख रुपए

2. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, मुम्बई आयकर अधिनियम, 1922 की धारा 10(2) (xiii) के अधीन अनुमोदित है। देखिए का०आ० 148 तारीख 12-1-1961।

[सं० 3410(का०सं० 203/145/80-आई टी ए II)]

S. O. 2096.—It is hereby notified for general information that the following scientific research programme has been approved for the period specified below for the purposes of sub-section (2A) of Section 35 of the Income-tax Act, 1961 read with Rule 6 (iv) of the Income-tax Rules, 1962 by the Secretary, Department of Science & Technology, New Delhi :

Name of the Scientific Research Programme : Vapour Liquid Equilibria of light olefins and natural gas systems.

Name of the sponsorer : Engineers India Ltd., New Delhi.

Implementing Laboratory : I.T.I., Bombay.

Proposed date of commencement : March 1980

Anticipated date of Completion. : March, 1985.

Estimated outlay : Rs. 4.9 lakhs

2. The Indian Institute of Technology, Bombay stands approved u/s. 10(2) (xiii) of the Income-tax Act, 1922 vide S. O. 148 dated 12-1-1961.

[No. 3410 (F. No. 203/145/80-ITA. I)]

नई दिल्ली, 29 मई, 1980.

आयकर

का०आ० 2097.—सर्वसाधारण की जानकारी के लिए यह अधिसूचित किया जाता है कि भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् ने आयकर अधिनियम, 1962 की उपधारा (2क) के प्रयोजन के लिए निम्नलिखित वैज्ञानिक

अनुसंधान कार्यक्रम को नीचे विनिर्दिष्ट अवधि के लिए अनुमोदित कर दिया है :

1. वैज्ञानिक अनुसंधान परियोजना : साइटो एण्ड केमोजेनेटिक्स और मेल स्टैराइल जूट (कोरोबोरस कैपसुलरीज एल)

2(क) किसने प्रयोजित किया है : हिन्दुस्तान लेवर लिमिटेड, नई दिल्ली

3(ख) कहाँ प्रायोजित किया गया है : विद्यान चन्द्र कृषि विश्वविद्यालय (कृषि संकाय आनुवंशिकी और पौधा प्रजनन विभाग), कल्याणी, नादिया

4 अनुसंधान परियोजना की अवधि : 1-4-1980 से 3 वर्ष

5 प्राक्कलित व्यय : 90,700 रु०

2. विद्यान चन्द्र कृषि विश्वविद्यालय आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 31(1)(ii) के अधीन अनुमोदित है। देखिए अधिसूचना सं० 878 का०सं० 203/39/75—आई टी ए II, तारीख 18 अप्रैल, 1975।

[सं० 3420(का०सं० 203/3/79-आई टी ए II)]

New Delhi, the 29th May, 1980.

### INCOME TAX

S. O. 2097.—It is hereby notified for general information that the following scientific research programme has been approved for the period specified below for the purposes of sub-section (2A) of the Income-tax Act, 1962 by the Indian Council of Agricultural Research, New Delhi

1. Scientific Research Project: Cyto and Chemo-genetics of male sterile Jute (Coroborus Capsularis L).

2. Sponsored (a) by : Hindustan Lever Ltd., New Delhi.

3. Sponsored (b) at : Bidhan Chandra Krishi Viswa Vidyalaya, (Faculty of Agriculture, Department of Genetics & Plant Breeding), Kalyani, Nadia.

4. Duration of Research Project : 3 years w.e.f. 1-4-1980.

5. Estimated Expenditure : Rs. 90,700

2. Bidhan Chandra Krishi Viswa Vidyalaya stands approved under Section 35(1)(ii) of the Income-tax Act, 1961 by Notification No. 878 F. No. 203/39/75-ITA. II dated the 18th April, 1975.

[No. 3420/(F. No. 203/3/79-ITA. II)]

नई दिल्ली, 18 जून, 1980

आयकर

का०आ० 2098.—सर्वसाधारण की जानकारी के लिए यह अधिसूचित किया जाता है कि विहित प्राधिकारी, अर्थात् भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् ने निम्नलिखित संस्था को आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के प्रयोजनों के लिए अनुमोदित किया है :

संस्था

इंडियन सोसाइटी ऑफ अग्रिकल्चरल इकोनामिक्स, बाम्बे



यह अधिसूचना 1-4-1977 से 31-3-79 तक की दो वर्ष की अवधि के लिए प्रभावी है।

[सं० 3477 (फा०सं० 203/99/75-आई टो ए II)]

हरि नारायण, अवर सचिव

New Delhi, the 19th June, 1980

### INCOME TAX

**S.O. 2098.**—It is hereby notified for general information that the institution mentioned below has been approved by the Indian Council of Agricultural Research, the prescribed authority for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income-tax Act, 1961 :

### INSTITUTION

INDIAN SOCIETY OF AGRICULTURAL ECONOMICS, BOMBAY

This notification is effective for a period of 2 years from 1-4-1977 to 31-3-1979.

[No. 3477/F. No. 203/99/75-ITA-II]

नई दिल्ली, 7 जुलाई, 1980

### आय कर

**क्रा०आ० 2099.**—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 2 के खण्ड (44) के उप-खण्ड (iii) का अनुसरण करते हुए, तथा भारत सरकार के राजस्व विभाग की 22 जनवरी, 1980 की अधिसूचना संख्या 3150 (फा०सं० 398/1/80-आ०क०सं०क०) का अधिलेखन करते हुए, केन्द्रीय सरकार, एतद्वारा श्री जे०जी० नायक को, जो केन्द्रीय सरकार के राजपत्रित अधिकारी हैं, उक्त अधिनियम के अन्तर्गत कर वसूली अधिकारी की शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करती है।

2. यह अधिसूचना श्री जे०जी० नायक द्वारा कर वसूली अधिकारी के पद का कार्यभार ग्रहण करने की तारीख से लागू होगी।

[संख्या 3524 (फा०सं० 398/1/80-आ०क०सं०क०)]

New Delhi, the 7th July, 1980

### INCOME TAX

**S.O. 2099.**—In pursuance of sub-clause (iii) of clause (44) of section 2 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), and in supersession of Notification of the Government of India in the Department of Revenue No. 3150 (F. No. 398/1/80-ITCC), dated 22-1-1980, the Central Government, hereby authorises Shri J. G. Naik, being a Gazetted Officer of the Central Government, to exercise the powers of a Tax Recovery Officer under the said Act.

2. This Notification shall come into force with effect from the date Shri J. G. Naik takes over charge as Tax Recovery Officer.

[No. 3524 (F. No. 398/1/80-ITCC)]

**क्रा०आ० 2100.**—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 2 के खण्ड (44) के उपखण्ड (iii) का अनुसरण करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा, श्री एम०एम० पटेल को, जो केन्द्रीय सरकार के राजपत्रित अधिकारी हैं, उक्त अधिनियम के अन्तर्गत कर वसूली अधिकारी की शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करती है।

2. यह अधिसूचना श्री एम०एम० पटेल द्वारा कर वसूली अधिकारी के पद का कार्यभार ग्रहण करने की तारीख से लागू होगी।

[संख्या 3526 (फा०सं० 398/1/80-आ०क०सं०क०)]

**S.O. 2100.**—In pursuance of sub-clause (iii) of clause (44) of Section 2 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby authorises Shri S. M. Patel being a Gazetted Officer of the Central Government, to exercise the powers of a Tax Recovery Officer under the said Act.

2. This Notification shall come into force with effect from the date Shri S. M. Patel takes over charge as Tax Recovery Officer.

[No. 3526 (F. No. 398/1/80-ITCC)]

नई दिल्ली, 8 जुलाई, 1980

### आय कर

**क्रा०आ० 2101.**—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 2 के खण्ड (44) के उप खण्ड (iii) का अनुसरण करते हुए, तथा भारत सरकार के राजस्व विभाग की 10 अप्रैल, 1980 की अधिसूचना संख्या 3239 (फा०सं० 404/118-क०सं०क०-प्रान्ध प्रदेश/79-आ०क०सं०क०) का अधिलेखन करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा, श्री मईद अब्बास अली को, जो केन्द्रीय सरकार के राजपत्रित अधिकारी हैं, उक्त अधिनियम के अन्तर्गत कर वसूली अधिकारी की शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करती है।

2. यह अधिसूचना, श्री मईद अब्बास अली द्वारा कर वसूली अधिकारी के पद का कार्यभार ग्रहण करने की तारीख से लागू होगी।

[सं० 3535 (फा०सं० 398/22/80-आ०क०सं०क०)]

New Delhi, the 8th July, 1980

### INCOME TAX

**S.O. 2101.**—In pursuance of sub-clause (iii) of clause (44) of section 2 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), and in supersession of Notification of the Government of India in the Department of Revenue No. 3239 (F. No. 404/118/TRO-AP/79-ITCC), dated 10-4-1980, the Central Government hereby authorises Shri Syed Abbas Ali, being a Gazetted Officer of the Central Government, to exercise the powers of a Tax Recovery Officer under the said Act.

2. This Notification shall come into force with effect from the date Shri Syed Abbas Ali takes over charge as Tax Recovery Officer.

[No. 3535 (F. No. 398/22/80-ITCC)]

**क्रा०आ० 2102.**—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 2 के खण्ड (44) के उप खण्ड (iii) का अनुसरण करते हुए, तथा भारत सरकार के राजस्व विभाग की 10 अप्रैल, 1980 की अधिसूचना संख्या 3241 (फा०सं० 404/118/क०सं०क०-प्रान्ध प्रदेश/79-आ०क०सं०क०) का अधिलेखन करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा श्री शेख पीरान को, जो केन्द्रीय सरकार के राजपत्रित अधिकारी हैं, उक्त अधिनियम के अन्तर्गत कर वसूली अधिकारी की शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करती है।

2. यह अधिसूचना श्री शेख पीरान द्वारा कर वसूली अधिकारी के पद का कार्यभार ग्रहण करने की तारीख से लागू होगी।

[सं० 3537 (फा०सं० 398/22/80-आ०क०सं०क०)]

**S.O. 2102.**—In pursuance of sub-clause (iii) of clause (44) of section 2 of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), and in supersession of Notification of the Government of India in the Department of Revenue No. 3241 (F. No. 404/118 (TRO-AP/79-ITCC), dated 10-4-1980, the Central Government hereby authorises Shri Shaik Peeran, being a Gazetted Officer of the Central Government, to exercise the powers of a Tax Recovery Officer under the said Act.

2. This Notification shall come into force with effect from the date Shri Shaik Peeran takes over charge as Tax Recovery Officer.

[No. 3537 (F. No. 398/22/-ITCC)]

G. S. MEHRA, Under Secy.

(अर्थिक कार्य विभाग)  
(Department of Economic Affairs)

(बैंकिंग विभाग)  
(Banking Division)

भारतीय रिजर्व बैंक

RESERVE BANK OF INDIA

नई दिल्ली, 21 जुलाई, 1980

New Delhi, the 21st July, 1980

का.आ. 2106.—भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम, 1934 के अनुसरण में जून 1980 के दिनांक 27-6-80 को समाप्त हुए सप्ताह के लिए, लेखा  
S.O. 2106.—An Account pursuant to the Reserve Bank of India Act, 1934 for the week ended the 27th day of June 1980.

इशू विभाग  
ISSUE DEPARTMENT

देयताएं LIABILITIES	रुपये Rs.	रुपये Rs.	आस्तियां ASSETS	रुपये Rs.	रुपये Rs.
बैंकिंग विभाग में रखे हुए नोट Notes held in the Banking Department	24,97,51,000		सोने का सिक्का और बुलियन :— Gold Coin and Bullion :—		
संचलन में नोट Notes in circulation	12366,24,72,000	12391,22,23,000	(क) भारत में रखा हुआ (a) Held in India	224,71,19,000	
जारी किये गये कुल नोट Total Notes issued			(ख) भारत के बाहर रखा हुआ (b) Held outside India	..	
			विदेशी प्रतिभूतियां Foreign Securities	2564,05,75,000	
			जोड़ Total		2788,76,94,000
			रुपये का सिक्का Rupee Coin		61,60,30,000
			भारत सरकार की रुपया प्रतिभूतियां Government of India Rupee Securities		9543,84,99,000
			देशी विनिमय बिल और दूसरे वाणिज्य पत्र Internal Bills of Exchange and other Commercial paper		
कुल देयताएं Total Liabilities		12391,22,23,000	कुल आस्तियां Total Assets		12391,22,23,000

दिनांक : 2 जुलाई, 1980  
Dated the 2nd day of July, 1980

I. G. PATEL,  
गवर्नर  
Governor

27 जून, 1980 को भारतीय रिज़र्व बैंक के बैंकिंग विभाग के कार्यालय का विवरण

STATEMENT OF THE AFFAIRS OF THE RESERVE BANK OF INDIA, BANKING DEPARTMENT  
as on the 27th June 1980

देयताएँ LIABILITIES	रुपये Rs.	आस्तिथी ASSETS	रुपये Rs.
मुक्तता पूंजी Capital Paid Up	5,00,00,000	नोट Notes	24,97,51,000
प्रारक्षित निधि Reserve Fund	150,00,00,000	रुपये का सिक्का Rupee Coin	2,59,000
राष्ट्रीय कृषि ऋण (दीर्घकालीन प्रवर्तन) निधि National Agricultural Credit (Long Term Operations) Fund	750,00,00,000	छोटा सिक्का Small Coin	3,83,000
राष्ट्रीय कृषि ऋण (स्थिरीकरण) निधि National Agricultural Credit (Stabilisation) Fund	225,00,00,000	खरीदे और मुनावे गये बिल Bills Purchased and Discounted :	
राष्ट्रीय औद्योगिक ऋण (दीर्घकालीन प्रवर्तन) निधि National Industrial Credit (Long term Operations) Fund	1135,00,00,000	(क) देशी (a) Internal	76,28,84,000
जमा राशियाँ -- Deposits :		(ख) विदेशी (b) External	—
(क) सरकारी (a) Government		(ग) सरकारी खजाना बिल (c) Government Treasury Bills	3371,92,13,000
केन्द्रीय सरकार (i) Central Government	1898,24,00,000	विदेशों में रखा हुआ बकाया Balances Held Abroad*	1923,79,26,000
राज्य सरकारें (ii) State Governments	11,50,41,00,000	निवेश Investments**	833,24,54,000
(ख) बैंक (b) Banks		ऋण और अग्रिम :-- Loans and Advances to :--	
अनुसूचित वाणिज्य बैंक (i) Scheduled Commercial Banks	3294,69,06,000	केन्द्रीय सरकार को (i) Central Government	..
अनुसूचित राज्य सहकारी बैंक (ii) Scheduled State Co-operative Banks	58,42,50,000	राज्य सरकारों को (ii) State Governments††	203,68,99,000
नैर अनुसूचित राज्य सहकारी बैंक (iii) Non-Scheduled State Co-operative Banks	3,45,84,000	ऋण और अग्रिम :-- Loans and Advances to :--	
अन्य बैंक (iv) Other Banks	8,88,20,000	अनुसूचित वाणिज्य बैंकों को (i) Scheduled Commercial Banks†	487,66,19,000
(ग) अन्य (c) Others	1305,98,57,000	राज्य सहकारी बैंकों को (ii) State Co-operative Banks††	192,31,16,000
देय बिल Bills Payable	214,922,6,000	दूसरों को (iii) Others	1,39,40,000
अन्य देयताएँ Other Liabilities	1692,92,74,000	राष्ट्रीय कृषि ऋण (दीर्घकालीन प्रवर्तन) निधि से ऋण, अग्रिम और निवेश-- Loans, Advances and Investments from National Agricultural Credit (Long Term Operations) Fund :--	
		(क) ऋण और अग्रिम :-- (a) Loans and Advances to :--	
		राज्य सरकारों को (i) State Governments	123,98,25,000
		राज्य सहकारी बैंकों को (ii) State Co-operative Banks	30,40,41,000
		केन्द्रीय भूमिपट्टक बैंकों को (iii) Central Land Mortgage Banks	—

व्ययताएं LIABILITIES	रुपये Rs.	आस्थियाँ ASSETS	रुपये Rs.
		कृषि पुनर्वित्त को विकास निगम को (iv) Agricultural Refinance and Development Corporation	328,01,80,000
		(ख) केन्द्रीय भूमि-धक बैंकों के डिबेंचरों में निवेश (b) Investment in Central Land Mortgage Bank Debentures	7,13,71,000
		राष्ट्रीय कृषि ऋण (स्थिरकरण) निधि से ऋण और अग्रिम Loans and Advances from National Agricultural Credit (Stabilisation) Fund	
		राज्य सहकारी बैंकों को ऋण और अग्रिम Loans and Advances to State Co-operative Banks	122,42,58,000
		राष्ट्रीय औद्योगिक ऋण (दीर्घकालीन प्रवर्तन) निधि से ऋण, अग्रिम और निवेश Loans Advances and Investments from National Industrial Credit (Long Term Operations) Fund	
		(क) विकास बैंक को ऋण और अग्रिम (a) Loans and Advances to the Development Bank	1084,11,02,000
		(ख) विकास बैंक द्वारा जारी किये गये बांडों/ डिबेंचरों में निवेश (b) Investment in bonds/debentures issued by the Development Bank	16,90,48,000
		अन्य आस्थियाँ Other Assets	1425,70,89,000
रुपये Rupees	10754,03,58,000	रुपये Rupees	10754,03,58,000

नकदी, आवधिक जमा और अल्पकालीन प्रतिभूतियाँ शामिल हैं।

\*Includes Cash, Fixed Deposits and Short-term Securities.

राष्ट्रीय कृषि ऋण (दीर्घकालीन प्रवर्तन) निधि और राष्ट्रीय औद्योगिक ऋण (दीर्घकालीन प्रवर्तन) निधि में से किये गये निवेश शामिल नहीं हैं।

\*\*Excluding Investments from the National Agricultural Credit (Long Term Operations) Fund and the National Industrial Credit (Long Term Operations) Fund.

राष्ट्रीय कृषि ऋण (दीर्घकालीन प्रवर्तन) निधि से प्रदत्त ऋण और अग्रिम शामिल नहीं हैं, परन्तु राज्य सरकारों को किये गये अस्थायी ओवरड्राफ्ट शामिल हैं।

† Excluding Loans and Advances from the National Agricultural Credit (Long Term Operations) Fund, but including temporary overdrafts to State Governments.

भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम की धारा 17(4)(ग) के अधीन अनुसूचित वाणिज्य बैंकों को मीयादी बिलों पर अग्रिम दिये गये . . . . . रुपये शामिल हैं।

† Includes Rs. Nil, advanced to scheduled commercial banks against usance bills under Section 17(4)(c) of the Reserve Bank of India Act.

राष्ट्रीय कृषि ऋण (दीर्घकालीन प्रवर्तन) निधि और राष्ट्रीय कृषि ऋण (स्थिरकरण) निधि से प्रदत्त ऋण और अग्रिम शामिल नहीं हैं।

†† Excluding Loans and Advances from the National Agricultural Credit (Long Term Operations) Fund and the National Agricultural Credit (Stabilisation) Fund.

दिनांक : 2 जुलाई, 1980

Dated the 2nd day of July 1980

I.G. PATEL,

गवर्नर

Governor

[U.O.F. 10/1/80-B.O. II]

C. W. MIRCHANDANI, Dy. Secy.

नई दिल्ली, 23 जुलाई, 1980

कां०आ० 2107.—राष्ट्रीयकृत बैंक (प्रबन्ध और प्रकीर्ण उपबन्ध) स्कीम, 1970 के खण्ड 3 के उपखण्ड (ख) (1) के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, देना बैंक, बेवोर्न रोड शाखा कलकत्ता के विशेष सहायक, श्री कमल कुमार भट्टाचार्य को उक्त बैंक के कर्मचारियों, जो कि कर्मकार हैं, का प्रतिनिधित्व करने के लिए 23 जुलाई, 1980 से प्रारम्भ होने वाली और 22 जुलाई, 1983 को समाप्त होने वाली अवधि के लिए भारत सरकार, वित्त मंत्रालय (बैंकिंग विभाग) की 28 मिनम्बर, 1973 की अधिसूचना संख्या एफ० 9-4/46/73-बी०आ०-1 के अन्तर्गत नियुक्त किये गये श्री एच० सी० देसाई के स्थान पर देना बैंक का निवेशक नियुक्त करती है।

[संख्या एफ० 9/14/79-बी०आ०-1]

ज० वा० मीरचन्दानी, उप सचिव

New Delhi, the 23rd July, 1980

S.O. 2107.—In pursuance of sub-clause (b)(i) of clause 3 of the Nationalised Banks (Management & Miscellaneous Provisions) Scheme, 1970, the Central Government hereby appoints Shri Kamal Kumar Bhattacharya, Special Assistant, Dena Bank, Brabourne Road Branch, Calcutta as a Director of the Dena Bank for a period of three years commencing on 23rd July, 1980 and ending with 22nd July, 1983 to represent employees of the said Bank who are workmen in the place of Shri H. C. Desai appointed under the Notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Banking) No. F. 9-4/46/73-BO. I, dated 28th September, 1973.

[No. F. 9/14/79-BO.]

C. W. MIRCHANDANI, Dy. Secy.

नई दिल्ली, 26 जुलाई, 1980

कां०आ० 2108.—प्रादेशिक ग्रामीण बैंक अधिनियम, 1976 (1976 का 21) की धारा 11 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, एतद्वारा श्री ए० सी० दुग्गल को काशी ग्रामीण बैंक का अध्यक्ष नियुक्त करती है तथा 28 जुलाई, 1980 से प्रारम्भ होकर 27 जुलाई, 1983 को समाप्त होने वाली अवधि को उस अवधि के रूप में निर्धारित करती है जिसके दौरान श्री ए० सी० दुग्गल अध्यक्ष के रूप में कार्य करेंगे।

[संख्या एफ० 1-12/80-आ०आ०बी०]

New Delhi, the 26th July, 1980

S.O. 2108.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 11 of the Regional Rural Banks Act, 1976 (21 of 1976) the Central Government hereby appoints Shri A. C. Duggal as the Chairman of the Kashi Gramin Bank and specifies the period commencing on the 28th July, 1980 and ending with the 27th July, 1983 as the period for which the said Shri A. C. Duggal shall hold office as such Chairman.

[No. F. 4-12/80-RRB]

नई दिल्ली, 28 जुलाई, 1980

कां०आ० 2109.—प्रादेशिक ग्रामीण बैंक अधिनियम, 1976 (1976 का 21) की धारा 11 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, एतद्वारा श्री कदम कान्त सैकिया को लखिमी गांधीलिया बैंक, गोलाघाट का अध्यक्ष नियुक्त करती है तथा 29 जुलाई, 1980 से प्रारम्भ होकर 28 जुलाई, 1983 को समाप्त होने वाली अवधि को उस अवधि के रूप में निर्धारित करती है जिसके दौरान श्री पी० के० सैकिया अध्यक्ष के रूप में कार्य करेंगे।

[संख्या एफ० 1-4/79-आ०आ०बी०]

इन्द्रानी सेन, प्रवर सचिव

New Delhi, the 28th July, 1980

S.O. 2109.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 11 of the Regional Rural Banks Act, 1976 (21 of 1976), the Central Government hereby appoints Shri Padma Kanta Saikia as the Chairman of the Lakhimi Gaoalia Bank, Golaghat and specifies the period commencing on the 29th July, 1980 and ending with the 28th July, 1983 as the period for which the said Shri P. K. Saikia shall hold office as such Chairman.

[No. F. 1-4/79-RRB]

INDRANI SEN, Under Secy.

नई दिल्ली, 24 जुलाई, 1980

कां०आ० 2110.—केन्द्रीय सरकार, सरकारी स्थान (अप्राधिकृत अधिकारियों की बैठक) अधिनियम, 1971 (1971 का 40) की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, नीचे मारणी के स्तम्भ 1 में उल्लिखित अधिकारियों को जो सरकार के राजपत्रित अधिकारी की रैंक के समतुल्य हैं, उक्त अधिनियम के प्रयोजन के लिए सम्पदा अधिकारी नियुक्त करती है जो उक्त मारणी के स्तम्भ 2 की तत्स्थानी प्रविष्टि में विनिर्दिष्ट सरकारी स्थानों की बाबत उक्त अधिनियम के द्वारा या अघीन सम्पदा अधिकारियों को प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग और अधिरोपित कर्तव्यों का पालन करेंगे।

## सारणी

अधिकारियों का पदाभिधान	सरकारी स्थानों के प्रवर्ग और अधिकारिता की स्थानीय सीमाएं
1	2
1. भारतीय औद्योगिक विकास बैंक, मुम्बई महाप्रबन्धक या उसके प्रशासन, कामिक, प्रशिक्षण और परिसर विभाग में महाप्रबन्धक की शक्तियों का प्रयोग करने वाला कोई अधिकारी।	भारतीय औद्योगिक विकास बैंक मुम्बई के परिसर या उसके द्वारा या उसकी ओर से पट्टे पर लिए गए या अधिगृहीत परिसर।
2. उप महाप्रबन्धक, भारतीय औद्योगिक विकास बैंक, कलकत्ता।	भारतीय औद्योगिक विकास बैंक कलकत्ता के परिसर या उसके द्वारा या उसकी ओर से पट्टे पर लिए गए या अधिगृहीत परिसर।
3. उप महाप्रबन्धक, भारतीय औद्योगिक विकास बैंक, नई दिल्ली।	भारतीय औद्योगिक विकास बैंक नई दिल्ली के परिसर या उसके द्वारा या उसकी ओर से पट्टे पर लिए गए या अधिगृहीत परिसर।
4. उप महाप्रबन्धक, भारतीय औद्योगिक विकास बैंक, मद्रास।	भारतीय औद्योगिक विकास बैंक मद्रास के परिसर या उसके द्वारा या उसकी ओर से पट्टे पर लिए गए या अधिगृहीत परिसर।
5. उप महाप्रबन्धक, भारतीय औद्योगिक विकास बैंक, अहमदाबाद।	भारतीय औद्योगिक विकास बैंक अहमदाबाद के परिसर या उसके द्वारा या उसकी ओर से पट्टे पर लिए गए या अधिगृहीत परिसर।
6. उप महाप्रबन्धक, भारतीय औद्योगिक विकास बैंक, गौहाटी।	भारतीय औद्योगिक विकास बैंक गौहाटी के परिसर या उसके द्वारा या उसकी ओर से पट्टे पर लिए गए या अधिगृहीत परिसर।
7. उप महाप्रबन्धक, भारतीय औद्योगिक विकास बैंक, बंगलौर।	भारतीय औद्योगिक विकास बैंक बंगलौर के परिसर या उसके द्वारा या उसकी ओर से पट्टे पर लिए गए या अधिगृहीत परिसर।

1	2
8. प्रबन्धक, भारतीय औद्योगिक विकास बैंक, भोपाल ।	भारतीय औद्योगिक विकास बैंक, भोपाल के परिसर या उसके द्वारा या उसकी ओर से पट्टे पर लिए गए या अधिगृहीत परिसर ।
9. प्रबन्धक, भारतीय औद्योगिक विकास बैंक, भुवनेश्वर ।	भारतीय औद्योगिक विकास बैंक, भुवनेश्वर के परिसर या उसके द्वारा या उसकी ओर से पट्टे पर लिए गए या अधिगृहीत परिसर ।
10. प्रबन्धक, भारतीय औद्योगिक विकास बैंक, चण्डीगढ़ ।	भारतीय औद्योगिक विकास बैंक, चण्डीगढ़ के परिसर या उसके द्वारा या उसकी ओर से पट्टे पर लिए गए या अधिगृहीत परिसर ।
11. प्रबन्धक, भारतीय औद्योगिक विकास बैंक, कोचीन ।	भारतीय औद्योगिक विकास बैंक, कोचीन के परिसर या उसके द्वारा या उसकी ओर से पट्टे पर लिए गए या अधिगृहीत परिसर ।
12. प्रबन्धक, भारतीय औद्योगिक विकास बैंक, हैदराबाद ।	भारतीय औद्योगिक विकास बैंक, हैदराबाद के परिसर या उसके द्वारा या उसकी ओर से पट्टे पर लिए गए या अधिगृहीत परिसर ।
13. प्रबन्धक, भारतीय औद्योगिक विकास बैंक, जयपुर ।	भारतीय औद्योगिक विकास बैंक, जयपुर के परिसर या उसके द्वारा या उसकी ओर से पट्टे पर लिए गए या अधिगृहीत परिसर ।
14. प्रबन्धक, भारतीय औद्योगिक विकास बैंक, जम्मू ।	भारतीय औद्योगिक विकास बैंक, जम्मू के परिसर या उसके द्वारा या उसकी ओर से पट्टे पर लिए गए या अधिगृहीत परिसर ।
15. प्रबन्धक, भारतीय औद्योगिक विकास बैंक, कानपुर ।	भारतीय औद्योगिक विकास बैंक, कानपुर के परिसर या उसके द्वारा या उसकी ओर से पट्टे पर लिए गए या अधिगृहीत परिसर ।
16. प्रबन्धक, भारतीय औद्योगिक विकास बैंक, पटना ।	भारतीय औद्योगिक विकास बैंक, पटना के परिसर या उसके द्वारा या उसकी ओर से पट्टे पर लिए गए या अधिगृहीत परिसर ।
17. प्रबन्धक, भारतीय औद्योगिक विकास बैंक, शिमला ।	भारतीय औद्योगिक विकास बैंक, शिमला के परिसर या उसके द्वारा या उसकी ओर से पट्टे पर लिए गए या अधिगृहीत परिसर ।

[सं० 10(123 आई०एफ० 1/79)  
बिनोद डाल, निदेशक

New Delhi, the 24th July, 1980

S. O. 2110:—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Public Premises (Eviction of Unauthorised Occupants) Act, 1971 (40 of 1971), the Central Government hereby appoints the officers mentioned in column 1 of the Table below, being officers equivalent to the rank of gazetted officer of Government, to be estate officers for the purpose of the said Acts who shall exercise the powers conferred, and perform the duties imposed, on the estate officers by or under the said Act in respect of the public premises specified in the corresponding entries in column 2 of the said Table.

TABLE

Designation of Officers	Categories of public premises and local limits of jurisdiction
1	2
1. The General Manager or any Officer exercising the power of General Manager in the Department of Administration, Personnel, Training and Premises, Industrial Development Bank of India, Bombay.	Premises belonging to or taken on lease or requisitioned by or on behalf of Industrial Development Bank of India in Bombay.
2. Deputy General Manager, Industrial Development Bank of India, Calcutta.	Premises belonging to or taken on lease or requisitioned by or on behalf of Industrial Development Bank of India in Calcutta.
3. Deputy General Manager, Industrial Development Bank of India, New Delhi.	Premises belonging to or taken on lease or requisitioned by or on behalf of Industrial Development Bank of India in New Delhi.
4. Deputy General Manager, Industrial Development Bank of India, Madras.	Premises belonging to or taken on lease or requisitioned by or on behalf of Industrial Development Bank of India in Madras.
5. Deputy General Manager, Industrial Development Bank of India, Ahmedabad.	Premises belonging to or taken on lease or requisitioned by or on behalf of Industrial Development Bank of India in Ahmedabad.
6. Deputy General Manager, Industrial Development Bank of India, Gauhati.	Premises belonging to or taken on lease or requisitioned by or on behalf of Industrial Development Bank of India in Gauhati.
7. Manager, Industrial Development Bank of India, Bangalore.	Premises belonging to or taken on lease or requisitioned by or on behalf of Industrial Development Bank of India in Bangalore.
8. Manager, Industrial Development Bank of India, Bhopal.	Premises belonging to or taken on lease or requisitioned by or on behalf of Industrial Development Bank of India in Bhopal.
9. Manager, Industrial Development Bank of India, Bhubaneswar.	Premises belonging to or taken on lease or requisitioned by or on behalf of Industrial Development Bank of India in Bhubaneswar.
10. Manager, Industrial Development Bank of India, Chandigarh.	Premises belonging to or taken on lease or requisitioned by or on behalf of Industrial Development Bank of India in Chandigarh.

1	2
11. Manager, Industrial Development Bank of India, Cochin.	Premises belonging to or taken on lease or requi- sitioned by or on behalf of Industrial Development Bank of India in Cochin.
12. Manager, Industrial Development Bank of India, Hyderabad.	Premises belonging to or taken on lease or requi- sitioned by or on behalf of Industrial Development Bank of India in Hydera- bad.
13. Manager, Industrial Development Bank of India, Jaipur.	Premises belonging to or taken on lease or requi- sitioned by or on behalf of Industrial Development Bank of India in Jaipur.
14. Manager, Industrial Development Bank of India, Jammu.	Premises belonging to or taken on lease or requi- sitioned by or on behalf of Industrial Develop- ment Bank of India in Jammu.
15. Manager, Industrial Development Bank of India, Kanpur.	Premises belonging to or taken on lease or requi- sitioned by or on behalf of Industrial Development Bank of India in Kanpur.
16. Manager, Industrial Development Bank of India, Patna.	Premises belonging to or taken on lease or requi- sitioned by or on behalf of Industrial Development Bank of India in Patna.
17. Manager, Industrial Development Bank of India, Simla.	Premises belonging to or taken on lease or requi- sitioned by or on behalf of Industrial Development Bank of India in Simla.

[No. 10(123) I. F. 1/79]  
VINOD DHALL, Director

### विदेश मंत्रालय

शुद्धि-पत्र

नई दिल्ली, 25 जुलाई, 1980

कां.आ. 2111.—अधिसूचना संख्या कां.आ. दिनांक  
18 जून, 1980 में श्री ए. बी. अग्रवाल के स्थान पर श्री एस.  
बी. अग्रवाल पढ़ा जाए।

[फाइल सं. टी. 4330/1/80]  
जे. हजारी, अधीक्षक सचिव

### MINISTRY OF EXTERNAL AFFAIRS

#### CORRIGENDUM

New Delhi, the 25th July, 1980

S.O. 2111.—In the Notification No. S.O. dated  
18th June, 1980 the name of Shri A. B. Aggarwal may be  
amended to read as Shri S. B. Aggarwal.

[File No. T. 4330/1/80]  
J. HAZARI, Under Secy.

### वाणिज्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्रालय (वाणिज्य विभाग)

नई दिल्ली, 23 जुलाई, 1980

कां.आ. 2112.—केन्द्रीय सरकार, चाय नियम, 1954 के नियम 4 और 5 के साथ पठित चाय अधिनियम, 1953 (1953 का 29) की धारा 4 की उपधारा (3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए सर्वश्री संतोष मोहन देव और आनन्द पाठक, लोक सभा के सदस्यों का इस अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 31 मार्च, 1981 तक, जिसमें यह विन श्री सम्मिलित है, चाय बोर्ड के सदस्य के रूप में नियुक्त करती है और भारत सरकार के वाणिज्य, नागरिक पूर्ति और सहायिता मंत्रालय (वाणिज्य विभाग) की अधिसूचना सं. कां.आ. 622 (अ), तारीख 30 अक्टूबर, 1978 का निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना में, क्रम सं. 7 और 8 और उनसे संबंधित प्रविष्टियों के स्थान पर, निम्नलिखित क्रम संख्याएं और प्रविष्टियां रखी जाएंगी, अर्थात् :—

“7 श्री संतोष मोहन देव, लोक सभा सदस्य,

225, नार्थ एवेन्यू, नई दिल्ली-110001।

8 श्री आनन्द पाठक, लोक सभा सदस्य,

401, विठ्ठल भाई पटेल हाउस,

नई दिल्ली-110001”।

[सं. इ-12012(1)/78-प्लांट (ए)]

डी. डब्ल्यू. तेलंग, सचिव

### MINISTRY OF COMMERCE AND CIVIL SUPPLY (Deptt. of Commerce)

New Delhi, the 23rd July, 1980

S.O. 2112.—In exercise of the powers conferred by sub-section (3) of section 4 of the Tea Act, 1953 (29 of 1953), read with rules 4 and 5 of the Tea Rules, 1954, the Central Government hereby appoints Sarva Shri Santosh Mohan Dev and Ananda Pathak, Members of Lok Sabha as members of the Tea Board with effect from the date of publication of this notification in the Official Gazette upto and inclusive of the 31st March 1981, and makes the following amendments in the notification of the Government of India in the Ministry of Commerce, Civil Supplies and Co-operation (Deptt. of Commerce) No. S.O. 622(E), dated the 30th October, 1978, namely :—

In the said notification, for serial Nos. 7 and 8 and the entries relating thereto, the following serial Nos. and entries shall respectively, be substituted, namely :—

“7. Shri Santosh Mohan Dev, Member, Lok Sabha, 225, North Avenue, New Delhi-110001.

8 Shri Ananda Pathak, Member, Lok Sabha, 401, Vithal-bhai Patel House, New Delhi-110001.”

[No. E-12012(1)/78-Plant (A)]

D. W. TELANG, Jt. Secy.

नई दिल्ली, 9 अगस्त, 1980

कां.आ. 2213.—केन्द्रीय सरकार, अन्नक नियंत्रण (निश्रीण) नियम, 1969 के नियम 7 के अनुसूचन में, भारत सरकार के भूतपूर्व वाणिज्य, नागरिक पूर्ति और सहायिता मंत्रालय की अधिसूचना सं. कां.आ. 3348, तारीख 25 नवम्बर, 1978 का निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना के नीचे सारणी के स्तम्भ (1) के नीचे क्रम सं. 6 की मद संख्या (3) और स्तम्भ 2 में उनसे संबंधित प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित मद और प्रविष्टियां रखी जाएंगी, अर्थात् :—



- (3) श्री डी० भास्कर रेड्डी,  
मै० ऐसोसियेटेड माइका एक्सपोर्ट्स,  
1213, विवेकानन्द रोड,  
गुडूर-524101,  
जिला : नैलोर, आन्ध्रप्रदेश।

[सं० 6(27)/76-नि०नि० तथा नि०-खंड-I]  
सी०बी० कुक्रेती, संयुक्त निदेशक

New Delhi, the 9th August, 1980

**S.O. 2113.**—In pursuance of rule 7 of the Export of Mica (Inspection) Rules, 1969, the Central Government hereby make the following amendment in the notification of the Government of India in the late Ministry of Commerce, Civil Supplies and Co-operation No. S. O. 3348, dated the 25th November, 1978, namely :—

In the Table below the said notification, serial number 6 under column (1), for item number (3) and entries relating thereto in column 2, the following items and entries shall be substituted, namely :—

- “(3) Shri D. Bhaskara Reddy, M/s. Associated Mica Exports, 12/3, Vivekananda Road, Gudur-524101. Nellore Dist. Andhra Pradesh”.

[No. 6(27)/76-El&EP-Vol. II]  
C. B. KUKRETI, Jt. Director.

(मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात का कार्यालय)

आदेश

नई दिल्ली, 16 जून, 1980

का०आ० 2114.—प्रबन्ध निदेशक, मैसूर पावर कारपोरेशन लि०, बंगलूर को संविद्यत समाजवादी गणतन्त्र संघ आस्थगित भुगतान नियम समझौते के अन्तर्गत संविद्यत समाजवादी गणतन्त्र संघ से 2×27.5 एम०डब्ल्यू० जनित संयंत्र एक नग ई०ओ०टी० ट्रेन का आयात करने के लिए 3,11,35,461/- रुपये (तीन करोड़ चार लाख, पैंतीस हजार चार सौ एकमठ रुपये मात्र) का एक आयात लाइसेंस सं० जी/सी/2029373/डी/एस-4/48/एच/37/38, दिनांक 28-7-73 प्रदान किया गया था। लाइसेंस के मूल्य को बाद में बढ़ाकर 3,12,28,461/- रुपये कर दिया गया था।

2. फर्म ने उपर्युक्त आयात लाइसेंस की अनुलिपि सीमा शुल्क प्रयोजन प्रति जारी करने के लिए इस आधार पर आवेदन किया है कि उसकी मूल सीमा शुल्क प्रयोजन प्रति सहायक सीमा-शुल्क समझौता (समाहर्ता कार्यालय) मद्रास के पाम पंजीकृत करने के पश्चात् खो गई है। आगे यह भी बताया गया था कि आयात लाइसेंस का आंशिक उपयोग कर लिया गया था और उसमें 41,272/- रुपये मात्र शेष रह गए थे। अपने अनुरोध के समर्थन में लाइसेंसधारी ने नोटरी, बंगलूर नगर के सामने विधिवत् शपथ लेकर एक शपथ-पत्र दाखिल किया था। यथा संशोधित आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955 दि० 7-12-1955 की उपधारा 9 (सी०सी०) के अन्तर्गत अधिकारों का प्रयोग करते हुए आयात लाइसेंस सं० जी०/सी०/2029373, दिनांक 28-7-73 की सीमा शुल्क प्रयोजन प्रति रद्द कर दी गई थी और अनुलिपि सीमा-शुल्क प्रयोजन प्रति सं० डी० 2468456, दिनांक 15-6-79 लाइसेंसधारी को जारी कर दी गई थी।

3. लाइसेंसधारी ने अब आगे यह सूचना दी है कि आयात लाइसेंस सं० जी/सी/2029373, दिनांक 28-7-73 की मूल मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रयोजन प्रति के साथ-साथ अनुलिपि सीमा-शुल्क प्रयोजन प्रति सं० डी० 2468456, दिनांक 15-6-79 खो गई/अस्थायित्व हो गई

है। अपने तर्क के समर्थन में उन्होंने नोटरी बंगलूर नगर के सामने विधिवत् शपथ लेकर, स्टाम्प कागज पर एक शपथ-पत्र दाखिल किया है। मैं सन्तुष्ट हूँ कि आयात लाइसेंस सं० जी/सी/2029373, दिनांक 28-7-73 की मूल मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रयोजन प्रति और अनुलिपि सीमा-शुल्क प्रयोजन प्रति सं० डी० 2468456, दिनांक 15-6-79 खो गई है। यथा संशोधित आयात (नियंत्रण) आदेश 1955, दिनांक 7-12-1955 के उपधारा 9 (सी०सी०) के अन्तर्गत प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए आयात लाइसेंस सं० जी/सी/2029373, दिनांक 28-7-73 की उपर्युक्त मूल मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रयोजन प्रति और अनुलिपि सीमा-शुल्क प्रयोजन प्रति सं० डी० 2468456-15-6-79 रद्द कर दी गई है।

4. आयात लाइसेंस सं० जी/सी/2029373, दिनांक 28-7-73 की अनुलिपि मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रयोजन प्रति और अनुलिपि सीमा शुल्क प्रयोजन प्रति पार्टी को भ्रम से जारी की जा रही है।

[संख्या सी जी-2/एच ई पी/मै-7/73-74/294]

जी० एस० ग्रेवाल, उप-मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात  
कृते मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात

(Office of the Chief Controller of Imports and Exports)

ORDER

New Delhi, the 16th June, 1980

**S.O. 2114.**—The Managing Director, Mysore Power Corporation Ltd., Bangalore, was granted an Import Licence No. G/C/2029373/D/S4/48/H/37-38 dated 28th July, 1974 for Rs. 3,11,35,461 (Rupees three crores, eleven lakhs, thirtyfive thousand and four hundred and sixtyone only) for import of 2x27, 5 MW Generating Plant, 1 No. EOT Crane from USSR under the USSR Deferred Payment Terms Agreement. The value of the licence was later enhanced to Rs. 3,12,28,461.

2. The firm applied for issue of a Duplicate Customs Purposes Copy of the above import licence on the ground that the original Customs Purposes Copy thereof had been lost after having been registered with the Assistant Collector of Customs (Customs House), Madras. It was further stated that the Import licence had been partly utilised leaving a balance of Rs. 41,273 only. In support of their request the licensee filed an affidavit duly sworn in before Notary, Bangalore City. In exercise of the powers conferred under sub-clause 9(cc) of the Import (Control) Order, 1955, dated 7th December, 1955, as amended, the Customs Purposes Copy of import licence No. G/C/2029373 dated 28th July, 1973 was cancelled and a Duplicate Customs Purposes Copy No. D-2468456 dated 15th June, 1979 was issued to the licensee.

3. The licensee has now informed that the Duplicate Customs Purposes Copy No. D-2468456 dated 15th June, 1979 as well as the original Exchange Control Purposes Copy of import licence No. G/C/2029373 dated 28th July, 1973 have been lost/misplaced. In support of their contention they have filed an affidavit on stamped paper duly sworn in before a Notary, Bangalore City. I am satisfied that the original Exchange Control Purposes Copy of import licence No. G/C/2029373 dated 28th July, 1973 and Duplicate Customs Purposes Copy No. D-2468456 dated 15th June, 1979, have been lost. In exercise of the powers conferred under sub-clause 9(cc) of the Import (Control) Order, 1955, dated 7th December, 1955 as amended, the said original Exchange Control Purposes Copy of import licence No. G/C/2029373 dated 28th July, 1973 and Duplicate Customs Purposes Copy No. D-2468456 dated 15th June, 1979 have been cancelled.

4. Duplicate Exchange Control Purposes Copy of import licence No. G/C/2029373 dated 28th July, 1973 and Duplicate Customs Purposes copy are being issued to the party separately.

[No CG II/HEP/My, 7/73-74/294]

G. S. GREWAL, Dy. Chief Controller  
of Imports and Exports  
For Chief Controller of Imports and Exports.

## (बस्त्र विभाग)

नई दिल्ली, 26 जुलाई, 1980

## (Department of Textiles)

New Delhi, the 26th July, 1980

क्रा०स्रा० 2115.—केन्द्रीय सरकार एतद्वारा अधिमूर्चित करती है कि लोक सभा केन्द्रीय रेशम बोर्ड अधिनियम, 1948 (1948 का 61) की धारा 4 की उपधारा (3) के खण्ड (ग) के अनुसरण में केन्द्रीय रेशम बोर्ड के सदस्यों के रूप में कार्य करने के लिए 20 जून, 1980 में लोक सभा के निर्मात चार सदस्यों को निर्वाचित करती है:—

1. डा० ए० कलानिधि
2. डा० एम० वी० चन्द्रशेखर मुर्ति
3. श्री सामिनुद्दीन
4. श्री जैनुल बशीर

[क्रा०स्रा० 25012/19/78-रेशम]  
एल०वी० सप्तथरिषि, उप सचिव

S.O. 2115.—The Central Government hereby notify that the Lok Sabha has in pursuance of clause (c) of Sub-section (3) of Section 4 of the Central Silk Board Act, 1948 (61 of 1948), elected the following four members of the Lok Sabha with effect from 20th June, 1980 to serve as Members of the Central Silk Board:—

1. Dr. A. Kalanidhi
2. Shri M. V. Chandrashekara Murthy
3. Shri. Saminuddin
4. Shri. Zainul Basher.

[File No. 25012/19/78-Silk]  
L. V. SAPTHARISHI, Dy. Secy.

## (नागरिक सूक्ति विभाग)

## भारतीय मानक संस्था

नई दिल्ली, 1980-07-11

क्रा०स्रा० 2116.—भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन विज्ञान) विनियम, 1955 के नियम 3 के उप-विनियम 2 तथा विनियम 3 के उप-विनियम (2) और (3) के अनुसार भारतीय मानक संस्था एतद्वारा अधिमूर्चित किया जाता है कि जिन भारतीय मानकों के ब्यौरे नीचे अनुसूची में दिए गए हैं, वे 1978-01-31 को निर्धारित किए गए हैं।

## अनुसूची

क्रम निर्धारित भारतीय मानक की संख्या	पदसंख्या और शीर्षक	तब भारतीय मानक द्वारा प्रतिक्रमित किए गए भारतीय मानक की पद संख्या और शीर्षक	अन्य विवरण
(1)	(2)	(3)	(4)
1	IS: 367-1977 घरेलू और सामान्य उपयोग के लिए बिजली की केतलियों और जगों की विशिष्टि (दूसरा पुनरीक्षण)।	1 IS: 367-1965 बिजली की केतलियों की विशिष्टि (पुनरीक्षित) एवं 2 IS: 3482-1966 बिजली के सासपैन की विशिष्टि।	1977-12-31 को निर्धारित
2	*IS: 368-1977 बिजली के डुबाऊ जल हीटर की विशिष्टि (दूसरा पुनरीक्षण)	IS: 368-1963 बिजली के डुबाऊ जल हीटरों की विशिष्टि (पुनरीक्षित)।	*1977-10-31 को भा मा संस्था की प्रमाणन मूहर योजना के उपयोग के लिए 1978-05-01 से IS: 368-1977 लागू होगा।
3	IS: 1003 (भाग 1)-1977 लकड़ी के विलहेदार और चिकने किवाड़ों की विशिष्टि भाग 1 किवाड़ (दूसरा पुनरीक्षण)	IS: 1003 (भाग 1)-1966 लकड़ी के विलहेदार और चिकने किवाड़ों की विशिष्टि भाग 1 किवाड़े (पहला पुनरीक्षण)।	—
4	IS: 1315-1977 सूती तन्नों पर कते धागे का तैखिक घनत्व ज्ञात करने की पद्धति (पहला पुनरीक्षण)।	1 IS: 237-1975 सूती धागे का तम्बर घनत्व टेक्स में धागे की मोटाई ज्ञात करने की पद्धति, और 2 IS: 1315-1959 सूती धागे का सार्ध-भौम तम्बर ज्ञात करने की पद्धति।	—
5	IS: 1448 (पी: 22)-1977 पेट्रोलियम और इसके उत्पादों की परीक्षण पद्धतियां (पी: 22) सामान्य टेस्ट के साथ आस्फाल्टीन अवक्षेपण।	IS: 1448 (पी: 22)-1960 पेट्रोलियम और इसके उत्पादों की परीक्षण पद्धतियां (पी: 22) कठोर आस्फाल्ट ग्रंथ।	—
6	*IS: 1855-1977 वाइडिंग तथा खानों में मनुष्यों को जाने ले जाने वाली लिफ्टों के लिए लड़वार इस्पान के तार की रस्सियों की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)।	IS: 1855-1961 खानों में वाइडिंग के लिए प्रयुक्त इस्पान तार की रस्सियों की विशिष्टि।	*1977-12-31 को निर्धारित भा मा संस्था की प्रमाणन मूहर योजना के उपयोग के लिए 1978-04-01 से IS: 2581-1977 लागू होगा।
7	IS: 1899-1977 ब्लो लेम्प की विशिष्टि (दूसरा पुनरीक्षण)।	IS: 1899-1965 ब्लो लेम्प की विशिष्टि (पुनरीक्षित)।	—

(1)	(2)	(3)	(4)
8 *IS : 2581-1977 जहाजरानी कार्यों के लिए गोल लड़ वाले जस्तेदार इस्पात के तार के रस्से (दूसरा पुनरीक्षण) ।	IS : 2581-1968 जहाजरानी कार्यों के लिए गोल लड़ वाले जस्तेदार इस्पात के तार के रस्से (पहला पुनरीक्षण) ।	*भा मा संस्था की प्रमाणन मुहर योजना के उपयोग के लिए 1978-04-01 से IS : 2581-1977 लागू होगा ।	
9 IS : 2686-1977 चुना कंक्रीट में उपयोग के लिए सिंहर पृज की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण) ।	IS : 2686-1964 चुना कंक्रीट में उपयोग के लिए सिंहर पृज की विशिष्टि ।	---	
10 *IS : 2870-1977 पृष्ठवाही दाबधारी सम्पीडन कुहरों के लिए चार्ज पम्प (पहला पुनरीक्षण) ।	IS : 2870-1964 पृष्ठवाही दाबधारी कुहरों के लिए चार्ज पम्प ।	*1977-10-31 को भा मा संस्था की प्रमाणन मुहर योजना के उपयोग के लिए 1978-04-15 से IS : 2870-1977 लागू होगा ।	
11 IS : 3747 (भाग 7/अनुभाग 1)-1977 पोर्सलीम की ट्रांसफार्मर बुशबन्धियों के माप भाग 7 123 किवा बुशबन्दी अनुभाग 1 पोर्सलीन हिस्से ।	---	---	
12 IS : 3400 (भाग 10)-1977 वल्कनीकृत रबड़ की परीक्षण पद्धति, भाग 10 अक्षर प्रतिबल पर सम्पीडन द्वारा जमाया (पहला पुनरीक्षण) ।	IS : 3400 (भाग 10)-1969 वल्कनीकृत रबड़ की परीक्षण पद्धति भाग 10 अक्षर प्रतिबल पर सम्पीडन द्वारा जमाया ।	---	
13 IS : 3688-1977 शाफ्ट सिंगों के माप (पहला पुनरीक्षण) ।	IS : 3688-1966 शाफ्ट सिंगों के माप	---	
14 IS : 4521-1977 तेल कूपों और तेल कूपों में ड्रिलिंग में प्रयुक्त तार के रस्सों की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण) ।	IS : 4521-1968 तेल कूपों और तेल कूपों में ड्रिलिंग में प्रयुक्त तार के रस्सों की विशिष्टि	---	
15 4660-1977 शक्ति चालित औद्योगिक ट्रक सम्बन्धित शब्दावली (दूसरा पुनरीक्षण) ।	IS : 4660-1968 शक्ति चालित और बिना शक्ति चालित ट्रक सम्बन्धी शब्दावली ।	---	
16 IS : 4800 (भाग 10)-1977 इन्तैमल चड़े गोल वाईडिंग तारों की विशिष्टि भाग 10 स्वतन्त्रक तार ।	---	---	
17 IS : 5116-1977 द्रवित पेट्रोलियम गैसों के साथ काम में आने वाले घरेलू और व्यापारी उपस्कर सम्बन्धी सामान्य अपेक्षाएं (पहला पुनरीक्षण) ।	IS : 5116-1969 द्रवित पेट्रोलियम गैसों के साथ काम में आने वाले घरेलू और व्यापारिक उपस्कर सम्बन्धी सामान्य अपेक्षाएं ।	---	
18 IS : 5134-1977 बिट्यूमेन मिश्राण कागज की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण) ।	IS : 5134-1969 बिट्यूमेन मिश्राण कागज और गले की विशिष्टि ।	---	
19 IS : 5290-1977 सैडिंग बाल्क (सूमिगत हाइड्रेंट) की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण) ।	IS : 5290-1969 सैडिंग बाल्क (सूमिगत) हाइड्रेंट की विशिष्टि ।	1977-10-31 को निर्धारित ।	
20 IS : 5701 (भाग 12)-1977 प्रयोगशाला जीवों के प्रजनन, देखभाल, प्रबन्ध और आवास सम्बन्धी संहिता भाग 12 प्रयोगशाला के लिए मेंबक ।	---	---	
21 IS : 5852-1977 जूतों के लिए इस्पात की सुरक्षा टो कैंप की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण) ।	IS : 5852-1970 जूतों के लिए इस्पात की सुरक्षा टो कैंप की विशिष्टि ।	1977-12-31 को निर्धारित । *भा मा संस्था प्रमाणन मुहर योजना के उपयोग के लिए 78-04-01 से IS : 5852-1977 लागू होगा ।	
22 IS : 7741 (भाग 4)-1977 लाउडस्पीकरों की विशिष्टि भाग 4 सामुदायिक रेडियो के लिए लाउडस्पीकर ।	IS : 1034-1957 सामुदायिक रेडियो के लिए लाउडस्पीकर नमूना ।	---	
23 IS : 8426 (भाग 1)-1977 सूक्ष्म तरंग प्राकृतियों पर प्रयोग के लिए पूर्ण चुम्बकीय सामग्रियों के गुणधर्म मापने की पद्धति भाग 1 चुम्बकीकरण ।	---	---	
24 IS : 8468-1977 कार्यरत स्थिति में टोटी परिवर्तकों की उपयोग संदर्शिका ।	---	---	
25 IS : 8478-1977 कार्यरत स्थिति में टोटी परिवर्तकों के अनुपयोग की संदर्शिका ।	---	---	
26 IS : 8508-1977 लोहा और इस्पात एलुमिनोकरण की गर्म डुबाऊ रीति की सिफारिश ।	---	---	
27 IS : 8527-1977 दलत निकालने की चिमटी की विशिष्टि	---	---	

1	2	3	4
28	IS : 8528-1977 दोहरी खोबनुमा ग्रामों के शंतों का बैड बनाने के प्लान की विशिष्टि ।	---	---
29	IS : 8530-1977 अधिकतम मांग सूचकों वर्ग 1 की विशिष्टि ।	---	---
30	IS : 8533-1977 पर्यटनरोहण के लिए सामान्य उपयोग वाले कैगवाइटर की विशिष्टि ।	---	---
31	IS : 8534 (भाग 1)-1977 खोदने के टब कर्पणियों की विशिष्टि भाग 1 सामान्य अपेक्षाएं ।	---	---
32	IS : 8534 (भाग 2)-1977 खोदने के टब कर्पणियों की विशिष्टि भाग 2 ब्रुक और डी-ग्रास किस्म के ।	---	---
33	IS : 8534 (भाग 4)-1977 खोदने के टब कर्पणियों की विशिष्टि भाग 4 सरकफ-वा पाश किस्म के ।	---	---
34	IS : 8546-1977 केवल पिकर्स बनाने में प्रयुक्त चमड़े या कच्ची खाल सम्बन्धी अपेक्षाएं ।	---	---
35	IS : 8547-1977 स्वबल करवों के लिए एकहरे बक्स पिकर की आकृति और माप सम्बन्धी सिफारिशें ।	---	---
36	IS : 8562-1977 क्रोम अयस्क की बानगी लेने की विधि ।	---	---
37	IS : 8575 (भाग 2)-1977 चौकी पर बने खुले पक्षों वाले पूर्ण ढाँचे सहित सीरीज़ 1 के माल कन्टेनर भाग 2 परीक्षण ।	---	---
38	IS : 8578-1977 चक्कियों (पत्तार,इजरो) सम्बन्धी ग्राहक आंकड़ा-प्रपत्र ।	---	---
39	IS : 8580-1977 कम्पन स्कीम सम्बन्धी विक्रेता आंकड़ा प्रपत्र ।	---	---
40	IS : 8582-1977 डोलचीनुम, अपकेन्डित सम्बन्धी विक्रेता आंकड़ा प्रपत्र ।	---	---
41	IS : 8583-1977 बेक नमूने के डाइलेटर की विशिष्टि	---	---
42	IS : 8584-1977 बैबकाफ नमूने के पर्युर्वर्षी कोसेप्स की विशिष्टि ।	---	---
43	IS : 8585-1977 ग्रासनली बूजी की विशिष्टि	---	---
44	IS : 8586-1977 पूल नमूने की छूषण नली की विशिष्टि	---	---
45	IS : 8588 (भाग 1)-1977 तापस्थापी द्विधातुओं की विशिष्टि भाग 1 सामान्य अपेक्षाएं और परीक्षण पद्धतियां	---	---
46	IS : 8589 (भाग 1)-1977 वायुयान पैलेट पर माल कसने के लिए काबला समुच्चय भाग 1 सामान्य अपेक्षाएं ।	---	---
47	IS : 8590-1977 विद्युतलेपन के लिए इण्डियम सल्फेट की विशिष्टि ।	---	---
48	IS : 8591-1977 कोकम बसा की विशिष्टि	---	---
49	IS : 8594-1977 चिकित्सा गोलों की विशिष्टि	---	---
50	IS : 8595-1977 अचल भाप बॉइलरों के पैरामीटर सम्बन्धी शब्दावली ।	---	---
51	IS : 8596-1977 अचल भाप बॉइलरों के सिफारिशो पैरामीटर ।	---	---
52	IS : 8599-1977 ऐन्रन कनवेयरों की चयन सिफारिशें	---	---
53	IS : 8600-1977 तम्बाकू की बानगी लेने की पद्धति	---	---

1	2	3	4
54.	IS : 8601-1977 चर्मकर्म उद्योग के लिए हथकड़ी (सावुन और पिसी) की विशिष्टि ।	—	—
55.	IS : 8604-1977 तुड़ाई के बाद अयस्क लोह छरों की संस्पीकन सामर्थ्य जात करने की पद्धति ।	—	—
56.	IS : 8614-1977 स्वतः बिलगायी 7/24 टेपर वाले मिलिंग ग्राबर् की विशिष्टि ।	—	—

इन भारतीय मानकों की प्रतियाँ, भारतीय मानक संस्था, मानक भवन, 9-बहादुरशाह जफर मार्ग, नई दिल्ली-110002 और इसके शाखा कार्यालय अहमदाबाद, बंगलौर, बम्बई, भुवनेश्वर, कलकत्ता, चण्डीगढ़, हैदराबाद, जयपुर, कानपुर, मद्रास, पटना और त्रिवेन्द्रम से प्राप्त की जा सकती हैं ।

[सं० सी०एम०सी०/13:2]

(Deptt. of Civil Supplies)

INDIAN STANDARDS INSTITUTION

New Delhi, the 1980-07-11

**S. O. 2116.**—In pursuance of sub-rule (2) of Rule 3 and Sub-regulations (2) and (3) of regulation 3 of Indian Standards Institution (Certification Marks) Rules and Regulations, 1955, the Indian Standards Institution hereby notifies that the Indian Standard(s), particulars of which are given in the Schedule here to annexed, have been established on 1978-01-31:

## SCHEDULE

Sl. No.	No. and Title of the Indian Standards Established	No. and Title of the Indian Standard or Standards, if any, superseded by the new Indian Standard	Remarks, if any
(1)	(2)	(3)	(4)
1.	IS : 367—1977 Specification for electric kettles and jugs for household and similar use (Second Revision)	(i) IS : 367—1965 Specification for electric kettles (revised) & (ii) IS : 3482—1966 Specification for electric saucepans	Established on 1977-12-31
2.	*IS : 368—1977 Specification for electric immersion water heaters (Second Revision)	IS : 368—1963 Specification for electric immersion water heaters (revised)	Established on 1977-10-31 *For purposes of ISI Certification Marks Scheme; IS : 368-1977 shall come into force w.e.f. 1978-03-01
3.	IS : 1003 (Part I) 1977 Specification for timber panelled and glazed shutters Part I Door shutters (Second Revision)	IS : 1003 (Part I)—1966 Specification for timber panelled and glazed shutters Part I door shutters (First Revision)	—
4.	IS : 1315—1977 Method for determination of linear density of yarns spun on cotton system (First revision)	(i) IS : 237—1951 Method for determination of cotton yarn count (or yarn melidity in tex) and (ii) IS : 1315—1959 Method for determination of universal count of cotton yarn	—
5.	IS : 1448 (P : 22)—1977 Methods of test for petroleum and its products (P : 22) Asphaltenes precipitation with normal heptane (First Revision)	IS : 1448 (P : 22)—1960 Methods of test for petroleum and its products P : 22 Hard asphalt content	—
6.	*IS : 1855—1977 Specification for stranded steel wire ropes for winding and man-riding haulages in mines (First Revision)	IS : 1855—1961 Specification for steel wire ropes for winding purposes in mines.	Established on 1977-12-31 *For purposes of ISI Certification Marks Scheme; IS : 1855—1977 shall come into force w.e.f. 1978-04-01
7.	IS : 1899—1977 Specification for blow lamps (Second Revision)	IS : 1899—1965 Specification for blow lamps (revised)	—

(1)	(2)	(3)	(4)
8. *IS : 2581—1977 Specification for round strand galvanized steel wire ropes for shipping purposes (Second revision)	IS : 2581—1968 Specification for round strand galvanized steel wire ropes for shipping purposes (First revision)	—	*For purposes of ISI Certification Marks Scheme; IS : 2581—1977 shall come into force w.e.f. 1978-04-01
9. IS : 2686—1977 Specification for cinder aggregates for use in lime concrete (First revision)	IS : 2686—1964 Specification for cinder aggregates for use in lime concrete	—	—
10. *IS : 2870—1977 Specification for charge pump for pressure retaining type compression knapsack sprayer (First revision)	IS : 2870—1964 Specification for charge pump for pressure retaining knapsack sprayer	Established on 1977-10-31	*For purposes of ISI Certification Marks Scheme; IS : 2870—1977 shall come into force w.e.f. 1978-04-15
11. IS : 3347 (Pt VII/Sec I)—1977 Dimensions for porcelain transformer busings Part VII 123 kV bushings Section I porcelain parts	—	—	—
12. IS : 3400 (Part X)—1977 Methods of test for vulcanized rubbers Part X compression set at constant strain (First Revision)	IS : 3400 (Part X)—1969 Methods of test for vulcanized rubbers Part X compression set at constant strain	—	—
13. IS : 3688—1977 Dimensions for shaft ends (First revision)	IS : 3688—1966 Dimensions for shaft ends	—	—
14. IS : 4521—1977 Specification for wire ropes used in oil wells and oil well drilling (First Revision)	IS : 4521—1968 Specification for wire ropes used in oil wells and oil well drilling	—	—
15. IS : 4660—1977 Glossary of terms relating to powered industrial trucks (Second Revision)	IS : 4660—1968 Glossary of terms on powered and non-powered trucks	—	—
16. IS : 4800 (Part X)—1977 Specification for enamelled round winding wires Part X self bonding wires	—	—	—
17. IS : 5116—1977 General requirements for domestic and commercial equipment for use with LPG (First Revision)	IS : 5116—1969 General requirements for domestic and commercial equipment for use with LPG	—	—
18. IS : 5134—1977 Specification for bitumen impregnated paper (First Revision)	IS : 5134—1969 Specification for bitumen impregnated paper and board	—	—
19. IS : 5290—1977 Specification for landing valves (internal hydrant) (First Revision)	IS : 5290—1969 Specification for landing valves (internal hydrant)	Established on 1977-10-31	—
20. IS : 5701 (Part VII)—1977 Code for breeding, care, management and housing of laboratory animals Part VII laboratory frogs	—	—	—
21. *IS : 5852—1977 Specification for protective steel toe caps for footwear (First Revision)	IS : 5852—1970 Specification for protective steel toe caps for footwear	Established on 1977-12-31	*For purposes of ISI Certification Marks Scheme; IS : 5852—1977 shall come into force w.e.f. 1978-04-01
22. IS : 7741 (Part IV)—1977 Specification for loudspeakers Part IV loudspeakers for community radio receivers	IS : 1034—1957 Specification for loudspeaker systems community radio receivers	—	—
23. IS : 8426 (Part I)—1977 Methods for measurements for properties of gyromagnetic materials for use at microwave frequencies Part I magnetization	—	—	—
24. IS : 8468—1977 Specification for on-load tap-changers	—	—	—
25. IS : 8478—1977 Application guide for on-load tap-changers	—	—	—

(1)	(2)	(3)	(4)
26.	IS : 8508—1977 Recommended practice for hot-dip aluminizing of iron and steel	—	—
27.	IS : 8527—1977 Specification for tweezers, extraction, dental	—	—
28.	IS : 8528—1977 Specification for pliers, anterior band forming, double beak, dental	—	—
29.	IS : 8530—1977 Specification for maximum demand indicators, Class I	—	—
30.	IS : 8533—1977 Specification for general purpose carabiners for mountaineering	—	—
31.	IS : 8534 (Part I)—1977 Specification for mine tub couplings Part I General requirements	—	—
32.	IS : 8534 (Part II)—1977 Specification for mine tub couplings Part II hook and d—shackle type	—	—
33.	IS : 8534 (Part VI)—1977 Specification for mine tub couplings Part IV bow shackle type	—	—
34.	IS : 8546—1977 Requirements for leather or raw-hide exclusively used in the manufacture of pickers	—	—
35.	IS : 8547—1977 Recommendations on shape and dimensions of single box picker for automatic looms	—	—
36.	IS : 8562—1977 Methods of sampling chrome ore	—	—
37.	IS : 8575 (Part II)—1977 Specification for series I freight containers, platform-based, open-sided with complete superstructure Part II testing	—	—
38.	IS : 8587—1977 Purchaser's data sheet for pulverizers	—	—
39.	IS : 8580—1977 Supplier's data sheet for vibrating screens	—	—
40.	IS : 8582—1977 Supplier's data sheet for basket type centrifuges	—	—
41.	IS : 8583—1977 Specification for dilators, Bake's pattern	—	—
42.	IS : 8584—1977 Specification for forceps, peritoneum, Babcock's pattern	—	—
43.	IS : 8585—1977 Specification for bougie, oesophageal	—	—
44.	IS : 8586—1977 Specification for suction tube, poole's pattern	—	—
45.	IS : 8588 (Part I)—1977 Specification for thermostatic bimetals Part I general requirements and methods of tests	—	—
46.	IS : 8589 (Part I)—1977 Specification for net-assembly to secure cargo on aircraft pallets Part I general requirements	—	—
47.	IS : 8590—1977 Specification for indium sulphate for electroplating	—	—
48.	IS : 8591—1977 Specification for kokum fat	—	—

(1)	(2)	(3)	(4)
49. IS : 8594—1977 Specification for ball, medicine	—	—	—
50. IS : 8595—1977 Terminology for parameters of stationary steam boilers	—	—	—
51. 8596—1977 Recommended parameters of stationary steam boilers	—	—	—
52. IS : 8599—1977 Recommendations for selection of apron conveyers	—	—	—
53. IS : 8600—1977 Method for sampling of tobacco	—	—	—
54. IS : 8601—1977 Specification for myrobalan nuts (whole and crushed) for tanning industry	—	—	—
55. IS : 8604—1977 Method for determination of compression strength of iron ore pellets after reduction	—	—	—
56. IS : 8614—1977 Specification for milling arbors with self-release 7/24 taper	—	—	—

Copies of these Indian Standards are available for sale with the Indian Standards Institution, Manak Bhavan, 9 Bahadur Shah Zafar Marg, New Delhi-110002 and also from its branch offices at Ahmedabad, Bangalore, Bombay, Bhubaneswar, Calcutta, Chandigarh, Hyderabad, Jaipur, Kanpur, Madras, Patna and Trivandrum.

[No. CMD/13 : 2]

क्र० आ० 2117.—समय समय पर संशोधित भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन बिन्हु) विनियम 1955 के विनियम 8 में उपविनियम (1) के अनुसार भारतीय मानक संस्था द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि जिन 311 लाइसेंसों के ध्योरे नीचे अनुसूची में दिए गए हैं, उनका फरवरी 1980 में नवीकरण किया गया है :

#### अनुसूची

क्रम संख्या	सीएम/एल संख्या	वैध	भारतीय मानक विनिर्दिष्ट की पत्र संख्या
		से	तक
(1)	(2)	(3)	(4)
1.	20	79-10-16	80-10-15 IS : 296-1976
2.	52	80-02-01	81-01-31 IS : 10 (भाग 2)-1976
3.	101	80-01-01	80-12-31 IS : 10 (भाग 2)-1976
4.	105	80-02-16	81-02-15 IS : 10 (भाग 2)-1976
5.	131	80-01-16	81-01-15 IS : 561-1972
6.	212	79-09-01	80-08-31 IS : 10 (भाग 3)-1976
7.	224	80-03-01	81-02-28 IS : 10 (भाग II)-1976
8.	241	80-0-01	81-01-31 IS : 562-1972
9.	251	80-01-01	80-12-31 IS : 1221-1971
10.	369	80-01-01	80-12-31 IS : 916-1975
11.	489	80-01-16	81-01-15 IS : 325-1970
12.	490	80-01-16	81-01-15 IS : 966-1964
13.	529	79-11-16	80-11-15 IS : 774-1971
14.	544	80-01-01	80-12-31 IS : 434 भाग 1 और 2)-1964
15.	553	80-01-01	80-12-31 IS : 694-1977
16.	559	80-01-01	80-12-31 IS : 694-1977
17.	629	80-01-01	80-12-31 IS : 1855-1977 तथा IS : 1856-1977

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
18.	698	80-01-16	81-01-15	IS : 774-1971
19.	793	79-10-01	80-09-30	IS : 226-1975
20.	834	80-02-01	81-01-31	IS : 398 (भाग 2) 1976
21.	1090	80-03-01	81-02-28	IS : 226-1975
22.	1091	80-03-01	81-02-28	IS : 1977-1975
23.	1109	80-02-01	81-01-31	IS : 280-1978
24.	1149	79-12-16	80-12-15	IS : 694-1977
25.	1152	80-02-01	31-01-31	IS : 2865-1964
26.	1162	80-01-01	80-12-31	IS : 398 (भाग 1 और 2)-1976
27.	1176	80-01-01	80-12-31	IS : 1536-1976
28.	1231	80-02-01	81-01-31	IS : 3975-1966
29.	1237	79-12-16	80-12-15	IS : 692-1973
30.	1274	79-10-16	80-10-15	IS : 1851-1975
31.	1380	80-01-01	80-12-31	IS : 1596-1977
32.	1433	79-12-16	80-12-15	IS : 1596-1970
33.	1487	80-02-01	81-01-31	IS : 916-1975
34.	1505	80-01-01	80-12-31	IS : 398 (भाग 2)-1976
35.	1512	80-02-01	81-01-31	IS : 564-1975
36.	1576	79-12-01	80-11-30	IS : 10 (भाग 3)-1974
37.	1659	80-01-16	81-01-15	IS : 633-1975
38.	1758	80-01-01	80-12-31	IS : 3623-1966
39.	1759	80-01-01	80-12-31	IS : 3975-1967
40.	1762	80-01-01	80-12-31	IS : 2266-1977
				IS : 2365-1977
				IS : 2581-1968



(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
41.	1827	80-01-01	80-12-31	IS : 2465-1969	89.	3604	80-01-01	80-12-31	IS : 1785 (भाग 1)- 1966
42.	1882	80-01-01	80-12-31	IS : 3196-1974					IS : 1785 (भाग 2)- 1967
43.	1895	80-02-01	81-01-31	IS : 245-1970	90.	3622	79-12-16	80-12-15	IS : 6914-1978
44.	2017	80-01-01	80-12-31	IS : 2326-1970	91.	3623	79-12-16	80-12-15	IS : 6915-1978
45.	2097	79-12-16	80-12-15	IS : 398-1976	92.	3627	79-12-16	80-12-15	IS : 5455-1969
46.	2109	80-01-16	80-01-15	IS : 561-1972	93.	3628	80-01-01	80-12-31	IS : 6003-1970
47.	2124	80-01-01	80-12-31	IS : 10 (भाग 4)-1976	94.	3643	80-01-01	80-12-31	IS : 2148-1968
48.	2155	79-10-16	80-10-15	IS : 10 (भाग 3)-1974	95.	3647	80-01-01	80-12-31	IS : 2148-1968
49.	2175	80-01-01	80-12-31	IS : 694-1977	96.	3653	80-01-01	80-12-31	IS : 2925-1975
50.	2194	79-12-15	80-12-15	IS : 10 (भाग 4)-1976	97.	3661	80-01-16	81-01-15	IS : 398 (भाग 1 और 2)-1976
51.	2238	80-02-01	81-01-31	IS : 1855-1977 और 1856-1977	98.	3662	80-01-16	81-01-15	IS : 561-1978
52.	2239	80-02-01	81-01-31	IS : 2266-1970	99.	3663	80-01-16	81-01-15	IS : 562-1972
53.	2377	80-02-16	81-02-15	IS : 10 (भाग 5)-1976	100.	3683	79-11-16	80-11-15	IS : 226-1975
54.	2395	79-12-01	80-11-30	IS : 774-1971	101.	3684	79-11-16	80-11-15	IS : 1977-1975
55.	2439	80-01-16	81-01-15	IS : 564-1975	102.	3696	80-02-01	81-01-31	IS : 398-1961
56.	2441	80-01-16	81-01-15	IS : 633-1975	103.	3702	80-02-01	81-01-01	IS : 6003-1970
57.	2484	80-01-16	81-01-15	IS : 2567-1978	104.	3703	80-02-16	81-01-31	IS : 1785 (भाग 1 और 2)-1967
58.	2513	79-12-16	80-12-15	IS : 1554 (भाग 1)- 1976	105.	3705	80-02-16	81-02-15	IS : 2148-1968
59.	2536	80-02-01	81-01-31	IS : 1786-1966	106.	3708	80-02-16	81-02-15	IS : 325-1970
60.	2544	80-01-01	80-12-31	IS : 691-1966	107.	3714	79-02-16	80-02-15	IS : 226-1975
61.	2583	79-12-16	80-12-15	IS : 325-1970	108.	3717	80-02-16	81-02-15	IS : 325-1978
62.	2626	79-09-16	80-09-15	IS : 2266-1977	109.	3730	80-03-01	81-02-20	IS : 398 (भाग 1 और 2)-1976
63.	2658	79-10-01	80-09-30	IS : 434 (भाग 1 और 2)-1964	110.	3790	80-02-01	81-01-31	IS : 5281-1969
64.	2711	80-02-01	81-01-31	IS : 325-1978	111.	3832	79-02-01	80-01-31	IS : 565-1975
65.	2805	80-01-01	80-12-31	IS : 398 (भाग 1 तथा 2)-1976	112.	3893	80-02-01	81-01-31	IS : 1703-1977
66.	2880	79-12-16	88-12-15	IS : 226-1977	113.	3901	80-02-01	81-01-31	IS : 1011-1968
67.	2835	80-01-01	80-12-31	IS : 269-1976	114.	4006	80-01-01	80-12-31	IS : 2509-1973
68.	2838	79-12-16	80-12-15	IS : 1786-1966	115.	4032	80-02-01	81-01-31	IS : 2548-1967
69.	2878	80-02-01	81-01-31	IS : 2512-1963	116.	4041	79-11-16	80-11-15	IS : 6914-1978
70.	2888	80-02-01	81-12-31	IS : 1786-1966	117.	4042	79-11-16	80-11-15	IS : 6915-1978
71.	2903	80-01-01	80-01-31	IS : 774-1971	118.	4076	79-12-01	80-11-30	IS : 1554 (भाग 1)- 1976
72.	2912	80-01-16	81-01-15	IS : 366-1965	119.	4096	80-01-01	80-12-31	IS : 3224-1974
73.	2921	80-02-16	81-02-15	IS : 398 (भाग 1 और 2)-1976	120.	4106	80-01-01	80-12-31	IS : 2373-1973
74.	2922	80-02-16	81-02-15	IS : 694 (भाग 1 और 2) -1964	121.	4108	80-01-01	80-12-31	IS : 4246-1972
75.	2938	80-03-01	81-02-20	IS : 1786-1966	122.	4109	80-01-01	80-12-31	IS : 2141-1968
76.	2986	80-02-16	81-02-15	IS : 1554 (भाग 1)- 1964	123.	4112	80-01-01	80-12-31	IS : 1239-(भाग 1) 1979
77.	3039	79-10-16	80-10-15	IS : 398 (भाग 1 और 2)-1976	124.	4113	80-01-01	80-12-31	IS : 1703-1977
78.	3065	79-11-16	80-11-15	IS : 458-1971	125.	4150	80-01-16	81-01-15	IS : 398-1961
79.	3091	80-02-01	81-01-31	IS : 561-1972	126.	4152	80-02-01	81-01-31	IS : 4246-1972
80.	3183	79-09-16	80-09-15	IS : 226-1975	127.	4157	80-02-01	81-01-31	IS : 7121-1973
81.	3184	79-09-16	80-09-15	IS : 1977-1975	128.	4158	80-02-01	81-01-31	IS : 7122-1973
82.	3188	80-02-16	81-02-15	IS : 6599-1972	129.	4160	80-02-01	81-01-31	IS : 5679-1970
83.	3242	80-03-01	81-02-28	IS : 335-1972	130.	4179	80-02-01	81-01-31	IS : 1875-1971
84.	3248	79-12-16	80-12-15	IS : 398 (भाग 1 और 2)-1976	131.	4186	80-02-01	81-01-31	IS : 5346-1975
85.	3319	80-02-01	81-01-31	IS : 1011-1968	132.	4187	80-02-01	81-01-31	IS : 10 (भाग 4)-1976
86.	3333	80-03-01	81-02-28	IS : 1726 (भाग 2) 1974	133.	4188	79-12-16	80-12-15	IS : 5950-1971
87.	3362	80-03-16	81-03-15	IS : 335-1972					
88.	3418	79-09-16	80-09-15	IS : 390 (भाग 2)- 1976					

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
134.	4109	80-02-01	81-01-31	IS : 5346-1975	183.	5618	79-11-01	80-10-31	IS : 8055-1976
135.	4194	80-02-01	81-01-31	IS : 2052-1975	184.	5640	79-12-01	80-11-30	IS : 325-1970
136.	4195	80-02-01	81-01-31	IS : 6747-1972	185.	5672	79-12-01	80-11-30	IS : 778-1971
137.	4306	79-10-16	80-10-15	IS : 10 (भाग 3)-1974	186.	5690	79-10-16	80-10-15	IS : 458-1971
138.	4358	80-02-01	81-01-31	IS : 561-1972	187.	5727	80-03-01	81-02-28	IS : 1538 (भाग 1 23)-1976
139.	4391	80-01-16	81-01-15	IS : 565-1975	188.	5728	80-01-01	80-12-31	IS : 2089-1972
140.	4477	80-01-16	81-01-15	IS : 325-1970	189.	5734	80-02-16	81-02-15	IS : 1875-1970
141.	4563	79-09-16	80-08-15	IS : 10 (भाग 4)-1976	190.	5740	79-12-16	80-12-15	IS : 7175-1974
142.	4591	79-12-16	80-12-15	IS : 1658-1966	191.	5741	79-12-16	80-12-15	IS : 5430-1969
143.	4699	79-10-01	80-09-30	IS : 1848-1971	192.	5752	80-02-16	81-02-15	IS : 564-1975
144.	4700	79-10-01	80-09-30	IS : 1848-1971	193.	5772	80-01-16	81-01-15	IS : 2415-1969
145.	4701	79-10-01	80-09-30	IS : 1848-1971	194.	5701	80-01-16	81-01-15	IS : 1977-1975
146.	4705	79-10-01	80-09-30	IS : 1048-1971	195.	5783	80-01-16	81-01-15	IS : 2567-1978
147.	4706	79-10-01	80-09-30	IS : 1848-1971	196.	5792	80-01-16	81-01-15	IS : 2140-1968
148.	4747	79-11-01	80-10-31	IS : 10 (भाग 3)-1974	197.	5810	80-01-16	81-01-15	IS : 2465-1969
149.	4777	80-02-01	01-01-31	IS : 4366 (भाग -1) 1972	198.	5818	80-01-01	80-12-31	IS : 3986 (भाग 1) 1974
150.	4815	79-12-01	80-11-30	IS : 335-1972	199.	5821	80-02-21	81-01-31	IS : 1601-1960
151.	4851	79-12-01	80-11-30	IS : 8054-1976	200.	5828	80-01-16	81-01-15	IS : 6595-1972
152.	4882	79-12-01	80-11-30	IS : 774-1974	201.	5831	80-02-01	81-01-31	IS : 7538-1975
153.	4894	79-12-16	80-12-15	IS : 1180-1964	202.	5841	80-02-01	81-01-31	IS : 7121-1973
154.	4997	80-03-01	81-02-28	IS : 561-1972	203.	5864	80-01-16	81-01-15	IS : 6914-1978
155.	4916	80-01-01	80-12-31	IS : 624-1975	204.	5874	80-02-01	81-01-31	IS : 1554 (भाग 1)- 1964
156.	4918	80-01-01	80-12-31	IS : 1283-1966	205.	5878	80-02-16	81-02-15	IS : 561-1972
157.	4939	80-01-16	81-01-15	IS : 564-1975	206.	5880	80-02-16	31-02-15	IS : 633-1975
158.	4955	80-01-16	81-01-15	IS : 325-1970 और IS : 1520-1970	207.	5884	80-02-01	81-01-31	IS : 1977-1975
159.	4963	80-03-16	81-03-15	IS : 5225-1969	208.	5890	80-02-16	81-02-15	IS : 4964 (भाग 2)- 1975
160.	4978	80-02-01	81-01-31	IS : 5515-1969	209.	5891	80-02-16	81-02-15	IS : 5430-1969
161.	4971	79-12-16	80-12-15	IS : 1026-1966	210.	5893	80-02-16	81-02-15	IS : 3903-1975
162.	4982	80-02-01	81-01-31	IS : 335-1972	211.	5896	80-02-16	81-02-15	IS : 4323-1967
163.	4996	80-02-16	81-02-15	IS : 5346-1975	212.	5897	80-02-16	81-02-15	IS : 4323-1967
164.	5002	80-02-16	81-02-15	IS : 2834-1964	213.	5899	80-02-03	81-01-31	IS : 226-1975
165.	5007	80-02-16	81-02-15	IS : 564-1975	214.	5905	80-02-16	81-02-16	IS : 1166-1973
166.	5018	80-02-01	81-01-31	IS : 325-1978	215.	5911	80-02-16	81-02-15	IS : 4366 (भाग 1) 1972
167.	5019	80-02-16	81-02-15	IS : 1165-1975	216.	5914	80-03-01	81-02-28	IS : 572-1972
168.	5020	80-02-16	81-02-15	IS : 561-1972	217.	5918	80-03-01	81-02-28	IS : 916-1975
169.	5058	80-01-16	81-01-15	IS : 814 (भाग 1 और 2)-1974	218.	5924	80-03-01	81-02-28	IS : 4246-1972
170.	5095	80-03-01	81-02-28	IS : 916-1975	219.	5956	79-12-16	80-12-15	IS : 2593-1964
171.	5108	80-02-01	81-01-31	IS : 325-1970	220.	5972	80-01-16	81-01-15	IS : 6595-1972 और IS : 7538-1975
172.	5181	79-10-16	80-10-15	IS : 774-1971	221.	5993	79-12-16	80-12-15	IS : 4288-1967
173.	5232	80-02-01	81-01-31	IS : 4808-1968	222.	6040	80-04-16	81-04-15	IS : 1601-1960
174.	5279	79-12-16	80-12-15	IS : 2148-1968	223.	6066	80-01-16	81-01-15	IS : 7538-1975
175.	5461	79-09-16	80-09-15	IS : 2509-1973	224.	6132	80-01-16	81-01-15	IS : 8028-1976
176.	5509	79-10-01	80-09-30	IS : 398 (भाग 2)- 1976	225.	6293	79-10-01	80-09-30	IS : 1026-1966
177.	5516	80-08-01	81-02-20	IS : 1601-1960	226.	6808	79-09-16	80-09-15	IS : 3623-1966
178.	5587	79-11-01	80-10-31	IS : 1536-1979	227.	6362	80-02-01	81-01-31	IS : 1251-1973
179.	5595	80-01-16	81-01-15	IS : 1507-1966	228.	6390	79-09-16	80-09-15	IS : 780-1969
180.	5601	79-11-01	80-10-31	IS : 7283-1970	229.	6422	79-12-16	80-12-15	IS : 459-1971
181.	5602	79-11-01	80-10-31	IS : 4432-1967	230.	6434	79-10-01	80-09-30	IS : 1239 (भाग 1)- 1979
182.	5617	79-11-01	80-10-31	IS : 8052-1976					

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
231	6452	79-10-16	80-10-15	IS : 325-1970	281	7341	79-11-16	80-11-15	IS : 1239-(भाग 1)-1979
232	6454	80-02-16	81-02-16	IS : 564-1975	282	7371	79-12-01	80-11-30	IS : 1239 (भाग 1)-1979
233	6458	79-10-16	80-10-15	IS : 4175-1967	283	7387	79-12-01	80-11-30	IS : 4558-1971
234	6464	80-02-16	81-02-15	IS : 226-1975	284	7411	79-12-16	80-12-15	IS : 10 (भाग 4)-1976
235	6476	79-11-01	80-10-31	IS : 1222-1973	285	7412	79-12-16	80-12-15	IS : 7452-1974
236	6482	79-11-01	80-10-31	IS : 6073-1971	286	7437	80-01-01	80-12-31	IS : 6914-1978
237	6537	79-12-01	80-11-30	IS : 2780-1969	287	7438	80-01-01	80-12-31	IS : 6915-1978
238	6543	79-12-01	80-11-30	IS : 2878-1978	288	7440	80-01-01	80-12-31	IS : 1786-1966
239	6550	80-02-01	81-01-31	IS : 8291-1976	289	7449	80-01-16	81-01-15	IS : 1061-1975
240	6576	80-01-01	80-12-31	IS : 1222-1975	290	7472	80-01-16	81-01-15	IS : 1601-1960
241	6597	80-01-01	80-12-31	IS : 3748-1966	291	7474	80-01-16	81-01-15	IS : 226-1975
242	6599	80-01-01	80-12-31	IS : 226-1975	292	7477	80-01-16	81-01-15	IS : 133-1965
243	6624	80-01-01	80-12-31	IS : 6595-1972 और IS : 7538-1975	293	7486	80-02-01	81-01-31	IS : 694-1977
244	6635	80-01-16	81-01-15	IS : 6595-1972	294	7487	80-02-01	81-01-31	IS : 694-1977
245	6642	80-01-16	81-01-15	IS : 1223 (भाग 2)-1972	295	7488	80-02-01	81-01-31	IS : 2834-1964
246	6646	80-01-16	81-01-15	IS : 6595-1972	296	7491	80-02-01	81-01-31	IS : 6595-1972
247	6647	80-01-16	80-01-15	IS : 1161-1979					IS : 7530-1975
248	6653	80-01-16	81-01-15	IS : 5281-1969	297	7492	80-02-01	81-01-31	IS : 398 (भाग 1 और 2)-1976
249	6661	80-01-16	81-01-15	IS : 226-1975	298	7496	80-02-01	81-01-31	IS : 694-1977
250	6671	80-02-01	81-01-31	IS : 10 (भाग 4)-1976	299	7498	80-02-01	81-01-31	IS : 633-1975
251	6673	80-02-01	81-01-31	IS : 1601-1960	300	7510	80-02-16	81-02-15	IS : 4965 (भाग 2)-1978
252	6674	80-02-01	81-01-31	IS : 3903-1976	301	7511	80-02-16	81-02-15	IS : 4965 (भाग 2)-1975
253	6681	79-09-16	80-09-15	IS : 3745-1976	302	7511	80-02-16	81-02-15	IS : 633-1975
254	6685	80-02-01	81-01-31	IS : 565-1976	303	7514	80-02-16	81-02-15	IS : 3196-1974
255	6696	80-02-03	81-01-31	IS : 3903-1975	304	7515	80-02-16	81-02-15	IS : 633-1975
256	6697	80-02-01	81-01-31	IS : 564-1975	305	7516	80-02-16	81-02-15	IS : 916-1975
257	6698	80-02-01	81-01-31	IS : 7122-1973	306	7520	80-02-16	80-11-15	IS : 4964 (भाग 2)-1975
258	6699	80-02-01	81-01-31	IS : 1308-1974	307	7522	80-02-16	81-02-15	IS : 814 (भाग 1 और 2)-1974
259	6700	80-02-01	81-01-31	IS : 1239-(भाग 1)-1973	308	7523	80-02-16	81-05-15	IS : 6439-1978
260	6718	80-02-01	81-01-31	IS : 3575-1977	309	7531	80-02-16	81-02-15	IS : 1891 (भाग 1)-1968
261	6723	80-02-16	81-02-15	IS : 694-1977	310	7565	80-03-01	81-02-28	IS : 1165-1975
262	6726	80-02-16	81-02-15	IS : 2358-1969	311	7572	80-03-01	81-02-28	IS : 1601-1960
263	6730	80-02-16	81-02-15	IS : 2208-1962	[ सं० सी० एम० डी०/13:12 ]				
264	6742	80-02-16	81-02-15	IS : 366-1965	S.O. 2117.--In pursuance of sub-regulation (1) of Regulation 8 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Regulations, 1955, as amended from time to time, the Indian Standards Institution, hereby, notifies that 311 licences, particulars of which are given in the following Schedule, have been renewed during the month of February, 1980.				
265	6759	80-02-16	81-02-15	IS : 1165-1975	SCHEDULE				
266	6761	80-02-16	81-02-15	IS : 325-1970	Sl. No.	CM/L No.	Valid From To	Indian Standard Specification No.	
267	6762	80-02-16	81-02-15	IS : 1161-1968	(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
268	6763	80-02-16	01-02-15	IS : 2567-1973	1.	20	79-10-16	80-10-15	IS : 296-1976
269	6811	80-03-16	81-03-15	IS : 1601-1960	2.	52	80-02-01	81-01-31	IS : 10 (Pt II)-1976
270	6815	80-03-01	71-02-28	IS : 633-1975	3.	101	80-01-01	80-12-31	IS : 10 (Pt II)-1976
271	7093	79-07-01	80-06-30	IS : 1398-1968	4.	105	80-02-16	81-02-15	IS : 10 (P-II)-1976
272	7211	79-09-16	80-09-30	IS : 280-1978					
273	7245	79-10-01	80-09-30	IS : 371-1966					
274	7252	79-10-01	80-10-31	IS : 325-1978					
275	7271	79-10-16	80-10-15	IS : 1785-(भाग 1) और 2)-1967					
276	7300	79-11-16	80-11-15	IS : 6914-1970					
277	7303	79-11-16	80-11-15	IS : 7577-1975					
278	7320	79-11-16	80-11-15	IS : 6914-1978					
279	7321	79-11-16	80-11-15	IS : 398 (भाग 1 और 2)-1976					
280	7335	79-11-16	80-11-15	IS : 7538-1975					

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
5.	131	80-01-16	81-01-15	IS: 561—1972	66.	2830	79-12-16	80-12-15	IS: 226—1977
6.	212	79-09-01	80-08-31	IS: 10 (Pt IV)—1976	67.	2835	80-01-01	80-12-31	IS: 269—1976
7.	224	80-03-01	81-02-28	IS: 10 (Pt II)—1976	68.	2838	79-12-16	80-12-15	IS: 1786—1966
8.	241	80-02-01	81-01-31	IS: 562—1972	69.	2878	80-02-01	81-01-31	IS: 2512—1963
9.	251	80-01-01	80-12-31	IS: 1221—1971	70.	2888	80-02-01	81-01-31	IS: 1786—1966
10.	369	80-01-01	80-12-31	IS: 916—1975	71.	2903	80-01-01	80-12-31	IS: 774—1971
11.	489	80-01-16	81-01-15	IS: 325—1970	72.	2912	80-01-16	81-01-15	IS: 366—1965
12.	490	80-01-16	81-01-15	IS: 966—1964	73.	2921	80-02-16	81-02-15	IS: 398—(Pts I & II)—1976
13.	529	79-11-16	80-11-15	IS: 774—1971	74.	2922	80-02-16	81-02-15	IS: 694 (Pts I & II)—1964
14.	544	80-01-01	81-12-31	IS: 434 (Pts I & II)—1964	75.	2938	80-03-01	81-02-28	IS: 1786—1966
15.	553	80-01-01	80-12-31	IS: 694—1977	76.	2986	80-02-16	81-02-15	IS: 1554 (Pt I)—1964
16.	559	80-01-01	80-12-31	IS: 694—1977	77.	3039	79-10-16	80-10-15	IS: 398 (Pts I & II)—1976
17.	629	80-01-01	80-12-31	IS: 1855—1977 & IS: 1856—1977	78.	3065	79-11-16	80-11-15	IS: 458—1971
18.	698	80-01-16	81-01-15	IS: 774—1971	79.	3091	80-02-01	81-01-31	IS: 561—1972
19.	793	79-10-01	80-09-30	IS: 226—1975	80.	3183	79-09-16	80-09-15	IS: 226—1975
20.	834	80-02-01	81-01-31	IS: 398 (Pt II)—1976	81.	3184	79-09-16	80-09-15	IS: 1977—1975
21.	1090	80-03-01	81-02-28	IS: 226—1975	82.	3188	80-02-16	81-02-15	IS: 6599—1972
22.	1091	80-03-01	81-02-28	IS: 1977—1975	83.	3242	80-03-01	81-02-28	IS: 335—1972
23.	1109	80-02-01	81-01-31	IS: 280—1978	84.	3248	79-12-16	80-12-15	IS: 398 (Pts I & II)—1976
24.	1149	79-12-16	80-12-15	IS: 694—1977	85.	3319	80-02-01	81-01-31	IS: 1011—1968
25.	1152	80-02-01	80-01-31	IS: 2865—1964	86.	3333	80-03-01	81-02-28	IS: 1726—(Pt II)—1974
26.	1162	80-01-01	80-12-31	IS: 398 (Pts I & II)—1976	87.	3362	80-03-16	81-03-15	IS: 335—1972
27.	1176	80-01-01	80-12-31	IS: 1536—1976	88.	3418	79-09-16	80-09-15	IS: 398 (Pt II)—1976
28.	1231	80-02-01	80-01-31	IS: 3975—1966	89.	3604	80-01-01	80-12-31	IS: 1785 (Pt I)—1966 IS: 1785 (Pt II)—1967
29.	1237	79-12-16	80-12-15	IS: 692—1973	90.	3622	79-12-16	80-12-15	IS: 6914—1978
30.	1274	79-10-16	80-10-15	IS: 1851—1975	91.	3623	79-12-16	80-12-15	IS: 6915—1978
31.	1380	80-01-01	80-12-31	IS: 1596—1977	92.	3627	79-12-16	80-12-15	IS: 5455—1969
32.	1433	79-12-16	80-12-15	IS: 1596—1970	93.	3628	80-01-01	80-12-31	IS: 6003—1970
33.	1487	80-02-01	81-01-31	IS: 916—1975	94.	3643	80-01-01	80-12-31	IS: 2148—1968
34.	1505	80-10-01	80-12-15	IS: 398—(Pt II)—1976	95.	3647	80-01-01	80-12-31	IS: 2148—1968
35.	1512	80-02-01	80-01-31	IS: 564—1975	96.	3653	80-01-01	80-12-31	IS: 2925—1975
36.	1576	79-12-01	80-11-30	IS: 10 (Pt III)—1974	97.	3661	80-01-16	80-01-15	IS: 398 (Pts I & II)—1976
37.	1659	80-01-16	80-01-15	IS: 633—1975	98.	3662	80-01-16	80-01-15	IS: 561—1978
38.	1758	80-01-01	80-12-31	IS: 3623—1966	99.	3663	80-01-16	80-01-15	IS: 562—1972
39.	1759	80-01-01	80-12-31	IS: 3975—1967	100.	3683	79-11-16	80-11-15	IS: 226—1975
40.	1762	80-01-01	80-12-31	IS: 2266—1977 IS: 2365—1977 IS: 2581—1968	101.	3684	79-11-16	80-11-15	IS: 1977—1975
41.	1827	80-01-01	80-12-31	IS: 2465—1969	102.	3696	80-02-01	81-01-31	IS: 398—1961
42.	1882	80-01-01	80-12-31	IS: 3196—1974	103.	3702	80-02-01	81-01-01	IS: 6003—1970
43.	1995	80-02-01	81-01-31	IS: 245—1970	104.	3703	80-02-01	81-01-31	IS: 1785 (Pts I & II)—1967
44.	2017	80-01-01	80-12-31	IS: 2326—1970	105.	3705	80-02-16	81-02-15	IS: 2148—1968
45.	2097	79-12-16	80-12-15	IS: 398—1976	106.	3708	80-02-16	81-02-15	IS: 325—1970
46.	2109	80-01-16	80-01-15	IS: 561—1972	107.	3714	79-02-16	80-02-15	IS: 226—1975
47.	2124	80-01-01	80-12-31	IS: 10 (Pt IV)—1976	108.	3717	80-02-16	81-02-15	IS: 325—1978
48.	2155	79-10-16	80-10-15	IS: 10 (Pt III)—1974	109.	3730	80-03-01	81-02-28	IS: 398 (Pts I & II)—1976
49.	2175	80-01-01	80-12-31	IS: 694—1977	110.	3790	80-02-01	81-01-31	IS: 5281—1969
50.	2194	79-12-15	80-12-15	IS: 10 (Pt IV)—1976	111.	3832	79-02-01	80-01-31	IS: 565—1975
51.	2238	80-02-01	80-01-31	IS: 1855—1977 & 1856—1977	112.	3893	80-02-01	81-01-31	IS: 1703—1977
52.	2239	80-02-01	81-01-31	IS: 2266—1970	113.	3901	80-02-01	81-01-31	IS: 1011—1968
53.	2377	80-02-16	81-02-15	IS: 10 (Pt V)—1976	114.	4006	80-01-01	80-12-31	IS: 2509—1973
54.	2395	79-12-01	80-11-30	IS: 774—1971	115.	4032	80-02-01	81-01-31	IS: 2548—1967
55.	2439	80-01-16	80-01-15	IS: 564—1975	116.	4041	79-11-16	80-11-15	IS: 6914—1978
56.	2441	80-01-16	81-01-15	IS: 663—1975	117.	4042	79-11-16	80-11-15	IS: 6915—1978
57.	2484	80-01-16	80-01-15	IS: 2567—1968	118.	4076	79-12-01	80-11-30	IS: 1554 (Pt I)—1976
58.	2513	79-12-16	80-12-15	IS: 1554 (Pt I)—1976	119.	4096	80-01-01	80-12-31	IS: 3224—1974
59.	2536	80-02-01	81-01-31	IS: 1786—1966	120.	4106	80-01-01	80-12-31	IS: 2373—1973
60.	2544	80-01-01	80-12-31	IS: 691—1966	121.	4108	80-01-01	80-12-31	IS: 4246—1972
61.	2583	79-12-16	80-12-15	IS: 325—1970	122.	4109	80-01-01	80-12-31	IS: 2141—1968
62.	2626	79-09-16	80-09-15	IS: 2266—1977	123.	4112	80-01-01	80-12-31	IS: 1239 (Pt I)—1979
63.	2658	79-10-01	80-09-30	IS: 434 (Pts I & II)—1964	124.	4113	80-01-01	80-12-31	IS: 1703—1977
64.	2711	80-02-01	81-01-31	IS: 325—1978	125.	4150	80-01-16	81-01-15	IS: 398—1961
65.	2805	80-01-01	80-12-31	IS: 398 (Pts I & II)—1976	126.	4152	80-02-01	81-01-31	IS: 4246—1972
					127.	4157	80-02-01	81-01-31	IS: 7121—1973
					128.	4158	80-02-01	81-01-31	IS: 7122—1973
					129.	4160	80-02-01	81-01-31	IS: 5679—1970

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
130.	4179	80-02-01	81-01-31	IS : 1875—1971	191.	5741	79-12-16	80-12-15	IS : 5430—1969
131.	4186	80-02-01	81-01-31	IS : 5346—1975	192.	5752	80-02-16	81-02-15	IS : 564—1975
132.	4187	80-02-01	81-01-31	IS : 10 (Pt IV)—1976	193.	5772	80-01-16	81-01-15	IS : 2415—1969
133.	4188	79-12-16	80-12-15	IS : 5950—1971	194.	5781	80-01-16	81-01-15	IS : 1977—1975
134.	4189	80-02-01	81-01-31	IS : 5346—1975	195.	5783	80-01-16	81-01-15	IS : 2567—1978
135.	4194	80-02-01	81-01-31	IS : 2052—1975	196.	5792	80-01-16	81-01-15	IS : 2148—1968
136.	4195	80-02-01	81-01-31	I : 6747—1972	197.	5810	80-01-16	81-01-15	IS : 2465—1969
137.	4306	79-10-16	80-10-15	IS : 10 (Pt III)—1974	198.	5818	80-01-01	80-12-31	IS : 3906 (Pt I)—1974
138.	4358	80-02-01	81-01-31	IS : 561—1972	199.	5821	80-02-01	81-01-31	IS : 1601—1960
139.	4391	80-01-16	81-01-15	IS : 565—1975	200.	5828	80-01-16	81-01-15	IS : 6595—1972
140.	4477	80-01-16	81-01-15	IS : 325—1970	201.	5831	80-02-01	81-01-31	IS : 7538—1975
141.	4563	79-09-16	80-08-15	IS : 10 (Pt IV)—1976	202.	5841	80-02-01	81-01-31	IS : 7121—1973
142.	4591	79-12-16	80-12-15	IS : 1658—1966	203.	5864	80-01-16	81-01-15	IS : 6914—1978
143.	4699	79-10-01	80-09-30	IS : 1848—1971	204.	5874	80-02-01	81-01-31	IS : 1554 (Pt I)—1964
144.	4700	79-10-01	80-09-30	IS : 1848—1971	205.	5878	80-02-16	81-02-15	IS : 561—1972
145.	4701	79-10-01	80-09-30	IS : 1848—1971	206.	5880	80-02-16	81-02-15	IS : 633—1975
146.	4705	79-10-01	80-09-30	IS : 1848—1971	207.	5884	80-02-01	81-01-31	IS : 1977—1975
147.	4706	79-10-01	80-09-30	IS : 1848—1971	208.	5890	80-02-16	81-02-15	IS : 4954 (Pt II)—1975
148.	4747	79-11-01	80-10-31	IS : 10 (Pt III)—1974	209.	5891	80-02-16	81-02-15	IS : 5430—1969
149.	4777	80-02-01	81-01-31	IS : 4366 (Pt I)—1972	210.	5893	80-02-16	81-02-15	IS : 3903—1975
150.	4815	79-12-01	80-11-30	IS : 335—1972	211.	5896	80-02-16	81-02-15	IS : 4323—1967
151.	4851	79-12-01	80-11-30	IS : 8054—1976	212.	5897	80-02-16	81-02-15	IS : 4323—1967
152.	4882	79-12-01	80-11-30	IS : 774—1974	213.	5899	80-02-01	81-01-31	IS : 226—1975
153.	4894	79-12-16	80-12-15	IS : 1180—1964	214.	5905	80-02-16	81-02-15	IS : 1166—1973
154.	4897	80-03-01	81-02-28	IS : 561—1972	215.	5911	80-02-16	81-02-15	IS : 4366 (Pt I)—1972
155.	4916	80-01-01	80-12-31	IS : 624—1975	216.	5914	80-03-01	81-02-28	IS : 562—1972
156.	4918	80-01-01	80-12-31	IS : 1283—1968	217.	5918	80-03-01	81-02-28	IS : 916—1975
157.	4939	80-01-16	81-01-15	IS : 564—1975	218.	5924	80-03-01	81-02-28	IS : 4246—1972
158.	4955	80-01-16	81-01-15	IS : 325—1970 & IS : 1520—1970	219.	5956	79-12-16	80-12-15	IS : 2593—1964
159.	4965	80-03-16	81-03-15	IS : 5225—1969	220.	5972	80-01-16	81-01-15	IS : 6595—1972 & IS : 7538—1975
160.	4970	80-02-01	81-01-31	IS : 5515—1969	221.	5993	79-12-16	80-12-15	IS : 4288—1967
161.	4971	79-12-16	80-12-15	IS : 1026—1966	222.	6040	80-04-16	81-04-15	IS : 1601—1960
162.	4982	80-01-01	81-01-31	IS : 335—1972	223.	6066	80-01-16	81-01-15	IS : 7358—1975
163.	4996	80-02-16	81-02-15	IS : 5346—1975	224.	6132	80-01-16	81-01-15	IS : 8028—1976
164.	5002	80-02-16	81-02-15	IS : 2834—1964	225.	6293	79-10-01	80-09-30	IS : 1026—1966
165.	5007	80-02-16	81-02-15	IS : 564—1975	226.	6308	79-09-16	80-09-15	IS : 3623—1966
166.	5018	80-02-01	81-01-31	IS : 325—1978	227.	6362	80-02-01	81-01-31	IS : 1251—1973
167.	5019	80-02-16	81-02-15	IS : 1165—1975	228.	6390	79-09-16	80-09-15	IS : 780—1969
168.	5020	80-02-16	81-02-15	IS : 561—1972	229.	6422	79-12-16	80-12-15	IS : 458—1971
169.	5050	80-01-16	81-01-15	IS : 814 (Pts I & II)— 1974	230.	6434	79-10-01	80-09-30	IS : 1239 (Pt I)—1979
170.	5098	80-03-01	81-02-28	IS : 916—1975	231.	6452	79-10-16	80-10-15	IS : 325—1970
171.	5108	80-02-01	81-01-31	IS : 325—1970	232.	6454	80-02-16	81-02-15	IS : 564—1975
172.	5181	79-01-16	80-10-15	IS : 774—1971	233.	6458	79-10-16	80-10-15	IS : 4175—1967
173.	5232	80-02-01	81-01-31	IS : 4808—1968	234.	6464	80-02-16	81-02-15	IS : 226—1975
174.	5279	79-12-16	80-12-15	IS : 2148—1968	235.	6476	79-11-01	80-10-31	IS : 1222—1973
175.	5461	79-09-16	80-09-15	IS : 2509—1973	236.	6482	79-11-01	81-10-31	IS : 6073—1971
176.	5509	79-10-01	80-09-30	IS : 398 (Pt II)—1976	237.	6537	79-12-01	80-11-30	IS : 780—1959
177.	5516	80-03-01	81-02-28	IS : 1601—1960	238.	6543	79-12-01	80-11-30	IS : 2878—1978
178.	5587	79-11-01	80-10-31	IS : 1536—1976	239.	6550	80-02-01	81-01-31	IS : 8291—1976
179.	5595	80-01-16	81-01-15	IS : 1507—1966	240.	6576	80-01-01	80-12-31	IS : 1221—1975
180.	5601	79-11-01	80-10-31	IS : 7283—1970	241.	6597	80-01-01	80-12-31	IS : 3743—1966
181.	5602	79-11-01	80-10-31	IS : 4432—1967	242.	6599	80-01-01	80-12-31	IS : 226—1975
182.	5617	79-11-01	80-10-31	IS : 8052—1976	243.	6624	80-01-01	80-12-31	IS : 6595—1972 & IS : 7538—1975
183.	5618	79-11-01	80-10-31	IS : 8055—1976	244.	6635	80-01-16	81-01-15	IS : 6595—1972
184.	5640	79-12-01	80-11-30	IS : 325—1970	245.	6642	80-01-16	81-01-15	IS : 1223—(Pt II)—1972
185.	5672	79-12-01	80-11-30	IS : 778—1971	246.	6646	80-01-16	81-01-15	IS : 6595—1972
186.	5690	79-10-16	80-10-15	IS : 458—1971	247.	6647	80-01-16	80-01-15	IS : 1161—1979
187.	5727	80-03-01	81-02-28	IS : 1538 (Pts I to XXIII)—1976	248.	6653	80-01-16	81-01-15	IS : 5231—1969
188.	5728	80-01-01	80-12-31	IS : 2089—1972	249.	6661	80-01-16	81-01-15	IS : 226—1975
189.	5734	80-02-16	81-02-15	IS : 1875—1978	250.	6671	80-02-01	81-01-31	IS : 10 (Pt IV)—1976
190.	5740	79-12-16	80-12-15	IS : 7175—1974	251.	6673	80-02-01	81-01-31	IS : 1601—1960
					252.	6674	80-02-01	81-01-31	IS : 3903—1975

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
253.	6681	79-09-16	80-09-15	IS : 3745—1978	283.	7387	79-12-01	80-11-30	IS : 458—1971
254.	6695	80-02-01	81-01-31	IS : 565—1975	284.	7411	79-12-16	80-12-15	IS : 10 (Pt IV) —1976
255.	6696	80-02-01	81-01-31	IS : 3903—1975	285.	7412	79-12-16	80-12-15	IS : 7452—1974
256.	6697	80-02-01	81-01-31	IS : 564—1975	286.	7437	80-01-01	80-12-31	IS : 6914—1978
257.	6698	80-02-01	81-01-31	IS : 7122—1973	287.	7438	80-01-01	80-12-31	IS : 6915—1978
258.	6699	80-02-01	81-01-31	IS : 1308—1974	288.	7440	80-01-01	80-12-31	IS : 1785—1966
259.	6700	80-02-01	81-01-31	IS : 1239—(Pt I)—1973	289.	7449	80-01-16	81-01-15	IS : 1061—1975
260.	6718	80-02-01	81-01-31	IS : 3575—1977	290.	7472	80-01-16	81-01-15	IS : 1601—1960
261.	6723	80-02-16	81-02-15	IS : 694—1977	291.	7474	80-01-16	81-01-15	IS : 226—1975
262.	6726	80-02-16	81-04-15	IS : 2358—1963	292.	7477	80-01-16	81-01-15	IS : 133—1965
263.	6730	80-02-16	81-02-15	IS : 2208—1962	293.	7486	80-02-01	81-01-31	IS : 694—1977
264.	6742	80-02-16	81-02-15	IS : 366—1965	294.	7487	80-02-01	81-01-31	IS : 694—1977
265.	6759	80-02-16	81-02-15	IS : 1165—1975	295.	7488	80-02-01	81-01-31	IS : 2834—1964
266.	6761	80-02-16	81-02-15	IS : 325—1970	296.	7491	80-02-01	81-01-31	IS : 6595—1972
267.	6762	80-02-16	81-02-15	IS : 1161—1968					IS : 7538—1975
268.	6763	80-02-16	81-02-15	IS : 2567—1973	297.	7492	80-02-01	81-01-31	IS : 398 (Pt I & II)—1976
269.	6811	80-03-16	81-03-15	IS : 1601—1960	298.	7496	80-02-01	81-01-31	IS : 694—1977
270.	6815	80-03-01	81-02-28	IS : 633—1975	299.	7498	80-02-01	81-01-31	IS : 633—1975
271.	7093	79-07-01	80-06-30	IS : 1398—1968	300.	7510	80-02-16	81-02-15	IS : 4965 (Pt II) —1975
272.	7211	79-09-16	80-09-30	IS : 280—1978	301.	7511	80-02-16	18-02-15	IS : 4965 (Pt II) —1975
273.	7245	79-10-01	80-09-30	IS : 371—1966	302.	7512	80-02-16	81-02-15	IS : 633—1975
274.	7252	79-10-01	80-10-31	IS : 325—1978	303.	7514	80-02-16	81-02-15	IS : 3195—1974
275.	7271	79-10-16	80-10-15	IS : 1785 (Pt I & II) —1967	304.	7515	80-02-16	81-02-15	IS : 633—1975
276.	7300	79-11-16	80-11-15	IS : 6914—1978	305.	7518	80-02-16	81-02-15	IS : 916—1975
277.	7303	79-11-16	80-11-15	IS : 7577—1975	306.	7520	80-02-16	80-11-15	IS : 4964 (Pt II) —1975
278.	7320	79-1-16	80-11-15	IS : 6914—1978	307.	7522	80-02-16	81-02-15	IS : 814 (Pt I & II) —1974
279.	7321	79-11-16	80-11-15	IS : 398 (Pt I & II) —1976	308.	7523	80-02-16	81-05-15	IS : 613—1973
280.	7335	79-11-16	80-11-15	IS : 7538—1975	309.	7531	80-02-16	81-02-15	IS : 1891 (Pt I) —1968
281.	7341	79-11-16	80-11-15	IS : 1239 (Pt I) —1979	310.	7565	80-03-01	81-02-28	IS : 1165—1975
282.	7371	79-12-01	80-11-30	IS : 1239 (Pt I) —1979	311.	7572	80-03-01	81-02-28	IS : 1601—1960

[No. CMD/13 : 12]

नई दिल्ली, 14 जुलाई 1980

क्र० 2118.—भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन बिन्दु) विनियम 1955 के नियम 3 के उपविनियम 2 तथा विनियम 3 के उपविनियम (2) और (3) के अनुसार भारतीय मानक संस्था एतद्वारा अधिसूचित किया जाता है कि जिन भारतीय मानकों के बारे में नीचे अनुसूची में दिए गए हैं वे 1978-02-28 को विधिवत किए गए हैं :

## अनुसूची

क्र० सं०	निर्धारित भारतीय मानक की पद संख्या और शीर्षक	नए भारतीय मानक द्वारा प्रतिरूपित भारतीय मानक की पद संख्या और शीर्षक	अन्य विवरण
(1)	(2)	(3)	(4)
1.	IS : 177-1977 सूती ड्रिल की विशिष्टि (तीसरा पुनरीक्षण)	IS : 177-1970 सूती ड्रिल की विशिष्टि (दूसरा पुनरीक्षण)	---
2.	IS : 179-1977 सूती दो सूती की विशिष्टि (दूसरा पुनरीक्षण)	IS : 179-1965 दो सूती की विशिष्टि (पुनरीक्षित)	---
3.	IS : 189-1977 सूती और पटसन वस्त्र उद्योगों में प्रयुक्त चियां चूर्ण की विशिष्टि (दूसरा पुनरीक्षण)	1. IS : 189-1956 सूती वस्त्र उद्योगों में प्रयुक्त चियां चूर्ण की विशिष्टि (पुनरीक्षित) 2. IS : 511-1962 पटसन वस्त्र उद्योगों में प्रयुक्त चियां चूर्ण की विशिष्टि	---
4.	IS : 404 (भाग 1)-1977 सीसे की नलियों की विशिष्टि भाग 1 इतर रासायनिक कार्यों के लिए (दूसरा पुनरीक्षण)	IS : 404-1962 सीसे की नलियों की विशिष्टि (पुनरीक्षित)	---

(1)	(2)	(3)	(4)
5. IS : 1184-1977 सूती वस्त्र उद्योग में प्रयुक्त मक्के के भांड की विशिष्टि (दूसरा पुनरीक्षण)	IS : 1184-1968 सूती वस्त्र उद्योग में प्रयुक्त मक्का के भांड की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	भा० मा० संस्था प्रमाणन चिन्ह योजना कार्यों के लिए IS : 1184-1968 तथा IS : 1184-1977 के साथ दिनांक 1978-06-30 तक लागू होगा।	
6. IS : 1339-1977 विद्युत केबलों के खोल के लिए सीमा और सीमा मिश्र धातुओं की विशिष्टि (दूसरा पुनरीक्षण)	IS : 1339-1965 विद्युत केबलों के खोल के लिए सीमा मिश्र धातुओं की विशिष्टि (पुनरीक्षित)	---	
7. IS : 1448 (पी : 50)-1977 पेट्रोलियम और उसके उत्पादों की परीक्षण पद्धतियां	IS : 1448 (पी : 50)-1971 पेट्रोलियम और उसके उत्पादों की परीक्षण पद्धतियां पी : 50 स्नेहकों में नवीनी	---	
8. IS : 1479 (भाग 4)-1977 डेरी उद्योग के लिए परीक्षण पद्धतियां भाग 4 दूध का हिमांक अवनमन	IS : 1479 (भाग 4)-1962 डेरी उद्योग के लिए परीक्षण पद्धतियां भाग 4 हाटवेट पद्धति द्वारा दूध का हिमांक अवनमन	---	
9. IS : 1605-1977 सूती वस्त्र उद्योग के लिए टैपिओका स्टार्च की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	IS : 1605-1960 सूती वस्त्र उद्योग में उपयोग के लिए टैपिओका स्टार्च की विशिष्टि	---	
10. IS : 1671-1977 सूती तंत्र पर कते धागे के धागा सामर्थ्य लक्षण ज्ञात करने की पद्धति	1. IS : 239-1951 सूती धागे के ली टूटन भार (सामर्थ्य) और उसके संबन्धी-सामर्थ्य का गुणनफल ज्ञात करने की पद्धति 2. IS : 1671-1960 सूती धागे की स्कीन टूटन भार (सामर्थ्य), दृढ़ता और धागा सामर्थ्य सूचकांक ज्ञात करने की पद्धति (समगति गामी मशीन द्वारा) (मीटरी प्रणाली)	---	
11. IS : 1880-1977 विद्युत लेपन के लिए जस्ता आक्साइड और जस्ता लवणों की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	1. IS : 1880-1967 विद्युत लेपन के लिए जस्ता आक्साइड की विशिष्टि 2. IS : 2290-1962 विद्युत लेपन के लिए जस्ता सल्फेट की विशिष्टि 3. IS : 3027-1964 विद्युत लेपन के लिए जस्ता सायनाइड की विशिष्टि	---	
12. IS : 2015-1977 टी-डिबेरियों की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	IS : 2015-1962 टी-डिबेरियों की विशिष्टि	---	
13. IS : 2033-1977 सूती वस्त्र उद्योग में प्रयुक्त टैपिओका आटे की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	IS : 2033-1962 सूती वस्त्र उद्योग में प्रयुक्त टैपिओका आटे की विशिष्टि	---	
14. IS : 2214-1977 रजत नाइट्रेट शुद्ध और विश्लेषी अभिकर्मक की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	IS : 2214-1962 रजत नाइट्रेट तकनीकी और विश्लेषी अभिकर्मक की विशिष्टि	भा० मा० संस्था प्रमाणन मुहर योजना के कार्यों के लिए IS : 2214-1977 के साथ दिनांक 1978-06-31 से लागू होगा।	
15. IS : 2255-1977 मशीन पेंच बनाने (सिरे बनाने की शीत विधि से) के लिए मृदु इस्पात के तार की सरिया का विशिष्टि (दूसरा पुनरीक्षण)	IS : 2255-1969 मशीन पेंच बनाने (सिरे बनाने की शीत विधि से) के लिए मृदु इस्पात के तार की सरिया की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	1977-12-31 को निर्धारित	
16. IS : 2307-1977 विस्फोटन और आतिशबाजी बारूद के लिए मैग्नीशियम चूर्ण की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	IS : 2307-1962 विस्फोटन और आतिशबाजी बारूद के लिए मैग्नीशियम चूर्ण की विशिष्टि	---	
17. IS : 2380 (भाग 1 से 21)-1977 लकड़ी के बुरादे और लिग्नेसेल्युलोसी पदार्थों के तन्तों की परीक्षण पद्धतियां (पहला पुनरीक्षण)	IS : 2380-1963 लकड़ी के बुरादे और लिग्नेसेल्युलोसी पदार्थों के तन्तों की परीक्षण पद्धतियां	---	

(1)	(2)	(3)	(4)
18. IS : 2663-1977 अभिलेखागार भवनों की डिजाइन के प्राथमिक तत्वों संबंधी सिफारिशें (पहला पुनरीक्षण)	IS : 2663-1964 अभिलेखागार भवनों के डिजाइन के प्राथमिक तत्वों संबंधी रीति संहिता	---	
19. IS : 2720 (भाग 39/अनुभाग 1)-1977 मृत्तिका की परीक्षण पद्धतियां भाग 39 बजरीदार मृत्तिका का प्रत्यक्ष कर्तन परीक्षण अनुभाग 2 प्रयोगशाला परीक्षण	--	--	
20. IS : 3018 ठलाईशरी में कच्ची सामग्री-परीक्षण के लिए मानक मिश्रित रेत की विशिष्टि	--	--	
21. IS : 4497-1977 16-मिमी के सुझाए ध्वनि और मिनेमा प्रोजेक्टरों की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	IS : 4497-1968, 16 मिमी के सुझाए ध्वनि और मिनेमा प्रोजेक्टरों की विशिष्टि	भा मा संस्था प्रमाणन मुद्रर योजना के कार्यों के लिए IS : 4497-1971 दिनांक 1978-07-31 से लागू होगा	
22. IS : 4747-1977 रबड़ मुहरों के पैड की विशिष्टि	IS : 4747-1968 रबड़ मुहरों के पैड की विशिष्टि	--	
23. IS : 4793-1977 जमाई हुई पामफेट की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	IS : 4793-1968 जमाई हुई मिश्रित पामफेट और आउन पामफेट की विशिष्टि	--	
24. IS : 4796-1977 जमाई हुई थोडफिन की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	IS : 4796-1968 जमाई हुई थोडफिन की विशिष्टि	--	
25. IS : 5700-1977 मिनेमा प्रदर्शन पदों की परीक्षण पद्धतियां (पहला पुनरीक्षण)	IS : 5700-1970 मिनेमा प्रदर्शन पदों की परीक्षण पद्धतियां	--	
26. IS : 5910-1977 ऊन की बारीकी के ग्रेड (पहला पुनरीक्षण)	IS : 5910-1970 ऊन की बारीकी ग्रेडों की विशिष्टि	--	
27. IS : 6219-1977 बार बार काम में आने वाले सपाट पैलेटों की परीक्षण संहिता (पहला पुनरीक्षण)	IS : 6219-1971 बार बार काम में आने वाले पैलेटों की परीक्षण संहिता	--	
28. IS : 7255 (भाग 2)-1977 मोने की वस्तुओं में प्रयुक्त टाकों की रासायनिक विश्लेषण पद्धतियां भाग 2 ध्रुवलेखी पद्धति द्वारा कैडमियम और जस्ते की मात्रा मात करता।	--	--	
29. IS : 7809 (भाग 2)-1977 विद्युत कार्यों के लिए दबा-कर चिपकाने वाले टेपों की विशिष्टि भाग 2 परीक्षण पद्धतियां	--	1978-01-31 को निर्धारित	
30. IS : 8062 (भाग 3)-1977 हस्पताल संरचनाओं की कैथोडो सुरक्षा की रीति संहिता भाग 3 जलयानों के ढांचे (हब)	--	--	
31. IS : 8395 (भाग 1)-1977 स्वचल वाहनो में वायरिंग के लिए केबल ग्रंथों की विशिष्टि भाग 1 इलेक्ट्रिक कनेक्टर (नर और मादा)	--	--	
32. IS : 8544 (भाग 1)-1977, 1000 बोल्टता से अनधिक बोल्टता के लिए मोटर स्टार्टरो की विशिष्टि भाग 1 लाइन पर सीधे लगे एसी स्टार्टर	--	--	
33. IS : 8548-1977 यकिन वालित द्रवाय छिड़कावकों की परीक्षण संहिता	--	--	
34. IS : 8573-1977 ग्रंक वाले इलेक्ट्रानिक डी सी बोल्टमापी और डी सी इलेक्ट्रानिक एनालाग से अंकीय कनवर्टरों की विशिष्टि	--	--	
35. IS : 8574-1977 मक्का सूजी या खे की विशिष्टि	--	--	
36. IS : 8576-1977 सामान्य कार्य शीर्षकों (झायरों) के लिए जेता का आंकड़ा पक्ष	--	--	
37. IS : 8579-1977 क्रिस्टलकारकों के लिए जेता का आंकड़ा पक्ष	--	--	



(1)	(2)	(3)	(4)
38. IS : 8602-1977 जस्ता और कैडमियम मतलों पर क्रोमेट रक्षण लेवों की परीक्षण पद्धतियाँ		--	--
39. IS : 8605-1977 चित्तई बांधों के निर्माण की रीति संहिता		--	--
40. IS : 8606-1977 जूतों के लिए पीसन के टेक् तार की विशिष्टि		--	--
41. IS : 8609-1977 विकलांगता उपयोग के लिए कोल, काटी, जूट्ट टाइप की विशिष्टि		--	--
42. IS : 8612-1977 मोर्ट ग्रावकुम और घनात्मक चालन वाले मिलिंग आर्बर्स की विशिष्टि		--	--
43. IS : 8620-1977 मिलिंग आर्बर्स के लिए क्लैम्स डिब्र-रियों की विशिष्टि		--	--
44. IS : 8621-1977 मिलिंग आर्बर्स के धारक पेंचों की विशिष्टि		--	--
45. IS : 8624-1977 लोह् अयस्क छरों का फूलन आंशः ज्ञान करने की पद्धति		--	--
46. IS : 8625-1977 लोह् अयस्क छरों की सामर्थ्य ज्ञान करने की पद्धति		--	--
47. IS : 8626-1977 आर लवण, तकनीकी की विशिष्टि		--	--
48. IS : 8627-1977 गामा अम्ल की विशिष्टि		--	--
49. IS : 8628-1977 जी लवण (हाइपोटेसियम लवण), तकनीकी की विशिष्टि		--	--
50. IS : 8631-1977 जहाजरानी नौदकों के लिए ताबे से बनी मिश्र धातुओं की विशिष्टि		--	--
51. IS : 8634-1977 ताकट्टोइयजो अम्ल की विशिष्टि		--	--
52. IS : 8637-1977 एक् अम्ल की विशिष्टि		--	--
53. IS : 8638 (भाग 3)-1977 चुम्बकीय दिक्सूचकों और बह्नेकिल्स का परीक्षण संहिता वर्णः भाग 3 बाइनेकिल्स और शोधक युक्तियों का टाइप परीक्षण		--	--
54. IS : 8639-1977 खाणों और पेयो के ऐन्ड्रिक गुणों पर डिब्बाबन्ध और अंशरण के प्रभाव ज्ञात करने की संहिता		--	--
55. IS : 8645-1977 ऊर्जा मापियों के लिए चुम्बकों के माप		--	--
56. IS : 8652-1977 जमी दुई सारडान की विशिष्टि		--	--
57. IS : 8653-1977 ताजी सारडीन की विशिष्टि		--	--
58. IS : 8662-1978 रेल के डिब्बों के लिए संशिलष्ट, बाहरी, क. निष्पला परत देने, और ख. फिनिश देने के इन्नेमल की विशिष्टि		--	--

इन भारतीय मानकों की प्रतियाँ, भारतीय मानक संस्था, मानक भवन, 9 बहादुरशाह जफर मार्ग, नई दिल्ली-110002 और अहमदाबाद, बंगलौर, बम्बई, भुवनेश्वर, कलकत्ता, चंडीगढ़, हैदराबाद, जयपुर, कानपुर, मद्रास, पटना और त्रिवेन्द्रम स्थित शाखा कार्यालयों में बिक्री के लिए उपलब्ध हैं।

**S.O. 2118.**—In pursuance of sub-rule (2) of Rule 3 and Sub-regulation (2) and (3) of regulations 3 of Indian Standards Institution (Certification Marks) Rules and Regulations, 1955, the Indian Standards Institution hereby notifies that the Indian Standard(s), particulars of which are given in the Schedule hereto annexed, have been established on 1978-02-28.

## SCHEDULE

Sl. No. and Title of the Indian Standards No. Established	No. and Title of the Indian Standard or Standards, if any, superseded by the new Indian Standard	Remarks, if any
(1)	(2)	(3)
1. IS : 177—1977 Specification for cotton drills (third revision)	IS : 177—1970 Specification for cotton drills (second revision)	—
2. IS : 79—1977 Specification for cotton dosuti (second revision)	IS : 179—1965 Specification for dosuti (revised)	—
3. IS : 189—1977 Specification for tamarind kernel powder for use in cotton and jute textile industries (second revision)	(i) IS : 189—1956 Specification for tamarind kernel powder for use in the cotton textile industry (revised) and (ii) IS : 511—1962 Specification for tamarind kernel powder for use in the jute textile industry.	—
4. IS : 404 (Part I)—1977 Specification for lead pipes Part I For other than chemical purposes (second revision)	IS : 404—1962 Specification for lead pipes (revised)	—
5. IS : 1184—1977 Specification for maize starch, cotton textile industry (second revision)	*IS : 1184—1968 Specification for maize starch for use in the cotton textile industry (first revision)	*For purposes of ISI Certification Marks Scheme ; IS : 1184—1968 shall run concurrently with IS : 1184—1977 upto 1978-06-30
6. IS : 1339—1977 Specification for lead and lead alloys for sheathing of electric cables (second revision)	IS : 1339—1965 Specification for lead alloys for sheathing of electric cables (revised)	—
7. IS : 1448 ( P : 50)—1977 Methods of test for petroleum and its products	IS : 1448 (P : 50)—1971 Methods of test for petroleum and its products : P : 50 Chlorine in lubricants	—
8. IS : 1479 (Part IV)—1977 Method of test for dairy industry Part IV Freezing-point depression of milk (first revision)	IS : 1479 (Part IV)—1962 Methods of test for dairy industry : Part IV Freezing-point depression of milk by Hortvet method	—
9. IS : 1605—1977 Specification for tapioca starch, cotton textile industry (first revision).	IS : 1605—1960 Specification for tapioca starch for use in the cotton textile industry	—
10. IS : 1671—1977 Method for determination of yarn strength parameters of yarn spun on cotton system (first revision)	(i) IS : 239—1951 Method for determination oflea breaking load (strength) of cotton yarn and its count-lea-strength product and (ii) IS : 1671—1960 Method for determination of skoin breaking load (strength), tenacity and yarn strength index of cotton yarn (by constant-rate of traverse machine) (metric system)	—
11. IS : 1880—1977 Specification for zinc oxide and zinc salts for electroplating (first revision)	(i) IS : 1880—1967 Specification for zinc oxide for electroplating; (ii) IS : 2290—1962 Specification for zinc sulphate for electroplating; and (iii) IS : 3027—1964 Specification for zinc cyanide for electroplating	—
12. IS : 2015—1977 Specification for t-nuts (first revision)	IS : 2015—1962 Specification for t-nuts	—
13. IS : 2033—1977 Specification for tapioca flour, cotton textile industry (first revision)	IS : 2033—1962 Specification for tapioca flour for use in the cotton textile industry	—
14. *IS : 2214—1977 Specification for silver nitrate, pure and analytical reagent (first revision)	IS : 2214—1962 Specification for silver nitrate, technical and analytical reagent	*For purposes of ISI Certification Marks Scheme ; IS : 2214—1977 shall come into force with effect from 1978-06-01
15. IS : 2255—1977 Specification for mild steel wire rod for the manufacture of machine screws (by cold heating process) (second revision)	IS : 2255—1969 Specification for mild steel wire rod for the manufacture of machine screws (by cold heating process) (first revision)	Established on 1977-12-31
16. IS : 2307—1977 Specification for magnesium powder for explosive and pyrotechnic compositions (first revision)	IS : 2307—1962 Specification for magnesium powder for explosives and pyrotechnic compositions	—

(1)	(2)	(3)	(4)
17. IS : 2380 (Parts I to XXI)—1977 Methods of test for wood particle boards and boards from other lignocellulosic materials (first revision)	IS : 2380—1963 Methods of test for wood particle boards and boards from other lignocellulosic materials	—	—
18. IS : 2663—1977 Recommendations relating to primary elements in the design of buildings for archives (first revision)	IS : 2663—1964 Code of practice relating to primary elements in design of buildings for archives.	—	—
19. IS : 2720 (Part XXXIX/Sec. 1)—1977 Methods of test for soils Part XXXIX Direct shear test for soils containing gravel Section I laboratory test	—	—	—
20. IS : 3018 Specification for standard silica sand for raw material testing in foundries	—	—	—
21. *IS : 4497—1977 Specification for 16-mm portable sound-and-picture cinematograph projectors (first revision)	IS : 4497—1968 Specification for 16-mm portable sound-and-picture cinematograph projectors	—	*For purposes of ISI Certification Marks Scheme ; IS : 4497—1977 shall come into force with effect from 1978-07-31
22. IS : 4747—1977 Specification for pads for rubber stamps (first revision)	IS : 4747—1968 Specification for pads for rubber stamps	—	—
23. IS : 4793—1977 Specification for pomfret, frozen (first revision)	IS : 4793—1968 Specification for frozen silver pomfret and brown pomfret	—	—
24. IS : 4796—1977 Specification for threadfin, frozen (first revision)	IS : 4796—1968 Specification for frozen threadfin	—	—
25. IS : 5700—1977 Specification for cinematograph screens (first revision)	IS : 5700—1970 Methods of test for projection screens	—	—
26. IS : 5910—1977 Fineness grades of wool (first revision)	IS : 5910—1970 Specification for fineness grades of wool	—	—
27. IS : 6219—1977 Test code for non-expandable flat pallets (first revision)	IS : 6219—1971 Test code for non-expandable flat timber pallets	—	—
28. IS : 7255 (Part II)—1977 Methods of chemical analysis of solders for use in goldware ; Part II Determination of cadmium and zinc by polarographic method	—	—	—
29. IS : 7809 (Part II)—1977 Specification for pressure sensitive adhesive tapes for electrical purposes ; Part II Methods of test	—	—	Established on 1978-01-31
30. IS : 8062 (Part III)—1977 Code of practice for cathodic protection of steel structures, Part III Ship's hulls	—	—	—
31. IS : 8395 (Part I)—1977 Specification for cable terminations for automobile wiring; Part I Blade type connectors (Male and female)	—	—	—
32. IS : 8544 (Part I)—1977 Specification for motor starters for voltages not exceeding 1000 V; Part I Direct-on-line ac starters	—	—	—
33. IS : 8548—1977 Test code for power-operated hydraulic sprayer	—	—	—
34. IS : 8573—1977 Specification for digital electronic dc voltmeters and dc electronic analogue-to-digital converters	—	—	—
35. IS : 8574—1977 Specification for maize SUJI OR RAVA (semolina)	—	—	—
36. IS : 8576—1977 Purchaser's data sheet for general purpose dryers	—	—	—
37. IS : 8579—1977 Purchaser's data sheet for crystallizers	—	—	—
38. IS : 8602—1977 Methods of tests for chromate conversion coatings on zinc and cadmium surfaces	—	—	—
39. IS : 8605—1977 Code for practice for construction of masonry in dams	—	—	—
40. IS : 8606—1977 Specification for brass screw wire for footwear	—	—	—

(1)	(2)	(3)	(4)
41. IS : 8609—1977 Specification for nail, hip, Jewett type, for orthopaedic use	—	—	—
42. IS : 8612—1977 Specification for milling arbors with morse taper and positive drive	—	—	—
43. IS : 8620—1977 Specification for clamping nuts for milling arbors	—	—	—
44. IS : 8621—1977 Specification for retaining screw for milling arbors	—	—	—
45. IS : 8624—1977 Method for determination of swelling index of iron ore pellets	—	—	—
46. IS : 8625—1977 Method for determination of crushing strength of iron ore pellets	—	—	—
47. IS : 8626—1977 Specification for R salt, technical	—	—	—
48. IS : 8627—1977 Specification for gamma acid	—	—	—
49. IS : 8628—1977 Specification for G salt (dipotassium salt), technical	—	—	—
50. IS : 8631—1977 Specification for copper base alloys for marine propellers	—	—	—
51. IS : 8634—1977 Specification for nitro-diazo acid	—	—	—
52. IS : 8637—1977 Specification for H acid	—	—	—
53. IS : 8638 (Part III)—1977 Code for testing of magnetic compasses and binnacles, class A : Part III Type testing of binnacles and correcting devices	—	—	—
54. IS : 8639—1977 Code for evaluation of the effect of packaging and storage on the sensory qualities of foods and beverages	—	—	—
55. IS : 8645—1977 Dimensions of magnets for energy meters	—	—	—
56. IS : 8652—1977 Specification for sardines, frozen	—	—	—
57. IS : 8653—1977 Specification for sardines, fresh	—	—	—
58. IS : 8662—1978 Specification for enamel, synthetic, exterior, (a) undercoating, (b) finishing for railway coaches	—	—	—

Copies of these Indian Standards are available for sale with the Indian Standards Institution, Manak Bhavan, 9 Bahadur Shah Zafar Marg, New Delhi-110002 and also from its branch offices at Ahmedabad, Bangalore, Bombay, Bhubaneswar, Calcutta, Chandigarh, Hyderabad, Jaipur, Kanpur, Madras, Patna and Trivandrum.

[No. CMD/13 : 2]

का०शा० 2119—उपरोक्त-समय पर संशोधित भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन विज्ञान) के विनियम 1955 के विनियम 14 के उपविनियम 4 के अनुसार भारतीय मानक संस्था द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि प्रमाणन विज्ञान वाले लाइसेंस जिनके स्थोरे नीचे अनुसूची में दिए गए हैं, स्तम्भ 6 में दर्शाई गई तिथियों से गतावधि हो गए हैं या उनका नवीकरण स्थगित कर दिया गया है।

#### अनुसूची

क्रम लाइसेंस संख्या सं० (सी एम/एल—)	लाइसेंसधारी का नाम और पता	वस्तु/प्रक्रिया और सम्बद्ध पद नाम	जिस राजपत्र में लाइसेंस की स्वीकृति छपी है उसका एस ओ संख्या और तिथि	बिबरण
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
गतावधि लाइसेंस				
1. सी एम/एल—39 1957-11-04	राष्ट्रीय मेटल इंस्टीट्यूट लि०, बम्बई	बर्तनों के लिए, पिटाई एलुमिनियम और एलुमिनियम मिश्र धातु— IS : 21—1959	एस आरओ 3724 दिनांक 1957-11-23	इस लाइसेंस का नवीकरण दिनांक 1976-01-31 के बाद स्थगित किया गया था अब उसी तिथि से गतावधि माना जाएगा।
2. सी एम/एल—40 1957-11-04	"	"	"	"

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
3. सी एम/एल—104 ई आई डी वी सी लि० नेलिकुप्पम 1958-10-07		परिष्कृत स्पिरिट— IS : 323—1959	एस ओ 3724 दिनांक 1957-11-23	इस लाइसेंस का 1976-10-31 के बाद स्थगित किया गया था अब उसी तिथि से गतावधि माना जाए।	
4. सी एम/एल—732 श्री राम मशीनरी कारपोरेशन, 1964-06-29 प्राइवेट लिमिटेड, मद्रास		संरचना इस्पात (मानक किस्म)— IS : 228—1975	एस ओ 2590 दिनांक 1964-08-01	इस लाइसेंस का नवीकरण दिनांक 1977-10-31 के बाद स्थगित किया गया था अब उसी तिथि से इसे गतावधि माना जाए।	
5. सी एम/एल—733 — 1964-06-29		संरचना इस्पात (साधारण किस्म)— IS : 1977—1975	—यथोक्त—	—	
6. सी एम/एल—1306 बैकटेक्स्टर एग्रोकैमिकल एण्ड 1966-07-28 मिनरल्स, मद्रास		एस्किडन पायसनीय सान्द्र— IS : 1310—1974	एस ओ 2600 दिनांक 1966-08-27	1977-03-31 के बाद गतावधि	
7. सी एम/एल—1586 प्रकाश पल्बराईजिंग मिल्स, 1967-12-14 मलबूर		बी एन सी (एच सी एच) जल परि- क्षेपी घूर्ण— IS : 562—1972	एस ओ 284 दिनांक 1968-01-20	इस लाइसेंस का नवीकरण दिनांक 1976-04-30 के बाद स्थगित किया गया था अब उसी तिथि से इसे गतावधि माना जाए।	
8. सी एम/एल—1587 — 1967-12-15		डी डी टी जल परिक्षेपी घूर्ण— IS : 565—1975	एस ओ 284 दिनांक 1968-01-20	इस लाइसेंस का नवीकरण 1976-10-31 के बाद स्थगित किया गया था अब उसी तिथि से गतावधि माना जाए।	
9. सी एम/एल—1686 पालसेंस इंडस्ट्रीज कपूरथला 1968-04-30 (पंजाब)		डोरक्लोजर (द्रव नियंत्रित) IS : 3564—1970	एस ओ 2127 दिनांक 1968-06-15	इस लाइसेंस का नवीकरण 1975-02-15 के बाद स्थगित किया गया था अब उसी तिथि से गतावधि माना जाए।	
10. सी एम/एल—1749 सिंगल पेस्टिसाइड्स आगरा 1968-07-18		एस्किडन पायसनीय सान्द्र— IS : 1307—1973	एस ओ 3150 दिनांक 1968-09-14	इस लाइसेंस का नवीकरण 1977-05-15 के बाद स्थगित किया गया था अब उसी तिथि से गतावधि माना जाए।	
11. सी एम/एल—2266 जयलक्ष्मी फर्टिलाइजर्स 1970-02-27 मद्रास-600060		बी एन सी जल परिक्षेपी घूर्ण सान्द्र— IS : 562—1972	एस ओ 1235 दिनांक 1970-04-04	इस लाइसेंस का नवीकरण 1977-09-30 के बाद स्थगित किया गया था अब उसी तिथि से गतावधि माना जाए।	
12. सी एम/एल—2325 — 1970-05-19		मालाथियोन पायसनीय सान्द्र— IS : 2567—1973	एस ओ 2802 दिनांक 1970-08-22	—	
13. सी एम/एल—2405 भारत पल्बराईजिंग मिल्स (प्रा०) 1970-09-11 लिमिटेड मद्रास		गोला गन्धक घूर्ण— IS : 3383—1965	एस ओ —3349 1971-09-11	1977-09-30 के बाद लाइसेंस गतावधि	
14. सी एम/एल—2433 एम्पू स्टील मैन्युफैक्चर्स प्राइवेट 1970-10-21 लिमिटेड अहमदाबाद		इस्पात के बरबाजे, खिड़कियां और रोशनबान— IS : 1038—1968	एस ओ 561—दिनांक 1971-01-30	इस लाइसेंस का नवीकरण 1975-10-13 के बाद स्थगित किया गया था अब उसी तिथि से गतावधि माना जाए।	
15. सी एम/एल—2500 डाबुड इंडस्ट्रीज कौचीन 1971-01-04		चाय की पेटियों के लिए धातु की फिटिंग— IS : 10—1970	एस ओ 5028 दिनांक 1971-11-06	इस लाइसेंस का नवीकरण 1976-12-31 के बाद स्थगित कर दिया गया था अब इसी तिथि से गतावधि माना जाए।	
16. सी एम/एल—2773 एनास कंपनी लिमिटेड, कलकत्ता 1971-09-16		1. आटे के लिए बोहरे ताने के पटसन कपड़े— IS : 3966—1967 2. आटे के लिए बोहरे ताने के बोरे IS : 3984—1967	एस ओ 2403 दिनांक 1972-09-02	1977-11-30 के बाद गतावधि	
17. सी एम/एल—2816 वनौर मिल्स प्राइवेट लिमिटेड 1971-11-25 किन्नगढ़		सामान्य कार्यों के लिए प्लार्डबुड— IS : 3903—1960	एस ओ 403 दिनांक 1972-02-05	इस लाइसेंस का नवीकरण 1976-11-30 को स्थगित किया गया था अब उसी तिथि से गतावधि माना जाए।	

1	2	3	4	5	6
18.	सी एम/एल- 2819 1971-11-26	अशोक जॉइन्ट वेयर वर्क्स प्राइवेट लिमिटेड, धनबाद	कंक्रिट प्रबलन के लिए शीत वेल्डित इस्पात की सरिया— IS : 1786—1966	एस प्रो 403 दिनांक 1972-02-05	1977-11-30 के बाद गतावधि
19.	सी एम/एल-2894 1972-01-31	टीटागढ़ जूट फैक्टरी कं०, लिमि- टेड, कलकत्ता	दोहरे ताने के बोरे— IS : 3984—1967	एम प्रो 2777 दिनांक 1972-01-07	1977-11-30 के बाद गतावधि
20.	सी एम/एल-2908 1972-02-14	पी०एम०जी० इंडस्ट्रियल इन्स्टि- ट्यूट कोयम्बतूर	अंतर्दही ईंजिन— IS : 1601—1960	एस प्रो 2801 दिनांक 1972-10-14	1977-09-30 के बाद गतावधि
21.	सी एम/एल-3029 1972-03-30	मुनेश्वराम एण्ड संस इस्पात रोलिंग मिल्स ब्रह्मबाबाद	संरचना इस्पात (मानक किस्म)— IS : 226—1969	एस प्रो 887 दिनांक 1973-03-24	इस लाइसेंस का नवीकरण 1977- 03-31 के बाद स्थगित किया गया था अब उसी तिथि से गतावधि माना जाए।
22.	सी एम/एल-3030 1972-03-30	„	संरचना इस्पात (साधारण किस्म) IS : 1977—1975	एस प्रो 887— दिनांक 1973-03-24	इस लाइसेंस का नवीकरण 1977- 03-31 के बाद स्थगित किया गया था अब उसी तिथि से गतावधि माना जाए।
23.	सी एम/एल- 3116 1972-08-01	रामकृष्ण प्रसाद वेस्टिंगहाउस गुटूर	एन्ड्रिन पायसनीय तेज द्रव— IS : 1310—1974	एस प्रो 3471— दिनांक 1973-12-15	1977-03-31 के बाद गतावधि
24.	सी एम/एल-3273 1973-01-05	शम्भुगढ़ जूट फाक्टरी कम्पनी लिमिटेड, कलकत्ता	भाटे के लिए दोहरे ताने के बोरे— IS : 3984—1967	एस प्रो 1798 दिनांक 1974-07-20	1977-11-30 के बाद गतावधि
25.	सी एम/एल-3122 1972-08-10	वेवीरयाल (सेल्स) प्राइवेट लिमि- टेड, मुम्बई-400010	एन्ड्रिन पायसनीय सान्द्र— IS : 1310—1974	एस प्रो-3471 दिनांक 1973-12-15	1977-03-31 के बाद गतावधि
26.	सी एम/एल-3292 1973-01-08	विक्टोरिया जूट कंपनी लिमिटेड, कलकत्ता	भाटे के लिए दोहरे ताने के बोरे— IS : 3984—1967	एम प्रो 1798 दिनांक 1974-07-20	1977-11-30 के बाद गतावधि
27.	सी एम/एल-3356 1973-03-07	केल्बिन जूट कंपनी लिमिटेड, कलकत्ता	बी ट्रिबल पटमन के बोरे IS : 2566—1965	एस प्रो 955 दिनांक 1975-03-29	1977-03-15 के बाद गतावधि
28.	सी एम/एल-3365 1973-03-21	भारत कार्बन एंड रिबन मैग्नेटिक कारिंग कंपनी लिमिटेड, ठाणे महाराष्ट्र	स्टेंसिल के कागज— IS : 5086—1969	यथोक्त	इस लाइसेंस का नवीकरण 1976- 03-31 के बाद स्थगित कर दिया गया था अब उसी तिथि से गतावधि माना जाए।
29.	सी एम/एल-3373 1973-03-28	कानबेंद्री स्प्रिंग्स एंड इंजी० कंपनी प्राइवेट लिमिटेड, कलकत्ता	स्वचाल गाड़ियों में नियन्त्रण के लिए पसीदार कमनियां— IS : 1135—1973	यथोक्त	1977-09-30 के बाद गतावधि
30.	सी एम/एल- 3409 1973-05-07	पी बी एस इंडस्ट्रीज, हामपेट	एन्ड्रिन पायसनीय सान्द्र— IS : 1310—1974	एस प्रो 954 दिनांक 1975-03-29	1977-03-31 से गतावधि
31.	सी एम/एल- 3437 1973-06-11	एलाइड इंडिया एंटरप्राइज कलकत्ता	पाय की पेटियों के लिए धातु की फिटिंग— IS : 10—1970	एस प्रो 1037 दिनांक 1975-04-05	इस लाइसेंस का नवीकरण 1974- 06-15 को स्थगित कर दिया गया था अब उसी तिथि से गतावधि माना जाए।
32.	सी एम/एल-3907 1974-08-05	वेस्टीसाइड्स इंडिया, उदयपुर	एलिट्रन धूलन बूर्ण— IS : 2308—1974	एस प्रो 686 दिनांक 1976-02-14	इस लाइसेंस का नवीकरण 1977- 05-31 को स्थगित कर दिया गया था अब उसी तिथि से गतावधि माना जाए।
33.	सी एम/एल-3928 1974-08-20	कुबिबेमिन प्राइवेट लिमिटेड, कंगोरी	एन्ड्रिन पायसनीय सान्द्र— IS : 1310—1974	एस प्रो 686 दिनांक 1976-02-14	1977-03-31 से गतावधि
34.	सी एम/एल-4007 1974-11-07	सहमी मिल्स कंपनी लिमिटेड, कोयम्बतूर	बुवरंग सूती धागे— IS : 171—1973	एस प्रो 1763 दिनांक 1976-05-29	1977-10-31 के बाद गतावधि
35.	सी एम/एल-4043 1974-11-07	द एल्लोय स्टील प्लांट हिन्दुस्तान स्टील लिमिटेड दुर्गापुर जिला बर्हान (पश्चिम बंगाल)	सतह कठोरकारी इस्पात— IS : 4432—1967	एस प्रो 2022 दिनांक 1976-06-19	1977-11-15 से गतावधि
36.	सी एम/एल-4044 1974-11-07	„	छरें, रोलर और बेयरिंग रोल बनाने के लिए कार्बन क्रोमियम इस्पात— IS : 4398—1972	यथोक्त	1977-11-15 से गतावधि

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
37. सी एम/एल-4045 1974-11-07	दि एकोय स्टील प्राइवेट लिमिटेड बुर्गपुर जिला बरबान (पश्चिम बंगाल)	कठोरीकरण और टेम्पर देने के लिए इस्पात— IS : 5517—1969	एस प्रो 2022 दिनांक 1976-06-19	1977-11-15 से गतावधि	
38. सी एम/एल/4245 1975-02-26	भारतियों आश्रम हर्षागन बर्क भाप, पाहुचेरी	इस्पात के ब्रूस (जस्तेदार और जस्ते रहित) IS : 2552—1970	एस प्रो 2022 दिनांक 1976-06-19	इस लाइसेंस का नवीकरण 1977-02-28 को किया गया अब उसी तिथि से गतावधि माना जाए।	
39. सी एम/एल-4254 1975-03-07	नागदेवी इंडस्ट्रीज, बंगलोर	बर्तनों के लिए पिटवा ऐलुमिनियम एवं ऐलुमिनियम मिश्र धातु— IS : 21—1959	--	इस लाइसेंस का नवीकरण 1977-02-28 को स्थगित किया गया था अब उसी तिथि से गतावधि माना जाए।	
40. सी एम/एल-4394 1975-08-29	बोजन एगो इंडस्ट्रियल कारपोरेशन एनिकपट्टु, विजयवाड़ा— 521108 (आ० प्र०)	शिरोपरि पावर ट्रान्समिशन के लिए इस्पात की कॉर वासे ऐलुमिनियम बालक गडन खिचे लड़दार ऐलुमि नियम सामक— IS : 398—1961	एस प्रो 428 दिनांक 1977-02-05	1977-08-31 से गतावधि	
41. सी एम/एल-5496 1975-08-29	पायोनियर आयरन फाउंड्री प्राइवेट लिमिटेड, जम्मूतबी	बालू खने सांठे के स्पागाट और साकेट वाले सल, गन्दे पानी और संभातन पाइप फिटिंग और सहायक सामान— IS : 1729—1964	यथोक्त	इस लाइसेंस का नवीकरण, दिनांक 1977-08-31 को स्थगित किया गया था अब उसी तिथि से इसे गतावधि माना जाए।	
42. सी एम/एल-4651 1975-09-22	श्री फार्म कैमिकल्स प्राइवेट लिमिटेड, वारंगल	मियाइलपैराथियाँ पायसतीय सान्द्र— IS : 2865—1964	एस प्रो 832 दिनांक 1977-03-19	1977-09-30 से गतावधि	
43. सी एम/एल-4731 1975-10-15	गुजरान एगोकेम इंडस्ट्रीज अहमदाबाद	डी डी टी पाथगतीय सान्द्र— IS : 633—1975	एस प्रो 1148— 1977-04-16	1977-10-15 से गतावधि	
44. सी एम/एल-4763 1975-10-29	एक्सेल ग्लासेम लिमिटेड एलेप्पा— 688001 (केरल)	कांच की दूध की बोतलें— IS : 1392—1971	एस प्रो—1148 दिनांक 1977-04-16	1977-10-31 के बाद गतावधि	
45. सी एम/एल-4771 1975-10-31	वेस्टर्न इंडिया इलेक्ट्रिकल कारपोरेशन, नई दिल्ली-610002	गर्म हवा का पंखा— IS : 4283—1967	यथोक्त	1977-10-31 को गतावधि	
46. सी एम/एल-4841 1975-11-26	ओमेगा इंजीनियरिंग इंडस्ट्रीज, मिजलॉन (केरल)	धातु के रोलिंग शटर और फिल— IS : 6248—1971	एस प्रो 1147 दिनांक 1977-04-16	1977-11-30 को गतावधि	
47. सी एम/एल-4902 1975-12-17	जयपाल उद्योग, लोनी	बी एच सी (एच सी एच) जल परि-क्षेपी चूर्ण— IS : 572—1972	एस प्रो 3083 दिनांक 1977-10-08	इस लाइसेंस का नवीकरण 1976-12-31 को अस्थगित किया गया था अब उसी तिथि से गतावधि माना जाए।	
48. सी एम/एल-5484 1976-09-10	श्री वेंकटेश्वर फूड प्रोसेसिंग लिमिटेड, निदावाबोल	हमली सान्द्र— IS : 5955—1976	—	1977-09-09 से गतावधि	
49. सी एम/एल-5487 1976-09-10	सिथल पेस्टीसाइड्स, भागरा	स्प्रिंकल मिथाक्सी इथाइल पाराक्लोराइड तेज चूर्ण बने यौगिक— IS : 2358—1963	—	1977-09-13 से गतावधि	
50. सी एम/एल-5497 1976-09-20	मिनरल माइनिंग कंपनी प्राइवेट लिमिटेड, ताडापत्रि (आ० प्र०)	बी एच सी (एच सी एच) जल परि-क्षेपी चूर्ण— IS : 562—1972	—	1977-09-15 से गतावधि	
51. सी एम/एल-5498 1976-09-20	फामसे पेस्टकन्ट्रोल प्राइवेट लिमिटेड, गन्दूर	डी डी टी धूलन चूर्ण— IS : 564—1975	—	1977-09-30 से गतावधि	
52. सी एम/एल-5528 1976-09-24	अशोक स्टील कारपोरेशन लिमिटेड, हावड़ा	संरचना इस्पात (मानक किस्म) के रूप में वेल्डन के लिए कार्बन इस्पात के डलवा बिसेट इंगट— IS : 6915—1975	—	1977-09-30 से गतावधि	
53. सी एम/एल-5578 1976-10-25	छोटा भाई जेठा आई पटेल एंड कंपनी, गोंडिया	बीपी— 1925—1974	—	1977-10-15 से गतावधि	
54. सी एम/एल-5592 1976-10-25	बिरला जूट मैनुफैक्चरिंग कंपनी लिमिटेड, 24 परगना	उर्वरकों के बोरी के लिए पटसन का कपड़ा— IS : 7407—1974	—	1977-10-15 से गतावधि	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
55. सी एम/एल-5688	एपीजे स्टील प्राइवेट लिमिटेड, 1976-12-10 जलन्धर	एचबल वाहनों में निलम्बन की बालमूट कुंडलीनुमा और परतदार कमानियां बनाने के लिए इस्पात के इंगट और बिलेट— IS : 8051—1976	—	1976-11-30 से गतावधि	
56. सी एम/एल-5689	हिन्दुस्तान इंजिस्ट्रियल कारपोरेशन, 1976-12-10 राजमुन्नी	पिटवा एलुमिनियम के बर्तन— IS : 21—1975	—	16/7-12-31 से गतावधि	
57. सी एम/एल-5717	श्री बजरंग इलैक्ट्रिक स्टील कंपनी 1976-12-14 प्राइवेट लिमिटेड, कलकत्ता	रेल के डिब्बों के लिए बाल्यूट और कुंडलीनुमा कमानियां बनाने के लिए इस्पात— IS : 3195—1975	—	1977-12-15 से गतावधि	
58. सी एम/एल-5718	यथोक्त 1976-12-14	रेल के डिब्बों के लिए बाल्यूट और कुंडलीनुमा कमानियां बनाने के लिए इस्पात के इंगट— IS : 8052—1976	—	1977-12-15 से गतावधि	
59. सी एम/एल-5719	यथोक्त 1976-12-14	परतदार कमानियों को बनाने के लिए इस्पात (रेल के डिब्बों के लिए) IS : 3885 (भाग-1)—1968	—	1977-12-15 से गतावधि	
60. सी एम/एल—5739	एप्रो इंजिस्ट्रियल कैमिकल कंपनी, 1976-12-24 रघुपुर	हेप्टाक्लोरो पायसनीय सान्द्र— IS : 6439—1972	—	1977-12-15 से गतावधि	
61. सी एम/एल-5775	तमिलनाडु एप्रो इंजिस्ट्रियल कारपोरेशन लिमिटेड, मद्रास 1977-01-07	एन्ड्रुम पायसनीय सान्द्र— IS : 1310—1974	—	1977-03-31 से गतावधि	
स्थगित आवेदन :					
62. सी एम/एल-274	स्वराज प्लाईवुड वर्क्स, कोट्टयम 1960-09-16	चाय की पेटियों के लिए प्लाईवुड के तख्ते— IS : 10—1975	एस ओ—2495 दिनांक 1960-10-15	1977-12-31 से स्थगित	
63. सी एम/एल-228	डा० राइटर चाकलेट्स एण्ड कंपनी 1970-09-16 ग्राफ इंडिया, लिमिटेड, बम्बई	मैक्रोनी स्पेगहेटी और सेंवई— IS : 1485—1959	यथोक्त	1977-10-15 से स्थगित	
64. सी एम/एल-341	मैसूर इंसेक्टोसाइड्स कंपनी 1961-09-20 (ग्राम्प), विजयवाड़ा	बी एच सी (एच सी एच) धूलन पूर्ण IS : 561—1972	एस ओ 2447 दिनांक 1961-10-14	1977-12-15 से स्थगित	
65. सी एम/एल-562	अन्नपूर्णा पलबराइजिंग मिस्ट प्राइवेट लिमिटेड, इलुरु (भा०प्र०) 1963-07-11	बी एच सी (एच सी एच) जल परिशोषी पूर्ण— IS : 562—1972	एस ओ 2372 दिनांक 1963-08-24	1977-10-31 से स्थगित	
66. सी एम/एल-756	श्री बेंकटेश्वर मिनरल्स प्रा० लि०, 1964-08-12 मद्रास	डी डी टी जल परिशोषी पूर्ण— IS : 564—1961	एस ओ 3553 दिनांक 1964-10-10	1977-12-31 से स्थगित	
67. सी एम/एल-802	के एल मल्होत्रा ब्रदर्स, जलन्धर 1964-10-23 सिटी	बैडमिंटन के रैकेट फ्रेम— IS : 8314—1966	एस ओ 4038 1964-11-28	1977-11-15 से स्थगित	
68. सी एम/एल-1120	ग्राम्प स्टील कारपोरेशन लि०, 1965-05-04 विशाखापत्तनम	संरचना इस्पात (मानक किस्म)— IS : 226—1975	एस ओ 2667— 1965-08-28	1977-08-31 के बाद गतावधि	
69. सी एम/एल-1121	ग्राम्प स्टील कारपोरेशन लि० 1965-05-04 विशाखापत्तनम	संरचना इस्पात (साधारण किस्म)— IS : 1177—1975	एस ओ 2667 1965-08-28	1977-08-31 से स्थगित	
70. सी एम/एल-1532	राष्ट्रीय इंजीनियरिंग वर्क्स, बंटाळा 1967-09-28	बालू डले लोहे के मल पाइप IS : 1729—1964	एस ओ 3733 1967-10-21	1977-09-15 से स्थगित	
71. सी एम/एल-1568	प्रकाश इंसेक्टोसाइड्स प्रा० लि०, 1967-11-24 इलाहाबाद	बी एच सी (एच सी एच) धूलन पूर्ण— IS : 561—1972	एस ओ 4568 1967-12-23	1977-11-30 से स्थगित	
72. सी एम/एल-1765	पी वी एस इंडस्ट्रीज, हासपेट 1968-08-13	बी एच सी (एच सी एच) धूलन पूर्ण— IS : 561—1972	एस ओ 3677 दिनांक 1968-10-19	1977-10-15 से स्थगित	
73. सी एम/एल-1778	राज वृक्ष इंडस्ट्रीज, भोपाल 1968-08-30	दुरूष, रंगरोशन और बार्निश— IS : 384—1964	यथोक्त	1977-09-30 से स्थगित	
74. सी एम/एल-1824	हिम पाइन इंडस्ट्रीज, देहरादून 1968-10-31	प्लाईवुड की चाय की पेटियों की पट्टियां— IS : 10 (भाग 3)—1974	एस ओ 4257 1968-11-30	1977-10-31 से स्थगित	
75. सी एम/एल-1914	जनरल इंजीनियरिंग कं० कोय- 1969-02-07 म्बपूर	तीन फंजी प्रेरण मोटर— IS : 325—1970	एस ओ 1256 1969-04-05	1977-11-15 से स्थगित	



(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
76.	सी एम/एल-1956 1969-04-23	सुदर्शन स्टील रोलिंग मिल्स, वेइली	संरचना इस्पात (साधारण किस्म) — IS : 1977—1975	एम ओ 2238 1969-06-07	1977-04-30 से स्थगित
77.	सी एम/एल-2144 1969-61-19	बी० भार० हरमन एंड महाता (इंडिया) प्रा० लि०, लुधियाना	बालू हले लोहे के स्पीगट और साफेट बाले मल, गंद पानी और संवातन पाइप फिटिंग और सहायक सामान IS : 1729—1964	एस ओ 5045 1969-12-27	1977-11-30 से स्थगित
78.	सी एम/एल-2180 1969-12-24	एस एन भली (प्रा०) लि०, कलकत्ता	चाय की पेटियों के धातु फिटिंग— IS : 10—1970	एम ओ 437 1970-02-07	1977-12-31 से स्थगित
79.	सी एम/एल-2186 1969-12-31	वेवन ब्रदर्स, यमुना नगर	चाय की पेटियों की पट्टियाँ— IS : 10 (भाग 3)—1974	एस ओ 1235 1970-02-07	1977-12-31 से स्थगित
80.	सी एम/एल-2240 1970-02-09	ए० जे० लोप्स एंड संस, कौचीन	चाय की पेटियों की पट्टियाँ— IS : 10 (भाग 3)—1974	एम ओ 1235 1970-04-04	1977-12-31 से स्थगित
81.	सी एम/एल-2323 1970-05-15	कमशियल टिम्बर इंडस्ट्रीज, यमुना नगर	चाय की पेटी की पट्टियाँ— IS : 10 (भाग 3)—1974	एस ओ 2802 1970-08-22	1977-12-15 से स्थगित
82.	सी एम/एल-2377 1970-07-28	मूल्युजय पार्कलैड्स इंडस्ट्रीज, कौटुयम	चाय की पेटी की पट्टियाँ— IS : 10 (भाग 3)—1974	एस ओ 2109 1971-05-29	1977-12-15 से स्थगित
83.	सी एम/एल-2399 1930-08-31	गेनन डंकरले एंड कं० लि०, बम्बई	अल्प दाब द्रवणीय गैसों के भंडारण और परिवहन के लिए बेल्डकृत अल्प कार्बन इस्पात के गैस सिमिडर— IS : 3196—1975	एस ओ 57 1971-01-02	1977-11-30 से स्थगित
84.	सी एम/एल-2401 1970-09-01	मान्ध्र स्टील कारपोरेशन लि०, विशाखापत्तनम	संरचना इस्पात (मानक किस्म) — IS : 226—1975	एस ओ 3349 1971-09-11	1977-08-15 से स्थगित
85.	सी एम/एल-2703 1971-06-16	गेनन डंकरले एंड कं० लि०, बम्बई	संपीड़ित गैस सिलिण्डरों के लिए बाल्य फिटिंग— IS : 3224—1974	एस ओ 359 1971-10-02	1977-11-30 से स्थगित
86.	सी एम/एल-2876 1972-03-30	नेशनल ट्रेडिंग कारपोरेशन, कलकत्ता	प्लाईवुड की चाय की पेटियों की (धातु की फिटिंग) — IS : 10—1970	एम ओ 2777 1972-10-07	1977-11-30 से स्थगित
87.	सी एम/एल-3034 1972-03-30	तारुक इंडस्ट्रीज, राजपुरा	डोर क्लोजर (प्रव नियंत्रित) — IS : 3564—1970	एस ओ 887 1973-03-21	1977-09-30 से स्थगित
88.	सी एम/एल-3135 1972-08-21	खेर सजिकल एंड एलाइड प्रोडक्ट्स (प्रा०) लि०, बानपुर	सर्जरी के पृथक्कीनीय ब्लेड बाई पारकर टाइप— IS : 3319—1973	एस ओ 3471 1973-12-15	1977-10-15 से स्थगित
89.	सी एम/एल-3196 1972-10-27	रेवती एंटरप्राइजेज, मद्रास	शिरोपरि पावर प्रेषण के लिए संवत शिचे लड़वार एलुमिनियम बालक और इस्पात कोर वाले एलुमिनियम बालक— IS : 398 (भाग 1 और 2)— 1961	एस ओ 846 1974-03-30	1977-10-31 से स्थगित
90.	सी एम/एल-3228 1972-11-28	पी० एन एम० कम्पनी, हरोड	बाँएचसी (एचसीएच) धूलन चूर्ण— IS : 561—1972	एस० ओ० 1700 विनांक 1975-06-16	1977-10-15 से स्थगित
91.	सी एम/एल-3408 1973-05-04	बितावलशाह जूट मिल्स कं० लि०, बितावलशाह, विशाखा पत्तनम	सोमेनर भरने के लिए पटसन की बोरियाँ— IS : 2580—1965 दोहरे ताने के घाटे के बोरे— IS : 3984—1967	एस ओ 954 1975-03-29	1977-10-15 से स्थगित
92.	सी एम/एल-3496 1973-07-31	हेम इलेक्ट्रिक मेन्यूफैक्चरिंग कं० (प्रा०) लिमिटेड, वाराणसी	स्वचल गाड़ियों के बिजली के हार्न के रिले— IS : 2077—1962	एस ओ 1231 1975-04-19	यथोक्त
93.	सी एम/एल-3564 1973-10-10	प्लास्टिक मोल्डर्स लि०, हावड़ा	बर्तनों में पानी भरने के लिए कम घनत्व वाले पॉलिइथाइलीन पाइप IS : 3076—1968	एस ओ 1556 विनांक 1975-05-17	यथोक्त
94.	सी एम/एल-3613 1973-11-28	मान्ध्र स्टील कारपोरेशन लि०, विशाखापत्तनम	संरचना इस्पात (मानक किस्म) में पुनर्वेलन के लिए कार्बन इस्पात के डलवां बिलेट और हंगट— IS : 6914—1973	एस ओ 1602 1975-05-24	1977-08-31 से स्थगित

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
95. सी एम/एल-3614 1973-11-28	आग्नेय स्टील कारपोरेशन लि०, विशाखापत्तनम	संरचना इस्पात (साधारण किस्म) के रूप में पुनर्वैलन के लिए कार्बन इस्पात के डबल थ्रिलेट ग्रीर इंगट— IS : 6915-1973	एस प्रो 1602 1975-05-24	1977-08-31 से स्वयं	
96. सी एम/एल-3637 1973-12-13	इस्पात कामप्लेक्स लि० फेरोक	संरचना इस्पात (मानक किस्म) के रूप में पुनर्वैलन के लिए कार्बन इस्पात के डबल थ्रिलेट ग्रीर इंगट— IS : 6914-1973	एस प्रो 1603 1975-05-24	1975-12-15 से स्वयं	
97. सी एम/एल-3638 1973-12-13	"	संरचना इस्पात (साधारण किस्म) के रूप में पुनर्वैलन के लिए कार्बन इस्पात के डबल थ्रिलेट ग्रीर इंगट— IS : 6915-1973	"	"	
98. सी एम/एल-3941 ● 1974-09-02	अजयता आयरन एण्ड स्टील कं० (प्रा०) लिमिटेड, दिल्ली	संरचना इस्पात (मानक किस्म) -- IS : 1977-1975	एस प्रो 1762 1976-05-29	1977-08-31 से स्वयं	
99. सी एम/एल-3967 1974-09-25	लखापानी वनीर एण्ड सॉ मिस्ट, लखापानी (ग्रासाम)	व्याईबुड की बाय की पेटियों के तन्तु— IS : 10-1970	एस प्रो 1762 1976-05-29	1977-11-15 से स्वयं	
100. सी एम/एल-3968 1974-09-25	आप्तान बंगाल वनीर इण्डस्ट्रीज प्रा० लि०, कलकत्ता	बाय की पेटियों की थ्रिया— IS : 10-1970	"	1977-09-30 से स्वयं	
101. सी एम/एल-3997 1974-10-21	एशियन स्टील इण्डस्ट्रीज लि०, हैदराबाद	जलेदार तार की रोक लड़— IS : 2141-1968	एस प्रो 1763 1976-05-29	1977-10-31 से स्वयं	
102. सी एम/एल-4035 1974-11-05	आग्नेय स्टील कारपोरेशन लि०, कलकत्ता	संरचना इस्पात (मानक किस्म) के रूप में पुनर्वैलन के लिए कार्बन इस्पात के डबल थ्रिलेट ग्रीर इंगट— IS : 6914-1973	एस प्रो 2022 1976-06-19	1977-11-15 से स्वयं	
103. सी एम/एल-4036 1974-11-05	"	संरचना इस्पात (साधारण किस्म) के रूप में पुनर्वैलन के लिए कार्बन इस्पात के डबल थ्रिलेट ग्रीर इंगट— IS : 6915-1973	"	"	
104. सी एम/एल-4064 1974-11-25	जे के सतोह कृषि मशीन लि० कानपुर	डीजल इंजिन— IS : 1601-1960	"	1977-11-30 से स्वयं	
105. सी एम/एल-4131 1975-01-10	आग्नेय स्टील कारपोरेशन लि०, कलकत्ता	कन्क्रीट प्रबलन के लिए टीडी बरोड़ी बिकृत इस्पात की थ्रिया— IS : 1786-1966	एस प्रो 2465 1976-07-10	1977-11-15 से स्वयं	
106. सी एम/एल-4198 1975-02-10	भोवन इण्डस्ट्रियल कारपोरेशन, नई दिल्ली	1100 बोल्ड तक की बोल्डता के लिए पीबीसी रोहित (हैबी डपटी) थ्रिया के केबल— IS : 1554 (भाग 1)-1964	"	1977-09-30 से स्वयं	
107. सी एम/एल-4388 1975-05-23	ओरिएण्टल मेटल प्रेसिंग वर्क्स (प्रा०) लि०, बम्बई	एस पी जी बाले घरेलू गैस स्टोव— IS : 4246--1972	एस प्रो 3623 1976-10-16	1977-11-30 से स्वयं	
108. सी एम/एल-4580 1975-08-20	इण्डस्ट्रियल कैमिकल्स एण्ड मिनरल्स, भाजियाबाद	बी एच सी (एच सी एच) धूलन पूर्ण IS : 561-1972	एस प्रो 428 1977-02-05	1977-08-31 से स्वयं	
109. सी एम/एल-4602 1975-08-29	रिलायन्स जूट इण्डस्ट्रीज लि०, 24 परगना	दोहरे ताने के घाटे के बोरे— IS : 3984-1967	"	1977-08-31 से स्वयं	
110. सी एम/एल-4656 1975-09-22	मिनरल माइनर कं० प्रा० लि०, धनस्तपुर	बीएचसी (एचसीएच) धूलन पूर्ण— IS : 561-1972	एस प्रो 832 1977-03-19	1977-09-30 से स्वयं	
111. सी एम/एल-4717 1975-10-15	रुचिका केबल्स, दिल्ली	10 0 बोल्ड तक की बोल्डता वाले एलुमिनियम जालकों के पीबीसी रोहित केबल— IS : 69 4 (भाग 2); 1964	एस प्रो 1148 1977-04-15	1977-10-15 से स्वयं	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
112	सी एम/एल-4723 एल्सी बायर रोस लि०, बम्बई 1970-10-15	सामान्य इंजीनियरी कार्यों के लिए इस्पात के तार के रस्से— IS : 2266-1970	एस प्रो 1148 1977-04-16	1977-10-15 से स्थगित	
113.	सी एम/एल-4724 एल्सी बायर रोस लि०, बम्बई 1975-10-15	धानों में कवण कार्यों के लिए इस्पात के तार के रस्से— IS : 1856-1970	एस प्रो 1148 1977-04-16	1977-10-15 से स्थगित	
114	सी एम/एल-4754 पेन्टीसाइड्स एण्ड क्लोरीन लि०, 1975-10-27 थाणा	मालाधियोन पायसनीय साम्र— IS : 2567-1973	"	1977-10-31 से स्थगित	
115.	सी एम/एल-4774 श्री मन्तोष सौ मिल्स, यमुना- 1975-10-31 नगर	प्लाईवुड की चाय की पेटियों की पट्टियाँ— IS : 10 (भाग 3)-1974	"	"	
116.	सी एम/एल-4777 एग्रोकलचरल डिस्कस (दंडिया) 1975-10-31 लि०, नासिक	जुलाई में प्रयुक्त चकतियाँ (अवतल प्रकार की)— IS : 4366 (भाग 1)-1972	"	"	
117.	सी एम/एल-4782 फार्मेस पेन्टीसाइड्स, कडुप्पाह् 1975-10-31	बीएचसी (एचसीएच) धूलन चूर्ण— IS : 561-1972	"	"	
118.	बी एम/एल-4794 इन्दिरा पौलीमर्स (प्रा०) लि०, 1975-11-24 मद्रास	नल से पानी भरने के लिए अन्य पीथीसी के पॉलीइथाइलीन पाइप— IS : 4985-1968	एस प्रो 1147 1977-04-16	1977-11-15 से स्थगित	
119.	सी एम/एल-4798 यूनीक प्लास्टिक इण्डस्ट्रीज, 1975-11-24 कलकत्ता	नल से पानी भरने के लिए उच्च प्रनत्व वाले पॉलीइथाइलीन पाइप— IS : 4984-1972	"	"	
120.	सी एम/एल-4818 मोतीलाल पेन्टीसाइड्स इण्डिया, 1975-11-24 मधुरा	क्लोरीन धूलन चूर्ण— IS : 2864-1974	"	"	
121.	सी एम/एल-4819 विजय पत्तराजर्ज, गुन्डूर 1975-11-24	बीएचसी (एचसीएच) जल परिक्षेपी चूर्ण— IS : 562-1972	"	1977-11-30 से स्थगित	
122.	सी एम/एल-4821 साउदने एप्लेम गैस प्रपलायन्सेस 1975-11-24 प्रा० लि०, एरनाकुलम	एल पी ओ वाले धरेलू गैस स्टोब— IS : 4246-1972	"	"	
123.	सी एम/एल-4827 गोवर्धन बास पी० ए०, जलन्धर 1975-11-24 सिटी	जल वितरण कार्यों के लिए एलोर धीरे मोल बाल्व क्षैतिज प्लजंमुमा IS : 1703-1968	एस प्रो 1147 1977-04-16	1977-11-30 से स्थगित	
124.	सी एम/एल-4831 मानक मेटल वायर्स प्रा० लि०, 1975-11-24 नई दिल्ली	शिरोपरि पावर प्रेषण कार्यों के लिए सक्त लिये लड़वार एलुमिनियम धीरे इस्पात की कोर वाले एलु-मिनियम बालक— IS : 398-1961	एस प्रो 1147 1977-04-16	1977-11-30 से स्थगित	
125.	सी एम/एल-4838 बीजापुर कोष्ठाप० स्प्रिंग मिल्स 1975-11-24 लि०, बीजापुर (कनटिक)	सुदरंग सूती धागे— IS : 171-1973	"	1977-11-15 से स्थगित	
126.	सी एम/एल-4858 कोयस्टर पैकेज प्रा० लि०, 1975-12-04 हावड़ा	उर्वरक भरने के लिए परतदार पटसन के बोरे— IS : 7406-1974	एस० प्रो 3083 1977-10-08	1977-11-30 से स्थगित	
127.	सी एम/एल-4866 श्रीराम एग्रो केमिकल इण्डस्ट्रीज, 1975-12-04 गुन्टूर	मालाधियोन धूलन चूर्ण— IS : 2568-1973	"	1977-12-15 से स्थगित	
128.	सी एम/एल-4872 कामशियल पैकेज, कलकत्ता 1975-12-04	उर्वरक भरने के लिए परतदार पटसन के बोरे— IS : 7406-1974	"	1977-11-30 से स्थगित	
129.	सी एम/एल-4814 मदन लाल ज्वालना प्रसाद, 1975-12-04 कलकत्ता	उर्वरक भरने के लिए परतदार पटसन के बोरे— IS : 7406-1974	एस प्रो 3083 1977-10-08	1977-11-30 से स्थगित	
130.	सी एम/एल-4884 गोबर्धन इंजी० इण्डस्ट्रीज, 1975-12-12 कोयम्बतूर	तीन फेजी प्रेरण मोटर— IS : 325-1970	एस प्रो 3083 1977-10-08	1977-12-31 से स्थगित	
131.	सी एम/एल-4898 श्री विजयबुर्गा पत्तराजर्जिंग 1975-12-12 मिल्स, बालारी	बीएचसी (एचसीएच) जल परिक्षेपी चूर्ण— IS : 562-1972	"	1977-12-15 से स्थगित	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
132.	सी एम/एल-5374 1976-07-21	मोहता इस्पात लि०, रतलाम	स्वचल निर्यन्त्र के लिए शोषावन कुंडलीनुमा और परतदार कमानिया बनाने के लिए इस्पात— IS : 3431-1965	एस प्रो 3083 1977-10-08	1977-07-31 से स्थगित
133.	सी एम/एल-5501 1976-09-20	गोवर्धन दास राठी स्टील्स प्रा० लि०, विल्ली	कंक्रीट प्रबलन के लिए ठंडी सरोड़ी विकृत इस्पात की सरिया— IS : 1786-1966]	„	1977-09-15 से स्थगित
134.	सी एम/एल-5502 1976-09-20	गोवर्धन दास राठी स्टील्स प्रा० लि०, विल्ली	संरचना इस्पात (मानक किस्म) — IS : 228-1975	„	„
135.	सी एम/एल-5516 1976-09-21	पोरबाल उद्योग (इंडिया), इन्दौर	3.67 किवा (5 हाफ) 1500 चक्कर प्रति मिनट, ऊर्ध्व, एक मिलिण्डर जल शीत डीजल इंजन IS : 1601-1960	—	1977-09-30 से स्थगित
136.	सी एम/एल-5555 1976-10-04	भगवती आक्सीजन लि०, बल्लभगढ़	संपीकृत आक्सीजन गैस— IS : 309-1974	—	1977-09-30 से स्थगित
137.	सी एम/एल-5560 1976-10-11	नेशनल पेस्टीसाइड्स, विदिशा	एलिकुल धूलन पूर्ण— IS : 1308-1974	—	1977-10-15 से स्थगित
138.	सी एम/एल-5561 1976-10-11	फार्मर्स पेस्ट कंट्रोल प्रा० लि०, गुन्दूर	बीएचसी (एचसीएच) धूलन पूर्ण— IS : 561-1972	—	„
139.	सी एम/एल-5571 1976-10-12	ऐप्रो प्रॉडक्ट्स, बड़ौदरा	डीडीटी धूलन पूर्ण— IS : 564-1975	—	„
140.	सी एम/एल-5584 1976-10-25	श्री पञ्चाजा इन्टेक्टोसाइड्स, गुन्दूर	बीएचसी (एचसीएच) धूलन पूर्ण— IS : 561-1972	—	„
141.	सी एम/एल-5585 1976-10-25	श्री फार्म केमिकल्स प्रा० लि०, बारंगल	डीडीटी धूलन पूर्ण— IS : 564-1975	—	„
142.	सी एम/एल-5586 1976-10-22	इण्डिया फाइबर, विल्ली	स्कूटर और मोटर साइकिल चालकों के लिए सुरक्षा हेलमेट— IS : 4151-1968	—	1977-10-31 से स्थगित
143.	सी एम/एल-5591 1976-10-25	केमिकल्स इण्डिया, धकोला	डीडीटी धूलन पूर्ण— IS :	—	„
144.	सी एम/एल-5594 1976-10-25	वैशाली केमिकल वर्क्स, मुजफ्फरपुर	पैराफिन मोम— IS : 4654-1974	—	1977-10-31 से स्थगित
145.	सी एम/एल-5598 1976-10-29	„	कारबोरिल धूलन पूर्ण— IS : 7122-1973	—	„
146.	सी एम/एल-5620 1976-11-05	श्री फार्म केमिकल्स (प्रा०) लि०, बारंगल	मालाथियोन पायसनीय साम्र— IS : 2567-1973	—	1977-11-15 से स्थगित
147.	सी एम/एल-5625 1976-11-05	आर्य स्टील कार० लि०, कलकत्ता	संरचना इस्पात (साधारण किस्म) — IS : 1977-1975	—	1977-11-15 से स्थगित
148.	सी एम/एल-5644 1976-11-17	एन० आर० एन० अय्यर एण्ड कं०, कुर्नूल	बीएचसी (एचसीएच) धूलन पूर्ण— IS : 561-1972	—	1977-11-30 से स्थगित
149.	सी एम/एल-5645 1976-11-17	एन० आर० एन० अय्यर एण्ड कं०, कुर्नूल	डीडीटी जलपरिधेपी पूर्ण— IS : 565-1975	—	1977-11-30 से स्थगित
150.	सी एम/एल-5648 1976-11-17	भूरज प्लांट एण्ड इन्विपमेन्ट कार०, चण्डीगढ़	कोयले के पूर्ण विद्युत बरमे के लिए ज्वालामुखी खोल— IS : 2148-1968	—	1977-11-30 से स्थगित
151.	सी एम/एल-5651 1976-11-17	गुजरात ऐप्रो केम इण्डस्ट्रीज, अहमदाबाद	डीडीटी जल परिधेपी पूर्ण— IS : 565-1975	—	1977-11-30 से स्थगित
152.	सी एम/एल-5663 1976-11-24	नवमणि एण्ड कं०, कोयम्बतूर	तीन फेजी प्रेरण मोटर— IS : 325-1970	—	1977-11-15 से स्थगित
153.	सी एम/एल-5678 1976-12-03	दि भोरियस्टल इंजीनियरिंग वर्क्स (प्रा०) लि०, यमुना नगर	डीजल इंजन— IS : 1601-1960	—	1977-11-30 से स्थगित
154.	सी एम/एल-5684 1976-12-10	अशोक इंजीनियरिंग कं०, कलकत्ता	डोर क्लोजर्स (द्रव नियंत्रित) — IS : 3564-1975	—	1977-12-15 से स्थगित

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
155. सी एम/एल-5692 1976-12-10	अशोक स्टील कार्टिंज, उन्नाव	ढलवां लोहे की फलश की टंकियां (घन्टी नुमा)--- IS: 774-1971	--	1977-11-30 से स्थगित	
156. सी एम/एल-5727 1976-12-24	अमिब मशीन इण्डस्ट्रीज, झुबली (कर्नाटक)	पानी, गैस, मल निकासने के फ्लैजदार साकेट, फ्लैजदार स्पीगाट कालर, बोहरे साकेट बासे मुड़े फ्लैजदार टी, मादे फ्लैज--- IS: 1538 (भाग 1 से 23)--- 1976	--	1977-12-15 से स्थगित	
157. सी एम/एल-5749 1976-12-31	अब्जनाथ इण्डस्ट्रीज प्रा० लि०, कलकत्ता	ढलवां लोहे की फलश की टंकियां ऊंचे स्तर की (घन्टी नुमा)--- IS: 774-1971	--	1977-12-31 से स्थगित	
158. सी एम/एल-5752 1976-12-31	श्री भास्करस एग्रोकैमिकल एण्ड काटन इण्डस्ट्रीज, गुट्टूर	डीडीटी धूलत चूर्ण--- IS: 564-1975	--	"	
159. सी एम/एल-5769 1977-01-06	हरयाणा मिल्स फूड्स पेहोवा (हरयाणा)	पूर्ण मलाई वाला मोठा संघनित दूध--- IS: 1166-1973	--	"	
160. सी एम/एल-5773 1977-01-07	फटिकेम (इंडिया) इण्डस्ट्रीज, पाण्डिचेरी	डीडीटी धूलत चूर्ण--- IS: 564-1975	--	1977-12-31 से स्थगित	
161. सी एम/एल-5800 1977-01-11	भारत फाउण्ड्री, कोयम्बतूर	कृषि में उपयोग के लिए अपकेन्द्री पम्पों के तीन फेजी स्क्रिबरेल फेज प्रेरण मोटर--- IS: 7338-1975	--	"	

[सं० सी एम डी/13: 14]

S.O. 2119.—In pursuance of sub-regulation (4) of Regulation 14 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Regulations, 1955 as amended from time to time, it is, hereby, notified that the Certification Marks licences, details of which are mentioned in the following schedule, have lapsed or their renewals deferred, effective from the dates shown in Column 6:

## SCHEDULE

Sl. No.	Licence No. (CM/L- )	Licensee	Products & IS: No.	S.O. No. & Date of the Gazette Notifying Grant of Licences	Remarks
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
LICENCES LAPSED					
1.	CM/L-39 1957-11-04	Rashiya Metal Industries Ltd., Bombay.	Wrought aluminium and aluminium alloy for utensils--- IS: 21-1959	S.R.O. 3724 dated 1957-11-23	Renewal was deferred after 1976-01-31; the licence now stands lapsed after that date.
2.	CM/L-40 1957-11-04	-do-	Wrought aluminium and aluminium alloy for utensils	S.R.O. 3724 dated 1957-11-23	-do-
3.	CM/L-104 1958-10-07	E.I.D. Parry Ltd., Nellikuppam.	Rectified spirit--- IS: 323-1959		Renewal was deferred after 1976-10-31; the licence now stands lapsed after that date.
4.	CM/L-732 1964-06-29	Sri Rama Machinery Corpn. Pvt. Ltd., Madras.	Structural steel (standard quality)--- IS: 226-1975	S.O. 2590 dated 1964-08-01	Renewal was deferred after 1977-10-31; the licence now stand lapsed after that date.
5.	CM/L-733 1964-06-29	-do-	Structural steel (ordinary quality)--- IS: 1977-1975	-do-	-do-
6.	CM/L-1306 1966-07-28	Venkateswara Agro-Chemical & Minerals, Madras.	Endrin EC--- IS: 1310-1974	S.O. 2600 dated 1966-08-27	lapsed after 1977-03-31.
7.	CM/L-1586 1967-12-14	Prakash Pulverising Mills, Alwar.	BHC (HCH) WDP--- IS: 562-1972	S.O. 284 dated 1968-01-20	Renewal was deferred after 1976-04-30; the licence now stands lapsed after that date.

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
8. CM/L-1587 1967-12-15	Prakash Pulverising Mills, Alwar.	DDT WDP IS: 565—1975		S.O. 284 dated 1968-01-20	Renewal was deferred after 1976-10-31; the licence now stands lapsed after that date.
9. CM/L-1686 1968-04-30	Palsons Industries, Kapur- thala (Pb.)	Door closures (hydraulically regulated)— IS: 3564—1970		S.O. 2127 dated 1968-06-15	Renewal was deferred after 1975-02-15; the licence now stands lapsed after that date.
10. CM/L-1748 1968-07-18	Singhal Pesticides, Agra	Aldrin EC— IS: 1307—1973		S.O. 3150 dated 1968-09-14	Renewal was deferred after 1977-05-15; the licence now stands lapsed after that date.
11. CM/L-2266 1970-02-27	Jayalakshmi Fertilizers, Mad- ras-600060.	BHC WDPC— IS: 562—1972		S.O. 1235 dated 1970-04-04	Renewal was deferred after 1977-09-30; the licence now stands lapsed after that date.
12. CM/L-2325 1970-05-19	-do-	Malathion EC— IS: 2567—1973		S.O. 2802 dated 1970-08-22	-do-
13. CM/L-2405 1970-09-11	Bharat Pulverising Mills (P) Ltd., Madras.	Wettable sulphur powder— IS: 3383—1965		S.O. 3349 dated 1971-09-11	Lapsed after 1977-09-30
14. CM/L-2433 1970-10-21	Agew Steel Mfrs. Pvt. Ltd., Ahmedabad.	Steel doors windows and ven- tilators— IS: 1038—1968		S.O. 561 dated dated 1971-01-30	Renewal was deferred after 1975-10-13; the licence now stands after that date.
15. CM/L-2500 1971-01-04	Dawood Industries, Cochin	Tea-chest metal fittings— IS: 10—1970		S.O. 5028 dated 1971-11-06	Renewal was deferred after 1976-12-31; the licence now stands lapsed after that date.
16. CM/L-2773 1971-09-16	Angus Co. Ltd., Calcutta.	(i) DW flour jute cloth— IS: 3966—1967 (ii) DW flour bags— IS: 3984—1967		S.O. 2403 dated 1972-09-02	Lapsed after 1977-11-30
17. CM/L-2816 1971-11-25	Veneer Mills Pvt. Ltd., Dibru- garh.	Plywood for general purposes IS: 3903—1960		S.O. 403 dated 1972-02-05	Renewal was deferred after 1976-11-30; the licence now stands lapsed after that date.
18. CM/L-2819 1971-11-26	Agarwal Hardware Works Pvt. Ltd., Dhanbad.	Cold twisted steel bars for concrete reinforcement— IS: 1786—1966		-do-	Lapsed after 1977-11-30
19. CM/L-2894 1972-01-31	Titaghur Jute Factory Co. Ltd. Calcutta.	DW flour bags— IS: 3984—1967		S.O. 2777 dated 1972-10-07	-do-
20. CM/L-2908 1972-02-14	P.S.G. Industrial Institute, Coimbatore.	I.C. engines— IS: 1601—1960		S.O. 2801 dated 1972-10-14	Lapsed after 1977-09-30
21. CM/L-3029 1972-03-30	Sulekh Ram & Sons Steel Rolling Mills, Ahmedabad.	Structural steel (standard quality)— IS: 226—1969		S.O. 887 dated 1973-03-24	Renewal was deferred after 1977-03-31; the licence now stands lapsed after that date.
22. CM/L-3030 1972-03-30	-do-	Structural steel (ordinary quality)— IS: 1977—1975		-do-	-do-
23. CM/L-3116 1972-08-01	Ramakrishna Prasad Pesti- cides, Guntur.	Endrin EC— IS: 1310—1974		S.O. 3471 dated 1973-12-15	Lapsed after 1977-03-31
24. CM/L-3273 1973-01-05	Samnugger Jute Factory Co. Co. Ltd., Calcutta.	DW flour bags— IS: 3984—1967		S.O. 1798 dated 1974-07-20	Lapsed after 1977-11-30
25. CM/L-312 1972-08-10	Devidayal (Sales) Pvt. Ltd., Bombay-400010.	Endrin EC— IS: 1310—1974		S.O. 3471 dated 1973-12-15	Lapsed after 1977-06-15
26. CM/L-3292 1973-01-08	Victoria Jute Co. Ltd., Cal- cutta.	DW flour bags— IS: 3984—1967		S.O. 1798 dated 1974-07-20	Lapsed after 1977-11-30
27. CM/L-3356 1973-03-07	Kelvin Jute Co. Ltd., Calcutta	B-twill jute bags— IS: 2566—1965		S.O. 955 dated 1975-03-29	Lapsed after 1977-03-15
28. CM/L-3366 1973-03-21	Bharat Carbon & Ribbon Mfg. Co. Ltd., Thana (Maharashtra).	Stencilpaper— IS: 5086—1969		-do-	Renewal was deferred after 1976-03-31; the licence now stands lapsed after that date.

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
29. CM/L-3373 1973-03-28	Conventry Springs and Engg. Co. Pvt. L. J., Calcutta.	Leaf springs for automobile suspension— IS: 1135—1973	S.O. 995 dated 1975-03-29	Lapsed after 1977-09-30	
30. CM/L-3409 1973-05-07	P.V.S. Industries, Hospet	Endrin EC— IS: 1310—1974	S.O. 954 dated 1975-03-29	Lapsed after 1977-03-31.	
31. CM/L-3437 1973-06-11	Allied India Enterprise, Calcutta.	Tea-chest metal fittings— IS: 10—1970	S.O. 1037 dated 1975-04-05	Renewal was deferred after 1974-06-15; the licence now stands lapsed after that date.	
32. CM/L-3907 1974-08-05	Pesticides India, Udaipur	Aldrin DP— IS: 1308—1974	S.O. 686 dated 1976-02-14	Renewal was deferred after 1977-05-31; the licence now stands lapsed after that date.	
33. CM/L-3928 1974-08-20	Krishichemin Pvt. Ltd., Bangalore.	Endrin EC— IS: 1310—1974	S.O. 686 dated 1976-02-14	Lapsed after 1977-03-31	
34. CM/L-4007 1974-10-28	Lakshmi Mills Co. Ltd., Coimbatore.	Grey cotton yarn— IS: 171—1973	S.O. 1763 dated 1976-05-29	Lapsed after 1977-10-31	
35. CM/L-4043 1974-11-07	The Alloy Steel Plant, Hindustan Steel Ltd., Durgapur Distt. Burdwan (W.B.)	Case hardening steels— IS: 4432—1967	S.O. 2022 dated 1976-06-19	Lapsed after 1977-11-15	
36. CM/L-4044 1974-11-07	-do-	Carbon chromium steel for the manufacture of balls, rollers and bearings races— IS: 4398—1972	-do-	Lapsed after 1977-11-15	
37. CM/L-4045 1974-11-07	-do-	Steel for hardening and tempering— IS: 5517—1969	-do-	-do-	
38. CM/L-4245 1975-02-26	Aurobindo Ashram, Harpagon Workshop Pondicherry.	Steel drums (galvanised and ungalvanised)— IS: 2552—1970	S.O. 2022 dated 1976-06-19	Renewal was deferred after 1977-02-28; the licence now stands lapsed after that date.	
39. CM/L-4254 1975-03-07	Nagadevi Industries, Bangalore.	Wrought aluminium and aluminium alloy for utensils— IS: 21—1959	—	Renewal was deferred after 1977-02-28; the licence now stands lapsed after that date.	
40. CM/L-4594 1975-08-29	Bojat Agro Industrial Corpn., Enikepadu Vijayawada-5 521108 (A.P.)	Hard-drawn stranded aluminium and/or steel cored aluminium conductors for overhead power transmission purposes— IS: 398—1961	S.O. 428 dated 1977-02-05	Lapsed after 1977-08-31.	
41. CM/L-4596 1975-08-29	Pioneer Iron Foundry Pvt. Ltd., Jammu Tawi.	Sand cast iron spigot and socket soil waste and ventilating pipes fittings and accessories— IS: 1729—1964	-do-	Renewal was deferred after 1977-08-31; the licence now stands lapsed after that date.	
42. CM/L-4651 1975-09-22	Shree Farm Chemicals Pvt. Ltd., Warangal.	Methyl parathion EC— IS: 2865—1964	S.O. 832 dated 1977-03-19	Lapsed after 1977-09-30	
43. CM/L-4731 1975-10-15	Gujarat Agrochem Industries, Ahmedabad.	DDT EC— IS: 633—1975	S.O. 1148 dated 1977-04-16	Lapsed after 1977-10-15	
44. CM/L-4763 1975-10-29	Excel Glasses Ltd. Alleppey- 688001 (Kerala).	Glass milk bottles— IS: 1392—1971	-do-	Lapsed after 1977-10-31.	
45. CM/L-4771 1975-10-31	Western India Electrical Corpn. New Delhi-110002.	Hot air fan IS: 4283—1967	-do-	Lapsed after 1977-10-31	
46. CM/L-4841 1975-11-26	Omega Engg. Industries, Quilon (Kerala)	Metal rolling shutters and rolling grills IS: 6248—1971	S.O. 1147 dated 1977-04-16	Lapsed after 1977-11-30.	
47. CM/L-4902 1975-12-17	Jaipal Udyog, Loni.	BHC (HCH) WDP— IS: 562—1972	S.O. 3083 dated 1977-10-08	Renewal was deferred after 1976-12-31; the licence now stands lapsed after that date.	
48. CM/L-5484 1976-09-10	Sri Venkateswara Food Processing Ltd., Nidadavole.	Tamarind concentrates— IS: 5955—1976	—	Lapsed after 1977-09-09.	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
49.	CM/L-5487 1976-09-10	Singhal Pesticides, Agra.	Formulation based on stabilized methoxy ethyl mercury chloride concentrates— IS: 2358—1963	—	Lapsed after 1977-09-13
50.	CM/L-5497 1976-09-20	Mineral Mining Co. Pvt. Ltd., Tadapatri (A.P.)	BHC (HCH) WDPC— IS: 562—1972	—	Lapsed after 1977-09-15
51.	CM/L-5498 1976-09-20	Farmers Pest Control Pvt. Ltd., Guntur.	DDT DP— IS: 554—1975	—	Lapsed after 1977-09-30
52.	CM/L-5528 1976-09-24	Ashok Steel Corpn. Ltd., Howrah.	Carbon steel cast billet ingots for rolling into structural steel (ordinary quality)— IS: 6915—1973	—	Lapsed after 1977-09-30
53.	CM/L-5578 1976-10-25	Chhotabhai Jethabhai Patel & Co., Gondia.	Bidis— IS: 1925—1974	—	Lapsed after 1977-10-15.
54.	CM/L-5592 1976-10-25	Birla Jute Mfg. Co. Ltd., 24 Parganas.	Jute fabric for fertilizers bag— IS: 7407—1974	—	Lapsed after 1977-10-15
55.	CM/L-5688 1976-12-10	Apeejay Steel Pvt. Ltd., Jullun- dur.	Steel ingots for the production of volute helical and lami- nated springs for automo- tive suspension— IS: 8051—1976	—	Lapsed after 1976-11-30
56.	CM/L-5689 1976-12-10	Hindustan Industrial Corpn., Rajahmundry.	Wrought aluminium utensils— IS: 21—1975	—	Lapsed after 1977-12-31
57.	CM/L-5717 1976-12-14	Shree Bajrang Electric Steel Co. Pvt. Ltd., Calcutta.	Steel for the manufacture of volute and helical springs (for railway rolling stock)— IS: 3195—1975	—	Lapsed after 1977-12-15
58.	CM/L-5718 1976-12-14	Shree Bajrang Electric Steel Co. Pvt. Ltd., Calcutta	Steel billets for the production of volute and helical springs for (railway rolling stock)— IS: 8052—1976	—	Lapsed after 1977-12-15
59.	CM/L-5719 1976-12-14	-do-	Steel for the manufacture of laminated springs (railway rolling stock)— IS: 3885 (Pt I)—1968	—	Lapsed after 1977-12-15
60.	CM/L-5739 1976-12-24	Agro Industrial Chemical Co., Rudrapur.	Heptachlore EC— IS: 6439—1972	—	Lapsed after 1977-12-15
61.	CM/L-5775 1977-01-07	Tamilnadu Agro Industrial Corpn. Ltd., Madras.	Endrin EC— IS: 1310—1974	—	Lapsed after 1977-03-31
<b>LICENCES DEFERRED</b>					
62.	CM/L-224 1960-09-16	Swaraj Plywood Works, Kot- tayaam.	Tea-chest plywood panels— IS: 10—1975	S.O. 2495 dated 1960-10-15	Deferred after 1977-12-31
63.	CM/L-228 1960-09-16	Dr. Walter Chcolates & Co. of India Ltd. Bombay.	Macaroni, spaghetti and ver- micelli— IS: 1485—1959	-do-	Deferred after 1977-10-15
64.	CM/L-341 1961-09-20	Mysore Insecticides Co., (Andhra), Vijayawada.	BHC (HCH) DP— IS: 561—1972	S.O. 2447 dated 1961-10-14	Deferred after 1977-12-15
65.	CM/L-562 1963-07-11	Annapurna Pulverising Mills, Eluru (A.P.)	BHC (HCH) WDP— IS: 562—1972	S.O. 2372 dated 1963-08-24	Deferred after 1977-10-31
66.	CM/L-756 1964-08-12	Sree Venkateswara Minerals Pvt. Ltd., Madras.	DDT WDP— IS: 564—1961	S.O. 3553 dated 1964-10-10	Deferred after 1977-12-31
67.	CM/L-802 1964-10-23	K.L. Malhotra Bros, Jullun- dur City.	Badminton racket frames— IS: 831—1966	S.O. 4038 dated 1964-11-28	Deferred after 1977-11-15
68.	CM/L-1120 1965-05-04	Andhra Steel Corpn. Ltd., Visakhapatnam.	Structural steel (standard quality)— IS: 226—1975	S.O. 2667 dated 1965-08-28	Deferred after 1977-08-31
69.	CM/L-1121 1965-05-04	Andhra Steel Corpn. Ltd., Visakhapatnam.	Structural steel (ordinary qua- lity)— IS: 1977—1975	S.O. 2667 dated 1965-08-28	Deferred after 1977-08-31
70.	CM/L-1532 1967-09-28	Rashtriya Engg. Works, Batala	Sand Cast iron soil pipes— IS: 1729—1964	S.O. 3733 dated 1967-10-21	Deferred after 1977-09-15
71.	CM/L-1568 1967-11-24	Prakash Insecticides Pvt. Ltd., Allahabad.	BHC (HCH) DP— IS: 561—1972	S.O. 4568 dated 1967-12-23	Deferred after 1977-11-30
72.	CM/L-1765 1968-08-13	PVS Industries, Hospet.	BHC (HCH) DP— IS: 561—1972	S.O. 3677 dated 1968-10-19	Deferred after 1977-10-15



(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
73. CM/L-1778 1968-08-30	Raj Brush Industries, Bhopal	Brushes, paints and varnishes IS: 384—1964	S.O. 3677 dated 1968-10-19	Deferred after 1977-09-30	
74. CM/L-1824 1968-10-31	Him Pine Industries, Dehra Dun.	Plywood tea-chest battens— IS: 10 (Pt III)—1974	S.O. 4257 dated 1968-11-30	Deferred after 1977-10-31	
75. CM/L-1914 1969-02-07	General Engineering Co., Coimbatore.	Three-phase induction mo- tors— IS: 325—1970	S.O. 1256 dated 1969-04-05	Deferred after 1977-11-15	
76. CM/L-1956 1969-04-23	Sadashan Steel Rolling Mills, Delhi.	Structural steel (ordinary qua- lity)— IS: 1977—1975	S.O. 2238 dated 1969-06-37	Deferred after 1977-04-30	
77. CM/L-2144 1969-11-19	B.R. Hermann & Mohatta (India) Pvt. Ltd., Ludhiana	Sand cast iron spigot and soc- ket soil, waste and venti- lating pipes, fittings and accessories— IS: 1729—1964	S.O. 5045 dated 1969-12-27	Deferred after 1977-11-30	
78. CM/L-2180 1969-12-24	S.N. Ali (P) Ltd, Calcutta.	Tea-chest metal fittings— IS: 10—1970	S.O. 437 dated 1970-02-07	Deferred after 1977-12-31	
79. CM/L-2186 1969-12-31	Dewan Brothers, Yamuna Nagar.	Tea-chest battens— IS: 10(Pt III) —1974	S.O. 437 dated 1970-02-07	Deferred after 1977-12-31	
80. CM/L-2240 1970-02-09	A.J. Lopez & Sons, Cochin.	Tea-chest battens— IS: 10 (Pt III)—1974	S.O. 1235 dated 1970-04-04	-do-	
81. CM/L-2323 1970-05-15	Commercial Timber Indus- tries, Yamunagar.	Tea-chest battens— IS: 10 (Pt III)—1974	S.O. 2802 dated 1970-08-22	Deferred after 1977-12-15	
82. CM/L-2377 1970-07-28	Mruthyunjaya Parklands In- dustries, Kottayam.	Tea-chest battens— IS: 10 (Pt III)—1974	S.O. 2109 dated 1971-05-29	Deferred after 1977-12-15	
83. CM/L-2399 1970-08-31	Gannon Dunkerlay & Co. Ltd., Bombay.	Welded low carbon steel gas cylinders for the storage and transportation of low pres- sure LPG— IS: 3196—1975	S.O. 57 dated 1971-01-02	Deferred after 1977-11-30	
84. CM/L-2401 1970-09-01	Andhra Steel Corpn Ltd., Vi- shakhapatnam.	Structural steel (standard qua- lity)— IS: 226—1975	S.O. 3349 dated 1971-09-11	Deferred after 1977-08-15	
85. CM/L-2703 1971-06-16	Gannon Dunkerlay & Co Ltd. Bombay.	Valve fittings for compre- ssed gas cylinders— IS: 3224—1974	S.O. 3594 dated 1971-10-02	Deferred after 1977-11-30	
86. CM/L-2876 1972-01-15	National Trading Corpn., Cal- cutta.	Plywood tea-chest (metal fit- tings)— IS: 10—1970	S.O. 2777 dated 1972-10-07	Deferred after 1977-11-30	
87. CM/L-3034 1972-03-30	Taruk Industries, Rajpura	Door closers (hydraulically regulated — IS: 3564—1970	S.O. 887 dated 1973-03-24	Deferred after 1977-09-30	
88. CM/L-3135 1972-08-21	Kehr Surgical & Allied Pro- ducts (Pvt.) Ltd., Kanpur	Blades, surgical detachable (Bard parker type)— IS: 3319—1973	S.O. 3471 dated 1973-12-15	Deferred after 1977-10-15	
89. CM/L-3196 1972-10-27	Reavathec Enterprises, Madras.	Hard-drawn stranded alumi- nium and steel cord alumi- nium conductors for over- head power transmission purposes— IS: 398 (Pt. I & II)—1961	S.O. 846 dated 1974-03-30	Deferred after 1977-10-31	
90. CM/L-3228 1972-11-28	P.N.M. Co, Erode.	BHC (HCH) DP— IS: 561—1972	S.O. 1703 dated 1973-06-16	Deferred after 1977-10-15	
91. CM/L-3408 1973-05-04	Chitavalsah Jute Mills Co. Ltd. Chitavalsah Visakha- patnam.	Jute bags for packing, cement— IS: 2580—1965 DW—flour bags— IS: 3984—1967	S.O. 954 dated 1975-03-29	Deferred after 1977-10-15	
92. CM/L-3496 1973-07-31	Hem Electric Mfg Co. (P) Ltd. Varanasi	Automobile electric horn re- lays IS: 2077—1962	S.O. 1233 dated 1975-04-19	-do-	
93. CM/L-3564 1973-10-10	Plastic Moulders Ltd. How- rah.	Low density polyethylene pipes for potable water supplies— IS: 3076—1968	S.O. 1556 dated 1975-05-17	-do-	

1	2	3	4	5	6
94. CM/L-3613 1973-11-28	Andhra Steel Corpn Ltd., Vishakhapatnam	Carbon steel cast billet ingots for re-rolling into structural steel (standard quality)— IS : 6914—1973	S.O. 1602 dated 1975-05-24	Deferred after 1977-08-31	
95. CM/L-3614 1973-11-28	-do-	Carbon steel cast billet ingots for re-rolling into structural steel (ordinary quality)— IS : 6915—1973	-do-	-do-	
96. CM/L-3637 1973-12-13	Steel Complex Ltd., Feroke	Carbon steel cast billet ingots for re-rolling into structural steel (standard quality)— IS : 6915—1973	S.O. 1603 dated 1975-05-24	Deferred after 1975-12-15	
97. CM/L-3638, 1973-12-13	-do-	Carbon steel cast billet ingot for re-rolling into structural steel (ordinary quality)— IS : 6915—1973	-do-	-do-	
98. CM/L-3941 1974-09-02	Ajanta Iron & Steel Co. (P) Ltd., Delhi.	Structural steel (ordinary quality)— IS : 1977—1975	S.O. 1762 dated 1976-05-29	Deferred after 1977-08-31	
99. CM/L-3967 1974-09-25	Lakhapani Veneers Saw Mills, Lakhapani (Assam)	Plywood tea-chest panels— IS : 10—1970	S.O. 1762 dated 1976-05-29	Deferred after 1977-11-15	
100. CM/L-3968 1974-09-25	Assam Bengal Veneer Indus- tries Pvt. Ltd., Calcutta.	Tea-chest battens— IS : 10—1970	-do-	Deferred after 1977-09-30	
101. CM/L-3997 1974-10-21	Aslan Steel Industries Ltd., Hyderabad.	Galvanized stay strand— IS : 2141—1968	S.O. 1763 dated 1976-05-29	Deferred after 1977-10-31	
102. CM/L-4035 1974-11-05	Andhra Steel Corpn. Ltd., Calcutta.	Carbon steel cast billet ingots for re-rolling into structural steel (standard quality)— IS : 6914—1973	S.O. 2022 dated 1976-06-19	Deferred after 1977-11-15	
103. CM/L-4036 1974-11-05	-do-	Carbon-steel cast billet ingots for re-rolling into structural steel (ordinary quality)— IS : 6915—1973	-do-	-do-	
104. CM/L-4064 1974-11-25	J.K. Satoh Agricultural Mac- hines Ltd., Kanpur	Diesel engines— IS : 1601—1960	-do-	Deferred after 1977-11-30	
105. CM/L-4131 1975-01-10	Andhra Steel Corpn. Ltd., Calcutta.	CTD bars for concrete rein- forcement— IS : 1786—1966	S.O. 2465 dated 1976-07-10	Deferred after 1977-11-15	
106. CM/L-4198 1975-02-10	Govan Industrial Corpn, New Delhi.	PVC insulated (heavy duty) electric cables for voltage upto and including 1100 V— IS : 1554 (Pt I)—1964	-do-	Deferred after 1977-09-30	
107. CM/L-4388 1975-05-23	Oriental Metal Pressing Works Pvt Ltd., Bombay	Domestic gas stove for use with LPG— IS : 4246—1972	S.O. 3623 dated 1976-10-16	Deferred after 1977-11-30	
108. CM/L-4580 1975-08-20	Industrial Chemicals & Mi- nerals, Ghaziabad	BHC (HCH) DP— IS : 561—1972	S.O. 428 dated 1977-02-05	Deferred after 1977-08-31	
109. CM/L-4602 1975-08-29	Reliance Jute Industries, Ltd., 24-Parganas	DW flour bags— IS : 3984—1967	-do-	Deferred after 1977-08-31	
110. CM/L-4656 1975-09-22	Mineral Mining Co. Pvt. Ltd., Anantapur	BHC (HCH)—DP— IS : 561—1972	S.O. 832 dated 1977-03-19	Deferred after 1977-09-30	
111. CM/L-4717 1975-10-15	Ruchika Cables, Delhi	PVC insulated cables with aluminium conductors for voltage upto 100 V— IS : 694 (Pt II)—1964	S.O. 1148 dated 1977-04-16	Deferred after 1977-10-15	
112. CM/L-4723 1975-10-15	Eldee Wire Ropes Ltd., Bombay	Steel wire ropes for general engineering purposes— IS : 2266—1970	S.O. 1148 dated 1977-04-16	Deferred after 1977-10-15	
113. CM/L-4724 1975-10-15	-do-	Steel wire ropes for haulage purposes in mines— IS : 1856—1970	-do-	-do-	
114. CM/L-4754 1975-10-27	Pesticides & Breweries Ltd., Thana	Malathion EC— IS : 2567—1973	-do-	Deferred after 1977-10-31	

1	2	3	4	5	6
115. CM/L-4774 1975-10-31	Shri Santosh Saw Mills, Yamunanagar.	Plywood tea-chest battens— IS : 10 (Pt III)—1974	S.O. 1148 dated 1977-04-16	Deferred after 1977-10-31	
116. CM/L-4777 1975-10-31	Agricultural Discs (India) Ltd, Nasik.	Agricultural tillage discs (con- cave type)— IS : 4366 (Pt I)—1972	-do-	-do-	
117. CM/L-4782 1975-10-31	Farmers Pesticides, Guddapah	BHC (HCH) DP— IS : 561—1972	-do-	-do-	
118. CM/L-4794 1975-11-24	Indira Polymers (P) Ltd., Madras.	Unplasticized PVC pipes for potable water supplies— IS : 4985—1968	S.O. 1147 dated 1977-04-16	Deferred after 1977-11-15	
119. CM/L-4798 1975-11-24	Unique Plastic Industries, Calcutta.	High density polyethylene pi- pes for potable water— supplies— IS : 4984—1972	-do-	-do-	
120. CM/L-4818 1975-11-24	Motilal Pesticides India, Mathura.	Chlordane dusting powders— IS : 2864—1974	-do-	-do-	
121. CM/L-4819 1975-11-24	Vijaya Pulverisers, Guntur	BHC (HCH) WDP— IS : 562—1972	-do-	Deferred after 1977-11-30	
122. CM/L-4821 1975-11-24	Southern Aflame Gas Appli- ances Pvt. Ltd., Ernakulam.	Domestic gas stove for use with LPG— IS : 4246—1972	-do-	Deferred after 1977-11-30	
123. CM/L-4827 1975-11-24	Goverdhan Das P.A., Jullun- dur City.	Ball valves (horizontal plunger type) including floats for water supplies purposes— IS : 1703—1968	-do-	-do-	
124. CM/L-4831 1975-11-24	Standard Metal Wires Pvt. Ltd., New Delhi.	Hard drawn standard alumin- ium and steel cored alumi- nium conductors for over- head power transmission purposes— IS : 398—1961	S.O. 1147 dated 1977-04-16	Deferred after 1977-11-30	
125. CM/L-4838 1975-11-24	Bijapur Co-op Spining Mills Ltd., Bijapur (Karnataka).	Grey cottonyarn— IS : 171—1973	-do-	Deferred after 1977-11-15	
126. CM/L-4858 1975-12-04	Oyster Packages Pvt. Ltd., Howrah.	Laminated jute bags for pack- ing fertilizers— IS : 7406—1974	S.O. 3083 dated 1977-10-08	Deferred after 1977-11-30	
127. CM/L-4866 1975-12-04	Shri Ram Agro Chemical Industries, Guntur.	Malathion DP— IS : 2568—1973	-do-	Deferred after 1977-12-15	
128. CM/L-4872 1975-12-04	Commercial Packages, Cal- cutta.	Laminated jute bags for pack- ing fertilizers— IS : 7406—1974	-do-	Deferred after 1977-11-30	
129. CM/L-4874 1975-12-04	Madan Lal Jwala Pershad Calcutta.	Laminated jute bags for pack- ing fertilizers—  IS : 7406—1974	-do-	-do-	
130. CM/L-4884 1975-12-12	Goverdhan Engg. Industries, Coimbatore.	Three-phase induction motors IS : 325—1970	IS : 7406—1974 S.O. 3083 dated 1977-10-08	Deferred after 1977-12-31	
131. CM/L-4898 1975-12-12	Sri Vijayadurga Pulverising Mills, Ballary.	BHC (HCH) WDP— IS : 562—1972	-do-	Deferred after 1977-12-15	
132. CM/L-5374 1976-07-21	Mohta Ispat Ltd., Ratlam.	Steel for volute, helical and laminated springs for auto- motive suspensions— IS : 3431—1965	—	Deferred after 1977-07-31	
133. CM/L-5501 1976-09-20	Gordhan Das Rathi Steels Pvt. Ltd., Delhi.	Cold twisted deformed steel bars for concrete reinforce- ment— IS : 1786—1966	—	Deferred after 1977-09-15	
134. CM/L-5502 1976-09-20	-do-	Structural steel (standard quality)— IS : 226—1975	—	-do-	
135. CM/L-5516 1976-09-21	Porwal Udyog (India), Indore.	3.67 kW (5 HP) 1500 R.P.M. vertical single cylinder water cooled diesel engines— IS : 1601—1960	—	Deferred after 1977-09-30	
136. CM/L-5555 1976-10-04	Bhagwati Oxygen Ltd., Ba- llabgarh.	Compressed oxygen gas— IS : 309—1974	—	Deferred after 1977-09-30	


1	2	3	4	5	6
137. CM/L-5560 1976-10-11	National Pesticides, Vidisha	Aldrin DP— IS : 1308—1974	—	—	Deferred after 1977-10-15
138. CM/L-5561 1976-10-11	Farmers Pest Control Pvt. Ltd., Guntur.	BHC (HCH) DP— IS : 561—1972	—	—	-do-
139. CM/L-5571 1976-10-12	Agro Products, Baroda	DDT DP— IS : 564—1975	—	—	-do-
140. CM/L-5584 1976-10-25	Sri Padamja Insecticides, Guntur.	BHC (HCH) DP— IS : 561—1972	—	—	-do-
141. CM/L-5585 1976-10-25	Shree Farm Chemicals Pvt. Ltd., Warangal.	DDT DP— IS : 564—1975	—	—	-do-
142. CM/L-5586 1976-10-25	India Fibre, Delhi	Protective helmets for scooter and motor cycle riders— IS : 4151—1968	—	—	Deferred after 1977-10-31
143. CM/L-5591 1976-10-25	Chemicals India, Akola	DDT DP— IS : 564—1975	—	—	-do-
144. CM/L-5594 1976-10-25	Vaishali Chemical Works, Muzaffarpur.	Paraffin wax— IS : 4654—1974	—	—	Deferred after 1977-10-31
145. CM/L-5598 1976-10-29	-do-	Carbaryl DP— IS : 7122—1973	—	—	-do-
146. CM/L-5620 1976-11-05	Shree Farm Chemicals (Pvt.) Ltd., Warangal.	Malathion EC— IS : 2567—1973	—	—	Deferred after 1977-11-15
147. CM/L-5625 1976-11-05	Andhra Steel Corpn Ltd., Calcutta.	Structural steel (ordinary qua- lity)— IS : 1977—1975	—	—	Deferred after 1977-11-15
148. CM/L-5644 1976-11-17	N.R.N. Ayyar & Co., Kur- nool.	BHC (HCH) DP— IS : 561—1972	—	—	Deferred after 1977-11-30
149. CM/L-5645 1976-11-17	-do-	DDT WDP— IS : 565—1975	—	—	-do-
150. CM/L-5648 1976-11-17	Suraj Plant & Equipment Corpn., Chandigarh.	Flameproof enclosures for rotary electric coal drill— IS : 2148—1968	—	—	Deferred after 1977-11-30
151. CM/L-5651 1976-11-17	Gujarat Agro Chem Indus- tries, Ahmedabad.	DDT WDP— IS : 565—1975	—	—	Deferred after 1977-11-30
152. CM/L-5663 1976-11-24	Navamani & Co., Coimbatore.	Three-phase induction motors IS : 325—1970	—	—	Deferred after 1977-11-15
153. CM/L-5678 1976-12-03	The Oriental Engg Works (P) Ltd., Yamuna Nagar.	Diesel engines— IS : 1601—1960	—	—	Deferred after 1977-11-30
154. CM/L-5684 1976-12-10	Ashoka Engg. Co., Calcutta.	Door closures (Hydraulically regulated)— IS : 3564—1975	—	—	Deferred after 1977-11-15
155. CM/L-5692 1976-12-10	Ashok Steel Castings, Unnao	Cast iron flushing cisterns (bell type)— IS : 774—1971	—	—	Deferred after 1977-11-30
156. CM/L-5727 1976-12-24	Alinda Machine Industries, Hubli (Karnataka).	Cast iron fittings for pressure pipes for water, gas and sewage flanged sockets, spigot, collars, double soc- ket bend flanged toes, blank flanges— IS : 1538 (Part I to XXIII) —1976	—	—	Deferred after 1977-12-15
157. CM/L-5749 1976-12-31	Abjanabh Industries Pvt Ltd., Calcutta.	Cast iron flushing cisterns, high level (bell type)— IS : 774—1971	—	—	Deferred after 1977-12-31
158. CM/L-5752 1976-12-31	Shri Bhaskars Agro Chemi- cal & Cotton Industries Guntur.	DDT DP— IS : 564—1975	—	—	-do-
159. CM/L-5769 1977-01-06	Haryana Mills Foods, Pehowa (Haryana).	Full cream sweetened con- densed milk — IS : 1166—1973	—	—	-do-
160. CM/L-5773 1977-01-07	Fertichem (India) Industries, Pondicherry.	DDT DP— IS : 564—1975	—	—	-do-
161. CM/L-5800 1977-01-11	Bharat Foundry Coimbatore	Three-phase squirrel cage induction motors for cen- trifugal pumps for agricul- tural applications— IS : 7338—1975	—	—	Deferred after 1977-12-31

नई दिल्ली, 1980-07-24

क्र०आ० 2120.—भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिन्ह) विनियम, 1955 के विनियम 4 के उपविनियम (1) के अनुसार भारतीय मानक संस्था की ओर से अधिसूचित किया जाता है कि जिन मानक चिन्हों का डिजाइन उनका शाब्दिक विवरण तथा तत्संबंधी भारतीय मानक के शीर्षक सहित नीचे अनुसूची में दिया गया है वह भारतीय मानक संस्था द्वारा निर्धारित किया गया है।

भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिन्ह) अधिनियम, 1952 और उसके अधीन बने नियमों और विनियमों के निमित्त यह मानक चिन्ह विनियम 1979-12-16 से लागू होगा।

## अनुसूची

क्रम सं०	मानक चिन्ह की डिजाइन	उत्पाद/उत्पाद की श्रेणी	तत्संबंधी भारतीय मानक की पद संख्या और शीर्षक	मानक चिन्ह की डिजाइन का शाब्दिक विवरण
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
1.		प्रास्पण प्रणालियों के निचले रोलर	IS : 2510-1976 प्रास्पण प्रणालियों के निचले रोलरों की विशिष्टि (तृतीय पुनरीक्षण)	भारतीय मानक संस्था का मोनोग्राम जिसमें "ISI" शब्द होते हैं स्तम्भ (2) में दिखाई गई शैली और अनुपात में तैयार किया गया है और जैसा डिजाइन में दिखाया गया है मोनोग्राम के ऊपर की ओर भारतीय मानक की पद संख्या दी गई है।


[संख्या सं एम डी/13 : 9]

New Delhi, the 1980-07-24

S.O.2120.—In pursuance of sub-rule(1) of rule 4 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Rules, 1955 the Indian Standards Institution, hereby, notified that the Standard Mark, design of which together with the verbal description of the design and the title of the relevant Indian Standard is given in the Schedule hereto annexed, has been specified.

This Standard Mark for the purpose of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Act, 1952 and the Rules and Regulations framed thereunder, shall come into force with effect from 1979-12-16 :

## SCHEDULE



Sl. No.	Design of the Standard Mark	Product/Class of Product	No. and Title of the Relevant Indian Standard	Verbal description of the Design of the Standard Mark
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
1.		Bottom rollers for drafting systems.	IS : 2510—1976 Specification for bottom rollers for drafting systems (third revision)	The monogram of the Indian Standards Institution, consisting of letters 'ISI', drawn in the exact style and relative proportions as indicated in col. (2); the number of the Indian Standard being superscribed on the top side of the monogram as indicated in the design.




[No. CMD/13 : 9]

क्र०आ० 2121.—भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिन्ह) विनियम, 1955 के विनियम 4 के उपविनियम (1) के अनुसार भारतीय मानक संस्था की ओर से अधिसूचित किया जाता है कि जिन मानक चिन्हों के डिजाइन उनके शाब्दिक विवरण तथा तत्संबंधी भारतीय मानक के शीर्षक सहित नीचे अनुसूची में दिए गए हैं वे भारतीय मानक संस्था द्वारा निर्धारित किए गए हैं।

भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिन्ह) अधिनियम, 1952 और उसके अधीन बने नियमों और विनियमों के निमित्त ये मानक चिन्ह उनके सामने दिखाई गई निश्चियों से लागू होंगे।

## अनुसूची

क्रम संख्या	मानक चिन्ह का डिजाइन	उत्पाद/उत्पाद की श्रेणी	तत्संबंधी भारतीय मानक की पद संख्या और शीर्षक	मानक चिन्ह के डिजाइन का शाब्दिक विवरण	लागू होने का तिथि
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
1.		स्वचल गाड़ियों के निचले रोलर	IS : 506-1973 स्वचल गाड़ियों के रोलरों की विशिष्टि	भारतीय मानक संस्था का मोनोग्राम जिसमें 'ISI' शब्द होते हैं स्तम्भ (2) में दिखाई गई शैली और अनुपात में तैयार किया गया है और जैसा डिजाइन दिखाया गया है मोनोग्राम के ऊपर की ओर भारतीय मानक की पद संख्या, उसके वर्ष सहित दी गई है।	1980-04-16
2.		बैच बाक	IS : 2586-1975 बैच बाक की विशिष्टि (परीक्षा बाकों के बाक) (पहला पुनरीक्षण)	भारतीय मानक संस्था का मोनोग्राम जिसमें 'ISI' शब्द होते हैं स्तम्भ (2) में दिखाई गई शैली और अनुपात में तैयार किया गया है और जैसा डिजाइन में दिखाया गया है मोनोग्राम के ऊपर भारतीय मानक की पद संख्या दी गई है।	1980-04-16






(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
3		स्टेनलेस इस्पात के खाना पकाने के बर्तन, उपयोगिता श्रेष्ठ	IS 3411-1966 स्टेनलेस इस्पात के खाना पकाने के बर्तनों की विनिर्दिष्ट	--	1980-04-16
4		तांबा और तांबा मिश्र धातुओं पर निकल और क्रोमियम की परतों का विद्युत लेपन	IS 4827-1968 तांबा और तांबा मिश्र धातुओं पर निकल और क्रोमियम की विद्युत लेपन परतों की विनिर्दिष्ट	"	1980-04-16
5		कार्बन इस्पात की तार छड़ों के उत्पादन के लिए इस्पात के ब्लाक और बिलेट	IS 8951-1978 कार्बन इस्पात की तार छड़ों के उत्पादन के लिए इस्पात के ब्लाकों की विनिर्दिष्ट	भारतीय मानक संस्था का मोनोग्राम जिसमें 'ISI' शब्द होने है स्तम्भ (2) में दिखाई गई शैली और अनुपात में तैयार किया गया है और जैसा डिजाइन में दिखाया गया है मोनोग्राम के ऊपर की ओर भारतीय मानक की पदसंख्या दी गई है।	1980-04-16

[सं. सी एम डी/13 : 9]

**S.O.2121**—In pursuance of sub-rule(1) of rule 4 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Rules, 1955 the Indian Standards Institution, hereby, notifies that the Standard Mark(s), design(s) of which together with the verbal description of the design(s) and the title(s) of the relevant Indian Standard(s) are given in the Schedule hereto annexed have been specified.

These Standard Mark(s) for the purpose of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Act, 1952 and the Rules and Regulations framed thereunder, shall come into force with effect from the dates shown against each :

## SCHEDULE

S. No.	Design of the Standard Mark	Product/Class of Product	No. and Title of the Relevant Indian Standard	Verbal description of the Design of the Standard Mark	Date of Effect
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
1.		Automotive grease	IS : 506—1973 Specification for automotive grease.	The monogram of the Indian Standards Institution, consisting of letters 'ISI', drawn in the exact style and relative proportions as indicated in Col. (2); the number of the Indian Standard, along with its year, being superscribed on the top side of the monogram as indicated in the design.	1980-04-16
2.		Bench vices	IS : 2586—1975 Specification for bench vices (machinist's vices) (first revision)	The monogram of the Indian Standards Institution, consisting of letter 'ISI', drawn in the exact style and relative proportions as indicated in Col.(2); the number of the Indian Standard being superscribed on the top side of the monogram as indicated in the design.	1980-04-16
3.		Stainless steel cooking utensils, utility grade.	IS : 3411—1966 Specification for stainless steel cooking utensils.	-do-	1980-04-16
4.		Electroplated coatings of nickel and chromium on copper and copper alloys.	IS : 4827—1968 Specification for electroplated coatings of nickel and chromium on copper and copper alloys.	-do-	1980-04-16
5.		Steel ingots and billets for production of carbon steel wire rods.	IS : 8951—1978 Specification for steel ingots and billets for production of carbon steel wire rods.	-do-	1980-04-16

[No. CMD/13 : 9]

का०आ० 2122—भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिह्न) विनियम 1955 के विनियम 7 के उपविनियम (3) के अनुसार भारतीय मानक संस्था की ओर से अधिसूचित किया जाता है कि प्राख्यण प्रणालियों के निचले बेजनों का प्रति इकाई मुहर लगाने का शुल्क निर्धारित किया गया है। यह निर्धारित शुल्क, जिसके ब्योरे अनुसूची में दिए गए हैं, दिनांक 1979-12-16 से लागू होगा।

## अनुसूची

क्रम सं०	उत्पाद/उत्पाद की श्रेणी	सम्बंधित भारतीय मानक की पद संख्या और शीर्षक	इकाई	प्रति इकाई मुहर लगाने का शुल्क
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
1.	प्राख्यण प्रणालियों के निचले बेज	IS 2510-1976 प्राख्यण प्रणालियों के निचले बेजनों की विशिष्ट (तृतीय पुनरीक्षण)	एक प्रद	1. 10 पैसे प्रति इकाई पहली 20000 इकाइयों के लिए, 2. 5 पैसे प्रति इकाई 20001 वीं से 40000 तक की इकाइयों के लिए और 3. 1 पैसा प्रति इकाई 40001वीं इकाई और उससे अधिक इकाइयों के लिए।

[संख्या ना एम ४/13 : 10]

S.O. 2122.—In pursuance of sub-regulation (3) of regulation 7 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Regulations 1955, the Indian Standards Institution, hereby, notified that the marking fee per unit for bottom rollers for drafting systems details of which are given in the Schedule hereto annexed, has been determined and the fee shall come into force with effect from 1979-12-16.

## SCHEDULE

Sl. No.	Product/Class of Product	No. and Title of Relevant Indian Standard	Unit	Marking Fee per Unit
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
1.	Bottom rollers for drafting systems	IS : 2510—1976 Specification for bottom rollers for drafting systems (third revision)	One Piece	(i) 10 Paise per unit for the first 20000 units, (ii) 5 Paise per unit for the 20001st to 40000 units, and (iii) 1 Paise per unit for the 40001st unit and above.

[No. CMD/13 : 10]

का०आ० 2123—भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिह्न) के विनियम 1955 के विनियम 7 के उपविनियम (3) के अनुसार भारतीय मानक संस्था द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि विभिन्न उत्पादों की प्रति इकाई मुहर लगाने का शुल्क नीचे अनुसूची में दिए गए ब्योरे के अनुसार निर्धारित किया गया है और यह शुल्क उनके सामने दिखाई गई स्थितियों से लागू होगा।

## अनुसूची

क्रम सं०	उत्पाद/उत्पाद की श्रेणी	सम्बंधित भारतीय मानक की पद संख्या और शीर्षक	इकाई	प्रति इकाई मुहर लगाने का शुल्क	लागू होने का तिथि
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
1.	स्वचल वाहनों के लिए ग्रीज	IS 506-1973 स्वचल वाहनों के लिए ग्रीज की विशिष्ट	1 कि०ग्रा०	2 पैसे	1980-04-16
2.	बैच वाहस (बैच बांक)	IS 2586-1975 बैच वाहस (बैच बांक की विशिष्ट) मशीन आलकों के बैच बांक (पहला पुनरीक्षण)	1 प्रद	1. 5 पैसे प्रति इकाई पहली 50000 इकाइयों के लिए, और 2. 3 पैसे प्रति इकाई 50001वीं और उससे अधिक इकाइयों के लिए	1980-04-16
3.	स्टेनलेस इस्पात के खाना पकाने के बर्तन उपयोगिता श्रेष्ठ	S 3111-1966 स्टेनलेस इस्पात के खाना पकाने के बर्तनों की विशिष्ट	100 कि०ग्रा०	रु० 1.50	1980-04-16
4.	तांबा और तांबा मिश्र धातु पर निकल और क्रोमियम की विद्युत लेपित पतें	IS 4827-1968 तांबा और तांबा मिश्र धातु पर निकल और क्रोमियम की विद्युत लेपित पतों की विशिष्ट	लेपित क्षेत्र का एक वर्ग मीटर	1 रु० 5.00 प्रति इकाई प्रति पहली 200 इकाइयों के लिए 2. रु० 3.00 प्रति इकाई 201वीं से 400 इकाइयों के लिए, और 3. रु० 2.00 प्रति इकाई 401वीं और उससे अधिक इकाइयों के लिए	1980-04-16
5.	कार्बन-इस्पात की तार छड़ों के उत्पादन के लिए इस्पात के रंगट और बिलेट	IS 8951-1978 कार्बन इस्पात की तार-छड़ों के उत्पादन के लिए इस्पात के रंगटों और बिलेटों की विशिष्ट	एक मीटर गटन	50 पैसे	1980-04-16

[सं० ना एम ४/13 : 10]  
ए०पी० जनजी. अपर महाविश्वविद्यालय

**S.O. 2123**—In pursuance of sub-regulation (3) of regulation 7 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Regulations, 1955, the Indian Standards Institution, hereby, notified that the marking fee(s) per unit for various products details of which are given in the Schedule hereto annexed, have been determined and the fee(s) shall come into force with effect from the dates shown against each :

**SCHEDULE**

Sl. No.	Product/Class of Product	No. and Title of Relevant Indian Standard	Unit	Marking Fee per Unit	Date of Effect
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
1.	Automotive grease	IS : 506—1973 Specification for automotive grease.	One kg.	2 Paise	1980-04-16
2.	Bench vices	IS : 2586—1975 Specification for bench vices (machinist's vices) (first revision)	One Piece	(i) 5 Paise per unit for the first 50000 units and (ii) 3 Paise per unit for the 50001st unit and above.	1980-04-16
3.	Stainless steel cooking utensils, utility grade.	IS : 3411—1966 Specification for stainless steel cooking utensils.	100 kg.	Rs. 1.50	1980-04-16
4.	Electroplated coatings of nickel and chromium on copper and copper alloys.	IS : 4827—1968 Specification for electroplated coatings of nickel and chromium on copper and copper alloys.	One square metre of plated area	(i) Rs. 5.00 per unit for the first 200 units; (ii) Rs. 3.00 per unit for the 201st to 400 units and (iii) Rs. 2.00 per unit for the 401st to unit and above.	1980-04-16
5.	Steel ingots and billets for production of carbon steel wire rods.	IS : 8951—1978 Specification for steel ingots and billets for production of carbon steel wire rods.	One Tonne	50 Paise	1980-04-16

[No. CMD/13 : 10]

A.P. BANERJI, Additional Director General

**पेट्रोलियम, रसायन और उर्वरक मंत्रालय**

(पेट्रोलियम विभाग)

नई दिल्ली, 21 जुलाई, 1980

का.० आ.० 2124.—यतः इस संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट और पेट्रोलियम खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकारों का अर्जन) अधिनियम, 1962 की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन प्रकाशित भारत सरकार की अधिसूचना द्वारा इंडियन आयल कारपोरेशन लिमिटेड के लिये गुजरात राज्य के सलाया से उत्तर प्रदेश में मथुरा तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये उस संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग का अधिकार अर्जित कर लिया गया है ;

और यतः इंडियन आयल कारपोरेशन लिमिटेड ने उक्त अधिनियम की धारा 7 की उपधारा (1) के खण्ड (1) में निदिष्ट प्रक्रिया को अनुसूची में निविष्ट गांव के नाम के सामने दिखाई गई तिथि से पर्यवमित कर दिया है।

अब यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि के उपयोग के अधिकारों का अर्जन) नियमावली 1963 के नियम 4 के अधीन सक्षम प्राधिकारी उक्त तिथि को ऊपर निविष्ट सक्रिया पर्यवसान के रूप में एतद्वारा अधिसूचित करते हैं।

**अनुसूची**

व्यवहन क्षेत्र मलाया से मथुरा तक पाइप लाइन सक्रिया पर्यवसान

तहसील : खारजी		जिला:	पाली	राज्य: राजस्थान	
मंत्रालय का नाम	गांव	खमरा न०	का० आ० सं०	भारत के राजपत्र में प्रकाशन की तिथि	सक्रिया पर्यवसान की तिथि
1	2	3	4	5	5
पेट्रोलियम, रसायन और उर्वरक मंत्रालय (पेट्रोलियम विभाग)	1 गुडा केसरसिंह	221, 222, 175,	892	1-4-78	10-12-79
		172, 162, 169,			
		151, 166, 167,	3253	22-9-79	10-12-79
		150 और 148			
		129, 108, 111,			
		107, 51, 52, 54,	892	1-4-78	25-12-79
		53, 30, 29, 28,			
		18, 17, 16, 14,			
		13, 4, 3, 678,	3253	22-9-79	25-12-79
		679, 680 और 681			



1	2	3	4	5	6
	2 गद्याणा	151, 149, 150 43, 40, 39 और 60 273, 275, 276, 313, 312, 309, 308, 307, 282, 284, 285, 286, 287, 288, 292, 233, 232, 231, 189, 194, 195, 188, 205, 202, 217 और 216	892    892   3253	1-4-78   1-4-78   22-9-79	25-12-79   27-4-80   27-4-80
	3 कंटालिया	376, 375, 374, 373 और 377 18, 19, 17, 13, 14, 12, 5, 6, 111, 112 और 115	892   892	1-4-78   1-4-78	10-12-79   28-4-80
	4 बोरनडी	समस्त खसरा नं० का० ग्रा० के अनुसार	892 3253	1-4-78 22-9-79	28-4-80 28-4-80
	5 गुन्हागड़ी	समस्त खसरा नं० का० ग्रा० के अनुसार	892 3253	1-4-78 22-9-79	28-4-80 28-4-80

[क्रमांक 12020/24/79 प्रो०]

नरेन्द्र सिंह, सक्षम प्राधिकारी, अधिनियम के अन्तर्गत, राजस्थान एवं उत्तर प्रदेश के लिए

**MINISTRY OF PETROLEUM, CHEMICALS AND  
FERTILISER**

(Department of Petroleum)

New Delhi, the 21st July, 1980

**S.O. 2124.**—Whereas by the notification of Government of India as shown in the schedule appended hereto and issued under sub-section (1) of section 6 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act,

1962, the Right of User has been acquired in the lands specified in the schedule appended hereto for the Indian Oil Corporation Limited for the transport of petroleum from Salaya in Gujarat State to Mathura in Uttar Pradesh ;

And whereas the Indian Oil Corporation Limited has terminated the operation referred to in clause (i) of sub-section (1) of section 7 of the said Act on the date shown against the name of village in the schedule ;

Now, therefore, under rule 4 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Rules, 1963, the Competent Authority hereby notifies the said date as the date of termination of the said operation.

**SCHEDULE**

Termination of operation of Pipeline from Salaya to Mathura

Tehsil: Kharchi		District: Pali		State: Rajasthan	
Name of the Ministry	Name of Village	Khasra No.	S.O. No.	Date of Publication in the Gazette of India	Date of Termination
1	2	3	4	5	6
Petroleum, Chemicals & Fertiliser (Department of Petroleum)	1. Gurha Kesar-Singh	221, 222, 175, 172, 162, 169, 151, 166, 167, 150 & 148.	892 3253	1-4-78 22-9-79	10-12-79 10-12-79
	"	129, 108, 111, 107, 51, 52, 54, 53, 30, 29, 28, 18, 17, 16, 14, 13, 4, 3, 678, 679, 680 & 681.	892 3253	1-4-78 22-9-79	25-12-79 25-12-79
	2. Gadhana	151, 149, 150, 43, 40, 39 & 60	892	1-4-78	25-12-79
	"	273, 275, 276, 313, 312, 309, 308, 307, 282, 284, 285, 286, 287, 288, 292, 233, 232, 231, 189, 194, 195, 198, 205, 202, 217 & 216.	892 3253	1-4-78 22-9-79	27-4-80 27-4-80
	3. Kantaliya	376, 375, 374, 373 & 377	892	1-4-78	10-12-79
	"	18, 19, 17, 13, 14, 12, 5, 6, 111, 112, & 115.	892	1-4-78	28-4-80

1	2	3	4	5	6
	4. Bornari	All khasra Nos. as per S.O.	892 3253	1-4-78 22-9-79	28-4-80 28-4-80
	5. Gundagarhi	All khasra Nos. as per S.O.	892 3253	1-4-78 22-9-79	28-4-80 28-4-80

[No.12020/24/79-Prod.]

NARENDRA SINGH, Competent Authority  
under the Act for Rajasthan and Uttar Pradesh

नई दिल्ली, 22 जुलाई, 1980

New Delhi, the 22nd July, 1980

का० प्रा० 2125 :—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में रूप नं० नार्थ कड़ी जीजीएस से नार्थ कड़ी सीटीएफ तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइप लाइन तैयार तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिये एतद्पावत्र अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और अर्जित पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्वारा घोषित किया है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप मन्त्र अधिकारी, तैल तथा प्राकृतिक गैस तथा आयोग, निर्माण और देखभाल प्रभाग, मकरपुरा रोड, बड़ोवरा-9 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिश्चितः यह भी कथन करेगा कि क्या वह यह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

## अनुसूची

एन० कड़ी जी० जी० एम० से एन० कड़ी सी० टी० एफ० तक,  
पाइप लाइन बिछाने के लिए, 5 मीटर अधिक चौड़ाई

राज्य : गुजरात जिला अहमदाबाद तालुका : विरमगाम

गांव	सर्वे नं०	हेक्टेयर	एअरई सेन्टीयर
तेलावी	रेलवे	0	0 75
	227 -	0	0 45
	226/43	0	4 70
	226/55	0	1 40
	226/42	0	0 40
	226/27/पी	0	5 65
	226/28	0	1 85
	कार्ट ट्रैक	0	0 20
	209/59	0	5 10
	209/57	0	1 50
	209/55	0	1 30
	209/49	0	2 70
	209/50	0	1 20
	209/47	0	3 20
	209/26	0	6 30
	209/23	0	1 60

S.O. 2125.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from N. Kadi GGS to N. Kadi CTF in Gujarat State pipelines should be laid by the Oil & Natural Gas Commission;

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipelines, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipelines under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, Construction & Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodara-390 009.

And every person making such an objection, shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by a legal practitioner.

## SCHEDULE

Rou for Extra 5 Meters for N. Kadi GGS to N. Kadi CTF  
State : Gujarat District : Ahmedabad Taluka : Viramgam

Village	Survey No.	Hectare	Arc	Centi-are
Telavi	Railway	0	0	75
	227	0	0	45
	226/43	0	4	70
	226/55	0	1	40
	226/42	0	0	40
	226/27/P	0	5	65
	226/28	0	1	85
	Cart Track	0	0	20
	209/59	0	5	10
	209/57	0	1	50
	209/55	0	1	30
	209/49	0	2	70
	209/50	0	1	20
	209/47	0	3	20
	209/26	0	6	30
	209/23	0	1	60

का० आ० 2126 :—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में कूप तं० नार्थ कडी जीजीएस से नार्थ कडी सीटीएफ तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइप लाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों के बिछाने के प्रयोजन के लिये एतद्पावद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम अधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस तथा आयोग, निर्माण और देखभाल प्रभाग, मकरपुरा रोड, वडोदरा-9 को इस सूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिश्चितः यह भी कथन करेगा कि क्या वह यह चाहता है कि उसकी मुनवाई व्यक्तिगत हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

#### अनुसूची

एन० कडी जीजीएस से एन कडी सीटीएफ तक पाइप लाइन बिछाने के लिए 5 मीटर अधिक चौड़ाई

राज्य : गुजरात जिला: अहमदाबाद तालुका: विरमगाम

गांव	सर्वे न०	हेक्टेयर	एम्पारई	सेन्टीयर
1	2	3	4	5
बालसासन	216/5	0	1	65
	216/4	0	1	90
	216/3	0	1	40
	216/2	0	0	60
	216/1	0	4	05
	217	0	3	05
	218/2	0	5	25
	202/3	0	2	50
	201/3	0	1	80
	201/2	0	2	25
	199/4	0	0	10
	199/3	0	2	15
	199/2ए	0	2	30
	200/2	0	0	2
	198/पी	0	1	25
	198/पी	0	1	10
	198/पी	0	0	85
	195/1	0	1	00
	196/6	0	2	25
	196/4	0	2	25
	196/3	0	1	15
	196/2	0	0	85
	195/2	0	1	50
	191/2/पी	0	3	00
	198/पी	0	0	75
	198/पी	0	0	85

1	2	3	4	5
	191/2/पी	0	1	40
	काटे ट्रेक	0	0	35
	192/4	0	0	03
	192/3	0	2	92
	काटे ट्रेक	0	0	25
	138/3	0	2	95
	138/2	0	1	03
	138/1	0	1	90
	9/1/पी	0	16	55
	127/1	0	6	60
	126/2	0	1	45
	126/1/पी	0	0	25
	126/पी	0	2	35
	126/पी	0	0	65
	125/2+3+4/पी	0	3	00
	9/1/पी	0	5	45
	67/2	0	3	40
	66/पी	0	1	05
	66/पी	0	4	00
	काटे ट्रेक	0	0	25
	62/1	0	0	35
	61/2	0	4	35
	61/1	0	3	30
	60	0	3	20
	58/पी	0	1	50
	58/पी	0	3	00
	58/पी	0	3	00
	58/पी	0	2	75
	58/पी	0	0	50
	58/पी	0	4	00
	51	0	2	10
	52/1	0	1	85
	52/2	0	4	75
	49	0	2	20
	53/2	0	1	75

[सं० 12016/34/80-प्रौ० I]

**S.O. 2126.**—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from N. Kadi GGS to N. Kadi CTF in Gujarat State pipelines should be laid by the Oil & Natural Gas Commission;

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipelines, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipelines under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, Construction & Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodra-390 009.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by a legal practitioner.

## SCHEDULE

Extra 5 Mtrs. Rou for N. Kadi GGS to N. Kadi CTF  
State : Gujarat Dist. Ahmedabad Taluka : Viramgam

Village	Survey No.	Hect.	Arc	Centiare
1	2	3	4	5
Balsasan	216/5	0	1	65
	216/4	0	1	90
	216/3	0	1	40
	216/2	0	0	60
	216/1	0	4	05
	217	0	3	05
	218/2	0	5	25
	202/3	0	2	50
	201/3	0	1	80
	201/2	0	2	25
	199/4	0	0	10
	199/3	0	2	15
	199/2/A	0	2	30
	200/2	0	0	2
	198/P	0	1	25
	198/P	0	1	10
	198/P	0	0	85
	195/1	0	1	00
	196/6	0	2	25
	196/4	0	2	25
	196/3	0	1	15
	196/2	0	0	85
	195/2	0	1	50
	191/2/P	0	3	00
	198/P	0	0	75
	198/P	0	0	85
	191/2/P	0	1	40
	Cart-track	0	0	35
	192/4	0	0	03
	192/3	0	2	92
	Cart-track	0	0	25
	138/3	0	2	95
	138/2	0	1	03
	138/1	0	1	90
	9/1/P	0	16	55
	127/1	0	6	60
	126/2	0	1	45
	126/1/P	0	0	25
	126/P	0	2	35
	126/P	0	0	65
	125/2+3+4/P	0	3	00
	9/1/P	0	5	45
	67/2	0	3	40
	66/P	0	1	05
	66/P	0	4	00
	Cart-track	0	0	25
	62/1	0	0	35
	61/2	0	4	35
	61/1	0	3	30
	60	0	3	20
	58/P	0	1	50
	58/P	0	3	00
	58/P	0	3	00
	58/P	0	2	75

[No. 12016/34/80 Prod-II]

1	2	3	4	5
	58/P	0	0	50
	58/P	0	4	00
	51	0	2	10
	52/1	0	1	85
	52/2	0	4	75
	49	0	2	20
	53/2	0	1	75

का० मा० 2127 :—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में कृषि नं० नॉर्थ कडी जी० जी० एम० से नॉर्थ कडी सीटीएस, नक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइप लाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाई जाना चाहिए।

और यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिये एतद्पावट अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अथ पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उप-धारा (1) द्वारा प्रयुक्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आणख एतद्द्वारा घोषित किया है।

अतः कि उक्त भूमि में हितवश कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम अधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस तथा आयोग, निर्माण और देखभाल प्रभाग, मकरपुरा रोड, बड़दरा-9 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकता है।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टः यह भी कहने करेगा कि क्या वह यह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

## अनुसूची

एन० कडी जी० जी० एम० से एन० कडी सी० टी० एफ० तक पाइप लाइन बिछाने के लिए 5 मीटर अधिक चौड़ाई

राज्य : गुजरात	जिला : मेहसाना	तालुका : कडी	गांव	सर्वे नं०	हेक्टेयर	एअरई	सेन्टीयर
			आलासन	95	0	2	30
			कार्ट ट्रैक		0	0	35
				110/2	0	3	70
				87	0	6	60
				86/3	0	2	90
				111/2	0	0	08
				111	0	2	85
				112	0	3	70
				कार्ट ट्रैक	0	0	20
				118/2	0	1	35
				117/पी	0	2	70
				121/2	0	4	15
				117/वी	0	3	70

[सं० 12016/34/80-प्रो०-II]

**S.O. 2127.**—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from N. Kadi GGS to N. Kadi CTF in Gujarat State pipelines should be laid by the Oil & Natural Gas Commission;

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipelines, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipelines under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, Construction & Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodara-390 009.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by a legal practitioner.

#### SCHEDULE

Rou for extra 5 meters for N. Kadi GGS to N. Kadi CTF  
State : Gujarat District : Mehsana Taluka : Kadi

Village	Survey No.	Hect.	Are	Centi-arc
Chalsasan	95	0	2	30
	Cart track	0	0	35
	110/2	0	3	70
	87	0	6	60
	86/3	0	2	90
	111/2	0	0	08
	111/1	0	2	85
	112	0	3	70
	Cart track	0	0	20
	118/2	0	1	35
	117/P	0	2	70
	121/2	0	4	15
	117/P	0	3	70

[No. 12016/34/80 Prod-II]

का० आ० 2128 :—यनः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में कूप नं० वायर बेड से सी० पी० स्टेशन तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइप लाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और यनः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिये एतद्विषयक अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने जयमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्वारा घोषित किया है।

496 GI/80—8

वर्णन कि उक्त भूमि में हिलबड बोर्ड व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप लक्ष्य अधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस तथा आयोग, निर्माण और देखभाल प्रभाग, मकरपुरा रोड, बड़ोदरा-9 को इस अधिसूचना की शुरुआत से 21 दिनों के भीतर कर सकेंगे।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्ट यह भी कथन करेगा कि वह यह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

#### अनुसूची

वायर बेड से सी० पी० स्टेशन तक वायर बिछाने के लिए।

राज्य : गुजरात जिला : मरुच तालुका : मरुच

गांव	सर्वे नं०	हेक्टेयर	एअर	सेन्टीयर
कहान	9	0	0	99
	10	0	0	40
	11	0	0	14

[नं० 12016/32/80-प्र०]

**S.O. 2128.**—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Wire Bed to C P Statia in Gujarat State pipelines should be laid by the Oil and Natural Gas Commission;

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipelines, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipelines under the land to the Competent Authority, Oil and Natural Gas Commission, Construction and Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodara-390 009.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by a legal practitioner.

#### SCHEDULE

R.O.U. for wire bed pipeline to C.P. Station.

State : Gujarat Distt: Bharuch Taluka: Bharuch

Village	Survey No.	Hect.	Are	Centi-arc
Kahan	9	0	0	99
	10	0	0	40
	11	0	0	14

[No. 12016/32/80-Prod.]

नई दिल्ली, 22 जुलाई, 1980

का० आ० 2129 :—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोक हित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में कूप तेल नार्थ कडी जीजीएम से नार्थ कडी सीटीएम तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइप लाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाई जानी चाहिये।

और यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों के बिछाने के प्रयोजन के लिये एतद्पावद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार प्रजित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और कनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार प्रजित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है।

अतः कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के लिये पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सहम अधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस तथा आयोग, निर्माण और देखभाल प्रभाग, मकरपुरा रोड, बडोवरा-9 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिश्चितः यह भी कथन करेगा कि क्या वह यह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत हो या किसी विधी व्यवसायी की मार्फत।

## अनुसूची

एन० कडी जी० एस०, से एन० कडी सी० टी० एफ० तक पाइप लाइन बिछाने के लिए 5 मीटर अधिक चौड़ाई।

राज्य : गुजरात जिला : अहमदाबाद तालुका : बिलुमाग

गांव	सर्वे नं०	हेक्टेयर एग्राईड	सेन्टीयर
भटारिया	41/पी	0	7 55
	40/1	0	0 60
	42/2/पी	0	5 75
	42/2/पी	0	0 25
	38	0	6 80
	48/1/2/3	0	9 35
	143	0	0 45

[सं० 12016/33/80-प्रो०-II]

किरण चड्ढा, अवर सचिव

New Delhi, the 22nd July, 1980

S.O. 2129.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from N. Kadi GGS to N. Kadi CTF in Gujarat State pipelines should be laid by the Oil and Natural Gas Commission;

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipelines, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the Schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein :

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipelines under the land to the Competent Authority, Oil and Natural Gas Commission, Construction and Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodara-390009.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

## SCHEDULE

R.O.U. for extra 5 meters for N. Kadi GGS to N. Kadi CTF  
State : Gujarat Distt : Ahmedabad Taluka : Viramgam

Village	Survey No.	Hect.	are	Centi-are
Bhataria	41/P	0	7	55
	40/1	0	0	60
	42/2/P	0	5	75
	42/2P	0	0	25
	38	0	6	80
	48/1/2/3	0	9	35
	143	0	0	45

[No. 12016/33/80. Prod-II]

KIRAN CHADHA Under Secy.

## स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

(स्वास्थ्य विभाग)

नई दिल्ली, 28 जुलाई, 1980

का० आ० 2130—यतः भारतीय चिकित्सा परिषद् अधिनियम, 1956 (1956 का 102) की धारा 3 की उपधारा (1) के खण्ड (ख) के उपबंधों के अनुसरण में बम्बई विश्वविद्यालय ने डा० एम० बी० खेर, एम० एम० सी० (चिकित्सा) एम० बी० बी० एस० को 29 मई, 1980 से भारतीय चिकित्सा परिषद् का सदस्य नियोजित किया है ;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 3 की उपधारा (1) का पालन करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा भूतपूर्व स्वास्थ्य मंत्रालय की 9 जनवरी, 1960 की अधिसूचना संख्या 5-13/59-एम० में निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना में "धारा 3 की उपधारा (1) के खण्ड (ख) के अधीन निर्वाचित" शीर्ष के अन्तर्गत क्रम संख्या 7 और उससे संबंधित प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित क्रम संख्या और प्रविष्टियाँ रखी जाएँगी, अर्थात् :—

"7 डा० एम० बी० खेर, एम० एम० सी० (मेडिकल)

एम० बी० बी० एस०,

मुश्म करीसा, पासी हिल,

बाद्रा, बम्बई-400050"

[संख्या सी०-11013/12/80-एम० ई० (पी०)]

के० जेम्सोपाय, अवर सचिव

## MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE

(Department of Health)

New Delhi, the 29th July, 1980

S.O. 2130.—Whereas in pursuance of the provisions of clause (b) of sub-section (1) of section 3 of the Indian Medical Council Act, 1956 (102 of 1956), Dr. M. B. Kher, M. Sc., (Medical)—M.B.B.S has been elected by the Bombay University to be a member of the Medical Council of India with effect from 29th May, 1980 ;

Now, therefore, in pursuance of sub-section (1) of section 3 of the said Act, the Central Government hereby makes the following amendment in the notification of late Ministry of Health No. 5-13/59-MI, dated the 9th January, 1960, namely:—

In the said notification, under the heading "Elected under clause (b) of sub-section (1) of section 3" for serial number 7 and the entries relating thereto the following serial number and the entries shall be substituted namely:—

"7. Dr. M. B. Kher, M. Sc. (Med.) MBBS,  
Shubham Karoti, Pali Hill,  
Bandra, Bombay-40030."

[No. V. 11013/12/80-M.E.(Policy)]

K. VENUGOPAL, Under Secy.

### इस्पात, खान और कोयला मंत्रालय (कोयला विभाग)

नई दिल्ली, 19 जुलाई, 1980

का० आ० 2131—केन्द्रीय सरकार ने कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20, की धारा 4 की उपधारा (1) के अधीन भरण के राजपत्र, भाग 2, खण्ड 3, उपखण्ड (ii) में प्रकाशित भरण सरकार के भूतपूर्व ऊर्जा मंत्रालय, कोयला विभाग की अधिसूचना सं० का० आ० 1057, तारीख 8 मार्च, 1979 द्वारा उस अधिनियम से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट क्षेत्रों की 2205-00 हेक्टर (लगभग) या 5446.35 एकड़ (लगभग) भूमि में कोयले का पूर्वांश करने के अपने आशय को सूचना दी थी ;

और केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो गया है कि उक्त भूमि के कुछ भाग में कोयला अभिप्राप्त होने की संभावना है ;

अतः, केन्द्रीय सरकार, कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 7 की उपधारा (1) द्वारा प्रवर्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए :—

(क) इससे उपाखण्ड अनुसूची 'क' में वर्णित 80-70 हेक्टेयर (लगभग) या 199-40 एकड़ (लगभग) भूमि ;

(ख) इससे उपाखण्ड अनुसूची 'ख' में वर्णित 1966-78 हेक्टेयर (लगभग) या 4859-78 एकड़ (लगभग) भूमि में खनन, खदान, भेदन, खोदने और खनिजों की खोज, प्राप्ति, उन पर कार्य करने और ले जाने के अधिकारों को अर्जित करने के अपने आशय की सूचना देती है ।

टिप्पण—1 इस अधिसूचना के अधीन आने वाले क्षेत्र के रेखांक का निरीक्षण कलक्टर बैतूल (मध्य प्रदेश) के कार्यालय में या कोयला

नियंत्रक, 1 कौंसिल हाउस स्ट्रीट, कलकत्ता के कार्यालय में या वेस्टर्न कोल फील्ड्स लिमिटेड (राजस्व अनुभाग) बिसेसर हाउस, मन्दिर मार्ग, नागपुर (महाराष्ट्र) के कार्यालय में किया जा सकता है ।

टिप्पण—2 पूर्वोक्त अधिनियम की धारा 8 की ओर इसके द्वारा ध्यान आकषित किया जाता है, जिसमें निम्नलिखित के लिए उपबंध किया गया है :

अर्जन के प्रति आपत्तियां :—

"8(1) कोई व्यक्ति जो किसी भूमि में जिसकी बाबत धारा 7 के अधीन अधिसूचना जारी की गई है, हितबद्ध है अधिसूचना के निकाले जाने की तारीख से तीस दिन के भीतर सम्पूर्ण भूमि या उसके किसी भाग या ऐसी भूमि में या उस पर किसी अधिकारी के अर्जन किए जाने के बारे में आपत्ति कर सकेगा ।

स्पष्टीकरण :—इस धारा के अर्थात्तगत यह आपत्ति नहीं मानी जाएगी कि कोई व्यक्ति किसी भूमि में कोयला उत्पादन के लिए स्वयं खान संक्रियाएं करना चाहता है और ऐसी संक्रियाएं केन्द्रीय सरकार या किसी अन्य व्यक्ति को नहीं करनी चाहिए ।

(2) उपधारा (1) के अधीन प्रत्येक आपत्ति सक्षम प्राधिकारी को लिखित रूप में की जाएगी और सक्षम प्राधिकारी आपत्तिकर्ता को स्वयं सुने जाने का या विधि व्यवसायी द्वारा सुनवाई का अवसर देगा और ऐसी सभी आपत्तियों को सुनने के पश्चात् और आगे ऐसी प्रतिरिक्त जांच, यदि कोई हो, करके के पश्चात् जो वह आवश्यक समझता है, वह तो धारा 7 की उपधारा (1) के अधीन अधिसूचित भूमि के या ऐसी भूमि में या उस पर के अधिकारों के संबंध में एक रिपोर्ट या ऐसी भूमि के विभिन्न टुकड़ों या ऐसी भूमि में या उस पर अधिकारों के संबंध में आपत्तियों पर अपनी सफारिशों और उसके द्वारा की गई कार्यवाही के अभिलेख सहित रिपोर्ट केन्द्रीय सरकार को उसके विनिश्चय के लिए देगा ।

(3) इस धारा के प्रयोजनों के लिए किसी भूमि में सहित समझा जाएगा, जो प्रतिफल में हित का दावा करने का हकदार होता यदि भूमि या ऐसी भूमि या ऐसी भूमि में या उस पर के अधिकार इस अधिनियम के अधीन अर्जित कर लिए जाते हैं ।

टिप्पण 3 :—केन्द्रीय सरकार ने कोयला नियंत्रक, 1 कौंसिल हाउस स्ट्रीट, कलकत्ता को इस अधिनियम के अधीन सक्षम प्राधिकारी नियुक्त किया है ।

#### अनुसूची "क"

#### यासर खण्ड (सतपुरा-III)

#### पठखेड़ा कोयला क्षेत्र

सभी अधिकार रेखांक सं० सी-1 (ई 8/III/एफ० एफ० आर/99 तारीख 13-11-79  
भाग I (जिसमें अर्जित का जाने वाले भूमि वर्णित की गई है) 1179

क्रम सं०	वन का नाम	उपखण्ड और भूखला	तहसील और जिला	टिप्पणियां
1	रानोपुर आरक्षित वन	381 (दाबः बांध प्लाटिंग)	बेतूल	भाग
2	"	382 (बगवोना फॉलिंग)	यथोक्त	भाग
3	"	383 (बगवोना फॉलिंग)	यथोक्त	भाग
कुल क्षेत्र :		57-30 हेक्टेयर (लगभग)		
या		141.59 एकड़ (लगभग)		

## भाग II (क)

क्रम सं०	बन का नाम	उपखण्ड और शृंखला	तहसील और जिला	टिप्पण
1	रानीपुर आरक्षित	381 (टाखा बांध प्लाटिंग)	बेतूल	भाग
2	"	382 (बगदोना फार्मिंग)	"	भाग
कुल क्षेत्र :		5.00 हेक्टेयर (लगभग) या 12.36 एकड़ (लगभग)		

## भाग II (ख)

क्रम सं०	बन का नाम	उपखण्ड और शृंखला	तहसील और जिला	टिप्पण
1	रानीपुर आरक्षित बन (म० प्र० बोर्ड द्वारा धारित)	381 (टाखा बांध प्लाटिंग)	बेतूल	भाग
कुल क्षेत्र :		0.21 हेक्टेयर (लगभग) या 0.51 एकड़ (लगभग)		

## भाग III

क्रम सं०	बन का नाम	उपखण्ड और शृंखला	तहसील और जिला	टिप्पण
1	रानीपुर आरक्षित बन	381 (टाखा बांध प्लाटिंग)	बेतूल	भाग
कुल क्षेत्र :		15.80 हेक्टेयर (लगभग) या 39.04 एकड़ (लगभग)		

## भाग IV

क्रम सं०	बन का नाम	उपखण्ड और शृंखला	तहसील और जिला	टिप्पण
1	रानीपुर आरक्षित बन	380 (बगदोना फार्मिंग)	बेतूल	भाग
कुल क्षेत्र :		2.59 हेक्टेयर (लगभग) या 5.90 एकड़ (लगभग)		

भाग I, II (क), II (ख), III और IV का कुल क्षेत्र :

80.70 हेक्टेयर (लगभग)  
या 199.40 एकड़ (लगभग)

सीमा वर्णन :

अनुसूची 'क'

भाग I

क1-क2—	रेखा बगदोना ग्राम और उपखण्ड सं० 382 की साक्षी सीमा के साथ-साथ जाती है और बगदोना ग्राम तथा उपखण्ड सं० 382 की साक्षी सीमा पर बिन्दु "क2" पर मिलती है।
क2-क3	रेखा बगदोना ग्राम, उपखण्ड सं० 382, 383 की साक्षी सीमा के साथ-साथ जाती है और बिन्दु "क3" पर मिलती है।
क3-क4	रेखा बगदोना ग्राम और उपखण्ड सं० 383 की साक्षी सीमा के साथ-साथ जाती है और बिन्दु 'क' पर मिलती है।
क4-क5,	रेखा का ० प्रा० सं० 4055 तारीख 14-10-71 द्वारा धारा 9(1) के अधीन अजित पायखेड़ा II (उपखण्ड ग) की दक्षिणी सीमा के साथ-साथ जाती है और बिन्दु क5 पर मिलती है।
क5-क6	रेखा उपखण्ड सं० 383 और 381 से होकर जाती है और म० प्र० वि० बोर्ड की उत्तरी सीमा (बोड़ा डोंगरी-सारनी) की साक्षिणी पर बिन्दु क6 पर मिलती है।
क6-क1	रेखा म० प्र० वि० बोर्ड की उत्तरी सीमा (बोड़ा डोंगरी-सारनी) की साक्षिणी के साथ-साथ जाती है और आरंभिक बिन्दु 'क-1' पर मिलती है।



## भाग II(क)

- ख 1-ख 2 रेखा उपखण्ड सं० 382 से होकर जाती है।  
 ख 3-ख 4 और उपखण्ड सं० 382 और 381 की साझी सीमा पर बिन्दु 'ख 5' पर मिलती है।  
 ख 5-ख 6 रेखा उपखण्ड सं० 381 से होकर जाती है और म० प्र० वि० बोर्ड द्वारा धारित भूमि की पश्चिमी सीमा पर बिन्दु 'ख 6' पर मिलती है।  
 ख 6-ख 7 रेखा म० प्र० वि० बोर्ड द्वारा धारित भूमि की पश्चिमी सीमा के साथ-साथ जाती है और बिन्दु 'ख 7' पर मिलती है।  
 ख 7-ख 1 रेखा उपखण्ड म० 381 से होकर जाती है और उपखण्ड सं० 381 और 382 की साझी सीमा पर प्रारम्भिक बिन्दु 'ख 1' पर मिलती है।

## भाग II(ख)

- ख 6-ख 7 रेखा म० प्र० वि० बोर्ड द्वारा धारित भूमि की पश्चिमी सीमा के साथ-साथ जाती है और बिन्दु 'ख 7' पर मिलती है।  
 ख 7-ख 8 रेखा म० प्र० वि० बोर्ड की भूमि से होकर जाती है और बिन्दु 'ख 8' पर मिलती है।  
 ख 8-ख 9 रेखा म० प्र० वि० बोर्ड की भूमि से होकर जाती है और बिन्दु 'ख 9' पर मिलती है।  
 ख 9-ख 6 रेखा म० प्र० वि० बोर्ड की भूमि से होकर जाती है और म० प्र० वि० बोर्ड की भूमि की पश्चिम सीमा पर प्रारम्भिक बिन्दु 'ख 6' पर मिलती है।

## भाग III

- ग 1-ग 2 रेखा का० आ० सं० 290 तारीख 18-12-71 द्वारा कोयला धारक क्षेत्र अधिनियम, 1957 की धारा 9(1) के अधीन अर्जित क्षेत्र की पूर्वी सीमा (उपखण्ड II) के साथ-साथ जाती है और बिन्दु 'ग 2' पर मिलती है।  
 ग 2-ग 3 रेखा उपखण्ड सं० 381 से होकर जाती है और उपखण्ड सं० 381 और 380 की साझी सीमा पर बिन्दु 'ग 3' पर मिलती है।  
 ग 3, ग 4-ग 5 रेखा उपखण्ड सं० 381 से होकर जाती है और प्रारम्भिक बिन्दु 'ग 1' पर मिलती है।

## भाग IV

- घ 1-घ 2 रेखा का० आ० सं० 290 तारीख 19-12-71 द्वारा कोयला धारक क्षेत्र अधिनियम, 1957 की धारा 9(1) के अधीन अर्जित घोगरी खण्ड (उपखण्ड 1) की दक्षिणी सीमा के साथ-साथ जाती है और बिन्दु 'घ 2' पर मिलती है।  
 घ 2-घ 3 रेखा उपखण्ड सं० 380 से होकर जाती है और म० प्र० वि० बोर्ड की भूमि की उत्तरी सीमा पर बिन्दु 'घ 3' पर मिलती है।  
 घ 3-घ 1 रेखा म० प्र० वि० बोर्ड की भूमि के साथ-साथ जाती है और प्रारम्भिक बिन्दु 'घ 1' पर मिलती है।

## अनुसूची "ख"

धनेर खण्ड (मतपुरा-3)

पठखंडा कोयला क्षेत्र

रेखांक सं० ग-1 (ई)/3/एफएफआर/99-1199  
 तारीख 13-11-1979

(ऐसी भूमि दर्शित करने वाले जहाँ खनिजों के निष्कासन, खदान, बेधन, खुदाई और खोजने, प्राप्त करने, निकालने और खनिज से जाने का अधिकार अर्जित किया जाता है।)

खनन अधिकार

## भाग I

## सरकारी वन

क्रम सं०	वन का नाम	उपखण्ड	ग्रंथाला	तहसील और जिला	टिप्पणियां
1	रानीपुर प्रारक्षित वन	381	बगदोना फालिग	बेतूल	भाग
2	"	381	देवा बाघ प्लाटिंग	बेतूल	भाग
3	"	382	बगदोना फालिग	"	"
4	"	383	बगदोना फालिग	"	"
कुल क्षेत्र :		644.04 हेक्टेयर (लगभग)			
		या 1591.42 एकड़ (लगभग)			

## भाग II

क्रम सं०	स्वामी का नाम	तहसील और जिला
1	म० प्र० वि० बोर्ड का सरनी ताप बिजली घर	बेतूल
कुल क्षेत्र :		616.63 हेक्टेयर (लगभग)
		या 1523.70 एकड़ (लगभग)

## भाग III

क्रम सं०	ग्राम	पी० सी० सं०	तहसील और जिला	क्षेत्र राजस्व भूमि	एकड़ में मन्कारी भूमि	जोड़	टिप्पणियाँ
1	पठखेड़ा	27	बेतूल	52.03	444.07	496.10	भाग
2	धोगरी	25	बेतूल	30.49	89.96	120.45	"
3	धेसर	25	बेतूल	547.20	180.99	728.19	"
4	बगवौना	23	बेतूल	330.13	69.79	399.92	"
कुल क्षेत्र :				959.85	784.81	1744.66	एकड़ (लगभग)
या				706.05	हेक्टेयर (लगभग)		

भाग I, II और III का कुल क्षेत्र

1966.72 हेक्टेयर (लगभग)

या 4859.78 एकड़ (लगभग)

पठखेड़ा ग्राम में अर्जित किये जाने वाले प्लॉटों के संख्यांक :

1 भाग, 3 भाग, 4 भाग, 5 से 10, 11 भाग, 12 से 22, 23 भाग, 24 भाग, 28 भाग, 32 भाग, 33 भाग, 34 से 41, 42 भाग, 43 भाग, 53 भाग, 54 और 55 भाग।

धोगरी ग्राम में अर्जित किये जाने वाले प्लॉटों के संख्यांक :

1 भाग, 26 भाग, 32, 33, 34 भाग, 36 भाग, 46 भाग, 48 भाग, 51 भाग, 52, 53 भाग, 54 से 63, 64 भाग, 65 भाग, 66 से 69, 70 भाग, 76 भाग, 79 भाग, 80 भाग, 107 भाग, 113 भाग, 114 भाग और 127 भाग।

धेसर ग्राम में अर्जित किये जाने वाले प्लॉटों के संख्यांक :

1 से 25, 26 भाग, 27 भाग, 28 भाग, 31 भाग, 32 भाग, 33 भाग, 93 भाग, 94, 95, 96 भाग, 97 भाग, 98 भाग, 99 भाग, 100 भाग, 101 से 149, 150 भाग, 151, 152 भाग, 153 से 156, 157 भाग, 158 भाग और 159 भाग।

बगवौना ग्राम में अर्जित किये जाने वाले प्लॉटों के संख्यांक :

57 भाग, 59 भाग, 60 भाग, 62 भाग, 63, 64, 65 भाग, 66 भाग, 69 भाग, 71 भाग, 72 भाग, 73 भाग, 151 भाग, 153 भाग, 154 भाग, 155, 156 भाग, 193 से 207, 208 भाग, 209 भाग, 214 भाग, 219 भाग, 220 भाग, 221 भाग, 222 भाग, 225, 226 भाग, 227 से 282, 283 भाग, 264 से 289, 270 भाग, 272 भाग, 287 भाग, 288 भाग, 297 भाग, 308 भाग, 309 भाग, 310 भाग, 315 भाग, 316 से 342, 343 भाग, 344, 345 भाग, 346 भाग, 363 भाग, 364 भाग, 365 भाग, और 366 भाग।

सीमा वर्णन : (अनुसूची क के भाग 2 क और 2 ख के रूप में अभिज्ञान भाग को सभी अधिकारों में से अपवर्जित करते हुए)।

क1-क6 अनुसूची 'क' (भाग 1) में क5-क1 रेखा के रूप में दिये गए सीमा वर्णन के अनुसार।

क6-क5 अनुसूची 'क' (भाग 1) में क5-क6 रेखा के रूप में दिये गए सीमा वर्णन के अनुसार।

क5-क रेखा का० प्रा० सं० 4055 तारीख 14-10-71 के अनुसार कोयला धारक क्षेत्र अधिनियम, 1957 की धारा 9(1) के अधीन अर्जित पठखेड़ा धारक-II के उपखण्ड "ग" और उपखण्ड 'क' की दक्षिणी सीमा के साथ-साथ उनके एक भाग से होकर गुजरती है और पठखेड़ा खण्ड-II (उपखण्ड क) और का० प्रा० सं० 2760 तारीख 19-9-63 द्वारा धारा 9(1) के अधीन अर्जित पठखेड़ा खाम की माझी सीमा पर बिन्दु 'क' पर मिलती है।

कख-ग-ख-ड रेखा का० प्रा० सं० 2760 तारीख 19-9-63 द्वारा कोयला धारक क्षेत्र अधिनियम, 1957 की धारा 9(1) के अधीन अर्जित क्षेत्र की दक्षिणी सीमा के साथ-साथ (पठखेड़ा खाम) जाती है और का० प्रा० सं० 2760 तारीख 19-9-63 और का० प्रा० सं० 4055 तारीख 14-10-71 द्वारा पूर्वोक्त की धारा 9(1) के अधीन अर्जित क्षेत्र की माझी सीमा पर बिन्दु 'ड' पर मिलती है।

ड-ख रेखा का० प्रा० सं० 4055 तारीख 14-10-71 द्वारा कोयला धारक क्षेत्र अधिनियम, 1957 की धारा 9(1) के अधीन अधिसूचित पठखेड़ा-II के उपखण्ड ख की पश्चिमी सीमा से होकर जाती है और का० प्रा० सं० 290 तारीख 18-12-71 द्वारा पूर्वोक्त अधिनियम की धारा 9(1) के अधीन अर्जित पठखेड़ा ब्लॉक-II (उपखण्ड-ख) और धोगरी खण्ड (उपखण्ड II) की माझी सीमा के बिन्दु 'ख' पर मिलती है।

ख-छ रेखा का० प्रा० सं० 290 तारीख 18-12-71 द्वारा कोयला धारक क्षेत्र अधिनियम, 1957 की धारा 9(1) के अधीन अर्जित धोगरी खण्ड के (उपखण्ड-II) की पश्चिमी सीमा के साथ-साथ जाती है और बिन्दु 'छ' पर मिलती है।

छ-ग1 रेखा का० प्रा० सं० 290 तारीख 18-12-71 द्वारा को० प्रा० सं० अधिनियम, 1957 की धारा 9(1) के अधीन अर्जित धोगरी खण्ड के उपखण्ड-II की दक्षिणी सीमा के साथ-साथ जाती है और बिन्दु 'ग1' पर मिलती है।

ग1-ग4-ग3 अनुसूची 'क' (भाग-III) में ग3-ग4-ग1 के रूप में दिया गया है।

ग3-ग2 अनुसूची 'क' (भाग-III) में ग2-ग3 के रूप में दिया गया है।

- ग 2-ग रेखा कां. भा० सं० 290 तारीख 18-12-71 द्वारा को० धा० क्षेत्र अधिनियम, 1957 की धारा 9(1) के अधीन अर्जित धोयरी खण्ड (उपखण्ड-II) की पूर्वी सीमा के साथ-साथ जाती है और बिन्दु "ज" पर मिलती है।
- ग-घ रेखा कां. भा० सं० 290 तारीख 18-12-71 द्वारा को० धा० क्षेत्र अधिनियम, 1957 की धारा 9(1) के अधीन अर्जित धोयरी खण्ड के उपखण्ड-II की उत्तरी सीमा के साथ-साथ जाती है और धोयरी खण्ड (उपखण्ड-I) तथा कां. भा० सं० 2760 तारीख 19-9-63 द्वारा धारा 9(1) के अधीन अर्जित पठखेड़ा खाम की साझी सीमा पर मिलती है।
- ग-घ रेखा कां. भा० सं० 2760 तारीख 19-9-63 द्वारा को० धा० क्षेत्र अधिनियम, 1957 की धारा 9(1) के अधीन अर्जित पठखेड़ा खाम की पूर्वी सीमा के साथ-साथ जाती है और पठखेड़ा खाम और धोयरी खण्ड (उपखण्ड-I) की साझी सीमा के बिन्दु "ट" पर मिलती है।
- घ-घ 1 रेखा कां. भा० सं० 290 तारीख 18-12-71 द्वारा को० धा० क्षेत्र अधिनियम, 1957 की धारा 9(1) के अधीन अर्जित धोयरी खण्ड (उपखण्ड-I) की दक्षिणी सीमा के साथ-साथ जाती है और बिन्दु "घ 1" पर मिलती है।
- घ 1-घ 3-घ 2 अनुसूची "क" (भाग) में घ 2-घ 3-घ 1 में दिया गया है।
- घ 2-ट रेखा कां. भा० सं० 290 तारीख 18-12-71 द्वारा को० धा० क्षेत्र अधिनियम, 1957 की धारा 9(1) के अधीन अर्जित धोयरी खण्ड (उपखण्ड-1) के दक्षिणी सीमा के साथ-साथ जाती है और बिन्दु "ट" पर मिलती है।
- ठ-ठ रेखा कां. भा० सं० 290 तारीख 18-12-71 द्वारा को० धा० क्षेत्र अधिनियम, 1957 की धारा 9(1) के अधीन अर्जित धोयरी खण्ड (उपखण्ड-I) की पूर्वी सीमा के साथ-साथ जाती है और पठखेड़ा खाम और धोयरी खण्ड (उपखण्ड-1) की सीमा पर बिन्दु "ठ" पर मिलती है।
- ठ-ड रेखा पठखेड़ा खाम की दक्षिणी सीमा के साथ-साथ जाती है और कां. भा० सं० 290 तारीख 18-12-71 द्वारा को० धा० क्षेत्र अधिनियम, 1957 की धारा 9(1) के अधीन अर्जित पठखेड़ा खाम और धोयरी खण्ड (उपखण्ड-3) की साझी सीमा के बिन्दु "ड" पर मिलती है।
- ड-ड-ण-न रेखा कां. भा० सं० 290 तारीख 18-12-71 द्वारा को० धा० क्षेत्र अधिनियम, 1957 की धारा 9(1) के अधीन अर्जित धोयरी खण्ड (उपखण्ड-3) के दक्षिणी और पूर्वी सीमा के साथ-साथ जाती है और धोयरी खण्ड (उपखण्ड-3) की पूर्वी सीमा के बिन्दु "त" पर मिलती है।
- त-घ रेखा भागतः म० प्र० वि० बोर्ड सड़क की मध्य रेखा से होकर बांछ की ओर जाती है और भागतः म० प्र० वि० बोर्ड द्वारा धारित क्षेत्र से होकर जाती है तत्पश्चात् पठखेड़ा ग्राम के प्लॉट सं० 1, 11 से हो कर जाती है और प्लॉट सं० 43 पर बिन्दु "घ" पर मिलती है।
- घ-व रेखा पठखेड़ा ग्राम के प्लॉट सं० 43, 23, 24, 32, 33, 28, 42, 53, 55 और 43, धोयरी ग्राम के प्लॉट सं० 127, 126, 112 और 113 (म० प्र० वि० बो० द्वारा धारित क्षेत्र) और प्लॉट सं० 113, 114, 76, 70, 65, 64 से हो कर जाती है तत्पश्चात् घेसर ग्राम के प्लॉट सं० 157, 158, 159, 97, 98, 99, 93, 100, 33, 32, 31, 28, 26 से होते हुए भागे बढ़ती है और उसी ग्राम में प्लॉट सं० 27 पर बिन्दु "व" पर मिलती है।
- द-घ रेखा घेसर और कोलगांव की साझी सीमा के साथ-साथ जाती है और घेसर, बगदोना और कोलगांव ग्रामों के त्रिसंगम पर बिन्दु "घ" पर मिलती है।
- घ-न रेखा बगदोना और कोलगांव ग्रामों की साझी सीमा के साथ-साथ जाती है और बिन्दु "न" पर मिलती है।
- न-प रेखा बगदोना ग्राम के प्लॉट सं० 366, 365, 364, 363, 345, 346, 343, 309, 308, 310, 315, 297, 263, 288, 287, 270, 272, 209, 208, 214, 226, 222, 220, 219 और 156 से होकर जाती है और म० प्र० वि० बो० की पार्श्व भूमि की दक्षिणी सीमा पर बिन्दु "प" पर मिलती है।
- प-फ-व रेखा म० प्र० वि० बोर्ड द्वारा रेलवे सार्वाधिक (गोग-होगरी-मरेली) के लिए धारित भूमि की दक्षिणी सीमा के साथ-साथ जाती है और बगदोना ग्राम तथा धारभिक वन की साझी सीमा पर बिन्दु "ब" पर मिलती है।
- ब-क 1 रेखा म० प्र० वि० बोर्ड द्वारा रेलवे सार्वाधिक के लिये (गोग-होगरी-मरेली) के लिए धारित भूमि से हो कर जाती है और धारभिक बिन्दु "क 1" पर मिलती है।

[सं० 19(37)/79-सी० एस०]

मुद्रांकन, जयपुर, सचिव

MINISTRY OF STEEL, MINES AND COAL  
(Department of Coal)

New Delhi, the 19th July, 1980

S.O. 2131.—Whereas by the notification of the Government of India in the late Ministry of Energy, Department of Coal No. S.O. 1057 dated the 8th March, 1979 under sub-section (1) of section 4 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act 1957 (20 of 1957) published in Part II, Section 3, sub-section (ii) of the Gazette of India dated the 24th March, 1979, the Central Government gave notice of its intention to prospect for coal in 2205.00 hectares (approximately) or 5446.35 acres (approximately) of the lands in the locality specified in the Schedule appended to that notification;

And whereas the Central Government is satisfied that coal is obtainable in part of the said land;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 7 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government hereby gives notice of its intention to acquire:

- the lands measuring 80.70 hectares (approximately) or 199.40 acres (approximately) described in Schedule 'A' appended hereto;
- the rights to mine, quarry, bore, dig and search for, win, work and carry away minerals in the lands measuring 1966.72 hectares (approximately) or 4859.78 acres (approximately) described in Schedule 'B' appended hereto.

Note 1.: The plans of the area covered by this notification may be inspected in the Office of the Collector, Betul (Madhya Pradesh) or in the Office of the Coal Controller, 1, Council House Street, Calcutta or in the Office of the Western Coalfields Limited (Revenue section), Bisesar House, Temple Road, Nagpur (Maharashtra).

Note 2: Attention is hereby invited to the provisions of section 8 of the aforesaid Act, which provide as follows:

Objections to acquisition:

"8(1)—Any person interested in any land in respect of which a notification under section 7 has been issued may, within thirty days of the issue of the notification, object to the acquisition of the whole or any part of the land or of any rights in or over such land.

Explanation:—It shall not be an objection within the meaning of this section for any person to say that he himself desires to undertake mining operations in the land for the production of coal and that such operations should not be undertaken by the Central Government or by any other person.

(2) Every objection under sub-section (1) shall be made to the competent authority in writing, and the competent authority shall give the objector an opportunity of being heard either in person or by a legal practitioner and shall, after hearing all such objections and after making such further inquiry, if any, as he thinks necessary, either makes a report in respect of the land which has been notified under sub-section (1) of section 7 or of rights in or over such land, or make different reports in respect of different parcels of such land or of rights in or over such land, to the Central Government, containing his recommendations on the objections, together with the record of the proceedings held by him, for the decision of that Government.

(3) For the purposes of this section, a person shall be deemed to be interested in land who would be entitled to claim an interest in compensation if the land or any rights in or over such land were acquired under this Act."

Note 3: The Coal Controller, 1, Council House Street, Calcutta, has been appointed by the Central Government as the competent authority under the Act.

**SCHEDULE "A"**  
**DHASER BLOCK (SATPURA—III)**  
**PATHAKHERA COALFIELD**

**ALL RIGHTS**

PLAN No. C-1(E)/III/FFR/99—1179  
dated 13-11-1979

**PART I**

(showing lands to be acquired)

Sl. No.	Name of Forest	Compartment and series	Tehsil & District	Remarks
1.	Ranipur Reserve Forest	381 (Tawa Dam planting)	Betul	Part
2.	"	382 (Bagdona falling)	-do-	Part
3.	"	383 (Bagdona falling)	-do-	Part
		Total Area: 57.30 hectares (approximately) or 141.59 acres (approximately)		

**PART II (a)**

Sl. No.	Name of Forest	Compartment and series	Tehsil & District	Remarks
1.	Ranipur Reserve Forest	381 (Tawa Dam planting)	Betul	Part
2.	"	382 (Bagdona falling)	"	Part
		Total Area: 5.00 hectares (approximately) or 12.36 acres (approximately)		

**PART II (b)**

Sl. No.	Name of Forest	Compartment and series	Tehsil & District	Remarks
1.	Ranipur Reserve Forest (held by M.P.E.B.)	381 (Tawa Dam planting)	Betul	Part
		Total Area: 0.21 hectares (approximately) or 0.51 acres (approximately)		

**PART III**

Sl. No.	Name of Forest	Compartment and series	Tehsil & District	Remarks
1.	Ranipur Reserve Forest	381 (Tawa Dam planting)	Betul	Part
		Total Area: 15.80 hectares (approximately) or 39.04 acres (approximately)		

**PART IV**

Sl. No.	Name of Forest	Compartment and series	Tehsil & District	Remarks
1.	Ranipur Reserve Forest	380 (Bagdona falling)	Betul	Part
		Total Area: 2.39 hectares (approximately) or 5.90 acres (approximately)		
Total Area of Part I, II(a), II(b), III and IV:		80.70 hectares (approximately) OR 199.40 acres (approximately)		

**Boundary Description:****SCHEDULE "A"****PART I**

- A1-A2 Line passes along the common boundary of village Bagdona and compartment No. 382 and meets at common boundary of village Bagdona and compartment No. 382 at point "A2".
- A2-A3 Line passes along the common boundary of village Bagdona, compartment Nos. 382, 383 and meets at point "A3".
- A3-A4 Line passes along the common boundary of village Bagdona and compartment No. 383 and meets at point "A4".
- A4-A5 Line passes along the Southern boundary of Patharkhera II (Sub-block-C) acquired u/s. 9(1) vide S.O. No. 4055 dated 14-10-71 and meets at point "A5".
- A5-A6 Line passes through compartment Nos. 383 and 381 and meets on the Northern boundary of M.P.E.B. (Ghoradongri-Sarni) siding boundary at point "A6".
- A6-A1 Line passes along the Northern boundary of M.P.E.B. (Ghoradongri-Sarni) siding boundary and meets at the starting point "A1".

**PART II(a)**

- B1-B2-B3-B4-B5. Line passes through compartment No. 382 and meets on the common boundary of compartment No. 382 and 381 at point "B5".
- B5-B6 Line passes through compartment No. 381 and meets on the Western boundary of land held by M.P.E.B. at point "B6".
- B6-B7 Line passes along the Western boundary of the land held by M.P.E.B. and meets at point "B7".
- B7-B1 Line passes through compartment No. 381 and meets on common boundary of compartment No. 381 and 382 at the starting point "B1".

**PART II(b)**

- B6-B7 Line passes along Western boundary of the land held by M.P.E.B. and meets at point "B7".
- B7-B8 Line passes through M.P.E.B. land and meets at point "B8".
- B8-B9 Line passes along the boundary of M.P.E.B. land and meets at point "B9".
- B9-B6 Line passes through M.P.E.B. land and meets on the Western boundary of M.P.E.B. land at the starting point "B6".

**PART III**

- C1-C2 Line passes along the Eastern boundary of the area acquired u/s. 9(1) of the CBA Act, 1957 vide S.O. No. 290 dated 18-12-71 (sub-block II) and meets at point "C2".
- C2-C3 Line passes through compartment No. 381 and meets on the common boundary of compartment Nos. 381 and 380 at point "C3".
- C3-C4-C1 Line passes through compartment No. 381 and meets at starting point "C1".

**PART IV**

- D1-D2 Line passes along the Southern boundary of the Ghogri Block (Sub-Block 1) acquired u/s. 9(1) of the CBA Act 1957 vide S.O. No. 290 dated 18-12-71 and meets at point "D2".
- D2-D3 Line passes through compartment No. 380 and meets on Northern boundary of M.P.E.B. land at point "D3".
- D3-D1 Line passes along the M.P.E.B. land and point at starting point "D1".

**SCHEDULE "B"**  
**DHASER BLOCK (SATPURA-- III)**  
**PATHAKHERA COALFIELD**

PLAN No. C-1(E)/III/FFR/99—1179  
dated 13-11-1979.

(showing lands where right to mine, quarry  
bore, dig, and search for, win, work, carry  
away minerals are to be acquired).

GOVT. FOREST

**MINING RIGHTS**

**PART I**

Sl. No.	Name of Forest	Compartment	Series	Tehsil & District	Remarks
1.	Ranipur Reserve Forest	380	Bagdona falling	Betul	Part
3.	"	381	Tawa Dam planting	"	"
3.	"	382	Bagdona falling	"	"
4.	"	383	Bagdona falling	"	"
Total Area : 644.04 hectares (approximately) or 1591.42 acres (approximately)					

**PART II**

Sl. No.	Name of Owner	Tehsil & District
1.	Sarni Thermal Power Station of M.P.E.B.	Betul
Total Area : 616.63 hectares (approximately) or 1523.70 acres (approximately)		

**PART III**

Sl. No.	Village	P.C. No.	Tehsil & District	Area in acres		Total	Remarks
				Rev. land	Govt. land		
1.	Pathakhera	27	Betul	52.03	444.07	496.10	Part
2.	Ghogri	25	"	30.49	89.96	120.45	"
3.	Dhaser	25	"	547.20	180.99	728.19	"
4.	Bagdona	23	"	330.13	69.79	399.92	"

Total Area: 959.85      784.81      1744.66 acres  
(approximately)  
or 706.05 hectares  
(approximately)  
1966.72 hectares  
(approximately)  
OR 4859.78 acres  
(approximately)

Total Area of Part I, II and III:

Plot numbers to be acquired in village Patharkhera :

1P, 3P, 4P, 5 to 10, 11P, 12 to 22, 23P, 24P, 28P, 32P, 33P, 34 to 41, 42P, 43P, 53P, 54 and 55P.

Plot numbers to be acquired in village Ghogri:

1P, 26P, 32, 33, 34P, 36P, 46P, 48P, 51P, 52, 53P, 54 to 63, 64P, 65P, 66 to 69, 70P, 76P, 79P, 80P, 107P, 113P, 114P and 127P.

Plot numbers to be acquired in village Dhaser:

1 to 25, 26P, 27P, 28P, 31P, 32P, 33P, 93P, 94, 95, 96P, 97P, 98P, 99P, 100P, 101 to 149, 150P, 151, 152P, 153 to 156, 157P, 158P and 159P.

Plot numbers to be acquired in village Bagdona:

57P, 59P, 60P, 61, 62P, 63, 64, 65P, 66P, 69P, 71P, 72P, 73P, 151P, 153P, 154P, 155, 156P, 193 to 207, 208P, 209P, 214P, 219P, 220P, 221, 222P, 225, 226P, 227 to 262, 263P, 264 to 269, 270P, 272P, 287P, 288P, 297P, 308P, 309P, 310P, 315P, 316 to 342, 343P, 344, 345P, 346P, 363P 364P, 365P and 366P.

**Boundary Description:**

(Excluding portion identified as Part 2A and 2B of the Schedule "A" in All Rights).

**A1-A6** As per boundary description given in Schedule "A" (Part I) as line A6-A1.

**A6-A5** As per the boundary description given in Schedule "A" (Part I) as line A5-A6.

**A5-A** Line passes partly along the southern boundary of (Sub-block "C") and (sub-block-A) of Pathakhera Block II acquired u/s. 9(1) of CBA Act, 1957 as S.O. No. 4055 dated 14-10-71 and meets on the common boundary of Pathakhera Block II (Sub-Block A) and Pathakhera Main acquired u/s. 9(1) vide S.O. No. 2760 dated 19-9-63 at point "A".

A-B-C-D-E	Line passes along the Southern boundary of the area acquired u/s. 9(1) of the CBA Act, 1957 vide S.O. No. 2760 dt. 19-9-63 (Pathakhara Main) and meets on the common boundary of the area acquired u/s. 9(1) ibid vide S.O. No. 2760 dt. 19-9-63 and S.O. No. 4055 dt. 14-10-71 at point "E".
E-F	Line passes along the Western boundary of Sub-Block B of Pathakhara Block II notified u/s. 9(1) of the CBA Act, 1957 vide S.O. No. 4055 dt. 14-10-71 and meets on the common boundary of Pathakhara Block II (Sub Block-B) and Ghogri Block (Sub Block II) acquired u/s. 9(1) ibid vide S.O. No. 290 dt. 18-12-71 at point "F".
F-G	Line passes along the Western boundary of Ghogri Block (Sub Block-II) acquired u/s. 9(1) of CBA Act, 1957 vide S.O. No. 290 dt. 18-12-71 and meets at point "G".
G-C1	Line passes along the Southern boundary of Sub Block II of Ghogri Block acquired u/s. 9(1) of CBA Act, 1957 vide S.O. No. 290 dt. 18-12-71 and meets at point "C1".
C1-C4-C3	Given in Schedule "A" (Part III) as C3-C4-C1.
C3-C2	Given in Schedule "A" (Part III) as C2-C3.
C2-H	Line passes along the Eastern boundary of Ghogri Block (Sub Block-II) acquired u/s. 9(1) of CBA Act, 1957 vide S.O. No. 290 dt. 18-12-71 and meets at point "H".
H-I	Line passes along the Northern boundary of Sub Block-II of Ghogri Block acquired u/s. 9(1) of CBA Act, 1957 vide S.O. No. 290 dt. 18-12-71 and meets at the common boundary of Ghogri Block (Sub Block-II) and Pathakhara Main acquired u/s. 9(1) vide S.O. No. 2760 dt. 19-9-63.
I-J	Line passes along the Eastern boundary of Pathakhara Main acquired u/s. 9(1) of the CBA Act, 1957 vide S.O. No. 2760 dt. 19-9-63 and meets on the common boundary of Pathakhara Main and Ghogri Block (sub Block-I) at point "J".
J-D1	Line passes along the Southern boundary of Ghogri Block (Sub-Block I) acquired u/s. 9(1) of CBA Act, 1957 vide S.O. No. 290 dt. 18-12-71 and meets at point "D1".
D1-D3-D2	Given in Schedule "A" (Part IV) as D2-D3-D1.
D2-K	Line passes along the Southern boundary of Ghogri Block (Sub Block-I) acquired u/s. 9(1) of the CBA Act, 1957 vide S.O. 290 dt. 18-12-71 and meets at point "K".
K-L	Line passes along the Eastern boundary of Ghogri Block (Sub-Block I) acquired u/s. 9(1) of the CBA Act, 1957 vide S.O. 290 dt. 18-12-71 and meets on the common boundary of Pathakhara Main and Ghogri Block (Sub Block I) at point "L".
L-M	Line passes along Southern boundary of Pathakhara Main and meets on the common boundary of Pathakhara Main and Ghogri Block (Sub Block-3) acquired u/s. 9(1) of the CBA Act, 1957 vide S.O. No. 290 dt. 18-12-71 at point "M".
M-N-O-P	Line passes along the Southern and Eastern boundary of Ghogri Block (Sub Block 3) acquired u/s. 9(1) of the CBA Act, 1957 vide S.O. No. 290 dt. 18-12-71 and meets on Eastern boundary of Ghogri Block (Sub Block-3) at point "P".
P-Q	Line passes partly along centre line of the MPEB road to dam site and partly through the area held by MPEB when passes through village Pathakhara in plot Nos. 1, 11 and meets in plot No. 43 at point "Q".
Q-R	Line passes through village Pathakhara in plot Nos 43, 23, 24, 32, 33, 28, 42, 53, 55 and 43, passes through village Ghogri in plot nos. 127, 126, 112 and 113 and (the area held by MPFB) and through plot nos. 113, 114, 76, 72, 70, 65, 64, 53, 46, 48, 51, 80, 34, 36 then proceeds through village Dhaser in plot nos. 157, 158, 159, 97, 98, 59, 93, 100, 33, 32, 31, 28, 26 and meets in plot no. 27 and in the same village at point "R".
R-S	Line passes along the common boundary of village Dhaser and village Kolgaon and meet at trijunction of villages Dhaser, Bagdona and Kolgaon at point "S".
S-T	Line passes along the common boundary of village Bagdona and Kolgaon and meets at point "T".
T-U	Line passes through village Bagdona in plot nos. 366, 365, 364, 363, 345, 346, 343, 309, 308, 310, 315, 297, 263, 288, 287, 270, 272, 209, 208, 214, 226, 222, 220, 219 and 156 and meets in plot no. 59 on the Southern boundary of MPEB siding land at point "U".
U-V-W	Line passes along the Southern boundary of the land held by MPEB for railway siding (Goradongari-Sarni) and meets on common boundary of village Bagdona and reserve forest at point "W".
W-A1	Line passes through MPEB land held for railway siding (Ghoradongari-Sarni) and meets at starting point "A1".

[No. 19(37)/79-CL]  
SUDARSHAN, Under Secy.

### कृषि मंत्रालय

(खाद्य विभाग)

आवेश

तृई दिवसी, 18 जुलाई, 1980

क्र।सं. 2132—प्रतः केन्द्रीय सरकार ने खाद्य विभाग, क्षेत्रीय खाद्य निदेशालयों, उपायित निदेशालयों, और खाद्य विभाग के वेंतन

तथा लेखा कार्यालयों द्वारा किए जाने वाले खाद्यान्तों के प्रत्यक्ष, अप्रत्यक्ष, संकलन, परिवहन, वितरण तथा बिक्रय के कृत्यों का पालन करना बंद कर दिया है जोकि खाद्य निगम अधिनियम, 1964 (1964 का 37) की धारा 13 के अधीन भारतीय खाद्य निगम के कृत्य हैं।

और यतः खाद्य विभाग, क्षेत्रीय खाद्य निदेशालयों, उपायित निदेशालयों और खाद्य विभाग के वेंतन तथा लेखा कार्यालयों में कार्य कर

रहे और उपरिर्णित कृत्यों के पालन में लगे निम्नलिखित अधिकारियों और कर्मचारियों ने केन्द्रीय सरकार के तारीख 16 अप्रैल, 1971 के परिपत्र के प्रत्युत्तर में उसमें विनिर्दिष्ट तारीख के अन्तर भारतीय खाद्य निगम के कर्मचारी बनने के अपने आशय को उक्त अधिनियम की धारा 12ए की उपधारा (1) के परत्वुक द्वारा यथा अपेक्षित सूचना नहीं दी है।

अतः अब खाद्य निगम अधिनियम, 1964 (1964 का 37) यथा अद्यतन संशोधित की धारा 12ए द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा निम्नलिखित कर्मचारियों को प्रत्येक के सामने दी गई तारीख से भारतीय खाद्य निगम में स्थानान्तरित करती है :—

क्रम संख्या	अधिकारी/कर्मचारियों का नाम	केन्द्रीय सरकार के अधीन स्थायी पद	स्थानान्तरण के समय केन्द्रीय सरकार के अधीन स्थायित्व पद	भारतीय खाद्य निगम की तारीख
1.	श्री महावीर सिंह सुपुत्र श्री प्रभु दयाल	कनिष्ठ लिपिक	वरिष्ठ लिपिक	1-3-69
2.	श्री टी. ई. पेरियालवार	वाचमैन	वाचमैन	1-3-69
3.	श्री वी. अप्पा राव	वाचमैन	वाचमैन	1-3-69
4.	श्री सैयद महबूब अली/सैयद हुसैन अली	वाचमैन	वाचमैन	1-3-69

[संख्या 52/1/79-एफ० सी० 3 (बाल्यूस-5)]

### MINISTRY OF AGRICULTURE

(Department of Food)

#### ORDER

New Delhi, the 18th July, 1980

**S.O. 2132.**—Whereas the Central Government has ceased to perform the functions of purchase, storage, movement, transport, distribution and sale of foodgrains done by the Department of Food, the Regional Directorates of Food, the procurement Directors and the Pay & Accounts Offices of the Department of Food which under Section 13 of Food Corporations Act, 1964 (37 of 1964) are the functions of the Food Corporation of India;

And whereas the following officers and employees serving in the Department of Food, the Regional Directorate of Food, the procurement Directorates and the Pay & Accounts offices of the Department of Food and engaged in the performance of the functions mentioned above have not in response to the circular of the Central Government dated the 16th April, 1971, intimated, within the date specified therein their intention of not becoming employees of the Food Corporation of India as required by the proviso to sub-Section(1) of Section 12A of the said Act;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Section 12A of the Food Corporations Act, 1964 (37 of 1964) as amended upto date the Central Government hereby transfer the following officers and employees to the Food Corporation of India with effect from the date mentioned against each of them.

S.No.	Name of the Officer/employees	Permanent post held under the Central Govt.	Post held under the Central Govt. at the time of transfer	Date of transfer to F.C.I.
1	2	3	4	5
1.	Shri Mahabir Singh S/o Shri Prabhu Dayal	Junior Clerk	Senior Clerk	1-3-69
2.	Shri T.E. Perialwar	Watchman	Watchman	1-3-69
3.	Shri V. Appa Rao	Watchman	Watchman	1-3-69
4.	Shri. Syed Mahboob Ali/Syed Hussain Ali	Watchman	Watchman	1-3-69

[No. 52/1/79-F.III(Vol. V)]

#### शुद्धि पत्र

नई दिल्ली, 18 जुलाई, 1980

का० प्रा० 2133.—इस विभाग के आदेश संख्या 52/1/79-एफ० सी० 111 (बाल्यूस-3) दिनांक 18-8-79 में निम्नलिखित शुद्धियाँ की जाएँ :

स्थानान्तरण आदेश में क्रम संख्या	की जाने वाली शुद्धियाँ
44	कालम 2 में "श्री राम नरेश सिन्हा" के स्थान पर "श्री राम नरेश मिन्हा" पढ़ें।

[संख्या 52/1/79-एफ० सी० 3 (बाल्यूस 5)]

एम० एल० कम्बोह, अवर सचिव

#### CORRIGENDUM

New Delhi, the 18th July, 1980

**S.O. 2133.**—In this Department's Order No. 52/1/79-FC. III (Vol. III) dated 18-8-79, following correction shall be carried out :

Sl. No. in the Transfer Order	Correction to be carried out
44	For the words "Shri Ram Naresh Singh" in column 2, read "Shri Ram Naresh Sinha".

[No. 52/1/79-FC.III Vol. V)]

S. L. KAMBOH, Under Secy.



## निर्माण और आवास मंत्रालय

नई दिल्ली, 19 जुलाई, 1980

क्र० भा० 2134—इस मंत्रालय के दिनांक 16-5-1979 की अधिसूचना संख्या के०-13011/19/78-डी० टी० 1(ए) जो कि भारत के राजपत्र के भाग II खण्ड 3(ii) में इस संख्या... में है, निम्नलिखित त्रुटि सुधारी जाती है :—

मंशोधन शीर्षक के अन्तर्गत

“और सम्पर्क मार्ग से घिरा हुआ और उत्तर में पी० टी० आई० भवन का प्लॉट”, के स्थान पर

“और सम्पर्क मार्ग से घिरा हुआ और उत्तर में डाक सार भवन का प्लॉट” पढ़ा जाए।

[सं० के०-13011/19/78-डी० टी० 1(ए)]

एस० बालाकृष्णन, डेस्क अधिकारी

## MINISTRY OF WORKS &amp; HOUSING

New Delhi, the 19th July, 1980

S.O. 2134.—The following corrections carried out in this Ministry's Notification No. K-13011/19/78-DDIA dated the 16th May, 1979, which appeared in S. No. .... in the Gazette of India Part II, Section 3(ii), dated..... under heading :

## MODIFICATION

for “and bounded by the side of service road and the plot of PTI building in the north”.

(read “and bounded by the side of service road and the plot of P & T building in the north”.

[No. K-13011/19/78-DDIA/JIA]

S. BALAKRISHNAN, Desk Officer

## दिल्ली विकास प्राधिकरण

नई दिल्ली, 3 जुलाई, 1980

क्र० भा० 2135—अधिसूचना संख्या पी ए/सी सी/77/5541 दिनांक 2 जुलाई, 1977 का आंशिक अधिसंशोधन करते हुए अध्यक्ष, दिल्ली विकास प्राधिकरण ने आवास समिति का निम्नलिखित रूप में संशोधन पुनर्गठन किया है :—

- |                           |         |
|---------------------------|---------|
| 1 उपराज्यपाल              | अध्यक्ष |
| 2 उपाध्यक्ष               | सदस्य   |
| 3 अधिव्यवस्थापक           | सदस्य   |
| 4 वित्त सचिव              | सदस्य   |
| 5 आयुक्त, दिल्ली नगर निगम | सदस्य   |
| 6 निवेशक (आवास)           | सचिव    |

[सं० एस-1(201/70-एचडी/डीएससी)]

## DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY

New Delhi, the 3rd July, 1980

S.O. 2135.—In partial supersession of notification No. PA/VC/77/541 dated 2nd July, 1977, the Chairman Delhi Development Authority is pleased to re-constitute the Housing Committee as under :—

1. Lt. Governor—Chairman.
2. Vice-Chairman—Member.
3. Engineer Member—Member.
4. Finance Member—Member.
5. Commissioner, M. C. D.—Member.
6. Director (Housing)—Secretary.

[No. F. 1(201)/70-HDDHC]

## (सर्वेक्षण व निपटारा यूनिट-1)

नई दिल्ली, 18 जुलाई, 1980

क्र० भा० 2136—दिल्ली विकास अधिनियम 1957 (अधिनियम 1957 का 61) की धारा 22 की उपधारा (4) के अन्तर्गत केन्द्रीय सरकार ने भूमि एवं विकास कार्यालय, निर्माण एवं आवास मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली के अधीन नीचे दी गई अनुसूची में निर्धारित भूमि के निपटारे हेतु दिल्ली विकास प्राधिकरण को नियुक्त किया और अब यह भूमि नई दिल्ली नगर पालिका को प्रापिण सेक्टर के लिए स्थानान्तरित की जाती है।

## अनुसूची

आर०के० पुरम, सेक्टर 13 में स्थित भूखण्ड सं० ..... साइट सं० 20 को अधिसूचना सं० एस०ओ० 1810 दिनांक 20-7-74 के अनुसार लगभग 2.66 एकड़ (लगभग 1.0788 हेक्टर) भूमि के भाग को दिखाया गया है।

उपयुक्त भूमि की सीमा का विवरण इस प्रकार है :—

उत्तर : सड़क

दक्षिण : सड़क

पूर्व : सड़क

पश्चिम : सड़क

[सं० एन० एंड एस० 33 (7) 77 एस०ओ० (1)/837-39]

## (Survey &amp; Settlement Unit I)

New Delhi, the 18th July, 1980

S.O. 2136.—In pursuance of the provisions of Sub-section (4) of Section 22 of the Delhi Development Act, 1957 (61 of 1957), the Delhi Development Authority has replaced at the disposal of the Central Government the land described in the schedule below for placing it at the disposal of the Land and Development Office, Ministry of Works & Housing, Govt. of India, New Delhi for further transfer to the New Delhi Municipal Committee for shopping centre.

## SCHEDULE

Piece of land measuring about 2.66 acres, (about 1.0788 H.) situated in R. K. Puram Sector XIII—bearing Plot No. .... Site No. 20 partly/full of Notification No. S. O. 1810 Dated 20-7-74

The above piece of land is bounded as follows :—

North : Road

South : Road

East : Road

West : Road

[No. S&amp;S 33(7)/77/ASO(I) 837—39]

क्र० भा० 2137—दिल्ली विकास अधिनियम 1957 (अधिनियम 1957 का 61) की धारा 22 की उपधारा (4) के अन्तर्गत केन्द्रीय सरकार ने भूमि एवं विकास कार्यालय, निर्माण एवं आवास मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली के अधीन नीचे दी गई अनुसूची में निर्धारित भूमि के निपटारे हेतु दिल्ली विकास प्राधिकरण को नियुक्त किया और अब यह भूमि स्टेट गैस्ट हाऊस बनाने हेतु मध्य प्रदेश सरकार को ही स्थानान्तरित की जाती है।

## अनुसूची

सरदार पटेल मार्ग में स्थित भूखण्ड सं० 7 साइट सं० 42 को अधिसूचना सं० एस०ओ० 1810 दिनांक 20-7-74 के अनुसार लगभग 2.61.09 वर्ग गज (लगभग 1890.56 वर्ग मीटर) भूमि के भाग को दिखाया गया है।

उपर्युक्त भूमि की सीमा का विवरण इस प्रकार

उत्तर : प्लॉट नं० 6  
दक्षिण : गली/प्लॉट नं० 8  
पूर्व : गली/नाला  
पश्चिम : सड़क

[सं० एस० एंड एम० 33 (6)/78 ए०/एस० प्रो० (I)/843-45]

**S.O. 2137.**—In pursuance of the provisions of Sub-section (4) of Section 22 of the Delhi Development Act, 1957 (61 of 1957), the Delhi Development Authority has replaced at the disposal of the Central Government the land described in the schedule below for placing it at the disposal of the Land & Development Office, Ministry of Works & Housing Government of India, New Delhi for further transfer to the Government of Madhya Pradesh for construction of State Guest House.

#### SCHEDULE

Piece of land measuring about 2261.09 sq. yds. about 1890.56 sq. mts. situated in Sardar Patel Marg, bearing Plot No. 7 Site No. 42 partly of Notification No. S.O. 1810, dated 20-7-1974.

The above piece of land is bounded as follows :—

North : Plot No. 6  
South : Service Lane/Plot No. 8  
East : Service lane/Nalla  
West : Service Road.

[No. S&S 33(6)/78/ASO(I)/843-45]

**का० प्रो० 2138**—दिल्ली विकास अधिनियम, 1957 (अधिनियम 1957 का 61) की धारा 22 की उपधारा (4) के अन्तर्गत केन्द्रीय सरकार ने भूमि एवं विकास कार्यालय, निर्माण एवं आवास मन्त्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली के अधीन नीचे दी गई अनुसूची में निर्धारित भूमि के निपटान हेतु दिल्ली विकास प्राधिकरण को नियुक्त किया और अब यह भूमि स्टेट गैस्ट हाउस बनाने हेतु उत्तर प्रदेश सरकार को स्थानान्तरित की जाती है।

#### अनुसूची

सर्दार पटेल मार्ग में स्थित भूखण्ड सं० 5, साईट सं० 42 को अधिसूचना सं० एस० प्रो० 1810 दिनांक 20-7-74 के अनुसार लगभग 2173.35 वर्ग गज (लगभग 1817.2031 वर्ग मीटर) (भूमि के भाग को दिखाया गया है।

उपर्युक्त भूमि की सीमा का विवरण इस प्रकार है :—

उत्तर : प्लॉट नं० 4  
दक्षिण : प्लॉट नं० 6  
पूर्व : गली/नाला  
पश्चिम : सड़क।

[सं० एस० एंड एम० 33(4)/78/ए० एस० प्रो० (1)/834-36]

**S.O. 2138.**—In pursuance of the provisions of Sub-section (4) of section 22 of the Delhi Development Act, 1957 (61 of 1957), the Delhi Development Authority has replaced at the disposal of the Central Government the land described in the schedule below for placing it at the disposal of the Land & Development Office, Ministry of Works & Housing, Government of India, New Delhi for further transfer to the Government of Uttar Pradesh for construction of State Guest House.

#### SCHEDULE

Piece of land measuring about 2173.35 sq. yds. (about 1817.2031 sq. mts.) situated in Sardar Patel Marg, bearing Plot No. 5 Site No. 42 partly of Notification No. S.O. 1810 dated 20-7-1974.

The above piece of land is bounded as follows :—

North : Plot No. 4  
South : Plot No. 6  
East : Service land/Nalla  
West : Service Road.

[No. S & S 33(4)/78/ASO(I)/834-36]

**का० प्रो० 2139**—दिल्ली विकास अधिनियम, 1957 (अधिनियम 1957 का 61) की धारा 22 की उपधारा (4) के अन्तर्गत केन्द्रीय सरकार ने भूमि एवं विकास कार्यालय, निर्माण एवं आवास मन्त्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली के अधीन नीचे दी गई अनुसूची में निर्धारित भूमि के निपटान हेतु दिल्ली विकास प्राधिकरण को नियुक्त किया और अब यह भूमि नई दिल्ली नगर पालिका को प्राईमरी स्कूल हेतु स्थानान्तरित की जाती है।

#### अनुसूची

नेता जी नगर (पश्चिमी विनय नगर) नई दिल्ली में स्थित भूखण्ड सं० — साईट सं० 22 को अधिसूचना सं० एस० प्रो० 4719 दि० 21-8-75 के अनुसार लगभग 2.413 एकड़ (लगभग 1.0112 हेक्टेयर) भूमि के भाग को दिखाया गया है।

उपर्युक्त भूमि की सीमा का विवरण इस प्रकार है :—

उत्तर :— लड़कों का हायर सेकण्डरी स्कूल  
दक्षिण :— सड़क  
पूर्व :— सड़क  
पश्चिम :— सड़क

[सं० एस० एंड एम० 33(11)/77/ए० एस० प्रो० (1)/840-42]

**S.O. 2139.**—In pursuance of the provisions of Sub-section (4) of Section 22 of the Delhi Development Act, 1957 (61 of 1957), the Delhi Development Authority has replaced at the disposal of the Central Government the land described in the schedule below for placing it at the disposal of the Land & Development Office, Ministry of Works & Housing, Government of India, New Delhi for further transfer to the New Delhi Municipal Committee for Primary School.

#### SCHEDULE

Piece of land measuring about 2.413 acre (about 1.0112 Hec.) situated at Netaji Nagar (West Vinay Nagar) New Delhi bearing Plot No.—Site No. 22 full of Notification No. S.O. 4719, dated 21-8-1975.

The above piece of land is bounded as follows :—

North : By Boys Hr. Sec. School  
South : By Road  
East : By Road  
West : By Road

[No. S&S 33(11)/77/ASO(I)/840-42]

**का० प्रो० 2140**—दिल्ली विकास अधिनियम, 1957 (अधिनियम 1957 का 61) की धारा 22 की उपधारा (4) के अन्तर्गत केन्द्रीय सरकार ने भूमि एवं विकास कार्यालय, निर्माण एवं आवास मन्त्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली के अधीन नीचे दी गई अनुसूची में निर्धारित भूमि के निपटान हेतु दिल्ली विकास प्राधिकरण को नियुक्त किया और अब यह भूमि नई दिल्ली नगर पालिका को स्टाफ क्वार्टर्स बनाने हेतु नारोजी नगर नई दिल्ली में स्थानान्तरित की जाती है।

#### अनुसूची

नारोजी नगर नई दिल्ली में स्थित भूखण्ड सं० — साईट सं० 49 को अधिसूचना सं० एस० प्रो० 4719, दि० 21-8-75 के अनुसार लगभग 0.208 एकड़ (लगभग 0.083 हेक्टेयर) भूमि के भाग को दिखाया गया है।

उपर्युक्त भूमि की सीमा का विवरण इस प्रकार है :-

उत्तर — रिंग रोड  
दक्षिण — नाला  
पूर्व — नाला  
पश्चिम — सड़क

[सं० एम० एड एम० 33(41)/79/ए० एम० ओ० (1)/846-48]

**S.O. 2140.**—In pursuance of the provisions of Sub-section (4) of Section 22 of the Delhi Development Act, 1957 (61 of 1957), the Delhi Development Authority has replaced at the disposal of the Central Government the land described in the schedule below for placing it at the disposal of the Land & Development Office, Ministry of Works & Housing, Government of India, New Delhi for further transfer to the New Delhi Municipal Committee, for Staff Quarters in Narauji Nagar, New Delhi.

#### SCHEDULE

Piece of land measuring about 0.206 acre (about 0.083 Hec. situated in Narauji Nagar, New Delhi bearing Plot No. .... Site No. 49 full of Notification No. S.O. 4719, dated 21-8-1975.

The above piece of land is bounded as follows :—

North : By Ring Road  
South : By Nallah  
East : By Nallah  
West : By Road.

[No. S & S 33(41)/79/ASO(I)/846-48]

का० आ० 2141.—दिल्ली विकास अधिनियम, 1957 (अधिनियम 1957 का 61) की धारा 22 की उपधारा (4) के अन्तर्गत केन्द्रीय सरकार ने भूमि एवं विकास कार्यालय, निर्माण एवं आवास मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली के अधीन नीचे दी गई अनुसूची में निर्धारित भूमि के निपटान हेतु दिल्ली विकास प्राधिकरण को नियुक्त किया और अब यह भूमि रेलवे स्टेशन के लिए दिल्ली प्रशासन को आबंटन हेतु स्थानांतरित की जाती है।

#### अनुसूची

सेक्टर 12, रामाकुण्डपुरम, नई दिल्ली में स्थित भू-खण्ड सं० ... साईट सं० 108 को अधिसूचना सं० एम० ओ० 4719, दि० 21-8-75 के अनुसार लगभग 3.526 एकड़ (लगभग 1.426 हेक्टर) भूमि के भाग को विभाजित किया है।

उपर्युक्त भूमि की सीमा का विवरण इस प्रकार है :-

उत्तर — सड़क  
दक्षिण — सड़क  
पूर्व — सरकारी क्वार्टर  
पश्चिम — सड़क

[सं० एम० एड एम० 33(24)/79/ए० एम० ओ० (1)/831-33]

हरी राम गोयल, सचिव

**S.O. 2141.**—In pursuance of the provisions of Sub-section (4) of Section 22 of the Delhi Development Act, 1957 (61 of 1957), the Delhi Development Authority has replaced at the disposal of the Central Government the land described in the schedule below for placing it at the disposal of the Land & Development Office, Ministry of Works & Housing Government of India, New Delhi for further transfer to the Delhi Administration for Police Station.

#### SCHEDULE

Piece of land measuring about 3.526 Acres (about 1.426 Hectors) situated in Sector XII, R. K. Puram, New Delhi bearing Plot No.—Site No. 108 full of Notification No. S.O. 4719 dated 21-8-1975.

The above piece of land is bounded as follows :—

North : Road  
South : Road  
East : Govt. Quarter  
West : Road

[No. S & S 33(24)/79/ASO(I)/831-33]

H. R. GOEL, Secy.

### सूचना और प्रसारण मंत्रालय

#### आदेश

नई दिल्ली, 26 जुलाई, 1980

का० आ० 2142.—भारत सरकार के सूचना और प्रसारण मंत्रालय के आदेश संख्या एस० ओ० 3792, दिनांक 2 दिसम्बर, 1966 की प्रथम अनुसूची में निर्धारित प्रत्येक अधिनियम के उपबंध के अंतर्गत जारी किए गए अनुबंधों के अनुसार, केन्द्रीय सरकार, फिल्म सफाईकार बोर्ड, बम्बई की सिफारिशों पर विचार करने के बाद एनडब्ल्यू इसके साथ सभी अनुसूची के कालम 2 में दी गई फिल्मों को उनके सभी भारतीय भाषाओं के रूपांतरों सहित, जिनका विवरण प्रत्येक के सामने उक्त अनुसूची के कालम 6 में दिया हुआ है, स्वीकृत करती है।

#### अनुसूची

क्रम संख्या	फिल्म का नाम	फिल्म की लम्बाई (मीटरों में)	आवेदक का नाम	निर्माता का नाम	क्या वैज्ञानिक फिल्म है या शिक्षा संबंधी फिल्म है या समाचार और सामयिक घटना की फिल्म है या डाकुमेन्ट्री फिल्म है
1	2	3	4	5	6
1.	भारतीय समाचार चित्र संख्या 1649 (राष्ट्रीय)	162.00	फिल्म प्रभाग, भारत सरकार 24, पैडर रोड, बम्बई-26		"समाचार और सामयिक घटनाओं" की फिल्म (सामान्य प्रदर्शन के लिए)
2.	भारतीय समाचार चित्र संख्या 1649 (दक्षिण)	263.00	—तथैव—		—तथैव—

1	2	3	4	5	6
3. माहिती चित्र संख्या 324	183.00	महायक सूचना निदेशक, गुजरात सरकार, रमनाई रिसर्च लैब लि०, डा० एमीकीसेंट, रोड, बर्ली, बम्बई-18			समाचार और सामयिक घटनाओं की फिल्म (गुजरात सफिट में प्रदर्शन के लिए)
4. महानुभाव	385.00	सूचना और जनसंपर्क महानिदेशालय, महाराष्ट्र सरकार, फिल्म सेंटर, 68-तारदेव रोड, बम्बई-400034			डाकुमेंट्री फिल्म (महाराष्ट्र सफिट में प्रदर्शन के लिए)
5. रात डूनी (रंगीन)	478.54	श्री जगदीश बनर्जी, 2 हिमगिरि, पैडर रोड, बम्बई-26			डाकुमेंट्री फिल्म (सामान्य प्रदर्शन के लिए)
6. भारतीय समाचार चित्र संख्या 1650 (राष्ट्रीय)	195.00	फिल्म प्रभाग, भारत सरकार, 24-पैडर रोड, बम्बई-26			"समाचार और सामयिक घटनाओं" की फिल्म (सामान्य प्रदर्शन के लिए)
6क. भारतीय समाचार चित्र संख्या 1650 (पश्चिमी)	303.00	-तथैव-			-तथैव- (पश्चिम सफिट में प्रदर्शन के लिए)
7. परिवर्तन की ओर (रंगीन)	392.00	-तथैव-			डाकुमेंट्री फिल्म (सामान्य प्रदर्शन के लिए)
8. दो आई	380.00	फिल्म प्रभाग 24-पैडर रोड, मैसर्स फिल्म सौदागर्स, बम्बई-26			-तथैव-
9. स्टीरी आक इंजिन मेड लीकीमोटिव	292.91	मैसर्स काबिया फिल्म्स, 19 ए, मोक्सपीयर सारणी, कलकत्ता-700071			-तथैव-
10. यूरे डूप बीम वर्ष	298.00	सूचना और जनसंपर्क महानिदेशालय, महाराष्ट्र सरकार, फिल्म सेंटर, 68-तारदेव रोड, बम्बई-400034			डाकुमेंट्री फिल्म (महाराष्ट्र सफिट में प्रदर्शन के लिए)
11. इन्हें भी देखिए	297.79	भारद्वाज फिल्म्स, 341, तारदेव रोड, बम्बई-400034			डाकुमेंट्री फिल्म (सामान्य प्रदर्शन के लिए)
12. भारतीय समाचार चित्र संख्या 165 (राष्ट्रीय)	214.00	फिल्म प्रभाग, भारत सरकार, 24-पैडर रोड, बम्बई-400026			समाचार और सामयिक घटनाओं की फिल्म (सामान्य प्रदर्शन के लिए)
13. भारतीय समाचार चित्र संख्या 1651 (उत्तरी)	380.00	फिल्म प्रभाग, भारत सरकार, 24-पैडर रोड, बम्बई-400026			समाचार और सामयिक घटनाओं की फिल्म (उत्तरी सफिट में प्रदर्शन के लिए)
14. ए लांग फार जिरला	479.44	श्री राजाशस गुप्त, 60/9/2, हरीपव वरता सेल, कलकत्ता-700033	बेल्लुलायड सेचरी 14/97 गोल्ड क्लब रोड, कलकत्ता-700033		डाकुमेंट्री फिल्म (सामान्य प्रदर्शन के लिए)
15. गोदावरी पुष्करम् 1979	291.00	जी० एल० भारद्वाज, बी-46/432, गांधी नगर, बांदरा (पूर्व), बम्बई-51			समाचार और सामयिक घटनाओं की फिल्म (सामान्य प्रदर्शन के लिए)
16. भारतीय समाचार चित्र संख्या 1652 (राष्ट्रीय)	217.00	फिल्म प्रभाग, भारत सरकार, 24-पैडर रोड, बम्बई-26			-तथैव-
17. तथैव (पूर्वी)	291.00	-तथैव-			-तथैव- (पूर्वी सफिट में प्रदर्शन के लिए)

1	2	3	4	5	6
18. महाराष्ट्र समाचार संख्या 345	266.00	सूचना और जनसंपर्क महानिदेशालय, महाराष्ट्र सरकार, फिल्म सेंटर, 68-तारदेव रोड, बम्बई-400034			समाचार और सामयिक घटनाओं की फिल्म (महाराष्ट्र सर्किट में प्रदर्शन के लिए)
19. पदचिह्न की धूल	301.75		-तथैव-		डाकुमेंट्री फिल्म (सामान्य प्रदर्शन के लिए)
20. ट्रिस्ट फेस्टीवल	365.75	मिस बिमला, बी० एस० एंटर-प्राइजेज, 11 राम श्याम निवास, एस० डी० टेम्पल रोड, बम्बई-16			-तथैव-
21. एंजेट विड थ्रि मन (रंगीन)	361.71		-तथैव-		-तथैव-
22. भारतीय समाचार चित्र संख्या 1653 (राष्ट्रीय)	219.00	फिल्म प्रभाग, भारत सरकार, 24-पैडर रोड, बम्बई-26			समाचार और सामयिक घटनाओं की फिल्म (सामान्य प्रदर्शन के लिए)
23. तथैव (दक्षिण)	295.00		-तथैव-		-तथैव- (दक्षिण सर्किट में प्रदर्शन के लिए)
23क. सत्यता का अपमान	381.00		-तथैव-		डाकुमेंट्री फिल्म (सामान्य प्रदर्शन के लिए)
24. गोवावरी नल्ली	297.79	श्री जी० एल० भारद्वाज, भारद्वाज फिल्मस, बी-16/432, गांधी नगर, बांबरा (पूर्वी), बम्बई-51			-तथैव-
25. माहिती चित्र संख्या 325	204.22	महायुक्त सूचना निदेशक, गुजरात सरकार, रमनाईरिसर्च लैब० लि०, 77 डा० एनीवीमेट रोड, बार्ली, बम्बई-18	सूचना निदेशक, गुजरात सरकार, सचिवालय, गांधी नगर-382010		समाचार और सामयिक घटनाओं की फिल्म (गुजरात सर्किट में प्रदर्शन के लिए)
26. कैसर पर विजय (रंगीन)	499.00	श्री जगत मुरारी, 27/1-बी-एरंडावनी, पुणे-411004			डाकुमेंट्री फिल्म (सामान्य प्रदर्शन के लिए)
27. स्वर संगम (केबल संगीत) (रंगीन)	256.03	सैमर्स प्रसाद प्रोडक्शन (प्रा०) लि०, 810-बम्बई मार्किट, तारदेव रोड, बम्बई			-तथैव-
28. मुझे प्यार हो	398.49	श्री प्रदीप मिह्ता, 2ए, ईश्वर चौधरी रोड, रास बिहारी एवैन्स, कलकत्ता-29			-तथैव-
29. कहाँ से कहाँ तक	468.00	श्री एस० मकसेना, 1034, आर० एस० भवन, मोती कटमा, जयपुर-302003			-तथैव-
30. भारतीय समाचार चित्र संख्या 1654 (राष्ट्रीय)	226.00	फिल्म प्रभाग, भारत सरकार, 24-पैडर रोड, बम्बई-16			समाचार और सामयिक घटनाओं की फिल्म (सामान्य प्रदर्शन के लिए)
31. तथैव (पश्चिम)	302.00		-तथैव-		-तथैव- (पश्चिमी सर्किट में प्रदर्शन के लिए)
32. उत्तर प्रदेश समाचार-75	291.39	धीरेन्द्र पाण्डे, प्रोड्यूसर, म्यूजरील, सूचना और जन संपर्क विभाग, उत्तर प्रदेश, लखनऊ			समाचार और सामयिक घटनाओं की फिल्म (उत्तर प्रदेश सर्किट में प्रदर्शन के लिए)

1	2	3	4	5	6
33.	भारतीय समाचार चित्र संख्या 1654-क (विशेष)	301.00	फिल्म प्रभाग, भारत सरकार, 24, पैडर रोड, बम्बई-26		समाचार और सामयिक घटनाओं की फिल्म (सामान्य प्रदर्शन के लिए)
34.	उत्तर प्रदेश समाचार-76	287.42	छोरेन्द्र पाण्डे, प्रोड्यूसर न्यूज-रील, सूचना और जन संपर्क विभाग, उत्तर प्रदेश, लखनऊ		समाचार और सामयिक घटनाओं की फिल्म (उत्तर प्रदेश मर्किट में प्रदर्शन के लिए)
35.	कोल्हापुर	304.00	सूचना और जन संपर्क महानिदेशालय, महाराष्ट्र सरकार, फिल्म सेंटर, 68-तारदेव रोड, बम्बई-400034		डाकुमेंट्री फिल्म (महाराष्ट्र मर्किट में प्रदर्शन के लिए)
36.	शिर्डी	299.00	-नयेब-		-तथेज-

[फाइल संख्या 315/1/80-फ० (पी०)]

अर्जुन देव मन्त्रि, डेप्ट. सचिवकारी

## MINISTRY OF INFORMATION &amp; BROADCASTING

## ORDER

New Delhi, the 26th July, 1980

S.O. 2142—In pursuance of the directions issued under the provision of each of the enactments specified in the First Schedule to the order of the Government of India in the Ministry of Information & Broadcasting No. S.O. 3792 dated 2nd Dec., 1966 the Central Government after considering recommendations of the Films Advisory Board, Bombay hereby approves the films specified in column 2 of the Schedule annexed hereto in all its/their language versions to be of the description specified against it/each in column 6 of the said schedule.

## SCHEDULE

Sl. No.	Title of the Film	Length of the Film (in Meters)	Name of the Applicant	Name of the Producer	Brier whether a Synopsis Scientific Film or for Educational purpose or a Film dealing with News Current events or Documentary Film
1	2	3	4	5	6
1.	Indian News Review No. 1649 (National)	162.00	Films Division, Govt. of India 24-Peddar Road Bombay-26.		News and Current Events (General release)
2.	Indian News Review No. 1649 (Southern)	263.00	-do-		News and Current Events (Release in Southern circuit)
3.	Mahitichitra No. 324	183.00	Asstt. Director of Information Govt. of Gujarat Ramnord Research Lab. Ltd. Dr. Annie Besant Road, Worli, Bombay-18.		News and Current Events (Release in Gujarat circuit)
4.	Mahanubhava	385.00	Directorate General of Inf. & Public Relations, Govt. of Maharashtra, Film Centre, 68-Tardeo Road, Bombay-400034		Documentary Release in Maharashtra circuit.
5.	Raat Dhali (The Night has Passed) (Colour)	478 54	Shri Jagadish Banerjee, 2 Himgiri Peddar Road, Bombay-26.		Documentary General release.

1	2	3	4	5	6
6. Indian News Review No. 1650 (National)	195.00	Films Div. Govt. of India, 24-Peddar Road, Bombay-26.			News and Current Events (General Release).
6A. Indian News Review No. 1650 (Western)	303.00	-do-			News and Current Events (Release in Western circuit)
7. A Change (Colour)	302.00	-do-			Documentary (General Release).
8. Two Brothers	380.00	Films Div. 24-Peddar Road, Bombay-26	M/s. Film Saudagars, Bombay		Documentary (General Release)
9. Story of Indian made Locomotive	292.91	M/s. Candia Films, 19A Shakespeare Sarani, Calcutta-700071.			Documentary (General release).
10. Varshe Zali Vees Puri	298.00	Directorate General of Information & Public Relations, Govt. of Maharashtra, Film Centre, 68-Tardeo Road, Bombay-400 034.			Documentary (Release in Maharashtra circuit)
11. There are others	297.79	Bhardwaj Films, 341 Tardeo Road, Bombay-400 034.			Documentary General release.
12. Indian News Review No. 1651 (National).	214.00	Films Division, Govt. of India 24-Peddar Road, Bombay-400026.			News and Current Events (General Release).
13. Indian News Review No. 1651 (Northern)	300.00	-do-			News and current Events (Release in Northern circuit).
14. A Song For Birsa	479.44	Shri Raja Desgupta 60/9/2, Haripada Dutta Lane, Calcutta-700 033.	Celluloid century 14/ 97 Gold Club Road, Calcutta.		Documentary (General release).
15. Godavari Pushkaram 1979	291.00	G.L. Bhardwaj, B-46/432 Gandhi Nagar, Bandra (East), Bombay-51.			News and Current Events (General Release).
16. Indian News Review No. 1652 (National).	217.00	Films Div. Govt. of India 24-Peddar Road, Bombay-26.			News and Current Events (General Release).
17. Indian News Review No. 1652 (Eastern)	291.00	-do-			News and Current Events (Release in Eastern circuit).
18. Maharashtra News No. 345	266.00	Directorate General of Information & Public Relations, Govt. of Maharashtra, Film Centre, 68-Tardeo Road, Bombay-400 034.			News and Current Events Release in Maharashtra circuit.
19. Padachinha-ka-Dhool	301.75	-do-			'Documentary' (General release).
20. Tourist Festival	365.75	Miss Vimala, V.S. Enterprises, 11 Ramshyam Nivas, S.D. Temple Road, Bombay-16.			'Documentary' (General Release).
21. A date with the Sun (Colour)	361.71	-do-			'Documentary' (General Release).
22. Indian News Review No. 1653 (National).	219.00	Films Div. Govt. of India 24-Peddar Road, Bombay-26.			News and Current Events (General Release).
23. Indian News Review No. 1653 (Southern).	295.00	-do-			News and Current (Release in Southern circuit)
23A. Insult to Civilization.	381.00	-do-			Documentary General release.

1	2	3	4	5	6
24.	Godavari Talli	297.79	Shri G.L. Bhardwaj, Bhardwaj Films, B-461432 Gandhi Nagar, Bandra (East), Bombay-51.		Documentary General Release.
	4 Mahitichitre No. 325	204.22	Asstt. Director of Information Govt. of Gujarat Ramnord Research Lab. Ltd., 77, Dr. Annie Besant Road Worli, Bombay-18.	Director of Inf. Govt. of Gujarat Sachivalaya Gandhi Nagar-382010.	News and Current Events Release in Gujarat circuit.
26.	Conquest of Cancer (Colour)	499.00	Shri Jagat Murari 27/1-B Erandavne Pune-411004.		Documentary General Release.
27.	Swar Sangam (Only music) (Colour).	256.00	M/s. Prasad Production (P) Ltd., 810-Bombay Market Tardeo Road,		Documentary General Release.
28.	I need your love.	398 49	Shri Pradip Sinha 2-A, Ishwar Choudhary Road, Rashbehari Avenue, Calcutta-29.		Documentary General Release.
29.	Kahan Se Kahan	468 00	Shri S. Saxena, 1034, R. S. Bhawan Moti Katla, Jaipur-302003.		Documentary General Release.
30.	Indian News Review No. 1654 (National).	226 00	Films Div. Govt. of India 24-Peddar Road, Bombay-26.		News and Current Events (General Release).
31.	Indian News Review No. 1654 (Western)	302.00	-do-		News and Current Events (Release in Western Circuit).
32.	Uttar Pradesh Samachar-75	291 39	Dhirendra Pande, Producer Newsreels, Information & Public Relations, Deptt. U.P. Lucknow.		News and Current Events (Release in U.P. Circuit).
33.	Indian News Review No. 1654-A (Special).	301.00	Films Division, Govt. of India 24-Peddar Road, Bombay-26.		News and Current Events (General release.).
34.	Uttar Pradesh Samachar-76	287 42	Dhirendra Pande, Producer Newsreels, Information & Public Relations Deptt. U.P. Lucknow.		News and Current Events (Release in U.P. circuit).
35.	Kolhapur	304.80	Directorate General of Information & Public Relations, Govt. of Maharashtra, Film Centre, 68-Tardeo Road, Bombay-400 034.		Documentary Release in Maharashtra circuit.
36.	Shirdi	299.00	Directorate General of Information & Public Relations, Govt. of Maharashtra, Film Centre, 68-Tardeo, Road, Bombay-34.		Documentary Release in Maharashtra circuit.

[File No. 315/1/80-F(P)]

A.D. MALIK, Desk Officer

**भ्रम मंत्रालय**

नई दिल्ली, 23 जुलाई, 1980

का० आ० 2143—मैसर्स गैडोर टूल्स (इण्डिया) प्राइवेट लिमिटेड, 10-12, नया औद्योगिक क्षेत्र, फरीदाबाद, (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उपधारा (2क) के अधीन छूट दिए जाने के लिए आवेदन किया है।

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी, कोई पृथक् अभिदाय या प्रीमियम का संदाय किए बिना ही,

भारतीय जीवन बीमा निगम की समूह बीमा स्कीम के अधीन जीवन बीमा के रूप में फायदा उठा रहे हैं और ऐसे कर्मचारियों के लिए ये फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हैं जो कर्मचारी निवेश सम्बद्ध बीमा स्कीम, 1976 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्कीम कहा गया है) के अधीन उन्हें अनुज्ञेय है।

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन रहते हुए, उक्त स्थापन को, 1 दिसम्बर, 1977 से उक्त स्कीम के सभी उपबन्धों के प्रवर्तन से छूट देती है।



**अनुसूची**

1 उक्त स्थापन के संबंध में नियोजक प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, पंजाब, चण्डीगढ़, को ऐसी विवरणियां भेजेगा, ऐसे लेखा रखेगा और निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार, समय-समय पर निर्दिष्ट करे।

2 नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभाग का प्रत्येक माम की समाप्ति से 15 दिन के भीतर सदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, समय-समय पर उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3क) के खण्ड (क) के अधीन निर्दिष्ट करे।

3 समूह बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अंतर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का अंतरण, निरीक्षण प्रभागों का सदाय आवि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जाएगा।

4 नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा यथा अनुमोदित समूह बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति, और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसंख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद, स्थापन के सूचना-पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5 यदि कोई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन की भविष्य निधि का पत्रले में सदस्य है, उक्त स्थापन में नियोजित किया जाना है तो, नियोजक, समूह बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त शर्ज करेगा और उसकी आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संदत्त करेगा।

6 यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदे बहाल जाते हैं, तो, नियोजक समूह बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों के लिए समूह बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध फायदे उस फायदों से अधिक अनुकूल हों, जो उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञेय है।

7 समूह बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी, यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदेय रकम उस रकम से कम है जो उस कर्मचारी की दशा में संदेय होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नाम निर्देशितों को प्रतिकर के रूप में दोनों रकमों के अंतर के बराबर रकम का संदाय करेगा।

8 समूह बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी मणोघन, प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, पंजाब, चण्डीगढ़ के पूर्व अनुमोदन बिना नहीं किया जाएगा और जहाँ किसी मणोघन में कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो वहाँ, प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का सुविधुतक अवसर देगा।

9 यदि किसी कारणवश, स्थापन के कर्मचारी, भारतीय जीवन बीमा निगम की उस समूह बीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पत्रले अपना चुका है, अधीन नहीं रहते हैं, या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले फायदे किसी रीति में कम हो जाने हैं, तो यह छूट नष्ट कर दी जायेगी।

10, यदि किसी कारणवश, नियोजक उस नियत तारीख के भीतर, जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करे, प्रीमियम का सदाय करने में असफल रहता है और पालिसी का व्यपगत हो जाने दिया जाता है, तो, छूट नष्ट कर दी जायेगी।

11 यदि नियोजक, प्रीमियम के सदाय, आदि में कोई व्यतिक्रम करता है तो, उन मूल सदस्यों के नाम निर्देशितियों या विधिक वारिसों के, जो यह छूट न दी जाने की दशा में उक्त स्कीम के अंतर्गत होने बीमा फायदों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12 उक्त स्थापन के संबंध में नियोजक, इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर, उसके हकदार नाम निर्देशितियों/विधिक वारिसों को बीमाकृत रकम का सदाय तत्परता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत रकम प्राप्त होने के मान वित्त के भीतर सुनिश्चित करेगा।

**व्याख्यात्मक भाषण**

इस मामले में पूर्णपणे प्रभाव से छूट देनी आवश्यक हो गई है क्योंकि छूट के लिये प्राप्त आवश्यक पत्र की कार्रवाई पर समय लगा। तथापि, यह प्रमाणित किया जाता है कि पूर्वापेक्षी प्रभाव से छूट देने से किसी के हित पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

[सं० 35014/7/80-पी० एफ०-2]

**MINISTRY OF LABOUR**

New Delhi, the 23rd July, 1980

S.O. 2143.—Whereas Messrs Gedore Tools (India) Private Limited 10-12, New Industrial Area, Faridabad. (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits, admissible under the Employees Deposit-linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts with effect from 1st December 1977 the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme.

**SCHEDULE**

1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Punjab, Chandigarh, maintain such accounts and provide for such facilities for inspection, as the Central Government may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges, etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display, on the notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.

5. Where an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees, under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said scheme are enhanced, so that the benefits available

under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this Scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Punjab, Chandigarh and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where, for any reason, the employees of the establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the establishment or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium etc., the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee or legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, will be that of the employer.

12. Upon death of the member covered under the Scheme, the employer in relation to the said establishment shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee/legal heirs entitled for it and in any case within seven days of the receipt of the sum assured from the Life Insurance Corporation of India.

#### Explanatory Memorandum

It has become necessary to give retrospective effect to the exemption in this case, as the processing of the application for exemption took time. However it is certified that the grant of exemption with retrospective effect will not affect the interest of anybody adversely.

[No. S. 35014(7)]80-PF, II]

का० आ० 2144.—मैसर्स राकमेल साइकिल इंडस्ट्रीज, 730, इण्डस्ट्रियल एरिया, बी, लुधियाना—141003. (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उपधारा (2क) के अधीन छूट दिए जाने के लिए आवेदन किया है।

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी, कोई पृथक अधिवाय या प्रीमियम का संदाय किए बिना ही, भारतीय जीवन बीमा निगम की समूह बीमा स्कीम के अधीन जीवन बीमा के रूप में फायदा उठा रहे हैं और ऐसे कर्मचारियों के लिए ये फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हैं जो कर्मचारी निक्षेप से सम्बन्धित बीमा स्कीम, 1976 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्कीम कहा गया है) के अधीन उन्हें अनुज्ञेय है।

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए और इससे उपबन्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन रहते हुए, उक्त स्थापन को, 1 मिनस्वर, 1978 से उक्त स्कीम के सभी उपबन्धों के प्रवर्तन में छूट देती है।

#### अनुसूची

1. उक्त स्थापन के सदस्य में नियोजक प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, पंजाब को ऐसी विवरणियां भेजेगा, ऐसे लेखा रखेगा और निरीक्षण के लिए ऐसी मुद्रियां प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार, समय-समय पर निर्दिष्ट करें।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रसारों का प्रत्येक मास की समाप्ति से 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, समय-समय पर उक्त अधिनियम का धारा 17 की उपधारा (3क) के खण्ड (क) के अधीन निर्दिष्ट करें।

3. समूह बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अंतर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का अंतरण, निरीक्षण प्रसारों का संदाय आदि भी हैं, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जाएगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा यथा अनुमोदित समूह बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति, और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसंख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद, स्थापन के सूचना-पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन की भविष्य निधि का पहले से सदस्य है, उक्त स्थापन में नियोजित किया जाता है तो, नियोजक, समूह बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संवत करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों का उपलब्ध फायदे बढ़ाए जाने हैं तो, नियोजक समूह बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों के लिए समूह बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हों, जो उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञेय हैं।

7. समूह बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी, यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदेय रकम उस रकम से कम है जो उस कर्मचारी की दशा में संदेय होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नामनिर्देशिनी को प्रतिकर के रूप में दोनों रकमों के अंतर के बराबर रकम का संदाय करेगा।

8. समूह बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन, प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, पंजाब के पूर्व अनुमोदन बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो वहां, प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश, स्थापन के कर्मचारी, भारतीय जीवन बीमा निगम की उस समूह बीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहले अपना चुका है, अधीन नहीं रह जाते हैं, या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होस वाले फायदे किसी रीति से कम हो जाते हैं, तो यह छूट रद्द कर दी जाएगी।

10. यदि किसी कारणवश, नियोजक उस नियत तारीख के भीतर, जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करे, प्रीमियम का संदाय करने में असमर्थ रहता है, और पालिसी को वसूलन हो जाने दिया जाता है तो, छूट रद्द कर दी जाएगी।

11. यदि नियोजक, प्रीमियम के संदाय, आदि में कोई व्यतिक्रम करता है तो, उन मृत मन्त्रियों के नाम निर्देशनियों या विधिक वारिसों के, जो वह छूट न दी जाने की दशा में उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते, बीमा फायदों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापन के संबंध में नियोजक, इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर, उसके हकदार नाम निर्देशितियों/विधिक वारिसों को बीमाकृत रकम का संदाय तत्परता से और प्रत्येक वर्षा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत रकम प्राप्त होने के सान्निध्य में भीतर सुनिश्चित करेगा।

#### व्याख्यात्मक ज्ञापन

इस मामले में पूर्वपिछी प्रभाव से छूट देनी आवश्यक हो गई है क्योंकि छूट के लिये प्राप्त आवेदन पत्र की कार्यवाही पर समय लगा। तथापि, यह प्रमाणित किया जाता है कि पूर्वपिछी प्रभाव से छूट देने से किसी के हित पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

[संख्या एस० 35014(92)/79-पी० एफ०-2]

New Delhi, the 24th July, 1980

**S.O. 2144.**—Whereas Messrs Rockman Cycle Industries, 730 Industrial Area B-Ludhiana-141003, (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees Deposit-Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme with effect from the 1st day of September, 1978.

#### SCHEDULE

1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner Punjab, maintain such accounts and provide for such facilities for inspection, as the Central Government may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges, etc., shall be borne by the employer.

4. The employer shall display, on the Notice Board of the establishment, a copy of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.

5. Where an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this Scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal/nominee of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Punjab and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where, for any reason, the employees of the establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.

11. In case of default, if any, made by the employer in payment of premium etc., the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee or legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, will be that of the employer.

12. Upon death of the member covered under the Scheme, the employer in relation to the said establishment shall ensure prompt payment of the Sum assured to the nominee/legal heirs entitled for it and in any case within seven days of the receipt of the sum assured from the Life Insurance Corporation of India.

#### Explanatory Memorandum

It has become necessary to give retrospective effect to the exemption in this case, as the processing of the application for exemption took time. However, it is certified that the grant of exemption with retrospective effect will not effect the interest of anybody adversely.

[No. S-35014(92)/79-PF.II]

का० आ० 2145—मैमर्स इण्डियन साइकल कार्पोरेशन लिमिटेड, 254-सी, डा० एनी बेसेंट रोड, प्रभासानी, मुम्बई-400025 (जिसे हमें इसके पश्चात् उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) (जिसे हमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उपधारा (2क) के अधीन छूट दिए जाने के लिए आवेदन किया है।

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई पृथक् अभिधाय या प्रीवियम का संरक्षण किए बिना ही, भारतीय जीवन बीमा निगम की समूह बीमा स्कीम के अधीन जीवन बीमा के रूप में फायदा उठा रहे हैं और ऐसे कर्मचारियों के लिए ये फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हैं जो कर्मचारी निधि से सम्बद्ध बीमा स्कीम 1976 (जिसे हमें इसके पश्चात् उक्त स्कीम कहा गया है) के अधीन उन्हें अनुभूत है ;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन रहते हुए, उक्त स्थापना को, 31 मार्च 1978 से 28 फरवरी, 1981 तक उक्त स्कीम के सभी उपबन्धों के प्रवर्तन से छूट देती है।

अनुसूची

1. उक्त स्थापना के संबंध में नियोजक प्रवैशिन भविष्य निधि अनुकूल, महाराष्ट्र को ऐसी विवरणियां भेजेगा, ऐसे लेखा रखेगा और निरीक्षण के

लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार, समय-समय पर निरदिष्ट करें।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभावों का प्रत्येक भाग की समाप्ति से 15 दिन के भीतर संवाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, समय-समय पर उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3क) के खण्ड (क) के अधीन निरदिष्ट करे।

3. समूह बीमा स्कीम के प्रणामन में, जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियां का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संवाय का अंतरण, निरीक्षण प्रभावों का संवाय आदि भी हैं, होने वाले सभी व्ययों का बहुत नियोजक द्वारा किया जाएगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा यथा अनुमोदित समूह बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति, और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों का बहुसंख्या को भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद स्थापन के सूचना-पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना की भविष्य निधि का पहले से सदस्य है, उक्त स्थापना में नियोजित किया जाता है तो, नियोजक, समूह बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संवत करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों का उल्लेख फायदे बढ़ाये जाते हैं तो, नियोजक समूह बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों के लिए समूह बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हो, जो उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञेय हैं।

7. समूह बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी, यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन सदैव रकम उस रकम से कम है जो उस कर्मचारी की दशा में संवेद्य होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिवक वारिस/नाम निर्देशिनी को पतिकार के रूप में दोनों रकमों के अंतर के बराबर रकम का संदाय करेगा।

8. समूह बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, महाराष्ट्र के पूर्व अनुमोदित बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन में कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो वहां, प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों का अपना वृष्टिकाण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी, भारतीय जीवन बीमा निगम की उस समूह बीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहले अपना चुका है, अधीन नहीं रह जाते हैं, या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले फायदे किसी सीमा से कम हो जाते हैं, तो यह छूट रद्द कर दी जाएगी।

10. यदि किसी कारणवश, नियोजक उस नियम तारीख के भीतर, जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करे, प्रीमियम का संवाय करने में असफल रहता है, और पालिसी को व्यपगत हो जाने दिया जाता है तो, छूट रद्द कर दी जाएगी।

11. यदि नियोजक, प्रीमियम के संवाय आदि में कोई व्यतिक्रम करता है तो, उन मृत सदस्यों के नाम निदेशितियों या विधिवक वारिसों के, जो वह छूट न दी जाने की दशा में उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते, बीमा फायदों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापना के संबंध में नियोजक, इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर, उसके हकदार नाम निदेशितियों/विधिवक वारिसों को बीमाकृत रकम का संदाय तत्परता से और प्रत्येक वश

में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत रकम प्राप्त होने के मान दिन के भीतर सुनिश्चित करेगा।

व्याख्यात्मक ज्ञापन

इस मामले में पूर्वोक्त प्रभाव से छूट बेनी आवश्यक हो गई है क्योंकि छूट के लिये प्राप्त आवेदन पत्र की कार्रवाई पर समय लगा। तथापि, यह प्रमाणित किया जाता है कि पूर्वोक्त प्रभाव छूट देने से किसी के हित पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

[सं० एस०-35014/22/78-पी०एफ-2]

New Delhi, the 25th July, 1980

S.O. 2145.—Whereas Messrs Indian Oil Corporation Limited, 254-C, Dr. Annie Basant Road, Prabhavati, Bombay-400025 (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees Deposit-linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Scheduled annexed hereto, the Central Government hereby exempts with effect from 31st March, 1978 and upto the 28th February, 1981 the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme.

#### SCHEDULE

1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Maharashtra, maintain such accounts and provide for such facilities for inspection, as the Central Government may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges, etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display, on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.

5. Where an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this Scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Maharashtra and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where, for any reason, the employees of the establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse the exemption is liable to be cancelled.

11. In case of default, if any, made by the employer in payment of premium etc., the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee or legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, will be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Scheme the employer in relation to the said establishment shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee legal heirs entitled for it and in any case within 7 days of the receipt of the sum assured from the Life Insurance Corporation of India.

#### EXPLANATORY MEMORANDUM

It has become necessary to give retrospective effect to the exemption in this case, as the processing of the application for exemption took time. However, it is certified that the grant of exemption with retrospective effect will not affect the interest of anybody adversely.

[No. S-35014/22/78-PF. II]

का० प्रा० 2146.—दि गुजरात स्टेट कोऑपरेटिव लीज्ड डवलपमेंट बैंक लिमिटेड, राजकोट, (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उपधारा (2क) के अधीन छूट किए जाने के लिए आवेदन किया है।

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी, कोई पृथक अभिदाय या प्रीमियम का संदाय किए बिना ही, भारतीय जीवन बीमा निगम की समूह बीमा स्कीम के अधीन जीवन बीमा के रूप में फायदा उठा रहे हैं और ऐसे कर्मचारियों के लिए ये फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हैं जो कर्मचारी निक्षेप से सम्बद्ध बीमा स्कीम, 1976 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्कीम कहा गया है) के अधीन उन्हें अनुशेष है;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और इससे उपावह अनुसूची में विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन रहते हुए, उक्त स्थापन को, (अक्तूबर, 1979 से 30 मिनम्बर, 1981 तक उक्त स्कीम के सभी उपबन्धों के प्रवर्तन से छूट देती है।

#### अनुसूची

1. उक्त स्थापन के संबंध में नियोजक प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, अहमदाबाद को ऐसी विवरणियां भेजेगा, ऐसे लेखा रखेगा और निरीक्षण 496 GI/80—11

के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार, समय-समय पर निर्दिष्ट करे।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभागों का प्रत्येक माम की समिति में 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, समय-समय पर उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3क) के खण्ड (क) के अधीन निर्दिष्ट करे।

3. समूह बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का अंतरण, निरीक्षण प्रभागों का संदाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जाएगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा यथा अनुमोदित समूह बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति, और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसंख्या की भाषा में उसको मुख्य बातों का अनुवाद, स्थापन के सूचना-पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन की भविष्य निधि का पहले से सदस्य है, उक्त स्थापन में नियोजित किया जाता है तो, नियोजक, समूह बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाह्य आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संवत् करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों का उपलब्ध फायदे बढ़ाए जाते हैं तो, नियोजक समूह बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों के लिए समूह बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हो, जो उक्त स्कीम के अधीन अनुशेष है।

7. समूह बीमा स्कीम में किसी बात के होने हुए भी, यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदेय रकम उस रकम से कम है जो उस कर्मचारी की दशा में संदेय होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नाम निर्देशितों को प्रतिकर के रूप में दोनों रकमों के अंतर के बराबर रकम का संदाय करेगा।

8. समूह बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन, प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, अहमदाबाद के पूर्व अनुमोदन बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो वहां, प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का सुनिश्चित अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश, स्थापन के कर्मचारी, भारतीय जीवन बीमा निगम की उस समूह बीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहले अपना चुका है, अधीन नहीं रह जाते हैं, या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले फायदे किसी रीति से कम हो जाते हैं, तो यह छूट रद्द कर दी जाएगी।

10. यदि किसी कारणवश, नियोजक उस नियत तारीख के भीतर, जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करे, प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है, और पालिसी को व्यपगत हो जाने दिया जाता है तो, छूट रद्द कर दी जाएगी।

11. यदि नियोजक, प्रीमियम के संदाय, आदि में कोई व्यतिक्रम करता है तो, उन मृत सदस्यों के नाम निर्देशितियों या विधिक वारिसों के, जो वह छूट न दी जाने की दशा में उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते, बीमा फायदों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापन के सम्बन्ध में नियोजक, इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर, उसके हकदार नाम निर्देशितियों/विधिक वारिसों को बीमाकृत रकम का संदाय तत्परता से और प्रत्येक वशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत रकम प्राप्त होने के सात दिन के भीतर सुनिश्चित करेगा।

### अव्यावहारिक ज्ञापन

इस मामले में पूर्वपेशा प्रभाव से छूट देना आवश्यक हो गई है क्योंकि छूट के लिये प्राप्त आवेदन पत्र की कार्रवाई पर समय लगा। तथापि, यह प्रमाणित किया जाता है कि पूर्वपेशी प्रभाव से छूट देने से किसी के हित पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

[सं एन० 35014/76/79-वी० एफ०-2]

**S.O. 2146.**—Whereas Messrs the Gujarat State Cooperative Land Development Bank Limited, Rajkot (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees Deposit-linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts with effect from 1st October, 1979 and upto the 30th September, 1981 the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme.

### SCHEDULE

1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Ahmedabad, maintain such accounts and provide for such facilities for inspection, as the Central Government may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges, etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display, on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.

5. Where an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this Scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Ahmedabad and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where, for any reason, the employees of the establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.

11. In case of default, if any, made by the employer in payment of premium etc., the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee or legal heirs of deceased members would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, will be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Scheme the employer in relation to the said establishment shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee legal heirs entitled for it and in any case within 7 days of the receipt of the sum assured from the Life Insurance Corporation of India.

### EXPLANATORY MEMORANDUM

It has become necessary to give retrospective effect to the exemption in this case, as the processing of the application for exemption took time. However, it is certified that the grant of exemption with retrospective effect will not affect the interest of anybody adversely.

[No. S-35014/76/79-PF. II]

फा० आ० 2147.—मैसर्स गार्गिक लाल हरिदास स्पिनिंग एण्ड सैन्सिबिलिटी, कम्पनी लिमिटेड, मारमपुर, अहमदाबाद, (जिसे हममें इसके पश्चात् उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रतीक उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) (जिसे हममें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उपधारा (2क) के अधीन छूट दिए जाने के लिए आवेदन किया है।

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी, कोई पृथक अभिदाय या प्रीमियम का संदाय किए बिना ही, भारतीय जीवन बीमा निगम की समूह बीमा स्कीम के अधीन जीवन बीमा के रूप में फायदा उठा रहे हैं और ऐसे कर्मचारियों के लिए ये फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हैं जो कर्मचारी निधि से सम्बद्ध बीमा स्कीम, 1976 (जिसे हममें इसके पश्चात् उक्त स्कीम कहा गया है) के अधीन उन्हें अनुभूत हैं ;

अतः, अब केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए और इससे उपबन्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन रहते हुए, उक्त स्थापन को, 1 सितम्बर, 1979 से 31 अगस्त, 1981 तक उक्त स्कीम के सभी उपबन्धों के प्रवर्तन से छूट देती है।

### अनुसूची

1. उक्त स्थापन के सम्बन्ध में नियोजक प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, गुजरात को ऐसी विवरणियां भेजेगा, जैसे देखा रहेगा और निरीक्षण के लिए सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार, समय-समय पर निर्दिष्ट करे।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभागों का प्रत्येक मास की समाप्ति से 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, समय-समय पर उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3क) के खण्ड (क) के अधीन निर्दिष्ट करेंगे।

3. समूह बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अन्तर्गत लेखकों का रखा जाना विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का अंतरण, निरीक्षण प्रभागों का संदाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का घटत नियोजक द्वारा किया जाएगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा तथा अनुमोदित समूह बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति, और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसंख्या की भाषा में उस की मुख्य बातों का अनुवाद स्थापन के सूचना-पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन की भविष्य निधि का पहले से सदस्य है, उक्त स्थापन में नियोजित किया जाता है तो, नियोजक समूह बीमा स्कीम के सत्वत्त के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा। और उसकी वाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को तुरन्त करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदे बढ़ाये जाते हैं तो, नियोजक समूह बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदों से समुचित रूप से वृद्धि की जाने की व्यवस्था करेगा। जिससे कि कर्मचारियों के लिये समूह बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हों, जो उक्त स्कीम के अधीन अनुदेय है।

7. समूह बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी, यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदेय रकम उस रकम से कम है जो उस कर्मचारी की वंश में संदेय होना जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी विधिक पारित नामनिर्देशितों को प्रतिकर के रूप में दोनों रकमों के अंतर के बराबर रकम का संदाय करेगा।

8. समूह बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन, प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, गुजरात के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहाँ किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो वहाँ, प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश, स्थापन के कर्मचारी, भारतीय जीवन बीमा निगम की उस समूह बीमा स्कीम के, जिस स्थापन पहले अपना चुका है, अधीन नहीं रह जाते हैं, या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले फायदे किसी रीति से कम हों जाते हैं, तो वह छूट रद्द कर दी जाएगी।

10. यदि किसी कारणवश, नियोजक उस नियत तारीख के भीतर, जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करे, प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है, और पालिसी को व्यपगत हो जाने दिया जाता है तो, छूट रद्द कर दी जाएगी।

11. यदि नियोजक, प्रीमियम के संदाय, आदि में कोई व्यतिक्रम करता है तो, उन मृत सदस्यों के नाम निर्देशितियों या विधिक वारिसों के, जो वह छूट न दी जाने की वंश में उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते, बीमा फायदों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापन के सम्बन्ध में नियोजक, इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर, उसके हकदार नाम निर्देशितियों/विधिक वारिसों को बीमाकृत रकम का संदाय तत्परता से और प्रत्येक वंश में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत रकम प्राप्त होने के सात दिन के भीतर निश्चिन करेगा।

### व्याख्यात्मक भाषण

इस मामले में पूर्वाधी प्रभाव से छूट देनी आवश्यक हो गई है क्योंकि छूट के लिए प्राप्त आवेदन पत्र की कार्यवाई पर समय लगा। तथापि, यह प्रमाणित किया जाता है कि पूर्वाधी प्रभाव से छूट देने पर किसी के हित पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ता।

[सं० एम० 35014(47)/80-पी०एफ०II]

**S.O. 2147.**—Whereas Messrs Manek Lal Hari Lal Spinning and Manufacturing Co. Ltd. Suraspur, Ahmedabad. (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees Deposit-linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts with effect from 1st September 1979 and upto 31st August 1981 the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme.

### SCHEDULE

1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Gujrat, maintain such accounts and provide for such facilities for inspection, as the Central Government may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display, on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.

5. Where an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this Scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Gujarat and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where, for any reason, the employees of the establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.

11. In case of default, if any, made by the employer in payment of premium etc., the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee or legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, will be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Scheme the employer in relation to the said establishment shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee legal heirs entitled for it and in any case within 7 days of the receipt of the sum assured from the Life Insurance Corporation of India.

#### EXPLANATORY MEMORANDUM

It has become necessary to give retrospective effect to the exemption in this case, as the processing of the application for exemption took time. However, it is certified that the grant of exemption with retrospective effect will not affect the interest of anybody adversely.

[No. S-35014/47/80-PF. II]

कां० २१४८.—मैसर्स श्री अम्बिका मिल्स लिमिटेड (यूनिट श्री अम्बिका ट्यूब्स), अहमदाबाद (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उपधारा (2क) के अधीन छूट दिए जाने के लिए आवेदन किया है।

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी, कोई पृथक् अभिदाय या प्रीमियम का संदाय किए बिना हो, भारतीय जीवन बीमा निगम की समूह बीमा स्कीम के अधीन जीवन बीमा के रूप में फायदा उठा रहे हैं और ऐसे कर्मचारियों के लिए ये फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हैं जो कर्मचारी निक्षेप संबंध बीमा स्कीम, 1976 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्कीम कहा गया है) के अधीन उन्हें अनुज्ञेय है ;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन रहते हुए, उक्त स्थापन को, 1 मार्च, 1979 से 28 फरवरी, 1981 तक उक्त स्कीम के सभी उपबन्धों के प्रवर्तन से छूट देती है।

#### अनुसूची

1. उक्त स्थापन के संबंध में नियोजक प्रादेशिक भविष्य निधि प्रायुक्त, अहमदाबाद को ऐसी विवरणियां भेजेगा, ऐसे लेखा रखेगा और निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार, समय-समय पर निषिष्ट करें।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रधारों का प्रत्येक मास की समाप्ति से 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, समय-समय पर उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3क) के खण्ड (क) के अधीन निषिष्ट करें।

3. समूह बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का अंतरण, निरीक्षण प्रधारों का संदाय आदि भी हैं, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जाएगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा यथा अनुमोदित समूह बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति, और जय कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसंख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद, स्थापन के सूचना-पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन की भविष्य निधि का पहले से सदस्य है, उक्त स्थापन में नियोजित किया जाना है तो, नियोजक, समूह बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संबल करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों का उपलब्ध फायदे बढ़ाएं जाते हैं तो, नियोजक समूह बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों के लिए समूह बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हो, जो उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञेय हैं।

7. समूह बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी, यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संवेद्य रकम उस रकम से कम है जो उस कर्मचारी की दशा में संवेद्य होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नाम निर्देशितों को प्रतिकर के रूप में दोनों रकमों के अंतर के बराबर रकम का संदाय करेगा।

8. समूह बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन, प्रादेशिक भविष्य निधि प्रायुक्त, अहमदाबाद के पूर्व अनुमोदन बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो वहां, प्रादेशिक भविष्य निधि प्रायुक्त, अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का युक्ति-युक्त अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश, स्थापन के कर्मचारी, भारतीय जीवन बीमा निगम की उस समूह बीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहले अपना चुका है, अधीन नहीं रह जाते हैं, या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले फायदे किसी रीति से कम हो जाते हैं, तो यह छूट रद्द कर दी जाएगी।

10. यदि किसी कारणवश, नियोजक उस नियत तारीख के भीतर, जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करे, प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है, और पालिसी को व्यपगत हो जाने दिया जाता है तो, छूट रद्द कर दी जाएगी।

11. यदि नियोजक, प्रीमियम के संदाय, आदि में कोई व्यतिक्रम करता है तो, उन मृत सदस्यों के नाम निर्देशितियों या विधिक वारिसों के, जो वह छूट न दी जाने की दशा में उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते, बीमा फायदों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापन के संबंध में नियोजक, इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर, उसके हक्कादर नाम निर्देशितियों/विधिक वारिसों को बीमाकृत रकम का संदाय तत्परता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत रकम प्राप्त होने के सात दिन के भीतर सुनिश्चित करेगा।

#### व्याख्यात्मक ज्ञापन

इस मामले में पूर्वापेक्षी प्रभाव से छूट देनी आवश्यक हो गई है क्योंकि छूट के लिये प्राप्त आवेदन पत्र की कार्यवाही पर समय लगा। तथापि, यह प्रमाणित किया जाता है कि पूर्वापेक्षी प्रभाव से छूट देने से किसी के हित पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

[संख्या एस-35014/33/79-पी० एफ०-2]



**S.O. 2148.**—Whereas Messrs Shri Ambica Mills Limited (Unit—Shri Ambica Tubes), Ahmedabad (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees Deposit-Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts with effect from 1st March, 1979 and upto 28th February, 1981 the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme.

### SCHEDULE

1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Ahmedabad, maintain such accounts and provide for such facilities for inspection, as the Central Government may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges, etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display, on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and as when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.

5. Where an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this Scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Ahmedabad and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where, for any reason, the employees of the establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as

already adopted by the establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.

11. In case of default, if any, made by the employer in payment of premium etc., the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee or legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, will be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Scheme the employer in relation to the said establishment shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee legal heirs entitled for it and in any case within 7 days of the receipt of the sum assured from the Life Insurance Corporation of India.

### EXPLANATORY MEMORANDUM

It has become necessary to give retrospective effect to the exemption in this case, as the processing of the application for exemption took time. However, it is certified that the grant of exemption with retrospective effect will not affect the interest of anybody adversely.

[No. S-35014/33/79-PF, II]

का० प्रा० 2149—मैमर्स दि पंजाब ट्यूब्स लिमिटेड, साहिबवादा अजीत सिंह नगर, रोपड़ (पंजाब) (जिसे हममें इसके पश्चात् उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) जिसे हममें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उपधारा (2क) के अधीन छूट दिए जाने के लिए आवेदन किया है।

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी, कोई पृथक् अभिधाय या प्रीमियम का संदाय किए बिना ही, भारतीय जीवन बीमा निगम की समूह बीमा स्कीम के अधीन जीवन बीमा के रूप में फायदा उठा रहे हैं और ऐसे कर्मचारियों के लिए ये फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हैं जो कर्मचारी निक्षेप सबद्ध बीमा स्कीम, 1976 (जिसे हममें इसके पश्चात् उक्त स्कीम कहा गया है) के अधीन उन्हें अनुज्ञेय हैं ;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए और इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन रहते हुए, उक्त स्थापन को, 1 जुलाई, 1978 से 30 जून, 1981 तक उक्त स्कीम के सभी उपबन्धों के प्रवर्तन से छूट देती है।

### अनुसूची

1. उक्त स्थापन के संबंध में नियोजक प्रादेशित भविष्य निधि प्रायुक्त, पंजाब को ऐसी विवरणियां भेजेगा, ऐसे लेखा रखेगा और निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार, समय-समय पर निर्विष्ट करें।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारों का प्रत्येक माम की समाप्ति से 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, समय-समय पर उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3क) के खण्ड (क) के अधीन निर्विष्ट करें।

3. समूह बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का अंतरण, निरीक्षण प्रभारों का संदाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का बहुत नियोजक द्वारा किया जाएगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा यथा अनुमोदित समूह बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति, और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसंख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद, स्थापना के सूचना-पट्ट पर प्रवर्जित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन की भविष्य निधि का पहले से सदस्य है, उक्त स्थापन में नियोजित किया जाता है तो, नियोजक, समूह बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बायत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संदत्त करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों का उपलब्ध फायदे बढ़ाए जाते हैं तो, नियोजक समूह बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों के लिए समूह बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हो, तो उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञेय है।

7. समूह बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी, यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदेय रकम उस रकम से कम है जो उस कर्मचारी की दशा में संदेय होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस / नामनिर्देशितों को प्रतिफल के रूप में दोनों रकमों के अंतर के बराबर रकम का संदाय करेगा।

8. समूह बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन, प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, पंजाब के पूर्व अनुमोदन बिना नहीं किया जाएगा और जहाँ किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो वहाँ, प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश, स्थापन के कर्मचारी, भारतीय जीवन बीमा निगम की उस समूह बीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहले अपना चुका है, अधीन नहीं रह जाते हैं, या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले फायदे किसी रीति से कम हो जाते हैं, तो वह छूट रद्द कर दी जाएगी।

10. यदि किसी कारणवश, नियोजक उस नियत तारीख के भीतर, जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करे, प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है, और पालिसी को व्ययगत हो जाने दिया जाता है तो, छूट रद्द कर दी जाएगी।

11. यदि नियोजक, प्रीमियम, के संदाय, आदि में कोई व्यतिक्रम करता है तो, उन मृत सदस्यों के नाम निर्देशितियाँ या विधिक वारिसों के, जो वह छूट न दी जाने की दशा में उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते, बीमा फायदों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापन के संबंध में नियोजक, इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर, उसके हकदार नाम निर्देशितियों/विधिक वारिसों को बीमाकृत रकम का संदाय तत्परता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत रकम प्राप्त होने के मातृ दिन के भीतर सुनिश्चित करेगा।

व्याख्यात्मक शापन ;

इस मामले में पूर्वपक्षी प्रभाव से छूट देनी आवश्यक हो गई है क्योंकि छूट के लिये प्राप्त आवेदन पत्र की कार्यवाई पर समय लगा। तथापि, यह प्रमाणित किया जाता है कि पूर्वपक्षी प्रभाव से छूट देने से किसी के हित पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

[सं० एस० 35014/37/78-पी० एफ०-(2)]

S.O. 2149.—Whereas, Messrs The Punjab Tractors Limited, Sahibzada Ajit Singh Nagar, Ropar (Punjab) (hereinafter referred to as the said establishment) have applied

for exemption under sub-section (2A) of section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act) ;

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees Deposit-linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme) ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts with effect from 1st July, 1978, and upto the 30th June, 1981 the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme.

#### SCHEDULE

1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Punjab, maintain such accounts and provide for such facilities for inspection, as the Central Government may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges, etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display, on the Notice Board of the establishment a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.

5. Where an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this Scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Punjab and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where, for any reason, the employees of the establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme or the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.

11. In case of default, if any, made by the employer in payment of premium etc., the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee or legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, will be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Scheme, the employer in relation to the said establishment shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee/legal heirs entitled for it and in any case within 7 days of the sum assured from the Life Insurance Corporation of India.

### EXPLANATORY MEMORANDUM

It has become necessary to give retrospective effect to the exemption in this case, as the processing of the application for exemption took time. However, it is certified that the grant of exemption with retrospective effect will not affect the interest of anybody adversely.

[No. S-35014/37-78-PF-II]

कांशा० 2150.—मैसर्स दि मिलिंग ट्रेडिंग कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड, आनंद सोजिता रोड, विट्ठल उद्योग नगर, गुजरात, (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उपधारा (2क) के अधीन छूट दिए जाने के लिए आवेदन किया है।

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी, कोई पृथक् अभिदाय या प्रीमियम का संदाय किए बिना ही, भारतीय जीवन बीमा निगम की समूह बीमा स्कीम के अधीन जीवन बीमा के रूप में फायदा उठा रहे हैं और ऐसे कर्मचारियों के लिए वे फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हैं जो कर्मचारी निक्षेप संबंध बीमा स्कीम, 1976 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्कीम कहा गया है) के अधीन उन्हें अनुज्ञेय है;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, और इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन रहते हुए, उक्त स्थापन को, 1 नवम्बर, 1979 से 31 अक्टूबर, 1981 तक उक्त स्कीम के सभी उपबन्धों के प्रवर्तन से छूट देती है।

#### अनुसूची

1. उक्त स्थापन के संबंध में नियोजक प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, गुजरात को ऐसी विवरणियां भेजेगा, ऐसे लेखा रखेगा और निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार, समय-समय पर निदिष्ट करें।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभागों का प्रत्येक मास की समाप्ति से 15 दिन के भीतर संशय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, समय-समय पर उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3क) के खण्ड (क) के अधीन निदिष्ट करे।

3. समूह बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा की प्रीमियम का संवाय, लेखाओं का अंतरण, निरीक्षण प्रभागों का संदाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का बटन नियोजक द्वारा किया जाएगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा यथा अनुमोदित समूह बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति, और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसंख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद, स्थापन के सूचना-पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन की भविष्य निधि का पहलू से सदस्य है, उक्त स्थापन में नियोजित किया जाता है तो, नियोजक, समूह बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बायत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को सदन करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों का उपबन्ध फायदे वहाए जाते हैं तो, नियोजक समूह बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों के लिए समूह बीमा स्कीम के अधीन उपबन्ध फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हो, जो उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञेय हैं।

7. समूह बीमा स्कीम में किसी बात के होने हुए भी, यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर उस स्कीम के अधीन संवेद्य रकम उस रकम से कम है जो उस कर्मचारी की दशा में संवेद्य होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होगा तो, नियोजक कर्मचारी के वित्तिक दायित्व/नामनिर्देशनी को प्रतिकर के रूप में दोनों रकमों के अंतर के बराबर रकम का संशय करेगा।

8. समूह बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन, प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, गुजरात के पूर्व अनुमोदन बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो वहाँ, प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश, स्थापन के कर्मचारी, भारतीय जीवन बीमा निगम की उस समूह बीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहले अपना चुका है, अधीन नहीं रह जाते हैं, या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले फायदे किसी रीति से कम हो जाते हैं, तो यह छूट रद्द कर दी जाएगी।

10. यदि किसी कारणवश, नियोजक उस नियत तारीख के भीतर, जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करे, प्रीमियम का संवाय करने में असफल रहता है, और पारिसी को व्यपगत हो जाने दिया जाता है तो, छूट रद्द कर दी जाएगी।

11. यदि नियोजक, प्रीमियम के संवाय, आदि में कोई व्यतिक्रम करता है तो, उन मृत सदस्यों के नाम निर्देशनियों या वित्तिक वारिसों के, जो वह छूट न दी जाने की दशा में उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते, बीमा फायदों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापन के संबंध में नियोजक, इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर, उसके वक्ता नाम निर्देशनियों/ वित्तिक वारिसों की बीमाकृत रकम का संदाय तत्पश्चात् से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत रकम प्राप्त होने के सात दिन के भीतर मूर्तिभूत करेगा।

#### व्याख्यात्मक शीर्षक

इस मामले में पूर्वापेक्षी प्रभाव से छूट देनी आवश्यक हो गई है क्योंकि छूट के लिये प्राप्त आवेदन पत्र की कार्यवाही पर समय लगा। तथापि, यह प्रमाणित किया जाता है कि पूर्वापेक्षी प्रभाव से छूट देने से किसी के हित पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

[सं० 35014/80/79-सी० एफ०-2]

S.O. 2150.—Whereas Messrs The Milling Trading Company Private Limited, Anand SOJITRA ROAD, VITTHAL Udyog Nagar Gujarat (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees Deposit-linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts with effect from 1st November, 1979, and upto the 31st October, 1981 the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme.

### SCHEDULE

1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Gujarat, maintain such accounts and provide for such facilities for inspection, as the Central Government may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges, etc., shall be borne by the employer.

4. The employer shall display, on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government, and, as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.

5. Where an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this Scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Gujarat and where any amendments is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where, for any reason, the employees of the establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.

11. In case of default, if any, made by the employer in payment of premium etc., the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee or legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, will be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Scheme, the employer in relation to the said establishment shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee/legal heirs entitled for it and in any case within 7 days of the receipt of the sum assured from the Life Insurance Corporation of India.

### EXPLANATORY MEMORANDUM

It has become necessary to give retrospective effect to the exemption in this case, as the processing of the application for exemption took time. However, it is certified that the grant of exemption with retrospective effect will not affect the interest of anybody adversely.

[No. S. 35014/80/79-PF.II]

का० आ० 2151—मैसर्स कनिशा स्टील्स, आनंद-सोमिन्ना रोड, विधानगर, गुजरात, (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उपधारा (2क) के अधीन छूट दिए जाने के लिए आवेदन किया है।

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी, कोई पृथक् अभिदाय या प्रीमियम का संदाय किए बिना ही, भारतीय जीवन बीमा नियम की समूह बीमा स्कीम के अधीन जीवन बीमा के रूप में फायदा उठा रहे हैं और ऐसे कर्मचारियों के लिए ये फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हैं जो कर्मचारी निक्षेप सबड बीमा स्कीम, 1976 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्कीम कहा गया है) के अधीन उन्हें अनुज्ञेय है।

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए और इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन रहते हुए, उक्त स्थापन को, 1 नवम्बर 1979 से 31 अक्टूबर, 1981 तक उक्त स्कीम के सभी उपबन्धों के प्रवर्तन से छूट देती है।

### अनुसूची

1. उक्त स्थापन के संबंध में नियोजक प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, अहमदाबाद को ऐसी विवरणियां भेजेगा, ऐसे लेखा रखेगा और निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार समय-समय पर निरदिष्ट करे।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभागों का प्रत्येक मास की गमाप्ति से 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, समय-समय पर उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3क) के खण्ड (क) के अधीन निरदिष्ट करे।

3. समूह बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का अंतरण, निरीक्षण, प्रभागों का संदाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जाएगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा यथा अनुमोदित समूह बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसंख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद, स्थापन के सूचना-पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन की भविष्य निधि का पहले से सदस्य है, उक्त स्थापन में नियोजित किया जाता है तो, नियोजक, समूह बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को सौंप करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों की उपलब्ध फायदे बढ़ाये जाते हैं तो, नियोजक समूह बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों के लिए समूह बीमा के अधीन उपलब्ध फायदे उन फायदों से प्रतिकूल अनुकूल हों, जो उक्त स्कीम के अधीन अनुशेष हैं।

7. समूह बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी, यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदेय रकम उस रकम में कम है जो कर्मचारी की दशा में संदेय होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नामनिर्देशितों को प्रतिकूल के रूप में दोनों के अंतर के बराबर रकम का संदाय करेगा।

8. समूह बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, अहमदाबाद के पूर्व अनुमोदन बिना नहीं किया और जहाँ किसी संशोधन ने कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो वहाँ प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश, स्थापन के कर्मचारी, भारतीय जीवन बीमा निगम की उस समूह स्कीम के, जिसे स्थापन पहले अपना चुका है, अधीन नहीं रह जाते हैं, या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले फायदे किसी रीति से कम हो जाते हैं, तो यह छूट रद्द कर दी जाएगी।

10. यदि किसी कारणवश, नियोजक उस नियत तारीख के भीतर, जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करे, प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है, और पालिसी को व्ययगत हो जाने दिया जाता है तो, छूट रद्द कर दी जाएगी।

11. यदि नियोजक, प्रीमियम के संदाय आदि में कोई अनियमित करता है तो, उन मृत सदस्यों के नाम निर्देशितियाँ या विधिक वारिसों के, जो वह छूट न की जाने की दशा में उक्त स्कीम के अंतर्गत हों, बीमा फायदों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापन के संबंध में नियोजक, इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर, उसके हकदार नाम निर्देशितियों/विधिक वारिसों की बीमाकृत रकम का संदाय तत्परता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत रकम प्राप्त होने के सात दिन के भीतर सुनिश्चित करेगा।

#### व्याख्यात्मक ज्ञापन

इस मामले में पूर्ववर्षी प्रभाव से छूट देनी आवश्यक हो गई। क्योंकि छूट के लिये प्राप्त आवेदन पत्र की कार्यवाही पर समय लगा तथापि, यह प्रमाणित किया जाता है कि पूर्ववर्षी प्रभाव से छूट देने से किसी के हित पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

[एम०-35014/83/79-पी० एफ०-2]

S.O. 2151.—Whereas Messrs Kanisha Steels Anand Sajitra Road, Vallabh Vidyanagar, Gujarat (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

496 GI/80—12

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of life insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees Deposit-linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Scheduled annexed hereto, the Central Government hereby exempts with effect from 1st November, 1979 and upto the 31st October, 1981 the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme.

#### SCHEDULE

1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Ahmedabad, maintain such accounts and provide for such facilities for inspection, as the Central Government may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges, etc, shall be borne by the employer.

4. The employer shall display, on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.

5. Where an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this Scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Ahmedabad and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where, for any reason, the employees of the establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.

11. In case of default, if any, made by the employer in payment of premium etc., the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee or legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, will be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Scheme the employer in relation to the said establishment shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee/legal heirs entitled for it and in any case within 7 days of the receipt of the sum assured from the Life Insurance Corporation of India.

#### EXPLANATORY MEMORANDUM

It has become necessary to give retrospective effect to the exemption in this case, as the processing of the application for exemption took time. However, it is certified that the grant of exemption with retrospective effect will not affect the interest of anybody adversely.

[No. S-35014/83/79-PF.II]

का० छा० 2152.—मैसर्स इंडियन डेरी कारपोरेशन, लॉण, आर० सी० दत्त, रोड, बड़ोदा-3 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापना कहा गया है) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उपधारा (2क) के अधीन छूट दिए जाने के लिए आवेदन किया है।

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी, कोई पृथक् अभिदाय या प्रीमियम का संवाय किए बिना ही, भारतीय जीवन बीमा निगम की समूह बीमा स्कीम के अधीन जीवन बीमा के रूप में फायदा उठा रहे हैं और ऐसे कर्मचारियों के लिए ये फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हैं जो कर्मचारी निक्षेप से सम्बन्धित बीमा स्कीम, 1976 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्कीम कहा गया है) के अधीन उन्हें अनुज्ञेय हैं;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन रहते हुए, उक्त स्थापन को, 1 अक्टूबर, 1979 से 30 सितम्बर, 1981 तक उक्त स्कीम के सभी उपबन्धों के प्रवर्तन से छूट देती है।

#### अनुसूची

1. उक्त स्थापन के संबंध में नियोजक प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त गुजरात, को ऐसी विवरणियां भेजेगा, ऐसे लेखा रखेगा और निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार, समय-समय पर निर्दिष्ट करे।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभागों का प्रत्येक माम की समाप्ति से 15 दिन के भीतर संवाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, समय-समय पर उक्त अधिनियम का धारा 17 की उपधारा (3क) के खण्ड (क) के अधीन निर्दिष्ट करे।

3. समूह बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संवाय, लेखाओं का अंतरण, निरीक्षण प्रभागों का संवाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जाएगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा यथा अनुमोदित समूह बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए,

तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की सहसंख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद स्थापन के सूचना-पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी, जो भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन की भविष्य निधि का पहले से सदस्य है, उक्त स्थापन में नियोजित किया जाता है तो, नियोजक, समूह बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी वास्तव आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम की संदत्त करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदे बढ़ाये जाने हैं तो, नियोजक समूह बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों के लिए समूह बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हो, जो उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञेय हैं।

7. समूह बीमा स्कीम में किसी बात के होने हुए भी, यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदेय रकम उस रकम से कम है जो उस कर्मचारी की दशा में संदेय होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नामनिर्देशित को प्रतिकर के रूप में दोनों रकमों के अंतर के बराबर रकम का संदेय करेगा।

8. समूह बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, गुजरात के पूर्व अनुमोदन बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो वहां, प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों का अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश, स्थापन के कर्मचारी, भारतीय जीवन बीमा निगम की उस समूह बीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहले अपना चुका है, अधीन नहीं रह जाते हैं, या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले फायदे किसी रीति से कम हो जाते हैं, तो यह छूट रद्द कर दी जाएगी।

10. यदि किसी कारणवश, नियोजक उस नियत तारीख के भीतर, जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करे, प्रीमियम का संवाय करने में असफल रहता है, और पानिमी को व्यपगत हो जाने दिया जाता है तो, छूट रद्द कर दी जाएगी।

11. यदि नियोजक, प्रीमियम के संवाय, धावि में कोई व्यतिक्रम करता है तो, उन मृत सदस्यों के नाम निर्देशितियों या विधिक वारिसों के, जो वह छूट न दी जाने की दशा में उक्त स्कीम के अन्तर्गत होने, बीमा फायदों के संवाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापना के संबंध में नियोजक, इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर, उसके लकड़ार नाम निर्देशितियों/विधिक वारिसों को श्रीमाकृत रकम का संवाय तत्परता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से श्रीमाकृत रकम प्राप्त होने के सात दिन के भीतर, सुनिश्चित करेगा।

#### व्याख्यात्मक ज्ञापन

इस मामले में पूर्वापेक्षी प्रभाव से छूट देनी आवश्यक हो गई है क्योंकि छूट के लिए निम्ने प्राप्त आवेदन पत्र की कार्रवाई पर समय लगा। तथापि, यह प्रमाणित किया जाता है कि पूर्वापेक्षी प्रभाव से छूट देने से किसी के हित पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

[संख्या एम०-35014/59/80-पी० एफ०-2]

S.O. 2152.—Whereas Messrs Indian Dairy Corporation, Darpan, R. C. Dutt Road, Baroda-3 (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under

sub-section (2A) of section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit-linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts with effect from 1st October, 1979 and upto the 30th September, 1981, the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme.

### SCHEDULE

1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Gujarat, maintain such accounts and provide for such facilities for inspection, as the Central Government may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of Accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges, etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display, on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, along with a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.

5. Where an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this Scheme be less than the amount that would be payable had employees been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Gujarat and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where, for any reason, the employees of the establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.

11. In case of default, if any, made by the employer in payment of premium etc., the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee or legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, will be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the scheme, the employer in relation to the said establishment shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee/legal heirs entitled for it and in any case within 7 days of the receipt of the sum assured from the Life Insurance Corporation of India.

### EXPLANATORY MEMORANDUM

It has become necessary to give retrospective effect to the exemption in this case, as the processing of the application for exemption took time. However, it is certified that the grant of exemption with retrospective effect will not affect the interest of anybody adversely.

[No. S-35016/59/80-PF. II]

कां० प्रा० 2153.—मैसर्स श्री अम्बिका मिल्स लिमिटेड (यूनिट श्री अम्बिका मिल्स सं० 1), ग्रहमदाबाद, (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापन किया गया है) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उपधारा (2क) के अधीन छूट दिए जाने के लिए आवेदन किया है।

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी कोई पृथक अभिवाय या प्रीमियम का संदाय किए बिना ही, भारतीय जीवन बीमा निगम की समूह बीमा स्कीम के अधीन जीवन बीमा के रूप में फायदा उठा रहे हैं और ऐसी कर्मचारियों के लिए ये फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हैं जो कर्मचारी निक्षेप से सम्बद्ध बीमा स्कीम, 1976 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्कीम कहा गया है) के अधीन उन्हें अनुभूते हैं;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रदत्त शर्तियों का प्रयोग करते हुए, और इससे उपबन्ध अनुसूची में चिनिष्ट शर्तों के अधीन रहते हुए, उक्त स्थापन को, 1 मार्च, 1979 से 28 फरवरी, 1981 तक उक्त स्कीम के सभी उपबन्धों के प्रवर्तन से छूट देती है।

### प्रमुख बिंदु

1. उक्त स्थापन के सम्बन्ध में नियोजक प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, ग्रहमदाबाद को ऐसी विवरणियां भेजेगा, ऐसे लेखा रखेगा और निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार, समय-समय पर निदिष्ट करें।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारों का प्रत्येक साल की समाप्ति से 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, समय-समय पर उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 3(क) के खण्ड (क) के अधीन निदिष्ट करें।

3. समूह बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का अन्तर्गण, निरीक्षण प्रभारों का संदाय आदि भी हैं, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जाएगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा यथा अनुमोदित समूह बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति, और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसंख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद, स्थापन के सूचना-पत्र पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन की भविष्य निधि का पहले से सदस्य है, उक्त स्थापन में नियोजित किया जाता है तो, नियोजक, समूह बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संदत्त करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों का उपलब्ध फायदे बढ़ाए जाते हैं तो, नियोजक समूह बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों के लिए समूह बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हों, जो उक्त स्कीम के अधीन अनुशेष हैं।

7. समूह बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी, यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदेय रकम उस रकम से कम है जो उस कर्मचारी की दशा में संदेय होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक आग्रिम/आमनिर्देशिनी को प्रतिकर के रूप में दोनों रकमों के अन्तर के बराबर रकम का संदाय करेगा।

8. समूह बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन, प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, अहमदाबाद के पूर्व अनुमोदन बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की सम्भावना हो वहां, प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना वृष्टिकोण स्पष्ट करने का व्यक्तिगत अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश, स्थापन के कर्मचारी, भारतीय जीवन बीमा निगम की उस समूह बीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहले अपना चुका है, अधीन नहीं रह जाते हैं, या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले फायदे किसी रीति से कम हो जाते हैं, तो यह छूट रद्द कर दी जाएगी।

10. यदि किसी कारणवश, नियोजक उस नियत तारीख के भीतर, जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करे, प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है, और पालिसी की ब्यागन हो जाने दिया जाता है तो, छूट रद्द कर दी जाएगी।

11. यदि नियोजक, प्रीमियम के संदाय, आदि में कोई व्यतिक्रम करता है तो, उन मूल सदस्यों के नाम निर्देशितियों या विधिक वारिसों के, जो यह छूट न दी जाने की दशा में उक्त स्कीम के अन्तर्गत होने, बीमा फायदों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापन के सम्बन्ध में नियोजक, इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर, उसके हकदार नाम निर्देशितियों/विधिक वारिसों की बीमाकृत रकम का संशय तत्परता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत रकम प्राप्त होने के सात दिन के भीतर सुनिश्चित करेगा।

#### व्याख्यात्मक तालिका

इस मामले में पूर्वपिछी प्रभाव से छूट देनी आवश्यक हो गई है क्योंकि छूट के लिये प्राप्त आवेदन-पत्र की कार्रवाई पर समय लगा। तथापि, यह प्रमाणित किया जाता है कि पूर्वपिछी प्रभाव से छूट देने से किसी के हित पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

[संख्या एम० 35014/36/79-पी० एफ-2]

S.O. —Whereas Messrs M/s. Shri Ambica Mills Limited (Unit Sri Ambica Mill No. 1) Ahmedabad (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees Deposit-linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts with effect from 1st March, 1979 and upto the 28th February 1981, the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme.

#### SCHEDULE

1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Ahmedabad, maintain such accounts and provide for such facilities for inspection, as the Central Government may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges, etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display, on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.

5. Where an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this Scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Ahmedabad, and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where, for any reason, the employees of the establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already



adopted by the establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.

11. In case of default, if any, made by the employer in payment of premium etc., the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee or legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, will be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Scheme, the employer in relation to the said establishment shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee/legal heirs entitled for it and in any case within 7 days of the receipt of the sum assured from the Life Insurance Corporation of India.

#### Explanatory Memorandum

It has become necessary to give retrospective effect to the exemption in this case, as the processing of the application for the exemption took time. However, it is certified that the grant of exemption with retrospective effect will not affect the interest of anybody adversely.

[No. S-35014/36/79-PF. II]

का०प्र० 2154—मैसर्स उषा मार्टिन ब्लैक लि०, कलकत्ता, (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उपधारा (2क) के अधीन छूट दिए जाने के लिए आवेदन किया है;

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी, कोई पृथक् अधिदाय या प्रीमियम का संवाय किए बिना ही, भारतीय जीवन बीमा निगम की समूह बीमा स्कीम के अधीन जीवन बीमा के रूप में फायदा उठा रहे हैं और ऐसे कर्मचारियों के लिए ये फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हैं जो कर्मचारी निक्षेप से सम्बद्ध बीमा स्कीम, 1976 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्कीम कहा गया है) के अधीन उन्हें अनुभूत हैं;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन रहते हुए, उक्त स्थापन को, 1 अप्रैल, 1979 से 31 मार्च, 1981 तक उक्त स्कीम के सभी उपबन्धों के प्रवर्तन से छूट देती है।

#### अनुसूची

1. उक्त स्थापन के सम्बन्ध में नियोजक प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, कलकत्ता को ऐसी विवरणियाँ भेजेगा, ऐसे लेखा रखेगा और निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएँ प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार, समय-समय पर निदिष्ट करें।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रसारों का प्रत्येक मास की समाप्ति से 15 दिन के भीतर संवाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, समय-समय पर उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3क) के खण्ड (क) के अधीन निदिष्ट करे।

3. समूह बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संवाय, लेखाओं का अन्तरण, निरीक्षण प्रसारों का संवाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का बहुत नियोजक द्वारा किया जाएगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा यथा अनुमोदित समूह बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति, और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसंख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद, स्थापन के सूचना-गट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन की भविष्य निधि का पहले से सदस्य है, उक्त स्थान में नियोजित किया जाता है तो, नियोजक, समूह बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संदत्त करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों का उपलब्ध फायदे बढ़ाए जाते हैं तो, नियोजक समूह बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों के लिए समूह बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हो जो उक्त स्कीम के अधीन अनुभूत हैं।

7. समूह बीमा स्कीम में किसी बात के होने हुए भी, यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदेय रकम उस रकम से कम है जो उस कर्मचारी की दशा में संदेय होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नामनिर्देशी की प्रतिकर के रूप में दोनों रकमों के अन्तर के बराबर रकम का संवाय करेगा।

8. समूह बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन, प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, कलकत्ता के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहाँ किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की सम्भावना हो वहाँ, प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का व्यक्तिगुक्त अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश, स्थापन के कर्मचारी, भारतीय जीवन बीमा निगम की उस समूह बीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहले अपना चुका है, अधीन नहीं रह जाते हैं, या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले फायदे किसी रीति से कम हो जाते हैं, तो यह छूट रद्द कर दी जाएगी।

10. यदि किसी कारणवश, नियोजक उस नियत तारीख के भीतर, जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करे, प्रीमियम का संवाय करने में असफल रहता है, और पालिसी का व्यपगत हो जाने दिया जाता है तो, छूट रद्द कर दी जाएगी।

11. यदि नियोजक, प्रीमियम के संवाय, आदि में कोई व्यतिक्रम करता है तो, उस मृत सदस्यों के नाम-निर्देशितियों या विधिक वारिसों के, जो वह छूट न दी जाने की दशा में उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते, बीमा फायदों के संवाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापन के सम्बन्ध में नियोजक, इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर, उसके हक्कदार नाम-निर्देशितियों/विधिक वारिसों को बीमाकृत रकम का संवाय तत्परता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत रकम प्राप्त होने के सात दिन के भीतर मुनिश्चित करेगा।

#### व्याख्यात्मक ज्ञापन

इस मामले में पूर्वपिछी प्रभाव से छूट देनी आवश्यक हो गई है क्योंकि छूट के लिये प्राप्त आवेदन पत्र की कार्यवाई पर समय लगा। तथापि, यह प्रमाणित किया जाता है कि पूर्वपिछी प्रभाव से छूट देने से किसी के हित पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

[सं० एस० 35014/68/80-पी० एफ० II]

**S.O. 2154.**—Whereas Messrs Usha Martin Black Limited, Calcutta thereafter referred to as the said establishment have applied for exemption under sub-section (2A) of section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees Deposit-linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the continuous specified in the Scheduled annexed hereto, the Central Government hereby exempts with effect from first April, 1979 and upto thirty first March, 1981 the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme.

#### SCHEDULE

1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Calcutta maintain such accounts and provide for such facilities for inspection, as the Central Government may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub section (3A) of section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges, etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display, on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, along with a translation of the salient feature thereof, in the language of the majority of the employees.

5. Where an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this Scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Calcutta and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where, for any reason, the employees of the establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.

11. In case of default, if any, made by the employer in payment of premium etc., the responsibility for payment of insurance benefits to the nominee or legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, will be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Scheme the employer in relation to the said establishment shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee legal heirs entitled for it and in any case within 7 days of the receipt of the sum assured from the Life Insurance Corporation of India.

#### Explanatory Memorandum

It has become necessary to give retrospective effect to the exemption in this case, as the processing of the application for exemption took time. However, it is certified that the grant of exemption with retrospective effect will not affect the interest of anybody adversely.

[No. S-35014/68/80-PF. II]

का०आ० 2155.—मैसर्स मुकुन्द आयरन एण्ड स्टील वर्क्स लिमिटेड, मुम्बई (जिसे हमें इसके पश्चात् उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) (जिसे हमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उपधारा 2(क) के अधीन छूट दिए जाने के लिए आवेदन किया है।

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी, कोई पृथक अभिदाय या प्रीमियम का संदाय किए बिना ही, भारतीय जीवन बीमा नियम की समूह बीमा स्कीम के अधीन जीवन बीमा के रूप में फायदा उठा रहे हैं और ऐसे कर्मचारियों के लिए ये फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हैं जो कर्मचारी निक्षेप से सम्बद्ध बीमा स्कीम, 1976 (जिसे हमें इसके पश्चात् उक्त स्कीम कहा गया है) के अधीन उन्हें अनुभूत हैं;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2(क) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन रहते हुए, उक्त स्थापन को, 1 फरवरी, 1979 से और 31 जनवरी, 1981 तक उक्त स्कीम के सभी उपबन्धों के प्रवर्तन से छूट देती है।

#### अनुसूची

1. उक्त स्थापन के सम्बन्ध में नियोजक प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, महाराष्ट्र को ऐसी विवरणियाँ भेजेगा, ऐसे लेखा रखेगा और निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएँ प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार, समय-समय पर निर्दिष्ट करें।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारों का प्रत्येक माम की समाप्ति से 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, समय-समय पर उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 3(क) के खण्ड (क) के अधीन निर्दिष्ट करें।

3. समूह बीमा स्कीम के प्रणालन में, जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का अन्वयण, निरीक्षण प्रभारों का संदाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जाएगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा यथा अनुमोदित समूह बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति, और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उक्त संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसंख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद स्थापन के सूचना-पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन की भविष्य निधि का पहले से सदस्य है, उक्त स्थापन में नियोजित किया जाता है तो, नियोजक, समूह बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी वांछित आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संश्लेष करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदे बढ़ाए जाते हैं, तो, नियोजक समूह बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों के लिए समूह बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हो, जो उक्त स्कीम के अधीन अनुश्रेय हैं।

7. समूह बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी, यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदेय रकम उस रकम से कम है जो उस कर्मचारी की दशा में संदेय होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नामनिर्देशितों को प्रतिकर के रूप में दोनों रकमों के अन्तर के बराबर रकम का संश्लेष करेगा।

8. समूह बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन, प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, महाराष्ट्र के पूर्व अनुसोचन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की सम्भावना हो वहां, प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, अपना अनुसोचन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश, स्थापन के कर्मचारी, भारतीय जीवन बीमा नियम की उस समूह बीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहले अपना चुका है, अधीन नहीं रह जाते हैं, या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले फायदे किसी गति से कम हो जाते हैं, तो यह छूट रद्द कर दी जाएगी।

10. यदि किसी कारणवश, नियोजक उस नियत तारीख के भीतर, जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियम करे, प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है, और पॉलिसी को व्यपगत हो जाने दिया जाता है तो, छूट रद्द कर दी जाएगी।

11. यदि नियोजक, प्रीमियम के संश्लेष, आदि में कोई व्यतिक्रम करता है तो, उन मूल सक्त्तियों के नामनिर्देशनियों या विधिक वारिसों के, जो वह छूट न दी जाने की दशा में उक्त स्कीम के अन्तर्गत होने, बीमा फायदों के संश्लेष का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापन के सम्बन्ध में नियोजक, इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर, उसके हक्दार नामनिर्देशनियों/विधिक वारिसों को बीमाकृत रकम का संदाय तत्परता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत रकम प्राप्त होने के मात्र दिन के भीतर सुनिश्चित करेगा।

#### व्याख्यात्मक भाषण

इस मामले में पूर्वापेक्षी प्रभाव से छूट देने की आवश्यकता हो गई है क्योंकि छूट के लिये प्राप्त आवश्यकताओं की कार्यवाही पर समय लगा। तथापि, यह प्रमाणित किया जाता है कि पूर्वापेक्षी प्रभाव से छूट देने से किसी के हित पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

[सं० एस० 35014/15/79-सी० एफ० II]

**S.O. 2155.**—Whereas Messrs Mukand Iron and Steel Works Ltd., Bombay (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act) ;

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit-Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts w.e.f. 1-2-79 and upto the 31st January, 1981 the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme.

#### SCHEDULE

1. The Employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Maharashtra, maintain such accounts and provide for such facilities for inspection, as the Central Government may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges, etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display, on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, along with a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.

5. Where an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this Scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Maharashtra and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where, for any reason, the employees of the establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.

11. In case of default, if any, made by the employer in payment of premium etc., the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee or legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, will be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the scheme, the employer in relation to the said establishment shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee/legal heirs entitled for it and in any case within 7 days of the receipt of the sum assured from the Life Insurance Corporation of India.

#### Explanatory Memorandum

It has become necessary to give retrospective effect to the exemption in this case, as the processing of the application for exemption took time. However, it is certified that the grant of exemption with retrospective effect will not affect the interest of anybody adversely.

[No. S-35014/15/79-PF. II]

कां०आ० 2156—मैसर्स एम जी गॉ—रवीन्द्र नेबोरेटरीज (इण्डिया लिमिटेड, अमरावती मार्ग, अहमदाबाद, (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उपधारा 2(क) के अधीन छूट दिए जाने के लिए आवेदन किया है।

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी, कोई पृथक् अभिदाय या प्रीमियम का संदाय किए बिना ही, भारतीय जीवन बीमा निगम की समूह बीमा स्कीम के अधीन जीवन बीमा के रूप में फायदा उठा रहे हैं और ऐसे कर्मचारियों के लिए ये फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हैं जो कर्मचारी निक्षेप से सम्बद्ध बीमा स्कीम, 1976 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्कीम कहा गया है) के अधीन अनुज्ञेय हैं;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2(क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन रहते हुए, उक्त स्थापन को, 1 अगस्त, 1979 से 31 जुलाई, 1981 तक उक्त स्कीम के सभी उपबन्धों के प्रवर्तन से छूट देनी है।

#### अनुसूची

1. उक्त स्थापन के सम्बन्ध में नियोजक प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, अहमदाबाद को ऐसी विवरणियां भेजेगा, ऐसे लेखा रखेगा और निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार, समय-समय पर निर्दिष्ट करें।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारों का प्रत्येक मास की समाप्ति से 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, समय-समय पर उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 3(क) के खण्ड (क) के अधीन निर्दिष्ट करें।

3. समूह बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का अन्तरण, निरीक्षण प्रभारों का संदाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का बहान नियोजक द्वारा किया जाएगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा यथा अनुमोदित समूह बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति, और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसंख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद स्थापन के सूचना-पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन की भविष्य निधि का पत्र में सूचित है, उक्त स्थापन में नियोजित किया जाता है तो, नियोजक समूह बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम गुर्रत बर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संदाय करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदे बढ़ाए जाते हैं, तो, नियोजक समूह बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदों में समुचित रूप से वृद्धि की जाने की व्यवस्था करेगा। जिससे कि कर्मचारियों के लिये समूह बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हों, जो उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञेय हैं।

7. समूह बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी, यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदेय रकम उस रकम से कम है जो उस कर्मचारी की वशा में संदेय होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/ननिर्विशिति को प्रतिकूल के रूप में दोनों रकमों के अन्तर के बराबर रकम का संदाय करेगा।

8. समूह बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन, प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, गुजरात, अहमदाबाद के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो वहां, प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का व्यक्तिगत अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश, स्थापन के कर्मचारी, भारतीय जीवन बीमा निगम की उस समूह बीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पढ़ने अपना चुका है, अधीन नहीं रह जाते हैं, या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले फायदे किसी रीति से कम हो जाते हैं, तो यह छूट रद्द कर दी जाएगी।

10. यदि किसी कारणवश, नियोजक उस नियम तारीख के भीतर, जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करे, प्रीमियम का संदाय करने में, असफल रहता है, और पालिसी की व्यपगत हो जाने विद्या जाता है तो, छूट रद्द कर दी जाएगी।

11. यदि नियोजक, प्रीमियम के संदाय, आदि में कोई व्यतिक्रम करता है तो, उन मृत सदस्यों के नाम निर्विशितियों या विधिक वारिसों के, जो वह छूट न हो जाने की वशा में उक्त स्कीम के अंतर्गत होने, बीमा फायदों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापन के संबंध में नियोजक, इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर, उसके हकदार नाम निर्विशितियों/विधिक वारिसों को बीमाकृत रकम का संदाय तत्परता से और प्रत्येक वशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत रकम प्राप्त होने के मात दिन के भीतर सुनिश्चित करेगा।

#### व्यावहारिक प्राप्ति

इस मामले में पूर्वापेक्षी प्रभाव से छूट देनी आवश्यक हो गयी है क्योंकि छूट के लिए प्राप्त आवेदन पत्र की कार्रवाई पर समय लगा। तथापि, यह प्रमाणित किया जाता है कि पूर्वापेक्षी प्रभाव से छूट देने से किसी के हित पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

[सं० एम० 35014/40/80-पी०एफ० 2]

**S.O. 2156.**—Whereas Messrs Megam Ravindra Laboratories (India), Limited Amramade Road, Ahmedabad (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act) ;

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees Deposit-Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Scheduled annexed hereto, the Central Government hereby exempts with effect from 1st August 1979 and upto the 31st July, 1981 the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme.

### SCHEDULE

1. The employer in relation to the said establishment shall submit such return to the Regional Provident Fund Commissioner, Ahmedabad, maintain such accounts and provide for such facilities for inspection as the Central Government may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges, etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display, on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.

5. Where an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this Scheme be less than the amount that would be payable had employer been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Gujarat, Ahmedabad and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9 Where, for any reason, the employees of the establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already

adopted by the establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.

11. In case of default, if any, made by the employer in payment of premium etc., the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee or legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, will be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Scheme the employer in relation to the said establishment shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee/legal heirs entitled for it and in any case within 7 days of the receipt of the sum assured from the Life Insurance Corporation of India.

### Explanatory Memorandum

It has become necessary to give retrospective effect to the exemption in this case, as the processing of the application for exemption took time. However, it is certified that the grant of exemption with retrospective effect will not affect the interest of anybody adversely.

[No. S-35014/40/80-PF II]

कां० 2157.—मैसर्स ग्रेज-ब्रेकट्स सॉल्यू, लिमिटेड, औद्योगिक क्षेत्र, चंडीगढ़ (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उपधारा (2क) के अधीन छूट दिए जाने के लिए आवेदन किया है।

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी, कोई पृथक अभिवाय या प्रीमियम का संवाय किए बिना ही, भारतीय जीवन बीमा निगम की समूह बीमा स्कीम के अधीन जीवन बीमा के रूप में फायदा उठा रहे हैं और ऐसे कर्मचारियों के लिए ये फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हैं जो कर्मचारी निक्षेप से सम्बद्ध बीमा स्कीम, 1976 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्कीम कहा गया है) के अधीन उन्हें अनुज्ञेय हैं ;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन रहते हुए, उक्त स्थापन को, 1 अप्रैल, 1978 से उक्त स्कीम के सभी उपबन्धों के प्रवर्तन से छूट देती है।

### अनुसूची

1. उक्त स्थापन के सम्बन्ध में नियोजक प्रादेशिक भविष्य निधि प्रायुक्त, पंजाब, चंडीगढ़, को ऐसी विवरणियां भेजेगा, उसे लेखा रखेगा और निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार, समय-समय पर विनिर्दिष्ट करें।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारों का प्रत्येक मास की समाप्ति से 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, समय-समय पर उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3क) के खण्ड (क) के अधीन निर्दिष्ट करें।

3. समूह बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का अंतरण, निरीक्षण प्रभारों का संदाय आदि भी है होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जाएगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा यथा अनुमोदित समूह बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति, और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए,

तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसंख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद, स्थापन के सूचनापट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन की भविष्य निधि का पहले से सदस्य है, उक्त स्थापन में नियोजित किया जाता है तो, नियोजक, समूह बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संदत्त करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों की उपलब्ध फायदे बढ़ाए जाते हैं, तो, नियोजक समूह बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों के लिए समूह बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हो, जो उक्त स्कीम के अधीन अनुभवे हैं।

7. समूह बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी, यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संवेय रकम, उस रकम से कम है जो उस कर्मचारी की वशा में संवेय होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नाम निर्देशित को प्रतिकर के रूप में दोनों रकमों के अंतर के बराबर रकम का संदाय करेगा।

8. समूह बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन, प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, पंजाब, चंडीगढ़ के पूर्व अनुमोदन बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो वहां, प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का मुक्तियुक्त अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश, स्थापन के कर्मचारी, भारतीय जीवन बीमा निगम की उस समूह बीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहले अपना चुका है, अधीन नहीं रह जाते हैं, या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले फायदे किस रीति से कम हो जाते हैं, तो यह छूट रद्द कर दी जाएगी।

10. यदि किसी कारणवश, नियोजक उस नियत तारीख के भीतर, जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करे, प्रीमियम का संवाय करने में असफल रहता है, और पालिसी को व्यपगत हो जाने दिया जाता है तो, छूट रद्द कर दी जाएगी।

11. यदि नियोजक, प्रीमियम के संवाय, आदि में कोई व्यतिक्रम करता है, तो, उन मूल सदस्यों के नाम निर्देशितियों या विधिक वारिसों के, जो वह छूट न दी जाने की दशा में उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते, बीमा फायदों के संवाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापन के संबंध में नियोजक, इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर, उसके हकदार नाम निर्देशितियों/विधिक वारिसों को बीमाकृत रकम का संदाय तत्परता से और प्रत्येक वशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत रकम प्राप्त होने के सात दिन के भीतर सुनिश्चित करेगा।

#### व्यावहारिक स्थापन

इस मामले में पूर्वपेक्षी प्रभाव से छूट देनी आवश्यक हो गई है क्योंकि छूट के लिए प्राप्त आवेदन पत्र की कार्यवाई पर समय लगा। तथापि, यह प्रमाणित किया जाता है कि पूर्वपेक्षी भाव से छूट देने से किसी के हित पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

[संख्या एस 35014/6/80-पी०एफ-2]

section (2A) of section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act) ;

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees Deposit-linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme) ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts with effect from 1st April, 1978 the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme.

#### SCHEDULE

1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Punjab, Chandigarh, maintain such accounts and provide for such facilities for inspection, as the Central Government may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges, etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display, on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended thereof, with a translation of the salient feature thereof, in the language of the majority of the employees.

5. Where an employee, who is already a member of the Employee's Provident Fund of the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this Scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Punjab Chandigarh and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where, for any reason, the employees of the establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.

S.O. 2157.—Whereas Messrs Groz-Backet School Limited Industrial Area, Chandigarh (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-

11. In case of default, if any, made by the employer in payment of premium etc the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee or legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, will be that of the employer.

12. Upon death of the member covered under the Scheme the employer in relation to the said establishment shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee/legal heirs entitled for it and in any case within seven days of the receipt of the sum assured from the Life Insurance Corporation of India.

#### Explanatory Memorandum

It has become necessary to give retrospective effect to the exemption in this case, as the processing of the application for exemption took time. However, it is certified that the grant of exemption with retrospective effect will not affect the interest of anybody adversely.

[No. S-35014/6/80-PF. II]

का०अ० 2158.—मैसर्स दीपक नाइट्राइट लिमिटेड, नाडोमारी, बड़ोदा (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपलब्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उपधारा (2क) के अधीन छूट दिए जाने के लिए आवेदन किया है।

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के के कर्मचारी, कोई पृथक् भविष्य या प्रीमियम का संदाय किए बिना ही, भारतीय जीवन बीमा निगम की समूह बीमा स्कीम के अधीन जीवन बीमा के रूप में फायदा उठा रहे हैं और ऐसे कर्मचारियों के लिए ये फायदे अन फायदों में अधिक अनुकूल हैं जो कर्मचारी निक्षेप सम्बद्ध बीमा स्कीम, 1976 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्कीम कहा गया है) के अधीन उन्हें अनुज्ञेय है;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन रहते हुए, उक्त स्थापन को, 1 मार्च, 1979 से 28 फरवरी, 1981 तक उक्त स्कीम के सभी उपबन्धों के प्रवर्तन से छूट देती है।

#### अनुसूची

1. उक्त स्थापन के संबंध में नियोजक प्रादेशित भविष्य निधि प्रायुक्त, गुजरात अहमदाबाद को ऐसी विवरणियां भेजेगा, ऐसे लेखा रखेगा और निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार, समय-समय पर निविष्ट करे।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभावों का प्रत्येक मास की समाप्ति से 15 दिन के भीतर संवाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, समय-समय पर उक्त अधिनियम का धारा 17 की उपधारा (3क) के खण्ड (क) के अधीन निविष्ट करे।

3. समूह बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का अंतरण, निरीक्षण प्रभावों का संवाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जाएगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा यथा अनुमोदित समूह बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति, और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसंख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद, स्थापन के सूचना-पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन की भविष्य निधि का पहले से सदस्य है, उक्त स्थापन में नियोजित किया जाता है तो, नियोजक, समूह बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को सदस्य करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों की उपलब्ध फायदे बढ़ाए जाते हैं तो, नियोजक समूह बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों के लिए समूह बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हों, जो उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञेय हैं।

7. समूह बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी, यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संवेय रकम उस रकम से कम है जो उस कर्मचारी की वशा में संवेय होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नामनिर्देशितों को प्रतिकर के रूप में दोनों रकमों के अंतर के बराबर रकम का संदाय करेगा।

8. समूह बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन, प्रादेशिक भविष्य निधि प्रायुक्त, गुजरात, अहमदाबाद, के पूर्व अनुमोदन बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो वहां, प्रादेशिक भविष्य निधि प्रायुक्त, अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना सूचितक्षण स्पष्ट करने का सुविशुयुक्त अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश, स्थापन के कर्मचारी, भारतीय जीवन बीमा निगम की उस समूह बीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहले अपना चुका है, अधीन हो रहे जाते हैं, या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले फायदे किसी रीति से कम हो जाते हैं, तो यह छूट रह कर दी जाएगी।

10. यदि किसी कारणवश नियोजक उस नियत तारीख के भीतर, जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करे प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है, और पालिसी को व्यपगत हो जाने बिना जाता है तो, छूट रह कर दी जाएगी।

11. यदि नियोजक, प्रीमियम के संवाय, आदि में कोई व्यवहार करता है तो, उन मृत सब्सिडियों के नाम निर्देशियों या विधिक वारिसों के, जो वह छूट न दी जाने की दशा में उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते, बीमा फायदों के संवाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापन के संबंध में नियोजक, इस स्कीम के अधीन होने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर, उसके हक्कार नाम निर्देशितियों/विधिक वारिसों को बीमा कृत रकम का संवाय तत्परता से और प्रत्येक वशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत रकम प्राप्त होने के सात दिन के भीतर सुनिश्चित करेगा।

#### व्यवस्थापक स्थापन

इस मामले में पूर्वापेक्षी प्रभाव से छूट देनी आवश्यक हो गई है क्योंकि छूट के लिए प्राप्त आवेदन पत्र की कार्यवाई पर समय लगा। तथापि, यह प्रमाणित किया जाता है कि पूर्वापेक्षी प्रभाव से छूट देने से किसी के हित पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

[संख्या एस 35014/57/78-पी०एफ०-2]

**S.O. 2158.**—Whereas Messrs Deepak Nitrite Limited, Nand-  
csari, District, Baroda, (hereinafter referred to as the said  
establishment) have applied for exemption under sub-section  
(2A) of section 17 of the Employees Provident Fund and  
Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter  
referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that  
the employees of the said establishment are, without making  
any separate contribution or payment of premium, in enjoy-  
ment of benefits under the Group Insurance Scheme of  
the Life Insurance Corporation of India in the nature of  
Life Insurance which are more favourable to such employees  
than the benefits admissible under the Employees Deposit-  
linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as  
the said Scheme).

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-  
section (2A) of section 17 of the said Act and subject to

the conditions specified in the Schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme with effect from the 1st day of March, 1979 and upto the 29th February, 1981.

### SCHEDULE

1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Gujarat, Ahmedabad, maintain such accounts and provide for maintain such accounts and provide for such facilities for inspection, as the Central Government may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges, etc., shall be borne by the employer.

4. The employer shall display, on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, along with a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.

5. Where an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this Scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Gujarat, Ahmedabad and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where, for any reason, the employees of the establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the establishment, or the benefits to the employees under this scheme are reduced in any manner, the exemption is liable to be cancelled.

10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.

11. In case of default, if any, made by the employer in payment of premium etc., the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee or legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, will be that of the employer.

12. Upon death of the member covered under the Scheme, the employer in relation to the said establishment shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee/legal heirs entitled for it and in any case within seven days of the receipt of the sum assured from the Life Insurance Corporation of India.

### Explanatory Memorandum

It has become necessary to give retrospective effect to the exemption in this case, as the processing of the application for exemption took time. However, it is certified that the grant of exemption with retrospective effect will not affect the interest of anybody adversely.

[No. S. 35014/57/78-PF, II]

क.०श्रा० 2159.—मैमर्स दि ग्वालियर रेयन सिन्क मैन्यूफैक्चरिंग (विबिग) कम्पनी लिमिटेड, बिरला नगर, मध्य प्रदेश, (जिसे हममें हमके पश्चात उक्त स्थापन कहा गया है) कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) (जिसे हममें हमके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उपधारा (2क) के अधीन छूट दिए जाने के लिए आवेदन किया है।

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी, कोई प्रथक अभिवान या प्रीमियम का सदाय किए बिना ही, भारतीय जीवन बीमा निगम की समूह बीमा स्कीम के अधीन जीवन बीमा के रूप में फायदा उठा रहे हैं और ऐसे कर्मचारियों के लिए ये फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हैं जो कर्मचारी निषेध सम्बद्ध बीमा स्कीम, 1976 (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त स्कीम कहा गया है) के अधीन उन्हें अनुज्ञेय हैं :

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और हमसे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन रहते हुए, उक्त स्थापन को, 1 मार्च, 1979 से उक्त स्कीम के सभी उपबन्धों के प्रवर्तन से छू देती है।

### अनुसूची

1. उक्त स्थापना के संबंध में नियोजक प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, मध्य प्रदेश को ऐसी विवरणियां भेजेगा, ऐसे लेखा रखा और निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार, समय-समय पर विनिर्दिष्ट करे।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारों का प्रत्येक मास की तदति से 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, समय-समय पर उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3क) के खण्ड (क) के अधीन विनिर्दिष्ट करे ;

3. समूह बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का अन्तरण, निरीक्षण प्रभारों का सदाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जाएगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा यथा अनुमोदित समूह बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति, और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसंख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद स्थापन के सूचना-पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन को भविष्य निधि का पहले से सदस्य है, उक्त स्थापन में नियोजित किया जाता है तो, नियोजक, समूह बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संदत्त करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों का उपलब्ध फायदे बढ़ाये जाते हैं तो, नियोजक समूह बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों के लिए समूह बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हो, जो उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञेय हैं।



7. समूह बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी, यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदेय रकम उस रकम से कम है जो उस कर्मचारी की दशा में संदेय होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नाम निर्दिष्ट को प्रतिकर के रूप में दोनों रकमों के भी अंतर के बराबर रकम का संदाय करेगा।

8. समूह बीमा स्कीम के उपवर्धों में कोई भी संशोधन, प्रादेशिक भविष्य निर्धि आयुक्त, मध्य प्रदेश के पूर्व अनुमोदन बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो वहां, प्रादेशिक भविष्य निर्धि आयुक्त, अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का व्यक्तिगत अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश, स्थापन के कर्मचारी, भारतीय जीवन बीमा निगम की उस समूह बीमा स्कीम के, जिसे स्थापना पढ़ने अपना चुका है, अधीन नहीं रह जाते हैं, या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले फायदे किसी रीति से कम हो जाते हैं, तो यह छूट रद्द कर दी जाएगी।

10. यदि किसी कारणवश, नियोजक उस नियत तारीख के भीतर, जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करे, प्रीमियम का संशय करने में असफल रहता है, और पालिसी को व्यपगत हो जाने बिना जाता है तो, छूट रद्द कर दी जाएगी।

11. यदि नियोजक, प्रीमियम के संदाय, आदि में कोई व्यतिरिक्त करता है तो, उन मृत सदस्यों के नाम निर्देशितियों या विधिक वारिसों के, जो वह छूट न दी जाने की दशा में उक्त स्कीम के अंतर्गत होने, बीमा फायदों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापन के संबंध में नियोजक, इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हकदार नाम निर्देशितियों/विधिक वारिसों को बीमाकृत रकम का संदाय तत्परता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत रकम प्राप्त होने के सात दिन के भीतर सुनिश्चित करेगा।

#### व्याख्यात्मक ज्ञापन

इस मामले में पूर्वपिकी प्रभाव से छूट देनी आवश्यक हो गई है क्योंकि छूट के लिए प्राप्त आवेदन पत्र की कार्यवाई पर समय लगा। तथापि, यह प्रमाणित किया जाता है कि पूर्वपिकी प्रभाव से छूट देने से किसी के हित पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

[सं० एस-35014/77/79-पी०एफ०-2]

**S.O. 2159.**—Whereas Messrs The Gwalior Rayon Silk Mfg. (Wvg.) Company Limited, Birla Nagar, Madhya Pradesh (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees Deposit-linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme).

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of said Act and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme with effect from the 1st day of March, 1979.

#### SCHEDULE

1. The Employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Madhya Pradesh, maintain such accounts and provide for such facilities for inspection, as the Central Government may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges, etc., shall be borne by the employer.

4. The employer shall display, on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.

5. Where an employee who is already a member of the Employees Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this Scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Madhya Pradesh and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where, for any reason, the employees of the establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the establishment, or the benefits to the employees under this scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the Policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.

11. In case of default, if any, made by the employer in payment of premium etc., the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee or legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, will be that of the employer.

12. Upon death of the member covered under the Scheme, the employer in relation to the said establishment shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee/legal heirs entitled for it and in any case within seven days of the receipt of the sum assured from the Life Insurance Corporation of India.

#### Explanatory Memorandum

It has become necessary to give retrospective effect to the exemption in this case as the processing of the application for exemption took time. However, it is certified that the grant of exemption with retrospective effect will not affect the interest of anybody adversely.

[No. S-35014/77/79-PF. II]

क्रा०आ० 2160.—नैसर्ग पंजाब कॉन्-कास्ट स्टील लिमिटेड, लुधियाना, (जिसे हममें इसके पश्चात् उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) (जिसे हममें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उपधारा (2क) के अधीन छूट दिए जाने के लिए आवेदन किया है।

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी, कोई पृथक् अभिदाय या प्रीमियम का संदाय किए बिना ही, भारतीय जीवन बीमा निगम की समूह बीमा स्कीम के अधीन जीवन बीमा के रूप में फायदा उठा रहे हैं और ऐसे कर्मचारियों के लिए ये फायदे हैं उन फायदों से अधिक अनुकूल हैं जो कर्मचारी निक्षेप सम्बद्ध बीमा स्कीम, 1976 (जिसे हममें इसके पश्चात् उक्त स्कीम कहा गया है) के अधीन उन्हें अनुमेष हैं ;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और इससे उपायव्य अनुसूची में विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन रहते हुए, उक्त स्थापन को, 1 अप्रैल, 1979 से 31 मार्च, 1981 तक उक्त स्कीम के सभी उपबन्धों के प्रवर्तन से छूट देती है।

#### अनुसूची

1. उक्त स्थापन के संबंध में नियोजक प्रादेशिक भविष्य निधि प्रायुक्त, पंजाब, को ऐसी विवरणियां भेजेगा, ऐसे लेखा रखेगा और निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार समय-समय पर निविष्ट करे।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारों का प्रत्येक मास की समाप्ति दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, समय-समय पर उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3क) के खण्ड (क) के अधीन निविष्ट करे।

3. समूह बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय लेखाओं का अंतरण, निरीक्षण प्रभारों का संदाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जाएगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा यथा अनुमोदित समूह बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति, और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसंख्या की माता में उनकी मुख्य बातों का अनुवाद, स्थापन के सूचनापट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अन्तर्गत छूट प्राप्त किसी स्थापन की भविष्य निधि का पहले से सदस्य है, उक्त स्थापन में नियोजित किया जाता है तो, नियोजक, समूह बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम सुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संवत् करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदे बढ़ाए जाते हैं तो, नियोजक समूह बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदों में समुचित रूप से वृद्धि की जाने की व्यवस्था करेगा जिससे कि कर्मचारियों के लिए समूह बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हों, जो उक्त स्कीम के अधीन अनुमेष हैं।

7. समूह बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी, यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संश्लेष रकम उस रकम से कम है जो उस कर्मचारी की दशा में गंदेय होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता है, नियोजक कर्मचारियों के विधि वाग्य/नाम निर्देशिका को प्रतिकर के रूप में दोनों रकमों के अंतर के बराबर रकम का संदाय करेगा।

8. समूह बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन, प्रादेशिक भविष्य निधि प्रायुक्त, पंजाब के पूर्व अनुमोदन बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो वहां, प्रादेशिक भविष्य निधि प्रायुक्त, अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश, स्थापन के कर्मचारी, भारतीय जीवन बीमा निगम की उस समूह बीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहले अपना चुका है, अधीन नहीं रह जाते हैं, या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले फायदे किसी रीति से कम हो जाते हैं, तो यह छूट रद्द कर दी जाएगी।

10. यदि किसी कारणवश, नियोजक उस नियत तारीख के भीतर, जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करे, प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है, और पॉलिसी को व्यपगत हो जाने दिया जाता है तो, छूट रद्द कर दी जाएगी।

11. यदि नियोजक, प्रीमियम के संदाय, आदि में कोई व्यतिक्रम करता है, तो उन मृत सदस्यों के नाम निर्देशितियों या विधिक वारिसों के, जो वह छूट न दी जाने की दशा में उक्त स्कीम के अन्तर्गत होने, बीमा फायदों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापन के संबंध में नियोजक, इस स्कीम के अधीन होने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर, उसके हकदार नाम निर्देशितियों/विधिक वारिसों को बीमाकृत रकम का संवाय तत्परता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत रकम प्राप्त होने के सात दिन के भीतर सुनिश्चित करेगा।

#### व्याख्यात्मक भाषण

इस मामले में पूर्वपेक्षी प्रभाव से छूट देनी आवश्यक हो गई है क्योंकि छूट के लिये प्राप्त आवेदन पत्र की कार्रवाई पर समय लगा। तथापि, यह प्रमाणित किया जाता है कि पूर्वपेक्षी प्रभाव से छूट देने से किसी के हित पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

[सं० एस-35014/69/80-पी०एफ०-2]

**S.O. 2160.**—Whereas Messrs Punjab Con-Cast Steel Limited, Ludhiana, (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of section 17 of the Employees Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees Deposit-Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts with effect from 1st April, 1979, and upto 31st March, 1981, the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme.

#### SCHEDULE

1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Punjab, maintain such accounts and provide for such facilities for inspection, as the Central Government may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges, etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display, on the Notice Board of establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.

5. Where an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this Scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Punjab and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where, for any reason, the employees of the establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.

11. In case of default, if any, made by the employer in payment of premium etc., the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee or legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, will be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Scheme the employer in relation to the said establishment shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee legal heirs entitled for it and in any case within 7 days of the receipt of the sum assured from the Life Insurance Corporation of India.

#### Explanatory Memorandum

It has become necessary to give retrospective effect to the exemption in this case, as the processing of the application for exemption took time. However, it is certified that the grant of exemption with retrospective effect will not affect the interest of anybody adversely.

[No. S-35014/69/80-PF.II]

कां०आ० 2161.—मैसर्स धार० एम० इंजीनियरिंग वर्क्स बोधरा, मेहमदाबाद, ग्रहमदाबाद (जिसे हममें इसके पश्चात उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) जिसे हममें इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उपधारा (2क) के अधीन छूट दिए जाने के लिए आवेदन किया है।

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी, कोई पृथक् अधिदाय या प्रीमियम का संदाय किए बिना ही, भारतीय जीवन बीमा निगम की समूह बीमा स्कीम के अधीन जीवन बीमा के रूप में फायदा उठा रहे हैं और ऐसे कर्मचारियों के लिए ये फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हैं जो कर्मचारी निक्षेप से सम्बद्ध बीमा स्कीम, 1976 (जिसे हममें इसके पश्चात उक्त स्कीम कहा गया है) के अधीन उन्हें अनुज्ञेय हैं;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए और इससे उपावद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट धर्तों के अधीन रहते हुए, उक्त स्थापन को, 1 मार्च, 1979 से 28 फरवरी, 1981 तक उक्त स्कीम के सभी उपबन्धों के प्रवर्तन से छूट देती है।

#### अनुसूची

1. उक्त स्थापन के संबंध में नियोजक प्रादेशित भविष्य निधि धारक, गुजरात, ग्रहमदाबाद को ऐसी विवरणियां भेजेगा, ऐसे लेखा रखेगा और निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार, समय-समय पर निश्चित करें।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रसारों का प्रत्येक मास की समाप्ति से 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, समय-समय पर उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3क) के खण्ड (क) के अधीन निश्चित करें

3. समूह बीमा स्कीम के प्रशासन में जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का भंतरण, निरीक्षण प्रसारों का संदाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का बहुत नियोजक द्वारा किया जाएगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा यथा अनुमोदित समूह बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति, और जब कभी उसमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसंख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद स्थापन के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन की भविष्य निधि का पहले से सदस्य है, उक्त स्थापन में नियोजित किया जाता है तो, नियोजक समूह बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संदान करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदे बढ़ाये जाते हैं, तो नियोजक समूह बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदों में समुचित रूप से वृद्धि की जाने की व्यवस्था करेगा। जिससे कि कर्मचारियों के लिये समूह बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध फायदों उन फायदों से अधिक अनुकूल हों, जो उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञेय हैं।

7. समूह बीमा स्कीम में किसी बात के होने हुए भी, यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संवेद्य रकम उस रकम से कम है तो उस कर्मचारी की वशा में संवेद्य होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी विधिक वारिस नामनिर्देशितों को प्रतिकर के रूप में दोनों रकमों के अन्तर के बराबर रकम का संदाय करेगा।

8. समूह बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन, प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, गुजरात, अहमदाबाद के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहाँ किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो वहाँ, प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश, स्थापन के कर्मचारी, भारतीय जीवन बीमा निगम की उस समूह बीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहले अपना चुका है, अधीन नहीं रह जाते हैं, या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले फायदे किसी रीति से कम हो जाते हैं, तो यह छूट रद्द कर दी जाएगी।

10. यदि किसी कारणवश, नियोजक उस नियम तारीख के भीतर, जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करे, प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है, और पानिसी को व्यपगत हो जाने दिया जाता है, तो, छूट रद्द कर दी जाएगी।

11. यदि नियोजक, प्रीमियम के संदाय, आदि में कोई व्यवतिक्रम करता है, तो उन मूल सदस्यों के नाम निर्देशनियों या वित्तीय वारिसों के, जो वह छूट न दी जाने की दशा में उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते, बीमा फायदों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापन के संबंध में नियोजक, इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर, उसके हकदार नाम निर्देशनियों/वित्तीय वारिसों को बीमाकृत रकम का संदाय तत्परता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत रकम प्राप्त होने के सात दिन के भीतर सुनिश्चित करेगा।

#### व्याख्यात्मक तालिका

इसके मामले में पूर्वापेक्षी प्रभाव से छूट देनी आवश्यक हो गई है क्योंकि छूट के लिये प्राप्त आवेदन पत्र की कार्यवाई पर समय लगा। तथापि, यह प्रमाणित किया जाता है कि पूर्वापेक्षी प्रभाव से छूट देने से किसी के हित पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

[सं० एस० 35014/23/79-सी०एफ०II]

**S.O. 2161.**—Whereas Messrs R. M. Engineering Works, Khokhra, Mehmedabad, Ahmedabad. (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees Deposit-Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Scheduled annexed hereto, the Central Government hereby exempts with effect from 1st March, 1979 and up to the 28th February, 1981 the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme.

#### SCHEDULE

1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Gujarat, Ahmedabad, maintain such accounts and provide for such facilities for inspection, as the Central Government may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges, etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display, on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.

5. Where an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this Scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Gujarat, Ahmedabad, and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where, for any reason, the employees of the establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.

11. In case of default, if any, made by the employer in payment of premium etc., the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee or legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, will be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Scheme the employer in relation to the said establishment shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee legal heirs entitled for it and in any case within 7 days of the receipt of the sum assured from the Life Insurance Corporation of India.

#### Explanatory Memorandum

It has become necessary to give retrospective effect to the exemption in this case, as the processing of the application for exemption took time. However, it is certified that the grant of exemption with retrospective effect will not affect the interest of anybody adversely.

[No. S-35014/23/79-PF.II]

का०आ० 2162.—मैगर्स श्री अम्बिका मिल्स लिमिटेड, यूनिट नं० 2, अहमदाबाद, (जिसे इसमें उल्लेख पानात् उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) (जिसे इसमें इसके पश्चात्, उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उपधारा (2क) के अधीन छूट दिए जाने के लिए आवेदन किया है।

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी, कोई पृथक् अधिदाय या प्रीमियम का संदाय किए बिना ही, भारतीय जीवन बीमा निगम की समूह बीमा स्कीम के अधीन जीवन बीमा के रूप में फायदा उठा रहे हैं और ऐसे कर्मचारियों के लिए ये फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हैं जो कर्मचारी निक्षेप से सम्बद्ध बीमा स्कीम, 1976 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्कीम कहा गया है) के अधीन उन्हें अनुज्ञेय है;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए और इसमें उपावद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन रहते हुए, उक्त स्थापन को, 1 मार्च, 1979 से 28 फरवरी, 1981 तक उक्त स्कीम के सभी उपबन्धों के प्रवर्तन से छूट देती है।

#### अनुसूची

1. उक्त स्थापन के संबंध में नियोजक प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, अहमदाबाद को ऐसी विवरणियां भेजेगा, ऐसे लेखा नथेगा और निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार, समय-समय पर निश्चित करे।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभागों का प्रत्येक मास की समाप्ति से 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, समय-समय पर उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3क) के खण्ड (क) के अधीन निश्चित करे।

3. समूह बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिनके अन्तर्गत लेखाधर्मों का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाधर्मों का अन्तर्गण, निरीक्षण प्रभागों का संदाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जाएगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा यथा अनुमोदित समूह बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति, और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की वृहत्संख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद स्थापन के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन की भविष्य निधि का पहले से सदस्य है, उक्त स्थापन में नियोजित किया जाता है तो, नियोजक, समूह बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम सुरक्षित दर्श करेगा और उसकी वास्तव आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संदेन करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदे बढ़ाए जाते हैं तो, नियोजक समूह बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों के लिए समूह बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हो, जो उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञेय हैं।

7. समूह बीमा स्कीम में किसी बात के होने हुए भी, यदि किसी कर्मचारी भी मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदेय रकम उस रकम से कम है जो उस कर्मचारी की वृत्ता से संदेय होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नामनिर्देशितों को प्रतिकर के रूप में दोनों रकमों के अंतर के बराबर रकम का संदाय करेगा।

8. समूह बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन, प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, अहमदाबाद के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया

जाएगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो वहां, प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, अहमदाबाद को अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपनी दृष्टिकोण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश, स्थापन के कर्मचारी, भारतीय जीवन बीमा निगम की उस समूह बीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहले अपना चुका है, अधीन नहीं रह जाते हैं, या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले फायदे किसी रीति से कम हो जाते हैं, तो वह छूट रद्द कर दी जाएगी।

10. यदि किसी कारणवश, नियोजक उस नियत तारीख के भीतर, जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करे, प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है, और पालिसी को व्यपगत हो जाने दिया जाता तो, छूट रद्द कर दी जाएगी।

11. यदि नियोजक, प्रीमियम के संदाय, आदि में कोई व्यतिक्रम करता है तो, उन मृत सदस्यों के नामनिर्देशितों या विधिक वारिसों के, जो वह छूट न दी जाने की वृत्ता में उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते, बीमा फायदों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापन के संबंध में नियोजक, इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर, उसके हकदार नाम निर्देशितों/विधिक वारिसों को बीमाकृत रकम का संदाय तत्परता से और प्रत्येक वृत्ता में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत रकम प्राप्त होने के सात दिन के भीतर सुनिश्चित करेगा।

#### व्याख्यात्मक त्पान

इस मामले में पूर्वपिछो प्रभाव से छूट देनी आवश्यक हो गई है क्योंकि छूट के बिना प्राप्त आवेदन पत्र की कार्रवाई पर समय लगा। तथापि, यह प्रमाणित किया जाता है कि पूर्वपिछो प्रभाव से छूट देने से किसी के हित पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

[सं० एस० 35014/38/79-पी० एफ० 2]

S.O. 2162.—Whereas Messrs Shri Ambica Mills Ltd. Unit N.0 2, Ahmedabad (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit-Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Scheduled annexed hereto, the Central Government hereby exempts with effect from 1st March, 1979 and up to the 28th February 1981 the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme.

#### SCHEDULE

1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Ahmedabad maintain such accounts and provide for such facilities for inspection, as the Central Government may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges, etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display, on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, along with a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.

5. Where an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding any thing contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this Scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Ahmedabad and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where, for any reason, the employees of the establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.

11. In case of default, if any, made by the employer in payment of premium etc., the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee or legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, will be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Scheme the employer in relation to the said establishment shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee legal heirs entitled for it and in any case within 7 days of the receipt of the sum assured from the Life Insurance Corporation of India.

#### Explanatory Memorandum

It has become necessary to give retrospective effect to the exemption in this case, as the processing of the application for exemption took time. However, it is certified that the grant of exemption with retrospective effect will not affect the interest of anybody adversely.

[No. S-35014/38/79-PF.II]

कां०भा० 2163.—केन्द्रीय सरकार ने कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 8 के खण्ड (क) के अनुसरण में श्री के० एम० रघुपति, सचिव, भारत सरकार, श्रम मंत्रालय को श्री धार० के० ए० सुब्रह्मण्य के स्थान पर कर्मचारी राज्य बीमा निगम की स्थायी समिति के अध्यक्ष के रूप में नामनिर्दिष्ट किया है;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 8 के अनुसरण में, भारत सरकार के श्रम मंत्रालय की अधिसूचना संख्या कां० भा० 477 (ड), दिनांक 16 जुलाई, 1976 में निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात्:—

उक्त अधिसूचना में, “(केन्द्रीय सरकार द्वारा धारा 8 के खण्ड (क) के अधीन नामनिर्दिष्ट)”, शीर्षक के नीचे मध्य 1 के सामने की प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि रखी जाएगी, अर्थात्:—

“श्री के० एम० रघुपति,

सचिव, भारत सरकार,

श्रम मंत्रालय, नई दिल्ली।”

[संख्या यू-16012/2/80-एच० आई०]

S.O. 2163.—Whereas the Central Government has in pursuance of clause (a) of Section 8 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), nominated Shri K. S. Raghupathi, Secretary to the Government of India, Ministry of Labour as the Chairman of the Standing Committee of the Employees' State Insurance Corporation, in place of Shri R. K. A. Subrahmanya ;

Now, therefore, in pursuance of section 8 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), the Central Government hereby makes the following amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Labour S. O. 477(E), dated the 16th July, 1976, namely :—

In the said notification, under the heading ‘(Nominated by the Central Government under clause (a) of section 8)’, for the entry against item 1, the following entry shall be substituted, namely :—

“Shri K. S. Raghupathi,

Secretary to the Government of India,

Ministry of Labour, New Delhi.

[No. U-16012/2/80-HI]

कां०भा० 2164.—संसद भारत स्टील, ट्यूब्स लि०, गनौर, सोनीपत, हरियाणा, (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 17 को उपधारा (2क) के अधीन छूट दिए जाने के लिए आवेदन किया है।

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी, कोई पृथक् अधिदाय या प्रीमियम वा सदाय किए बिना ही, भारतीय जीवन बीमा निगम की समूह बीमा स्कीम के अधीन जीवन बीमा के रूप में फायदा उठा रहे हैं और ऐसे कर्मचारियों के लिए ये फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हैं जो कर्मचारी विशेष संबंध बीमा स्कीम, 1976 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्कीम कहा गया है) के अधीन उन्हें अनुजेय हैं;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 को उपधारा (2क) द्वारा प्रबल शक्तियों का प्रयोग करते हुए और इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन रहते हुए, उक्त स्थापन को, 1 मार्च, 1979 से 28 फरवरी, 1981 तक उक्त स्कीम के सभी उपबन्धों के प्रवर्तन से छूट देती है।

#### अनुसूची

1. उक्त स्थापन के संबंध में नियोजक प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, पंजाब को ऐसी विवरणियां भेजेगा, ऐसे लेखा रखेगा और निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार, समय-समय पर निश्चित करें।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभागों का प्रत्येक मान की समाप्ति में 15 दिन के भीतर सदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, समय-समय पर उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3क) के खण्ड (क) के अधीन निर्दिष्ट रहे।

3. समूह बीमा स्कीम के प्रभामन में, जिसके अन्तर्गत सेवाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का सहाय, सेवाओं का अंतरण, निरीक्षण प्रभागों का संवाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जाएगा।

4. नियोजक, केंद्रीय सरकार द्वारा यथा अनुमोदित समूह बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति, और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उन संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसंख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद, स्थापन के सूचना-पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन की भविष्य निधि का पहले से सदस्य है, उक्त स्थापन में नियोजित किया जाता है तो, नियोजक, समूह बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका लाभ तुरन्त वर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संवत् करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदे बढ़ाए जाते हैं तो, नियोजक समूह बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों के लिए समूह बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हों, तो उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञेय है।

7. समूह बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी, यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदेय रकम उस रकम से कम है जो उस कर्मचारी की दशा में संदेय होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नाम निर्देशितों को प्रतिकर के रूप में दोनों रकमों के अंतर के बराबर रकम का संदाय करेगा।

8. समूह बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन, प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, पंजाब के पूर्व अनुमोदन बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो वहां, प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का व्यक्तिगत अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश, स्थापन के कर्मचारी, भारतीय जीवन बीमा निगम की उस समूह बीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पढ़ने अपना चुका है, अधीन नहीं रह जाते हैं, या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले फायदे किसी रीति से कम हो जाते हैं, तो यह छूट रह कर दी जाएगी।

10. यदि किसी कारणवश, नियोजक उस नियत तारीख के भीतर, जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करे, प्रीमियम का संवाय करने में असफल रहता है, और पालिसी को व्यपगत हो जाने दिया जाता है तो, छूट रह कर दी जाएगी।

11. यदि नियोजक, प्रीमियम के संवाय, आदि में कोई व्यक्तिगत करता है तो, उन मृत सदस्यों के नाम निर्देशितियों या विधिक वारिसों के, जो वह छूट न दी जाने की दशा में उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते, बीमा फायदों के संवाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापन के संबंध में नियोजक, इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर, उसके हकदार नाम निर्देशितियों/विधिक वारिसों को बीमाकृत रकम का संवाय तत्परता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत रकम प्राप्त होने के सात दिन के भीतर सुनिश्चित करेगा।

#### व्याख्यात्मक भाषण

इस मामले में पूर्वापेक्षी प्रभाव से छूट देनी आवश्यक हो गई है क्योंकि छूट के लिये प्राप्त आवेदन पत्र की कार्रवाई पर समय लगा। तथापि, यह प्रमाणित किया जाता है कि पूर्वापेक्षी प्रभाव से छूट देने में किसी के हित पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

[सं० एस०-35014/50/80-सी० एक०-II]

**S.O. 2164.**—Whereas Messrs Bharat Steel Tubes Limited, Ganaur Sonapat Haryana (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees Deposit-Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Scheduled annexed hereto, the Central Government hereby exempts with effect from 1st March, 1979 and upto the 28th February, 1981 the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme.

#### SCHEDULE

1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Punjab, maintain such accounts and provide for such facilities for inspection, as the Central Government may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges, etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display, on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.

5. Where an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhance, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of a employee the amount payable under this Scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Punjab and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where, for any reason, the employees of the establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.

11. In case of default, if any, made by the employer in payment of premium etc., the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee or legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, will be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Scheme the employer in relation to the said establishment shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee legal heirs entitled for it and in any case within 7 days of the receipt of the sum assured from the Life Insurance Corporation of India.

#### Explanatory Memorandum

It has become necessary to give retrospective effect to the exemption in this case, as the processing of the application for exemption took time. However, it is certified that the grant of exemption with retrospective effect will not affect the interest of anybody adversely.

[No. S-35014/50/80-PF. II]

नई दिल्ली, 25 जुलाई, 1980

का०भा० 2165—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स बाजाजी ग्राफिक इण्डस्ट्रीज, 1325/40 "ई" गिवाजी उद्यम नगर, कोल्हापुर-1, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 जुलाई, 1978 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस० 35018(113)/79 पी०एफ० II]

New Delhi, the 25th July, 1980

S.O. 2165.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Bajaji Graphic Industries, 1325/40 'E' Shivaji Udyam Nagar, Kolhapur-1, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of July, 1978.

[No. S. 35018(113)/79-PF.II]

का०भा० 2166.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स खूबी मील, नं० 896, संगल कारा स्ट्रीट, करन्याई, धानजवूर, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 अप्रैल, 1977 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस० 35019(240)/79 पी०एफ० II]

S.O. 2166.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Ruby Saeval, No. 896, Sangal Kara Street, Karanthai, Thanjavur, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of April, 1977.

[No. S. 35019(240)/79-PF.II]

का०भा० 2167—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स मैक एण्ड कम्पनी, (दि बीजु वर्क शॉप) 65, वाल्लाजा रोड, मद्रास-2, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 दिसम्बर, 1978 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस० 35019(274)/79 पी०एफ० II]

S.O. 2167.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs MACK and Company, (The Bijou Work Shop) 65, Wallajah Road, Madras-2, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of December, 1978.

[No. S-35019(274)/79-PF. II]

का०भा० 2168—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स त्रि तुर्नल्वेली डिस्ट्रिक्ट फिशरमैन को-ऑपरेटिव फेडरेशन लिमिटेड, 49, बीच रोड, तुर्नल्वेली-1, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 31 दिसम्बर, 1977 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस० 35019(302)/79 पी०एफ० II]

S.O. 2168.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs The Tirunelveli District Fishermen Co-operative Federation Limited, 49, Beach, Road, Tuticorin-1, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.



This notification shall be deemed to have come into force on the thirty first day of December, 1977.

[No. S-35019(302)/79-P.F. II]

**का०आ० 2169.**—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स एस० धनासेकरन एण्ड कम्पनी, 4, इल्लियम रोड, माउंट रोड, मद्रास-2, जिसके अन्तर्गत बंगलूर ट्रंक रोड, पुन्नमल्लू डाकघर मद्रास-56, स्थित उसका कारखाना भी है, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 अप्रैल, 1977 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस० 35019 (259)/79 पी० एफ० II]

**S.O. 2169.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs S. Dhanasekaran and Company, 4, Ellis Road, Mount Road, Madras-2 including its Factory at Bangalore Trunk Road, Poonamallee Post Office, Madras-56, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of April, 1977.

[No. S-35019(259)/79-PF. II]

**का० आ० 2170.**—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स शान्ति इलेक्ट्रॉनिक्स, 2/169, माउंट रोड, मद्रास-2, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 सितम्बर, 1978 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस०-35019(273)/79 पी० एफ० II]

**S.O. 2170.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Shanthi Electronics, 2/169, Mount Road, Madras-2, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of September, 1978.

[No. S-35019(273)/79-PF. II]

**का० आ० 2171.**—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स लक्ष्मी मूलर्स, 11/12 तोपे वेंकटाचल मुहल्ली स्ट्रीट, त्रिप्लिकेन, मद्रास-5, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 जून, 1977 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस० 35019 (262)/79 पी० एफ० II]

**S.O. 2171.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Lakshmi Moulders, 11/12, Thope Venkatachala Mudali Street, Triplicane, Madras-5, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of June, 1977.

[No. S-35019(262)/79-PF. II]

**का०आ० 2172.**—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स शायमंड शिपिंग एजेंसीज, 60, दक्षिणी राज स्ट्रीट, तुतिकोरिन-1, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 31 दिसम्बर, 1977 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस०-35019 (307)/79 पी० एफ० II]

**S.O. 2172.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Diamond Shipping Agencies, 60, South Raj Street, Tuticorin-1, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty first day of December, 1977.

[No. S-35019(307)/79 -PF.II]

**का०आ० 2173.**—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स डाटा इंजीनियरिंग कम्पनी, 28, टाउन सेंड रोड, कलकत्ता-15, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 अप्रैल, 1979 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस० 35017 (92)/79 पी० एफ० II]

**S.O. 2173.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in

relation to the establishment known as Messrs Data Engineering Company, 28, Town Send Road, Calcutta-25 have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of April, 1979,

[No. S. 35017(92)/79-PF. II]

का० आ० 2174.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स अपर्णा डिस्ट्रिब्यूटर्स (प्राइवेट) लिमिटेड, 10/डी/1, हैरिंगटन स्ट्रीट, कलकत्ता-16, नाम स्थापन से संबद्ध नियोजक और कर्मचारियों को बहुसंख्या इस धान पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 मई, 1978 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस० 35017 (60)/79 पी० एफ० II]

**S.O. 2174.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Aparna Distributors (Private) Limited, 10/D/1, Harrington Street, Calcutta-16, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of May, 1978.

[No. S. 35017(60)/79-PF. II]

का० आ० 2175.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स पी० 3 शो रूम, सैण्ट्रल स्टोर्स, 31, रोबर्ट्स स्ट्रीट, कलकत्ता-12, नामक स्थापन से संबद्ध नियोजक और कर्मचारियों को बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 जनवरी, 1977 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस० 35017 (59)/79 पी० एफ० II]

**S.O. 2175.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs P3 Show Room Central Store, 31, Roberts Street, Calcutta-12 have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of January, 1977.

[No. S. 35017(59)/79-PF. II]

का० आ० 2176.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स शक्ति कोल्ड स्टोरेज, (प्राइवेट) लिमिटेड, 55, भूपेन बोस एवेन्यू, कलकत्ता-4, जिसके प्रन्तर्गत जी० टी० रोड, (हाटपुकर) डाकघर मेमारी, जिला बर्दवान, स्थित उसकी शाखा भी है, नामक स्थापन से संबद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 28 फरवरी, 1979 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस०-35017 (90)/79 पी० एफ० II]

**S.O. 2176.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Shiva Shakti Cold Storage (Private) Limited, 55, Bhupen Bose Avenue, Calcutta-4 including its branch at G.T. Road, (Hatpukur) Post Office Memari, District Burdwan, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the twenty-eighth day of February, 1979.

[No. S. 35017(90)/79-PF. II]

का० आ० 2177.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स क्यू' मारने कार्स (प्राइवेट) लिमिटेड, 15, शेक्सपियर सारणी, कलकत्ता-71, नामक स्थापन से संबद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 अप्रैल, 1979 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस०-35017 (74)/79-पी० एफ०-II]

**S.O. 2177.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Q'mari Cars (Private) Limited, 15, Shakespeare Sarani, Calcutta-71 have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of April, 1979.

[No. S. 35017(74)/79-PF. II]

का० आ० 2178.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स सिग्मा कंसल्टेंट्स (प्राइवेट) लिमिटेड, 11, कैमक स्ट्रीट, कलकत्ता-17, जिसके प्रन्तर्गत (1) 5वां फ्लोर, पुनम चैम्बर्स शिसागर इस्टेट, डा० एंथी बेसट

रोड़, वली मुम्बई-18 और नरसिम्हा राजा रोड़, बंगलूर-2, रिपत उसकी शाखाएँ हैं, नामक स्थापन से संबंध निर्योजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिएं ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 मार्च, 1979 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एम०-35017 (81)/79 पी० एफ० II]

**S.O. 2178.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Sigma Consultants (Private) Limited, 11-Cmac, Street, Calcutta-17 including its branches at (1) 5th Floor Poonam Chambers, Shivsagar Estate, Dr. Annie Besant Road, Worli, Bombay 18 and (2) Narasimha Raja Road, Bangalore-2, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of March, 1979.

[No. S. 35017(81)/79-PF. II]

**का०आ० 2179**—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स हरचन्द्राई श्रीराम, 74, जमुनालाल बाजज स्ट्रीट, कलकत्ता-7, नामक स्थापन से संबंध निर्योजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिएं ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 अप्रैल, 1978 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एम०-35017 (84)/79 पी० एफ० II]

**S.O. 2179.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. Harchandrai Sreeram, 74, Jamunalal Bajaj Street, Calcutta-7, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of April, 1978.

[No. S. 35017(84)/79-PF. II]

**का०आ० 2180**—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स सुन्दर होमियो सदन, 113, नेताजी सुभाष रोड़, कलकत्ता-1, जिसके अन्तर्गत बॉर्डर सेक्टोरेटरी, जेस्तोर रोड़, उदयगढ़पुर, 24-परगना (पश्चिमी बंगाल) स्थित उसकी शाखा भी है, नामक स्थापन से संबंध निर्योजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिएं ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 21 जुलाई, 1978 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एम०-35017 (70)/79-पी० एफ०-II]

**S.O. 2180.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Sundar Homeo Sadan, 113, Netaji Subhas Road, Calcutta-1, including its branch at Bonded Laboratory, Jessore Road, Udairapur, 24-Parganas (West Bengal), have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the twenty-first day of July, 1978.

[No. S. 35017(70)/79-PF. II]

**का०आ० 2181**—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स शाहु टांकिस, लक्ष्मी रोड़, कोल्हापुर, नामक स्थापन से संबंध निर्योजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिएं ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 नवम्बर, 1978 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एम०-35018 (140)/79-पी० एफ०-II]

**S.O. 2181.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Shahu Talkies, Laxmi Road, Kolhapur, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of November, 1978.

[No. S. 35018(140)/79-PF. II]

**का०आ० 2182**—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स पाइ-रोफ्लेक्स इण्डस्ट्रीज, 11, सिधपुरा, इण्डस्ट्रियल हस्टेट, एम० बी० रोड़, गोरगांव (पश्चिम), मुम्बई-62, नामक स्थापन से संबंध निर्योजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिएं ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 मार्च, 1979 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एम०-35018 (101)/79 पी० एफ० II]

**S.O. 2182.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Pyroflex Industries, 11, Sidhpura Industrial Estate, S. V. Road, Goregaon (West), Bombay-62, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of March, 1979.

[No. S. 35018(101)/79-PF. II]

**कां०आ० 2183.**—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स वादर बुक डिपो, श्री बिल्डिंग, राणाडे रोड, दादर, मुम्बई-28, नामक स्थापन से संबंधित नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 अप्रैल, 1978 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एम०-35018 (50)/79-पी० एफ०-2]

**S.O. 2183.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Dadar Book Depot, Shri Building, Ranade Road, Dadar, Bombay-28, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of April, 1978.

[No. S. 35018(50)/79-PF. II]

**कां०आ० 2184.**—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स श्री गणेश केमिकल प्रोडक्ट्स, 13A, शालीमार इण्डस्ट्रियल इस्टेट, टाटा पावर हाउस के निकट, मटुंगा, मुम्बई-39, नामक स्थापन से संबंधित नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम 1952 (1952 का 18) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 28 फरवरी, 1979 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एम०-35018(155)/79 पी० एफ० II]

**S.O. 2184.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Shree Ganesh Chemical Products, 13-A, Shalimar Industrial Estate, Near Tata Power House, Matunga, Bombay-19, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central

Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the twenty-eight day of February, 1979.

[No. S-35018(155)/79-PF. II]

**कां०आ० 2185.**—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स कोवेंट्री स्प्रिंग एण्ड इंजीनियरिंग कम्पनी (प्राइवेट) लिमिटेड, डी-2, एम० आर० डी० सी० इण्डस्ट्रियल एरिया, नागपुर-16 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 जनवरी, 1978 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एम०-35018(115)/79-पी० एफ०-II]

**S.O. 2185.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Coventry Spring and Engineering Company (Private) Limited, D-2, M. I. D. C Industrial Area, Nagpur-16, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of January, 1978.

[No. S. 35018(115)/79-PF. II]

**कां०आ० 2186.**—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स ओमरेस-मेडिको, 1, प्रभात नगर, जोगेश्वरी (पश्चिम), मुम्बई-60 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 अप्रैल, 1979 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एम० 35018(100)/79-पी० एफ० II]

**S.O. 2186.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Omress-Medico, 1, Prabhat Nagar, Jogeshwari (West), Bombay-60, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of April, 1979.

[No. S. 35018(100)/79-PF. II]

कां० आ० 2187.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसेर्स अब्दुल राजाक इब्राहिम एण्ड कम्पनी, शिवाजी महाराज मार्केट, पाल्टन रोड, पहला फ्लोर, कमरा नं० 18, मुम्बई-1, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों का बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम 1952 (1952 का 9) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है ।

यह अधिसूचना 30 नवम्बर, 1978 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी ।

[सं० एम०-35018(130)/79-पी०एफ०-2(i)]

**S.O. 2187.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Abdul Razak Ebrahim and Company, Shivaji Maharaj Market, Platon Road, 1st Floor, Room No. 18, Bombay-1, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirtieth day of November, 1978.

[No. S. 35018(130)/79-PF, II(i)]

कां० आ० 2188.—केन्द्रीय सरकार, कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, संबद्ध विषय में आवश्यक जांच करने के पश्चात् 30 नवम्बर, 78 से मैसेर्स अब्दुल राजाक इब्राहिम एण्ड कम्पनी, शिवाजी महाराज मार्केट, पाल्टन रोड, पहला फ्लोर, कमरा सं० 18, मुम्बई-1, नामक स्थापन को उक्त परन्तुक के प्रयोजनों के लिए विनिर्दिष्ट करती है ।

[फा० सं० एम०-35018/130/79-पी०एफ०-2 (ii)]

**S.O. 2188.**—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the thirtieth day of November, 1978 the establishment known as Messrs. Abdul Razak Ebrahim and Company, Shivaji Maharaj Market, Palton Road, 1st Floor, Room No. 18, Bombay-1, for the purposes of the said proviso.

[No. S. 35018/130/79-PF, II(ii)]

कां० आ० 2189.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसेर्स इरिकसन एण्ड रिचर्ड्स (सर्वेयर्स) (प्राइवेट) लिमिटेड, 32, धार० कामनी मार्ग, मुम्बई-38, नाम स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है ।

यह अधिसूचना 1 नवम्बर, 1978 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी ।

[सं० एम० 35018(125)/79-पी०एफ० 2(i)]

**S.O. 2189.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Ericson and Richards (Surveyors) (Private) Limited, 32, R. Kamani Marg, Mombay-38 have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of November, 1978.

[No. S. 35018(125)/79-PF, II(ii)]

कां० आ० 2190.—केन्द्रीय सरकार, कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, संबद्ध विषय में आवश्यक जांच करने के पश्चात् 1 नवम्बर, 1978 से मैसेर्स इरिकसन एण्ड रिचर्ड्स (सर्वेयर्स) (प्राइवेट) लिमिटेड, 32, धार०, कामनी मार्ग, मुम्बई-38 नामक स्थापन को उक्त परन्तुक के प्रयोजनों के लिए विनिर्दिष्ट करती है ।

[फा० सं० एम०-35018(125)/79-पी०एफ०-2(ii)]

**S.O. 2190.**—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the first day of November, 1978 the establishment known as Messrs Ericson and Richards (Surveyors) (Private) Limited, 32, R. Kamani Marg, Bombay-38, for the purposes of the said proviso.

[No. S. 35018(125)/79-PF, II(ii)]

कां० आ० 2191.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसेर्स कमला टी कम्पनी लिमिटेड, 5, पन्नालाल बनर्जी लेन, कलकत्ता-1 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है ।

यह अधिसूचना 30 सितम्बर, 1978 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी ।

[सं० एम०-35017(65)/79-पी०एफ०-2(i)]

**S.O. 2191.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Kamala Tea Company Limited, 5, Pannalal Banerjee Lane, Calcutta-1, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirtieth day of September, 1978.

[No. S. 35017(65)/79-PF, II(i)]

का० आ० 2192.—केन्द्रीय सरकार, कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, संबद्ध विषय में आवश्यक जांच करने के पश्चात् 30 सितम्बर 78 से मैसर्स कमला टी कम्पनी लिमिटेड, 5, पन्नालाल बनर्जी लेन, कलकत्ता-1, नामक स्थापन को उक्त परन्तुक के प्रयोजनों के लिए विनिर्दिष्ट करती है।

[का० सं० एस०-35017/65/79-पी० एफ०-2(ii)]

**S.O. 2192.**—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the thirtieth day of September, 1978 the establishment known as Messrs. Kamala Tea Company Limited, 5, Pannalal Banerjee Lane, Calcutta-1, for the purposes of the said proviso.

[No. S. 35017/65/79-PF.II(ii)]

का० आ० 2193.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स क्रॉप प्रोटेक्टन्ट्स (इण्डिया) (प्राइवेट) लिमिटेड, 18, नेताजी सुभाष रोड, कलकत्ता-1, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 जनवरी, 1979 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस०-35017(73)/79-पी० एफ० 2 (i)]

**S.O. 2193.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Crop Protectants (India) (Private) Limited, 18, Netaji Subhas Road, Calcutta-1, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment;

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of January, 1979.

[No. S. 35017(73)/79-PF. II(ii)]

का० आ० 2194.—केन्द्रीय सरकार, कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, संबद्ध विषय में आवश्यक जांच करने के पश्चात् 1 जनवरी, 1979 से मैसर्स क्रॉप प्रोटेक्टन्ट्स (इण्डिया) (प्राइवेट) लिमिटेड, 18, नेताजी सुभाष रोड, कलकत्ता-1, नामक स्थापन को उक्त परन्तुक के प्रयोजनों के लिए विनिर्दिष्ट करती है।

[का० सं० एस०-35017/73/79-पी० एफ० 2 (ii)]

**S.O. 2194.**—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employees Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the first day of January, 1979 the establishment known as Messrs. Crop Protectants (India) (Private) Limited, 18, Netaji Subhas Road, Calcutta-1, for the purposes of the said proviso.

[No. S. 35017/73/79-PF. II(ii)]

का० आ० 2194.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स सर पीराजीराव साहाकारी गुल उत्पादक सोसाइटी लिमिटेड, मुर्गुद तालुका, कागल, जिला कोल्हापुर, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उप धारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 31 मार्च, 1979 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस० 35018(128)/79 पी० एफ० 2 (i)]

**S.O. 2195.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Sir, Pirajirao Sahakari Gul Utpadak Society Limited, Murgud Taluka, Kagal, District Kolhapur, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty first day of March, 1979.

[No. S. 35018(128)/79-PF.II(i)]

का० आ० 2196.—केन्द्रीय सरकार, कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, संबद्ध विषय में आवश्यक जांच करने के पश्चात् 31 मार्च, 1979 से मैसर्स सर पीराजीराव साहाकारी गुल उत्पादक सोसाइटी लिमिटेड, मुर्गुद तालुका, कागल, जिला कोल्हापुर, नामक स्थापन को उक्त परन्तुक के प्रयोजनों के लिए विनिर्दिष्ट करती है।

[का० सं० एस० 35018(128)/79-पी० एफ० (I) (ii)]

**S.O. 2196.**—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employee's Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the thirty first day of March, 1979 the establishment known as Messrs. Sir Pirajirao Sahakari Gul Utpadak Society Limited, Murgud Taluka, Kagal, District Kolhapur, for the purposes of the said proviso.

[No. S. 35018(128)/79-PF. II(ii)]

का० आ० 2197.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स नानकिंग रेस्तरां, 22 ब्लैकबर्न लेन, कलकत्ता-12, नाम स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 31 अगस्त, 1977 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस० 3501757/79 पी० एफ० 2 (i)]

**S.O. 2197.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Nanking Restaurant, 22, Blackburn Lane, Calcutta-12, have agreed that the

provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty first day of August, 1977.

[No. S. 35017(57)/79-PF. II(ii)]

का० आ० 2198.—केन्द्रीय सरकार, कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, संबद्ध विषय में आवश्यक जाच करने के पश्चात् 31 अगस्त, 1977 से मैसर्स नानकिंग रेस्तराँ, 22, ब्लैकबर्न लेन, कलकत्ता-12, नामक स्थापन को उक्त परन्तुक के प्रयोजनों के लिए विनिर्दिष्ट करती है।

[सं० एस० 35017(57)/79-पी० एफ० 2(ii)]

**S.O. 2198.**—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the thirty-first day of August, 1977 the establishment known as Messrs. Nanking Restaurant, 22, Blackburn Lane, Calcutta-12 for the purposes of the said proviso.

[No. S. 35017(57)/79-PF.II(ii)]

का० आ० 2199.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स एल्युमिनेक्स (इण्डिया) प्राइवेट लिमिटेड, 6वां, फ्लोर, रेमन हाउस, 169 बैकबे, रिक्लेमेशन, मुम्बई-20, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 जनवरी, 1979 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस०-35018(135)/79-पी० एफ०-2(i)]

**S.O. 2199.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Aluminex (India) (Private) Limited, 6th Floor, Ramon House, 169, Back-bay, Reclamation, Bombay-20, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of January, 1979.

[No. S. 35018(135)/79-PF.II(ii)]

का० आ० 2200.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स दि अरविद सिगामिक्स लिमिटेड, नेकमो प्रेमिसेस, गोमतीपुर, अहमदाबाद, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना उस मास के अंतिम दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी जिस मास में अधिसूचना राजपत्र में प्रकाशित की जाती है।

[सं० एस०-35019(234)/79-पी० एफ०-2(i)]

**S.O. 2200.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs The Arvind Ceramics Limited, Nechmo Premises, Gomtipur Ahmedabad, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the last day of the month in which the notification is published in the Official Gazette.

[No. S. 35019(234)/79-PF.II(i)]

का० आ० 2201.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स भाद्रदा केमिकल्स (प्राइवेट) लिमिटेड सी-1-बी-159, फेज-2, जी० आई० डी० सी० वाटवा, अहमदाबाद-382445 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होगी।

[सं० एस०-35019(248)/79-पी० एफ० 2(i)]

**S.O. 2201.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Bhadrada Chemicals (Private) Limited C-1-B-159, Phase-2, G.I.D.C. Vatva, Ahmedabad-382445, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall come into force on the date of its publication in the official gazette.

[No. S. 35019(248)/79-PF. II(ii)]

का० आ० 2202.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स आर० एब० सर्विसेज, हनुमन्तप्पा बिल्डिंग्स, चित्तापुरा रोड, धवनगेरे-2, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 जुलाई, 1979 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस०-35019 (278)/79-पी० एफ०-2(i)]

**S.O. 2202.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs R. H. Services, Hanumanthappa Building, Chitradurga Road, Devangere-2, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of July 1979.

[No. S. 35019(278)/79-PF. (III(4))]

नई दिल्ली, 30 जुलाई, 1980

**क्रा० भा० 2203.**—केन्द्रीय सरकार, प्रसूति प्रसुविधा अधिनियम, 1961 (1961 का 53) की धारा 14 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, नीचे सारणी के स्तम्भ (2) में उल्लिखित अधिकारियों को, उक्त सारणी के स्तम्भ (3) की तत्स्थानी प्रविण्टियों में विनिर्दिष्ट क्षेत्रों में किसी ऐसे स्थापन की भावना जिसमें घुड़सवारी, कलाबाजी और अन्य कार्यों का प्रदर्शन करने के लिए व्यक्ति नियुक्त किए जाते हैं, उक्त अधिनियम के प्रयोजन के लिए निरीक्षक नियुक्त करती है:—

सारणी		
क्रम सं०	अधिकारी	सीमाएं
(1)	(2)	(3)
1.	मुख्य अम-भ्रायुक्त (केन्द्रीय), नई दिल्ली।	सम्पूर्ण भारत
2.	संयुक्त मुख्य अम-भ्रायुक्त (केन्द्रीय), नई दिल्ली।	
3.	उप-मुख्य अम-भ्रायुक्त (केन्द्रीय), नई दिल्ली।	
4.	प्रादेशिक अम-भ्रायुक्त (केन्द्रीय), नई दिल्ली।	
5.	मुख्य अम-भ्रायुक्त (केन्द्रीय), का कल्याण सलाहकार, नई दिल्ली।	
6.	सहायक-अम-भ्रायुक्त (केन्द्रीय), नई दिल्ली।	
7.	अम प्रवर्तन अधिकारी (केन्द्रीय), नई दिल्ली।	
8.	प्रादेशिक अम-भ्रायुक्त (केन्द्रीय), मुम्बई।	महाराष्ट्र राज्य और गोवा दमन और दीव तथा दादरा और नगर हवेली संघ राज्य क्षेत्र।
9.	मुम्बई क्षेत्र के सभी सहायक अम-भ्रायुक्त (केन्द्रीय)।	
10.	मुम्बई क्षेत्र के सभी अम-प्रवर्तन अधिकारी (केन्द्रीय)।	
11.	प्रादेशिक अम-भ्रायुक्त (केन्द्रीय), कलकत्ता।	पश्चिमी बंगाल (बर्दवान, बीरभूम, बांकुरा और पुरुलिया के सिविल जिलों को छोड़कर) असम, मेघालय, नागालैण्ड मणिपुर और त्रिपुरा राज्य तथा अन्धमान और निकोबार द्वीप समूह और मिजोरम, अरुणाचल प्रदेश संघ राज्य क्षेत्र।
12.	कलकत्ता क्षेत्र के सभी सहायक अम-भ्रायुक्त (केन्द्रीय)।	
13.	कलकत्ता क्षेत्र के सभी अम-प्रवर्तन अधिकारी (केन्द्रीय)।	
14.	प्रादेशिक अम-भ्रायुक्त (केन्द्रीय), मद्रास।	तमिलनाडु और केरल राज्य तथा पांडिचेरी और लक्षद्वीप संघ राज्य क्षेत्र तथा कर्नाटक राज्य में बंगलूर/कोलार/मैसूर/मांड्या टंकर/कुर्ग/दक्षिण कनारा/हसन चिकमंगलूर, शिमोगा/चित्रदुर्ग और आंध्र प्रदेश में बिसुत के सिविल जिले।
15.	मद्रास क्षेत्र के सभी सहायक अम-भ्रायुक्त (केन्द्रीय)।	
16.	मद्रास क्षेत्र के सभी अम-प्रवर्तन अधिकारी (केन्द्रीय)।	

17.	प्रादेशिक अम-भ्रायुक्त (केन्द्रीय), जबलपुर।	मध्य प्रदेश राज्य
18.	जबलपुर क्षेत्र के सभी सहायक अम-भ्रायुक्त (केन्द्रीय)।	
19.	जबलपुर क्षेत्र के सभी कनिष्ठ अम-निरीक्षक (केन्द्रीय)।	
20.	जबलपुर क्षेत्र के सभी कनिष्ठ अम-निरीक्षक (केन्द्रीय)।	
21.	प्रादेशिक अम-भ्रायुक्त (केन्द्रीय), कानपुर।	उत्तर प्रदेश, पंजाब हरियाणा, हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर राज्य तथा दिल्ली और चण्डीगढ़ राज्य क्षेत्र।
22.	कानपुर क्षेत्र के सभी सहायक अम-भ्रायुक्त (केन्द्रीय)।	
23.	कानपुर क्षेत्र के सभी कनिष्ठ अम-प्रवर्तन अधिकारी (केन्द्रीय)।	
24.	कानपुर क्षेत्र के सभी कनिष्ठ अम-निरीक्षक (केन्द्रीय)।	
25.	प्रादेशिक अम-भ्रायुक्त (केन्द्रीय), धनबाद।	बिहार राज्य।
26.	धनबाद क्षेत्र के सभी सहायक अम-भ्रायुक्त (केन्द्रीय)।	
27.	धनबाद क्षेत्र के सभी कनिष्ठ अम-प्रवर्तन अधिकारी (केन्द्रीय)।	
28.	धनबाद क्षेत्र के सभी कनिष्ठ अम-निरीक्षक (केन्द्रीय)।	
29.	प्रादेशिक अम-भ्रायुक्त (केन्द्रीय), हैदराबाद।	कर्नाटक राज्य (बंगलूर/कोलार राववा)।
30.	हैदराबाद क्षेत्र के सभी सहायक अम-भ्रायुक्त (केन्द्रीय)।	
31.	हैदराबाद क्षेत्र के सभी अम-प्रवर्तन अधिकारी (केन्द्रीय)।	
32.	हैदराबाद क्षेत्र के सभी कनिष्ठ अम-निरीक्षक।	
33.	प्रादेशिक अम-भ्रायुक्त (केन्द्रीय), अजमेर।	राजस्थान और गुजरात राज्य।
34.	अजमेर क्षेत्र के सभी सहायक अम-भ्रायुक्त (केन्द्रीय)।	
35.	अजमेर क्षेत्र के सभी अम-प्रवर्तन अधिकारी (केन्द्रीय)।	
36.	प्रादेशिक अम-भ्रायुक्त (केन्द्रीय), आसनसोल।	पश्चिम बंगाल राज्य में बर्दवान बीरभूम, बांकुरा और पुरुलिया के सिविल जिले।
37.	आसनसोल क्षेत्र के सभी सहायक अम-भ्रायुक्त (केन्द्रीय)।	
38.	आसनसोल क्षेत्र के सभी अम-प्रवर्तन अधिकारी (केन्द्रीय)।	
39.	आसनसोल क्षेत्र के सभी कनिष्ठ अम-निरीक्षक (केन्द्रीय)।	
40.	प्रादेशिक अम-भ्रायुक्त (केन्द्रीय), भुवनेश्वर।	उड़ीसा राज्य
41.	भुवनेश्वर क्षेत्र के सभी सहायक अम-भ्रायुक्त (केन्द्रीय)।	

[संख्या एत० 36013/1/79-एच०आई०]

हंस राज छाबड़ा, उप सचिव

New Delhi, the 30th July, 1980

**S.O. 2203**—In exercise of the powers conferred by section 14 of the Maternity Benefit Act, 1961 (53 of 1961), the Central Government hereby appoints the officers, mentioned in column (2) of the Table below to be inspectors for the purpose of the said



Act, in relation to any establishment wherein persons are employed for the exhibition of equestrian, acrobatic and other performance in respect of the areas specified in the corresponding entries in column 3 of the said Table.

TABLE

Sl. No.	Officers	Limits
(1)	(2)	(3)
1. Chief Labour Commissioner (Central), New Delhi.	} Whole of India.	
2. Joint Chief Labour Commissioner (Central), New Delhi.		
3. Deputy Chief Labour Commissioner (Central), New Delhi.		
4. Regional Labour Commissioners (Central), New Delhi.		
5. Welfare Adviser to the Chief Labour Commissioner (Central), New Delhi.		
6. Assistant Labour Commissioners (Central), New Delhi.		
7. Labour Enforcement Officers, New Delhi.		
8. The Regional Labour Commissioner (Central), Bombay.	} The State of Maharashtra and the Union Territories of Goa, Daman and Diu and Dadra and Nagar Haveli.	
9. All Assistant Labour Commissioners (Central) in the Bombay Region.		
10. All Labour Enforcement Officers (Central) in the Bombay Region.		
11. Regional Labour Commissioner (Central) Calcutta.	} The States of West Bengal (Excluding the Civil Districts of Burdwan, Birbhum, Bankur and Purulia) Assam, Meghalaya, Nagaland, Manipur, Tripura and the Union Territories of Andaman and Nicobar Islands, Mizoram and Arunachal Pradesh.	
12. All Assistant Labour Commissioners (Central) in the Calcutta Region.		
13. All Labour Enforcement Officers (Central) in Calcutta Region.		
14. Regional Labour Commissioner (Central) Madras.	} The States of Tamil Nadu and Kerala and the Union territories of Pondicherry and Lakshadweep and the Civil Districts of Bangalore Kolar / Mysore / Mandya/ Tumku/Coorg/South Kanara/ Hasan/Chickmangalur, Shimoga, Chitradurg in the State of Karnataka and Chittoor in the State of Andhra Pradesh.	
15. All Assistant Labour Commissioner (Central) in the Madras Region.		
16. All Labour Enforcement Officers (Central) in the Madras Region.		
17. Regional Labour Commissioner (Central), Jabalpur.		
18. All Assistant Labour Commissioner (Central) in the Jabalpur Region.	} The State of Madhya Pradesh	
19. All Labour Enforcement Officers (Central) in the Jabalpur Region.		
20. All Junior Labour Inspectors (Central) in the Jabalpur Region.		

(1)	(2)	(3)
21. Regional Labour Commissioner (Central), Kanpur.	} The States of Uttar Pradesh, Punjab Haryana, Himachal Pradesh and Jammu and Kashmir and the Union territories of Delhi and Chandigarh.	
22. All Assistant Labour Commissioners (Central) in the Kanpur Region.		
23. All Labour Enforcement Officers (Central) in the Kanpur Region.		
24. All Junior Labour Inspectors, (Central) in the Kanpur Region.		
25. Regional Labour Commissioner (Central), Dhanbad.	} The State of Bihar.	
26. All Assistant Labour Commissioners (Central) in the Dhanbad Region.		
27. All Labour Enforcement Officers (Central) in the Dhanbad Region.		
28. All Junior Labour Inspectors (Central) in the Dhanbad Region.		
29. Regional Labour Commissioner (Central), Hyderabad.	} The States of Karnataka (excluding Civil Districts of Bangalore/Kolar/Mysore/Mandya/Tumkur/Coorg/South Kanara/Hassan/Chickmangalur/Shimoga/Chitradurg) and Andhra Pradesh (excluding the Civil District of Choittoor).	
30. All Assistant Labour Commissioners (Central) in the Hyderabad Region.		
31. All Labour Enforcement officers (central) in the Hyderabad Region.		
32. All Junior Labour Inspectors (central) in the Hyderabad Region.		
33. Regional Labour Commissioner (Central) Ajmer.	} The States of Rajasthan and Gujarat.	
34. All Assistant Labour Commissioners (Central) in the Ajmer Region.		
35. All Labour Enforcement Officers (Central) in the Ajmer Region.		
36. Regional Labour Commissioner (Central), Asansol.	} The Districts of Burdwan, Birbhum, Bankura and Purulia in the State of West Bengal.	
37. All Assistant labour Commissioners (Central), in the Asansol Region.		
38. All Labour Enforcement Officers (Central) in the Asansol Region.		
39. All Junior Labour Inspectors (Central) in the Asansol Region.		
40. Regional Labour Commissioner (Central) Bhubaneswar.	} The State of Orissa.	
41. All Assistant Labour Commissioners (Central) in the Bhubaneswar Region.		

## आदेश

नई दिल्ली, 25 जुलाई, 1980

का० भा० 2204.—केन्द्रीय सरकार की राय है कि इसमें उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषय के बारे में मैसर्स एम० लाल एंड कंपनी लिमिटेड, बारबिल के प्रबन्धतंत्र से सम्बद्ध एक औद्योगिक विवाद नियोजकों और उनके कर्मचारियों के बीच विद्यमान है ;

और केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करना वांछनीय समझती है ;

अतः, केन्द्रीय सरकार, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 7-क और धारा 10 की उपधारा (1) के खंड (घ) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, एक औद्योगिक अधिकरण गठित करती है जिसके पीठासीन अधिकारी श्री एम० वी० गंगाराजू होंगे, जिनका मुख्यालय भुवनेश्वर में होगा और उक्त विवाद को उक्त औद्योगिक अधिकरण को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करती है ।

## अनुसूची

"क्या मैसर्स एम० लाल एंड कंपनी लिमिटेड, बारबिल की जिल्लिंग लोंगालोटा घायरन माइन्स के प्रबन्धतंत्र द्वारा सर्वश्री भूषन नायक, किशन मुण्डा और भूदेव बापटी, ड्रिलर्स को रोजगार देने से इनकार करना न्यायोचित है ? यदि नहीं, तो वे किस अनुतोष के हकदार हैं ?"

[संख्या एल०-26011/2/80-डी० 3 (बी०)]

## ORDERS

New Delhi, the 25th July, 1980

S.O. 2204.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of M/s. S. Lal & Company Limited, Barbil and their workmen in respect of the matter specified in the Schedule hereto annexed ;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication ;

Now therefore, in exercise of the powers conferred by section 7A, and clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby constitutes an Industrial Tribunal of which Shri M. V. Gangaraju shall be the Presiding Officer, with headquarters at Bhubaneswar and refers the said dispute for adjudication to the said Tribunal.

## SCHEDULE

"Whether denial of employment to S/Shri Bhuban Nalk, Kishan Munda and Bhudev Bapti, Drillers by the management of Jilling Longlota Iron Mines of M/s. S. Lal & Company Limited, Barbil is justified ? If not, to what relief they are entitled."

[No. L. 26011/2/80-D III(B)]

का० भा० 2205.—केन्द्रीय सरकार की राय है कि इसमें उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषय के बारे में मैसर्स एम० लाल एंड कंपनी लिमिटेड, बारबिल की जिल्लिंग लोंगालोटा घायरन माइन्स के प्रबंध से सम्बद्ध एक औद्योगिक विवाद नियोजकों और उनके कर्मचारियों के बीच विद्यमान है ;

और केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करना वांछनीय समझती है ;

अतः, केन्द्रीय सरकार, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 7-क और धारा 10 की उपधारा (1) के खंड (घ) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, एक औद्योगिक अधिकरण गठित करती है जिसके पीठासीन अधिकारी श्री एम० वी० गंगाराजू होंगे, जिनका मुख्यालय भुवनेश्वर में होगा और उक्त विवाद को उक्त औद्योगिक अधिकरण को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करती है ।

## अनुसूची

"क्या मैसर्स एम० लाल एंड कंपनी लिमिटेड, बारबिल की जिल्लिंग लोंगालोटा घायरन माइन्स के प्रबन्धतंत्र द्वारा सर्वश्री महावीर टांटी और मोहन टांटी और चेकर्स को रोजगार देने से इनकार करना न्यायोचित है ? यदि नहीं, तो वे किस अनुतोष के हकदार हैं ?"

[सं० एल०-26011/4/80-डी० 3 (बी)]

S.O. 2205.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of Jilling Longalota Iron Mines of M/s. S. Lal and Co. Ltd. Barbil and their workmen in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed ;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication ;

Now therefore, in exercise of the powers conferred by section 7A, and clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby constitutes an Industrial Tribunal of which Shri M. V. Gangaraju shall be the Presiding Officer, with headquarters at Bhubaneswar and refers the said dispute for adjudication to the said Tribunal.

## SCHEDULE

"Whether denial of employment to S/Shri Mohabir Tanty and Mohan Tanty, Ore Checkers by the management of Jilling Longalota Iron Mines of M/s. S. Lal and Co. Ltd., Barbil is justified ? If not, to what relief they are entitled ?"

[No. L-26011/4/80-D. III(8)]

का० भा० 2206.—केन्द्रीय सरकार की राय है कि इसमें उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषय के बारे में मैसर्स एम० लाल एंड कंपनी, बारबिल की जिल्लिंग लोंगालोटा घायरन माइन्स के प्रबन्धतंत्र से सम्बद्ध एक औद्योगिक विवाद नियोजकों और उनके कर्मचारियों के बीच विद्यमान है ;

और केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करना वांछनीय समझती है ;

अतः, केन्द्रीय सरकार, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 7-क और धारा 10 की उपधारा (1) के खंड (घ) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, एक औद्योगिक अधिकरण गठित करती है जिसके पीठासीन अधिकारी श्री एम० वी० गंगाराजू होंगे, जिनका मुख्यालय भुवनेश्वर में होगा और उक्त विवाद को उक्त औद्योगिक अधिकरण को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करती है ।

## अनुसूची

"क्या मैसर्स एम० लाल एंड कंपनी, बारबिल की जिल्लिंग लोंगालोटा घायरन माइन्स के प्रबन्धतंत्र द्वारा श्री श्याम सुन्दर बारिक, अपराधी को रोजगार देने से इनकार करना न्यायोचित है ? यदि नहीं, तो वह किस अनुतोष का हकदार है ?"

[सं० एल०-26011/5/80-डी० III (बी)]

S.O. 2206.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to management of Jilling Longalota Iron Mines of M/s. S. Lal and Co., Barbil and their workmen in respect of the matter specified in the Schedule hereto annexed ;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication ;

Now therefore, in exercise of the powers conferred by section 7A, and clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby constitutes an Industrial Tribunal of which Shri M. V. Gangaraju shall be the Presiding Officer, with headquarters at Bhubaneswar and refers the said dispute for adjudication to the said Tribunal.

## SCHEDULE

"Whether denial of employment to Shri Shyam Sunder Barik, Peon by the management of Jilling Longalota Iron Mines of M/s. S. Lal and Co., Barbil is justified? If not, to what relief he is entitled?"

[No. L-26011/5/80-D.III(B)]

का० आ० 2207.—केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपबाद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषय के बारे में मैसर्स एस० लाल एण्ड कम्पनी लिमिटेड, बारबिल की जिल्लिंग लोंगालोटा आयरन माइन्स के प्रबन्ध से सम्बद्ध एक औद्योगिक विवाद नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच विद्यमान है;

और केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करना वांछनीय समझती है,

अतः, केन्द्रीय सरकार, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 7-क और धारा 10 की उपधारा (1) के खंड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, एक औद्योगिक अधिकरण गठित करती है जिसके पीठासीन अधिकारी श्री एम०वी० गंगाराजू होंगे, जिनका मुख्यालय भुवनेश्वर में होगा और उक्त विवाद को उक्त औद्योगिक अधिकरण को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करती है।

## अनुसूची

"क्या मैसर्स एस० लाल एण्ड कम्पनी लिमिटेड, बारबिल की जिल्लिंग लोंगालोटा आयरन माइन्स के प्रबन्धक द्वारा श्री गोपाल चन्द्र पात्र और श्री भुलु घना ब्लॉस्टिंग सहायक और लाइनमैन को 10-9-79 से रोजगार देने से इनकार करना न्यायोचित है? यदि नहीं, तो वे किस अनुतोष के हकदार हैं?"

[सं० एल-26011/7/80-डी० III (बी)]

S.O. 2207.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of Jilling Longalota Iron Mines of M/s. S. Lal and Co. Ltd., Barbil and their workmen in respect of the matter specified in the Schedule hereto annexed;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now therefore, in exercise of the powers conferred by section 7A, and clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby constitutes an Industrial Tribunal of which Shri M. V. Gangaraju shall be the Presiding Officer, with headquarters at Bhubaneswar and refers the said dispute for adjudication to the said Tribunal.

## SCHEDULE

"Whether denial of employment to Shri Gopal Chandra Patra and Shri Bhulu Ghana, Blasting helper and Lineman respectively by the management of Jilling Longalota Iron Mines of M/s. S. Lal and Co. Ltd., Barbil from 10-9-79 is justified? If not, to what relief they are entitled?"

[No. L-26011/7/80-D.III(B)]

का० आ० 2208.—केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपबाद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषय के बारे में मैसर्स एस० लाल एण्ड कम्पनी लिमिटेड, बारबिल की जिल्लिंग लोंगालोटा आयरन माइन्स के प्रबन्ध से सम्बद्ध एक औद्योगिक विवाद नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच विद्यमान है;

और केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करना वांछनीय समझती है;

अतः, केन्द्रीय सरकार, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 4) की धारा 7-क और धारा 10 की उपधारा (1) के खंड (घ)

द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, एक औद्योगिक अधिकरण गठित करती है जिसके पीठासीन अधिकारी श्री एम०वी० गंगाराजू होंगे, जिनका मुख्यालय भुवनेश्वर में होगा और उक्त विवाद को उक्त औद्योगिक अधिकरण को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करती है।

## अनुसूची

"क्या मैसर्स एस० लाल एण्ड कम्पनी लिमिटेड, बारबिल की जिल्लिंग लोंगालोटा आयरन माइन्स के प्रबन्धक द्वारा श्रीमती माली देई, जनवाहक (वाटर कैरियर) को 12-10-79 से रोजगार देने से इनकार करना न्यायोचित है? यदि नहीं, तो वह किस अनुतोष के हकदार है?"

[सं० एल-26011/8/80-डी० III (बी)]

ए० के० राय, अवर सचिव

S.O. 2208.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of Jilling Longalota Iron Mines of M/s. S. Lal and Co. Ltd., Barbil and their workmen in respect of the matter specified in the Schedule hereto annexed;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now therefore, in exercise of the powers conferred by section 7A, and clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby constitutes an Industrial Tribunal of which Shri M. V. Gangaraju shall be the Presiding Officer, with headquarters at Bhubaneswar and refers the said dispute for adjudication to the said Tribunal.

## SCHEDULE

"Whether denial of employment to Smt. Mali Dei Water Carrier by the management of Jilling Longalota Iron Mines of M/s. S. Lal and Co. Ltd., Barbil from 12-10-79 is justified? If not, to what relief she is entitled?"

[No. L-26011/8/80-D.III(B)]

A. K. ROY, Under Secy.

## आदेश

नई दिल्ली, 7 जुलाई, 1980

का० आ० 2209.—केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपबाद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषय के बारे में एम०सी० कम्पनी लिमिटेड, येल्लाण्ड जिला खन्नाम (प्रांथ प्रदेग) के प्रबन्धक से सम्बद्ध एक औद्योगिक विवाद नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच विद्यमान है।

और केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करना वांछनीय समझती है;

अतः, केन्द्रीय सरकार, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 7-क और धारा 10 की उपधारा (1) के खंड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, एक औद्योगिक अधिकरण गठित करती है जिसके पीठासीन अधिकारी श्री जी० सदाशिव रेड्डी होंगे, जिनका मुख्यालय हैदराबाद में होगा और उक्त विवाद को उक्त औद्योगिक अधिकरण को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करती है।

## अनुसूची

"क्या मैसर्स विगरेसी कोलियरीज कम्पनी लिमिटेड के प्रबन्धक को उनकी येल्लाण्ड वर्कशाप में ठहराकर रखने वाले बनाने वाले मैकशनों के ठहराकर रखने वाले/बनाने वाले मजदूरों को वर्ग-II में रखने की कार्यवाही न्यायोचित है? यदि नहीं तो संबंधित कर्मचार किस अनुतोष के हकदार हैं?"

[सं० एल-21011(18)/79-डी० 4(बी)]

एस० एस० मेहता, डेप्टी अधिकारी

## ORDER

New Delhi, the 27th July, 1980

**S.O. 2209.**—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of S. C. Co. Ltd. Yellandu Khammam District (A.P.) and their workmen in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 7A and clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby constitutes an Industrial Tribunal of which Shri G. Sadasiva Reddy shall be the Presiding Officer with headquarters at Hyderabad and refers the said dispute for adjudication to the said Tribunal.

## SCHEDULE

Whether the action of the management of Messrs Singareni Collieries Company Limited in placing in Category II tub repairing/Making mazdoors in Tub Repairing/Making Sections at their Yellandu Workshop is justified. If not, to what relief are the concerned workmen entitled?

[No. L. 21011(18)/79-D.IV(B)]

S. S. MEHTA, Desk Officer

नई दिल्ली, 26 जुलाई, 1980

**का० प्रा० 2210**—खान अधिनियम 1952 (1952 का 35) की धारा 5 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा श्री एच०एस० आहजा, उप महानिदेशक, खान सुरक्षा (मध्य क्षेत्र), धनबाद, को श्री बी०एम० भट्ट, जो प्रतिनियुक्ति पर विदेश जा रहे हैं के स्थान पर, ऐसे सभी क्षेत्रों के लिए जिस पर उक्त अधिनियम का विस्तार है, 28 जुलाई, 1980 से श्री भट्ट के कार्यभार ग्रहण करने तक मुख्य खान निरीक्षक के रूप में नियुक्त करती है।

[सं० ए-11019/1/79-एम-1]

जे० के० जैन, अवर सचिव

New Delhi, the 26th July, 1980

**S.O. 2210.**—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 5 of the Mines Act, 1952 (35 of 1952), the Central Government hereby appoints Shri H. S. Ahuja, Deputy Director General of Mines Safety (Central Zone) Dhanbad, to be the Chief Inspector of Mines for all the territories to which the said Act extends, on and from the 28th July, 1980 vice Shri B. M. Bhat, who is proceeding on deputation abroad until Shri Bhat resumes duty.

[No. A-11019/1/79-MI]

J. K. JAIN, Under Secy.

नई दिल्ली, 26 जुलाई, 1980

**का० प्रा० 2211**—केन्द्रीय सरकार ने यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना अपेक्षित था, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 2 के खण्ड (ड) के उपखण्ड (6) के उपबन्धों के अनुसरण में भारत सरकार के श्रम मंत्रालय की अधिसूचना संख्या 206 तारीख, 15 जनवरी, 1980 द्वारा फास्फोरिट खनन उद्योग को उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए 27 जनवरी, 1980 से छः मास की कालावधि के लिए लोक उपयोगी सेवा घोषित किया था;

और केन्द्रीय सरकार की राय है कि लोकहित में उक्त कालावधि को छः मास की और कालावधि के लिए बढ़ाया जाना अपेक्षित है;

अतः अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम 1947 (1947 का 14) की धारा 2 के खण्ड (ड) के उपखण्ड (6) के परत्वुक द्वारा प्रदत्त

शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त उद्योग को उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए 27 जुलाई, 1980 से छः मास की और कालावधि के लिए लोक उपयोगी सेवा घोषित करती है।

[संख्या एम० 11017/1/80-डी-1(ए)]

New Delhi, the 26th July, 1980

**S.O. 2211.**—Whereas the Central Government having been satisfied that the public interest so required had, in pursuance of the provisions of sub-clause (vi) of clause (n) of section 2 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), declared by the notification of the Government of India in the Ministry of Labour No. S.O. 206 dated the 15th January, 1980, the pyrites mining industry to be a public utility service for the purposes of the said Act, for a period of six months, from the 27th January, 1980;

And whereas, the Central Government is of opinion that public interest requires the extension of the said period by a further period of six months;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by the proviso to sub-clause (vi) of clause (n) of section 2 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby declares the said industry to be a public utility service for the purposes of the said Act, for a further period of six months from the 27th July, 1980.

[F. S. 11017/1/80-D.I.(A)]

**का० प्रा० 2212**—केन्द्रीय सरकार ने यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना अपेक्षित था, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 2 के खण्ड (ड) के उपखण्ड (6) के उपबन्धों के अनुसरण में भारत सरकार के श्रम मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का० प्रा० 207 तारीख 15 जनवरी, 1980 द्वारा फास्फोरिट खनन उद्योग को उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए 27 जनवरी, 1980 से छः मास की कालावधि के लिए लोक उपयोगी सेवा घोषित किया था;

और केन्द्रीय सरकार की राय है कि लोकहित में उक्त कालावधि को छः मास की और कालावधि के लिए बढ़ाया जाना अपेक्षित है;

अतः अब, औद्योगिक अधिनियम 1947 (1947 का 14) की धारा 2 के खण्ड (ड) के उपखण्ड (6) के परत्वुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त उद्योग को उक्त अधिनियम के प्रयोजनों को 27 जुलाई, 1980 से छः मास की और कालावधि के लिए लोक उपयोगी सेवा घोषित करती है।

[सं० एम० 11017/2/80-डी 1(ए)]

एम० के० नारायणन, अवर सचिव

**S.O. 2212.**—Whereas the Central Government having been satisfied that the public interest so required had, in pursuance of the provisions of sub-clause (vi) of clause (n) of section 2 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), declared by the notification of the Government of India in the Ministry of Labour No. S.O. 207 dated the 15th January, 1980, the phosphorite mining industry to be a public utility service for the purposes of the said Act, for a period of six months, from the 27th January, 1980;

And whereas, the Central Government is of opinion that public interest requires the extension of the said period by a further period of six months;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by the proviso to sub-clause (vi) of clause (n) of section 2 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby declares the said industry to be a public utility service for the purposes of the said Act, for a further period of six months from the 27th July, 1980.

[F. S. 11017/2/80-D.I.(A)]

L. K. NARAYANAN, Under Secy.

## प्रवेश

नई दिल्ली, 26 जुलाई, 1980

क्र० प्रा० 2213.—केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषयों के बारे में भारतीय स्टेट बैंक के प्रबन्धतंत्र से सम्बद्ध एक औद्योगिक विवाद नियोजकों और उनके कर्मचारियों के बीच, जिनका प्रतिनिधित्व आल इंडिया स्टेट बैंक आफ इंडिया आफिसर्स फेडरेशन महासं करता है, विद्यमान है;

और, उक्त विवाद को औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की परिभाषा के अन्तर औद्योगिक विवाद समझा जाता है और उक्त अधिनियम के उपबन्ध बोनस संवाय अधिनियम, 1965 (1965 का 21) की धारा 22 के अनुसार उक्त विवाद के संबंध में लागू होते हैं;

और उक्त विवाद का स्वभाव ऐसा है कि उसमें एक से अधिक राज्य में स्थित भारतीय स्टेट बैंक के औद्योगिक प्रतिष्ठानों के ऐसे विवाद से हितबद्ध या प्रभावित होने की संभावना है;

और केन्द्रीय सरकार की राय है कि उक्त विवाद में राष्ट्रीय औद्योगिक अधिकरण द्वारा न्यायनिर्णयन किया जाना चाहिए।

अतः, अब केन्द्रीय सरकार—

- (1) औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 7-ख द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, एक राष्ट्रीय औद्योगिक अधिकरण गठित करती है जिसका मुख्यालय बम्बई में होगा और न्यायमूर्ति श्री चिन्तामन तुकाराम दीघे को इसका पीठासीन अधिकारी नियुक्त करती है; और
- (2) औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 की धारा 10 की उपधारा (1क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त औद्योगिक विवाद को उक्त राष्ट्रीय औद्योगिक अधिकरण को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करती है।

## अनुसूची

“क्या भारतीय स्टेट बैंक के प्रबन्धतंत्र की 31 दिसम्बर, 1976 और 31 दिसम्बर, 1977 को समाप्त हुए लेखा वर्षों के लिए हकदार कर्मचारियों को देय बोनस की राशि का निर्धारण करने के लिए बोनस संवाय अधिनियम की धारा 4 के अधीन अपेक्षित सकल लाभ की संगणना के प्रयोजनार्थ वर्ष 1976 और 1977 के दौरान प्राकृष्टिकता निधि से धारित निधि में अन्तरित प्रमश. 25 करोड़ रुपये और 10 करोड़ रुपये की राशि को शामिल न करने की कार्यवाही न्यायोचित है? यदि नहीं, तो संबंधित कर्मकार किस अनुसूच को हकदार है?”

[संख्या एल-12011/2/80-डी० 2 (ए)]

एस० के० विश्वास, डेस्क अधिकारी

## ORDER

New Delhi, the 26th July, 1980

S.O. 2213.—Whereas the Central Government is of opinion that a dispute exists between the employers in relation to the management of State Bank of India and their employees represented by All India State Bank of India Officers' Federation, Madras in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed;

And whereas the said dispute is deemed to be an industrial dispute within the meaning of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947) and the provisions of that Act apply in relation to the said dispute as per Section 22 of the Payment of Bonus Act, 1965 (21 of 1965);

And whereas the said dispute is of such a nature that industrial establishments of the State Bank of India situated in more than one State are likely to be interested in, or affected by, such dispute;

And whereas the Central Government is of opinion that the said dispute should be adjudicated by a National Industrial Tribunal.

Now, therefore, the Central Government—

- (i) In exercise of the powers conferred by section 7B of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947)

496 GI/80—16

hereby constitutes a National Industrial Tribunal with headquarters at Bombay and appoints justice Shri Chintaman Tukaram Dighe as its Presiding Officer; and

- (ii) In exercise of the powers conferred by sub-section (1A) of Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947, hereby refers the said industrial dispute to the said National Industrial Tribunal for adjudication.

## SCHEDULE

“Whether the action of the management of State Bank of India in not taking into account Rs. 25 crores and Rs. 10 crores transferred from contingency to reserve fund during the years 1976 and 1977, for the purposes of computation of gross profits, as required under Section 4 of the Payment of Bonus Act, for determining the quantum of bonus payable to the entitled employees for the accounting years ended on the 31st December, 1976 and 31st December, 1977, respectively is justified? If not, to what relief are the employees concerned entitled?”

[No. L-12011/2/80-D.II(A)]

New Delhi, the 30th July, 1980

S.O. 2214.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, New Delhi, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of State Bank of Patiala and their workmen, which was received by the Central Government on the 24th July, 1980.

BEFORE SHRI MAHESH CHANDRA, PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVT. INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, NEW DELHI

I.D. No. 81 of 1977

In re:

The General Secretary,  
State Bank of Patiala Employees Union,  
C/o State Bank of Patiala, Sector 22,  
Chandigarh.

Petitioner

Versus

The General Manager,  
State Bank of Patiala, H.O. Mall,  
Patiala.

Respondent.

## AWARD

The Central Government as appropriate Govt. referred an Industrial Dispute vide its order No. L. 12012/28/75-DII/A dated the 17th May, 1975 under Section 10 of the I.D. Act to Industrial Tribunal, Chandigarh in the following terms:

“Is the management of the State Bank of Patiala, Head Office The Mall, Patiala justified in terminating the services of Shri Gurmeet Singh, Peon, Satnali Branch, with effect on the 28th November, 1974? If not to what relief is the said workman entitled?”

2. On receipt of the reference usual notices were sent to the parties, in pursuance whereof statement of claim was filed and then a written statement was filed and finally a replication was filed. Upon the pleadings of the parties following issues were framed by the Industrial Tribunal, Chandigarh vide its order dated the 23rd August, 1975:

1. Whether the action of the management of the State Bank of Patiala was justified in terminating the services of Gurmit Singh, Peon, Satnali Branch, with effect from 28th November, 1974?
2. Is the workman estopped from raising the dispute because of his alleged conduct in accepting the conditions of service as alleged by the management?
3. If issue No. 1 is decided against the management and issue No. 2 for the workman to what relief, if any, is the workman entitled?

3. Thereafter the case was ordered to be fixed for evidence and documents of the parties. Before evidence could be recorded the term of Presiding Officer, Industrial Tribunal, Chandigarh came to an end and in consequence this reference was transferred to Industrial Tribunal, Delhi who registered it vide his order dated the 31st November, 1976. No progress could be made before the Presiding Officer, Industrial Tribunal, Delhi and finally this case was transferred to this Tribunal

vide order dated the 13th May, 1977 by the appropriate Govt. On receipt of this reference by transfer it was ordered to be registered. An application was filed for amendment of statement of claim which was allowed and in consequence amended statement of claim was filed to which the written statement and replication were filed and the case was adjourned for evidence of the parties. The evidence of the parties consists of statement of the workman as W.W. 1 and his statement is one line statement which reads that 'I joined on 20th September, 1973 as peon. I do not know why my services were terminated'. He was not cross examined at all inspite of the opportunity afforded to the Bank. Thereafter the case was adjourned for evidence of the management. The evidence of the Management consists of statement of two witnesses M.W. 1 Shri Lashkari Mal and M.W. 2 Shri Devki Nandan and they have been cross examined as well. I have gone through the evidence produced by the parties and have given my considered thought to the matter before me and I have come to the following findings upon issues above.

4. According to the statement of claim filed by the workman this workman has alleged to have joined service of the Bank on the 5th September, 1973 and he continued as such till 23rd May, 1974. Later on he was appointed on probation on 29th May, 1974 but his services were terminated before completion of the said probation period of six months on 28th November, 1974. The workman has contended that this was termination and removal from the services and was in violation of awards, Bipartite Settlements and the law and as such he was entitled to be reinstated.

3. It is not denied by the Management that the workman was initially employed as a peon as told by the workman. It is also not denied that he was later taken on probation for the period of six months. Similarly it was not denied that his services were terminated as alleged by the workman. What is contended by the Bank is that the work put in by the workman during the period of probation was not satisfactory and his services were terminated. Finally it is contended that the workman was not entitled to any relief whatsoever.

#### 6. Issue No. 1 :

It is not denied by the Bank that the workman was initially appointed on the 5th of September, 1973 in a temporary capacity and he continued to serve the Bank till 23rd May, 1974. It is also not denied by the Bank that the workman was appointed w.e.f. 27th May, 1974 for a period of six months on probation. Likewise it is admitted by the Bank that his services were terminated before expiry of six months referred to in the appointment letter. The workman has produced the relevant documents on record. The appointment letter of probation is Ex. M.W.2/1 and is dated 15th May, 1974. The termination letter is Ex. M.W. 1/4 and is dated 25th November, 1974. There is an office note placed on record and is dated 25th November, 1974 and is numbered as 2070 which shows that the services of this workman have been terminated. Ex. M.W.2/2, Ex. M.W.2/4 are the reports regarding misbehaviour of the workman during the period of probation. Ex. M.W.2/5 is his explanation in this behalf. Ex. M.W. 2/3 is another report regarding the misbehaviour of the workman and his reply is Ex. M.W.2/6. However for the purposes of disposal of this issue most important document is Ex. M.W.2/1, the appointment letter which goes to show that this workman was appointed on probation for a period of six months. This document when read in the context of yet another document Ex. M.W. 1/1, goes to show that the workman had been appointed on probation in so far as he had been serving in a temporary capacity for a considerable period very satisfactorily. It would be appropriate here to re-produce the content of Ex. M.W.1/1. From the perusal of Ex. M.W. 1/1 it is established that the temporary service of this workman matured into his regular appointment in course of time. That being the position the period of six months of probation referred to in the letter of appointment Ex. M.W.2/1, would have to be worked out of the period served by this workman in his temporary capacity. This position is brought out by para 20.8 of the Bipartite Settlement dated the 19th October, 1966 which reads that 'a temporary workman may also be appointed to fill a permanent vacancy provided that such temporary appointment shall not exceed a period of three months during which the bank shall make arrangements for filling up the vacancy permanently. If such a temporary workman is eventually selected for filling up the vacancy, the period of such temporary employment will be

taken into account as part of his probation period.' That being the position it was not within the competence of the Bank—Management to terminate the services of this workman without any show cause notice and enquiry for the alleged misconduct or misbehaviour. The appointment of this workman would be deemed to have matured into regular appointment on the completion of six months of probationary period. The said six months of probationary period in fact stood already completed when he was appointed on probation vide letter Ex. M.W.2/1. It cannot be said that letter Ex. M.W.2/1 is infructuous to the extent that it has prescribed a probationary period even though he had already put in more than six months as temporary workman. The situation is the result of the operation of para 20.8 of the Bipartite Settlement referred to above. It would come into operation only when ultimately the temporary employee is confirmed as a regular employee. It has been urged before me that the temporary appointment had already come to an end 4-5 days prior to the appointment of probation but this thing is belied by the contents of Ex. M.W.1/1 which clearly establishes beyond any doubt that it was the temporary appointment which had matured into a regular appointment in this case. Not only that, it further goes to show that it was in consideration of satisfactory service put in by this workman as a temporary workman that he was employed on permanent basis. In view of my discussions above, I held that the termination of services of this workman by the Bank is not justified and is not valid and accordingly this issue is decided in favour of the workman and against the Bank.

#### 7. Issue No. 2 :

My attention has not been drawn to any provisions of law whereby it can be even remotely inferred that the workman is estopped from challenging the service conditions. In fact the stand taken up by the workman is the product of the terms para 20.8 of the Bipartite Settlement dated the 16th October, 1966. There is no question of any estoppel against such a settlement. Even otherwise in the matter of collective bargaining principle number of estoppel is never applicable in the strict sense it would have under normal civil law. Accordingly this issue is decided in favour of the workman.

#### 8. Issue No. 3 :

In view of my discussions and findings above upto issued no. 1 and 2 I hold that the termination of services of the workman w.e.f. 28th November, 1974 is invalid and illegal and accordingly it is awarded that the workman would be deemed to have continued in services without any break during all this period. It has not been urged on behalf of the Management that the workman has been gainfully employed during this period and in view thereof it would follow that the workman would be entitled to his full wages for the period his services terminated and it is awarded accordingly. The workman would also be entitled to the costs of this litigation which are assessed at Rs. 500.

Dated : the 31st May, 1980.

Further awarded :

Requisite number of copies of this award may be sent to the appropriate Government for necessary action at their end.

MAHESH CHANDRA, Presiding Officer.

Dated : the 31st May, 1980.

[No. L-12012/28/75-D.II.(A)]

**S.O. 2215.**—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, New Delhi, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of State Bank of Patiala, Patiala and their workmen, which was received by the Central Government on the 24th July, 1980.

BEFORE SHRI MAHESH CHANDRA, PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVT. INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, NEW DELHI

I. D. No. 207 of 1977

In re :

Shri Mukesh Pal Soni  
C/o Mehta Jagdish Prasad Soni, Advocate,  
Nalagarh, Distt. Solan (HP). ....Petitioner

Versus

The General Manager,  
State Bank of Patiala, The Mall,  
Patiala.

.....Respondent.

AWARD

The Central Government as appropriate Government vide its order No. L-12012/35/77-D.II.A dated the 8th December, 1977 referred an Industrial Dispute u/s 10 of the I.D. Act 1947 to this Tribunal in the following terms :

'Whether the management of State Bank of Patiala, The Mall, Patiala is justified in terminating the services of the employees w.c.f. 16-4-75 without following the provisions of Section 25F of Industrial Disputes Act? If not, to what relief is the workmen entitled?'

2. On receipt of the reference usual notices were sent to the parties and a statement of claim was filed on behalf of the workman. Thereafter a written statement was filed by the Management. Finally a replication also was filed. Upon the pleadings of the parties the following issues were framed :

1. Whether the workman is estopped from pressing this matter in view of the allegations in the written statement?
2. As in order of reference?
3. To what relief if any is the workman entitled in this reference?

3. After the issues were framed the case was adjourned for evidence of the workman to 21-11-78 but the workman did not appear on that date and case was adjourned to 17-1-79 on which date the workman appeared and requested for adjournment and the case was again adjourned for evidence of the workman to 13-3-79. On 13-3-79 again his counsel was not present and adjournment was requested by the workman and the case was adjourned to 30-4-79. On that date again the counsel for the workman did not appear and adjournment was requested by the workman and as a concession one last opportunity was granted and the case was adjourned to 19th June, 1979 on which date none appeared for the Bank and ex-parte proceedings were ordered against the Bank but later on ex-parte proceedings against the Bank were set aside on payment of Rs. 30 as costs and case was again adjourned for the evidence of the Bank to 26-11-79 on which date it was reported that talks for compromise have started between the parties but no compromise was effected and as such the case was adjourned to 16th April, 1980 for evidence of the workman. On 16th April, 1980 none appeared for the workman and since then none has appeared for the workman side even though four adjournments have been given. In consequence ex-parte evidence of the Management has recorded which consists of the statement of Shri Rakesh Modi, M.W.1, Shri Tirath Singh, M.W. 2 and Shri K. K. Mehta, M.W. 3. After ex-parte evidence of the Management was recorded the representative of the Bank came forward with the following statement :

'Statement of Shri N. K. Kaushal, on S.A.'

'I have led my evidence which shows that workman has been gainfully engaged during the period his services remained terminated by bank and that he did not avail fresh opportunity to take the test. In view thereof I have no objection if he is ordered to be reinstated in earlier capacity without back wages and without continuity.'

4. From the perusal of the statement of Shri Kaushal it is evident that he has no objection if the workman is ordered to be reinstated in earlier capacity. What he seeks is that the

workman should not be paid back wages and in continuity. I have perused the ex-parte evidence of the Management. From the perusal of his statement of claim it is established that he was initially employed with the Bank w.c.f. 10-8-73 and he continued to be so employed with some breaks until 16-4-75 when his services were terminated. He has challenged the termination in view of the provisions of Section 25-F in as much as he has put in more than 240 days of service in a year. The fact that he had no continued in service and put in more than 240 days is not denied by the Management. It is also not denied that his services came to an end as alleged by the workman. It is also not alleged that any retrenchment compensation to which he was entitled u/s 25-F was ever paid him and in the absence of payment of said compensation it would follow that termination of his services cannot be held to be valid and he would be therefore deemed to be held in continuous service till date and his termination would be illegal. Accordingly in view of the principal of law laid down in Sunder Mani's case by the Hon'ble Supreme Court of India and later reiterated in Santosh Gupta's case by the said court I hold that the termination of his service was not justified and he would be deemed to have continued in the service of the Bank in the same capacity as he was working on 16-4-75 as a temporary employee of the Bank and it is accordingly awarded that the Management of State Bank of Patiala, the Mall, Patiala is not justified in terminating the services of its employee w.c.f. 16-4-75 without following the provisions of Section 25-F and he would be deemed to have continued in service as a temporary employee till date. Coming to the question as to whether he was entitled to any wages for period the Bank has led evidence in the form of affidavit the statement of M.W.1. Shri Rakesh Modi and M.W.2 Shri Tirath Singh that the workman was gainfully employed in Ranbaxy Laboratories, Cannanught Place, New Delhi at a salary of Rs. 450 per month plus Rs. 11 per day and thereafter he has been employed with M/s. R. S. Traders and Packers, Paschim Vihar, New Delhi at Rs. 700 per month till date. Statement of M.W. 2 shown that the workman had received a total sum of Rs. 25,762 after the date of his termination i.e. from 16-4-75 upto 31-12-79 and he was still gainfully employed. Keeping in view all these facts I do not think that the workman would be entitled to any wages for the period 16-4-75 onward till he rejoins duty. In so far as his ex-parte the workman would not be entitled to any costs in this matter.

Further Orders :

That requisite number of copies of this award may be sent to the appropriate Government for necessary action at their end.

MAHESH CHANDRA, Presiding Officer.

Dated : the 26th June, 1980.

[No. L-12012/35/77-D.II.(A)]

S.O. 2216.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, New Delhi, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of State Bank of India, Delhi and their workmen, which was received by the Central Government on the 24th July, 1980.

BEFORE SHRI MAHESH CHANDRA, PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVT. INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, NEW DELHI

I.D. No. 2 of 1978

In re :

The President, Delhi Circle State Bank Staff Association,  
Ranbir Hall, Civil Lines, Jullundur.

...Petitioner

Versus

The Regional Manager, Region VII, State Bank  
Staff Association, Ranbir Hall, Civil Lines,  
Jullundur.

...Respondent.

AWARD

The Central Govt. as appropriate Govt. vide its order No. L-12012/36/77-D. II. A dated the 28th December,

1977 referred an Industrial Disputes u/s. 10 of the I.D. Act, 1947 to this Tribunal in the following terms :

'Whether denial of officiating chances to Shri Vijaya Singh by the management of State Bank of India from 27-7-75 onwards was fair and legal and if not to what relief the workman is entitled?'

2. On receipt of the reference usual notices were sent to the parties whereupon a statement of claim was filed on behalf of the workman. Thereafter a written statement also was filed and finally a replication was filed and upon the pleadings of the parties following one issue was framed:

ISSUE :

'As in the order of reference'.

3. After the issue was framed the case was adjourned for the evidence of the workman to 11-4-80 and on 11-4-80 none had appeared for the workman and in view thereof the case was again adjourned to 7th of June, 1980 for evidence of the workman. On 7th June, 1980 Shri J. G. Verma, the representative of the workman withdrew from this case under his statement and as such there was none who had appeared for the workman on that date. The case was adjourned to 21st June, 1980 and a notice was issued to the workman for that date. But the workman did not appear inspite of notice on 21-6-1980 and as such ex-parte proceedings were ordered against the workman and ex-parte evidence was recorded on 23-6-80. I have gone through the pleadings of the parties and also the ex-parte evidence of the Management and have given my considered thought to the matter before me and I have come to the conclusion that the workman is not entitled to any relief what-so-ever in this reference. The Ex-parte evidence of the Management consists of statement of Shri A. C. Jaidka, Law Officer of the Bank who has state as follows :

Shri Vijay Singh workman joined SBI on 12-7-71. He was served with a charge sheet on 3-5-74 with regard to some irregularities and his misbehaviour. While he was posted at Bhatoli sub office. Shri H. K. Babbar was appointed as Enquiry Officer. Shri H. K. Babbar officer Grade I was deputed as Enquiry Officer to enquire into the charges levelled against Shri Vijay Singh in the charge sheet. Shri H. K. Babbar gave his findings after giving full opportunity to Shri Vijay Singh on 12-8-75. Then on 20-5-76 personnel hearing was granted to workman by the Regional Manager Region-II. As a result of this one increment was stopped of Shri Vijay Singh which would have the effect of postponing future increments. Shri Vijay Singh had negotiated demand draft of Rs. 1,000 of Shri M. K. Sharma his colleague which was recovered from Shri Vijay Singh. But workman was refunded this amount as was mutually agreed upon by Shri J. G. Verma the representative of the workman and the Bank. Mr. Verma agreed before your honour with the management not restoring the increment of Shri Vijay Singh which was stopped by the Bank. Shri Vijay Singh was debarred from officiating due to his own misbehaviour and misconduct towards his seniors and colleagues Shri J. G. Verma agreed with the Bank before your honour for not restoring the increment that means he agrees that it was rightly debarred from officiating also by the bank. Officiating is a temporarily promotion and all the ethical rules of promotion are equally applicable to officiating eligibility. It's the matter of discretion of the management to select persons for officiating which is a temporary promotion, whether a particular employee should be promoted or allowed to officiate depends not only on the length of service but also on the efficiency and other qualification for the post. If an employee is not found suitable to officiate he may not be given the power to officiate. It can also be withdrawn if the management does not consider him suitable for officiating. According to para 85 of the Sastry Award all the formalities for punishing the workman were duly complied with. Ex. M.W. 1/1 is the departmental enquiry of clerk Deera Branch, Ex. M.W. 1/2 is the personal hearing of Sh. Vijai Singh Clerk Dehra Branch, Ex. M.W. 1/3 is letter of Manager, Region II addressed to workman.

4. From the perusal of his statement as supported by Ex. M.W.1/1 Ex. M.W. 1/2 and Ex. M.W. 1/3 I find that the denial of officiating chances to Shri Vijay Singh by the Management of State Bank of India from 27-7-75 onwards was fair and legal and he is not entitled to any relief what-so-ever. It is established from the ex-parte evidence that the workman was found to be guilty of irregularities and mis-behaviour and if on account thereof he is refused officiating promotion there is no reason to hold that the order of the Management to that effect was not justified. Accordingly on the basis of the above mentioned ex-parte evidence it is awarded that the denial of officiating chances to Shri Vijay Singh by the Management of State Bank of India from 27-7-75 onwards was fair and legal and that the workman is not entitled to any relief what-so-ever. Parties however are left to bear their own costs.

FURTHER ORDERED :

That requisite number of copies of this award may be sent to the appropriate Govt. for necessary action at their end.

MAESH CHANDRA, Presiding Officer

Dated : 26th June, 1980

[No. L-12012/36/77-D.II. (A)]

S.O. 2217.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, New Delhi, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Union Bank of India, Lucknow, and their workmen, which was received by the Central Government on the 25th July, 1980.

BEFORE SHRI MAHESH CHANDRA, PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, NEW DELHI

I.D. No. 8 of 1980

In re :

The Secretary,  
U.P. Bank Employees' Union, Kailash Mandir,  
Kanpur. ...Petitioner

Versus

The Zonal Manager,  
Union Bank of India,  
Zonal Office, Lucknow. ...Respondent.

AWARD

The Central Government as appropriate Government vide its order No. L-12012/59/79-D.II.A dated the 14th February, 1980 referred an Industrial Dispute u/s 10 of the I.D. Act, 1947 to this tribunal in the following terms :

'Whether the action of the management of Union Bank of India in terminating the services of Shri Ram Autar, Peon of Kalavanpur Branch, Kanpur is justified? If not, to what relief is the workman concerned?'

2. On receipt of the reference it was ordered to be registered and usual notices were sent to the parties. A statement of claim was filed in pursuance thereof but before any written statement could be filed the parties arrived at a compromise and the compromise is Ex. S/1. I have perused the terms of the compromise and find that they are favourable to the workman in so far as he is being reinstated in permanent service of the Bank and therefore the compromise was ordered to be recorded. Following statement of Shri Ravindra Raj and Shri V. V. Mangalvadhaka, the representatives of the parties has been recorded. 'The parties have arrived at a settlement in this matter. An award in terms of the compromise settlement S/1 be made leaving the parties to bear costs'. In pursuance of the terms of the settlement it is awarded that the action of the Management of Union Bank of India in terminating the services of Shri Ram Autar, Peon of Kalavanpur, Branch, Kanpur is not justified and a compromise award is hereby given directing the Management to appoint Shri Ram Autar in permanent service of the Bank without any back wages or other benefits except that he would be entitled to the benefit of continuity of service for the purposes of seniority alone. Parties would however bear their own costs,



## FURTHER ORDERED

That requisite number of copies of this award may be sent to the appropriate Government for necessary action at their end.

Dated the 7th July, 1980

MAHESH CHANDRA, Presiding Officer  
[No. L-12012/54/79 D II(A)]

**S.O. 2218**—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal Madras in the industrial dispute between the employers in relation to the management of State Bank of Travancore, Trivandrum and their workmen, which was received by the Central Government on the 24th July, 1980.

BEFORE THIRU T SUDARSHAN DANIEL, B.A.B.L.,  
PRESIDING OFFICER, INDUSTRIAL TRIBUNAL,  
MADRAS

(Constituted by the Government of India)

Monday, the 14th day of July, 1980

## Industrial Dispute No. 5 of 1980

(In the matter of the dispute for adjudication under section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947 between the workman and the Management of State Bank of Travancore, Trivandrum)

## BETWEEN

THIRU K. Radhakrishnan,  
T C 15/637, Jagathy, Trivandrum-14

## AND

The Managing Director,  
State Bank of Travancore,  
H.O. Trivandrum

## REFERENCE :

Order No. L-12012/138/78-D.II(A), dated 21st January, 1980 of the Ministry of Labour, Government of India

This dispute coming on for final hearing on Thursday, the 5th day of June, 1980 upon perusing the reference, claim and counter statements and all other material papers on record and upon hearing the arguments of Thiruvallargal N. Krishnakutty and N. Hiran Babu, Advocates appearing for the workman and of Thiru S. Justus Sam for Thiruvallargal Devadason and Sagar, Advocates for the Management and this dispute having stood over till this day for consideration, this Tribunal made the following.

## AWARD

This is an Industrial Dispute between the workmen and the Management of State Bank of Travancore, Trivandrum referred to this Tribunal for adjudication under section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947 by the Government of India in Order No. L-12012/138/78-D.II(A), dated 21st January, 1980 of the Ministry of Labour, in respect of the following issue :

Whether the action of the management of State Bank of Travancore, Trivandrum in dismissing Shri K. Radhakrishnan, Peon from service with effect from 20th August, 1977, is justified? If not, to what relief is the workman concerned entitled?

(2) Facts leading upto the dispute are as follows: Sri K. Radhakrishnan is the Petitioner. Respondent is the Managing Director, State Bank of Travancore, Head Office, Trivandrum, Kerala State. Petitioner was employed as a Peon under the Respondent State Bank of Travancore while he was working as a peon in the Manjeri Branch of the Bank he was served

with show cause memo Ex. M-1 dated 10th December, 1976. Ex. M-9 dated 20th December, 1976 is the explanation offered by the Petitioner. Petitioner was placed under suspension as per order dated 24th December, 1976—vide Ex. M-10. Ex. M-13 is the charge sheet issued to the Petitioner on 7th February, 1977. Ex. M-14 is the explanation offered by the Petitioner on 19th February, 1977. Apparently, the Respondent-Management was not satisfied with the explanation offered by the Petitioner and therefore decided to hold an enquiry into the charges levelled against the Petitioner. Ex. M-15 is the enquiry notice issued to the Petitioner on 4th March, 1977. Shri K. V. George, A Grade Officer of the Manjeri Branch was appointed as the Enquiry Officer Under Ex. M-20, the Enquiry Officer fixed the enquiry for 25th April, 1977 at Manjeri Branch premises. Ex. M-39 are the enquiry proceedings in original recorded in Malayalam. Ex. M-21 series are the English translation of the enquiry proceedings Ex. M-39. Ex. M-22 dated 21st June, 1977 are the findings of the Enquiry Officer. The Enquiry Officer held that all the charges had been substantiated against the Petitioner. Accepting the findings of the Enquiry Officer the disciplinary authority, viz., the Regional Manager, State Bank of Travancore, Trivandrum issued a show cause notice Ex. M-23 proposing the punishment of dismissal. Ex. M-25 is the explanation offered by the Petitioner on the question of proposed punishment of dismissal. Ex. M-26 dated 20-8-1977 is the original order passed by the disciplinary authority dismissing the Petitioner from the services of the Bank with immediate effect. Aggrieved by the order of the disciplinary authority, Petitioner under Ex. M-27 preferred Memorandum of appeal to the appellate authority, viz., Managing Director, State Bank of Travancore, Head Office, Trivandrum-695001. Petitioner was given a personal hearing on his appeal—vide Ex. M-28 dated 24-11-1977. Eventually the appellate authority dismissed the appeal confirming the penalty of dismissal—vide Ex. M-29 and M-30. Thereafter, the Petitioner demanded reinstatement with the Management and this was not acceded to and therefore Petitioner set the industrial law in motion and ultimately the present reference has been made to this Tribunal by the Government of India.

3 From the narration of facts set out in paragraph supra it can prima facie be held that the domestic enquiry held was fair and proper and that the principles of natural justice had not been violated. But the case of the Petitioner is that the domestic enquiry proceedings and the order following the findings of the domestic Enquiry Officer and the appellate authority are empty formality and therefore they will have to be brushed aside. Ex. M-39 is a book containing the entire enquiry proceedings in Malayalam in which it was conducted. Ex. M-21 is the English translation of the enquiry proceedings Ex. M-39. The main charge levelled against the Petitioner is that while he was serving as a peon in the Manjeri branch of the Bank, on 4-12-1976 he made an alteration in a telegram receipt from Rs. 3—50 into one of Rs. 4—50 and had thus misappropriated Re. 1. However, only six days later i.e., on 10-12-1976, the Manager of the branch of the Manjeri Bank issued the Memo Ex. M-1 to the effect that the Petitioner has misappropriated Re. 1 on 4-12-1976. Ex. M-9 is the explanation offered by the Petitioner on 20-12-1976, wherein he denied the charges. While so 4 days later on 24-12-1976 Petitioner was placed under suspension with immediate effect—vide Ex. M-10, in view of the seriousness of the charge mentioned in Ex. M-1. This order of suspension was served on the Petitioner only on 31-12-1976 as can be gathered from Ex. M-10. On receipt of this order of suspension on 31-12-1976, on 4-1-1977 the Petitioner has prayed for revocation of his suspension. On the even date he has also under Ex. W-1 requested that he may be allowed to report daily to Kozhizampara branch. On 22-1-1977 under Ex. W-2 the Petitioner pointed out that the stipulation on him to sign daily the attendance register is not in accordance with Kerala Payment of Subsistence Allowance Act, 1972 and therefore he may be allowed to sign the register only once in a month. Therefore it is obvious that the charge-sheeted and suspended workman was consistently insisting on his rights as enjoined under the Kerala Payment of Subsistence Allowance Act, 1972. In this background, the final charge sheet Ex. M-13 is given by the Management to the employee only on 7-2-1977. It is true that this charge-sheeted contains three charges including the one which prompted the Management to suspend the workman. The learned counsel for the workman contends that the inclusion of two other charges also under Ex. M-13 is a

clear indication that because the charge-sheeted workman was persisting in right under the Kerala Payment of Subsistence Allowance Act, 1972 (subsequently the Management had relented its earliest stand and agreed to pay the subsistence allowance on the only condition that the workman should submit a certificate every month to the effect that he is not employed elsewhere during the period of suspension, as provided in the Kerala Payment of Subsistence Allowance Act, 1972), the Management by way of abundant caution and to show an appearance of gravity of the situation had also included two other equally innocuous charges in the charge sheet Ex. M-13. It is true as can be gathered from Exs. M-6 and M-7 that even on 22-12-1976 the Management had issued the show cause notice to the workman and had been probing into the conduct of the workman to some extent. Of course, it is not illegal or improper or unjust on the part of the Management to have incorporated two more charges also under Ex. M-13. But regard being had to the relationship that existed between the charge-sheeted workman and the Respondent-Management ever since the suspension of workman an assertion of right, it is not improbable that the Management had thought fit to include two other charges also in order to make their position unassailable. In the circumstances, in incorporating three charges ultimately under Ex. M-13 there may be an element of truth in the submission of the learned counsel for the workman that in order to harass and annoy the charge-sheeted workman, two other charges had also been included in the charge-sheet Ex. M-13. There it is for what it is worth.

4. Before proceeding further, I may advert to the stand taken by the Management in paragraph (1) of the counter statement that it is not open to this Tribunal to substitute its judgement regarding the quantum of punishment and the only question for consideration before this Tribunal is whether the standing orders justifying the dismissal had been violated. End of paragraph (1) of the counter statement runs as follows :—

"Therefore, ex facie the action of the Management is fully justified."

It may be mentioned that nowhere else in the counter statement is there any whisper that the Management may be given a right to support their action in having dismissed the Petitioner nor was there any request at the time of arguments either. Advertising to the stand of the Management that this Tribunal cannot interfere with the quantum of punishment as Section 11A of the Industrial Disputes Act cannot be invoked suffice for me to refer to the decision of the Supreme Court reported in 1958—1—L.L.J.—page 260 (Indian Iron and Steel Company Limited and another vs. their workmen), a case which arose even prior to the introduction of Section 11A of the Industrial Disputes Act, in which the Supreme Court has held that the Tribunal can interfere with the findings of the domestic Enquiry Officer on the following grounds :—

- (i) when there is a want of good faith,
- (ii) whether there is victimisation or unfair labour practice.
- (iii) when the management has been guilty of a basic error or violation of a principle of natural justice and
- (iv) when on the materials the finding is completely baseless or perverse.

In the light of these cardinal principles, the materials appearing before the domestic Enquiry Officer have to be sifted. In the latest decision of the Supreme Court reported in: 1980-II-L.L.J.—page 78 (Shankar Chakravarti vs. Britannia Biscuit Co., and another) the Supreme Court has pointed out that if no opportunity is sought by the employer, nor is there any pleadings to that effect, no duty is cast on the Tribunal suo moto to call upon the employer to adduce additional evidence to substantiate the charges. Therefore on the materials placed before the domestic Enquiry Officer, the action of the Management has to be appreciated.

5. The domestic enquiry proceedings are attacked on several grounds. In the first place, it is stated that the copies of relevant materials and documents relied on by the Management had not been supplied to the charge-sheeted workman and therefore this has prejudicially affected the workman's conduct of defence. The stand of the Management with regard to this criticism is found at paragraph 4(b)

at page 3 of the counter statement filed by the Management. According to the Management, it was not possible to make copies of documents relied on by the Management nor it was necessary to do so and that it is open to the workman to peruse any document on the basis of which the charge sheet was framed. It may be true that the documents sought to be relied on by the Management were made by the delinquent himself, but that does not absolve the Management from making available at least a copy of the documents sought to be relied on by the Management. Ex. M-15 is the enquiry notice issued to the employee by the Management on 4-3-1977. Under Ex. M-15, the Management had decided to constitute the domestic enquiry and accordingly Sri K. V. George, A Grade Officer of the Bank at Manjeri Branch was nominated to conduct the enquiry. Ex. W-7 is the enquiry notice received by the Petitioner-workman. While Ex. W-7 calls upon the charge-sheeted workman to make available the evidence to be produced on his behalf, it does not mention the witnesses proposed to be examined by the Management or the documents relied on by the Management. Not even a list of witnesses had been furnished to the charge-sheeted workman. It is significant to note that all the details found in post script to the order in Ex. M-15 are not communicated to workman—vide Ex. W-7. Those details will show the witness etc., proposed to be examined by Management at enquiry. In the circumstances, it is not difficult to hold that the failure to mention the witnesses or furnish copy of the documents proposed to be relied on by the Management, certainly violates known principles of natural justice.

6. Another point that is sought to be made out was that the charge-sheet and other communications and the intimations intended for the workman was not in the language understood by the workman and therefore the procedure adopted is not in accordance with the rules laid down as per Bi-partite settlement. It is said that the workman is unable to understand the charge-sheet etc., made out in English and that he has studied only upto 7th standard. But the correspondence that had been placed between the Management and the workman all along will indicate that communication had been carried only in English. At no time had the workman complained to the Management that he did not know English or that he wanted the charge sheets, memos, etc., to be in Malayalam only. Suffice for me to refer only to Exs. M-9 and M-14, the explanations offered by the Petitioner himself in English. Therefore it is too late for him to contend now that he had been prejudiced in any manner because the charge-sheets, memos, etc., were in English and not in Malayalam.

7. Another point that was seriously contended by the learned counsel for the Petitioner is that the denial of assistance of a lawyer at a domestic enquiry is a violation of principles of natural justice. Ex. W-7 is the enquiry notice issued by the Management to the Petitioner on 4-3-1977. Clause (4) of Ex. W-7 runs as follows :—

"If you desire to bring any representative of a recognised Trade Union of employees of the Bank to assist you in the enquiry, you may do so after furnishing the name and address of such individual to the enquiry officer at least 3 clear days before the enquiry commences. Under no circumstances will you be permitted to have the assistance of a lawyer to appear on your behalf in the enquiry proceedings."

The disciplinary authority has permitted any representative of recognised trade union of employees of the Bank to assist the charge sheeted workman at the enquiry if he so desires. Admittedly, the Petitioner is not a member of any trade union. As per Bi-partite settlement, rule 19.12, an employee shall be permitted to be defended—

- (i) (x) by a representative of a registered trade union of bank employees of which he is a member on the date first notified for the commencement of the enquiry.
- (y) where the employee is not a member of any trade union of bank employees on the aforesaid date, by a representative of a registered trade union of employees of the bank in which he is employed;

or

- (ii) at the request of the said union by a representative of the state federation or all India Organisation to which such union is affiliated;

or

- (iii) with the Bank's permission, by a lawyer.

On 21-3-1977 under the original of Ex. M-16 the charge-sheeted workman had informed the Enquiry Officer that he is not a member of any trade union in the Bank and as such he will not get assistance from any one. He has also stated he is incapable of examining witness of his own and therefore demanded that he may be permitted to engage a lawyer at the enquiry. Ex. M-17 is the reply sent by the Enquiry Officer on 24-3-1977, wherein he draws the attention to clause (4) of Ex. W-7, wherein it is specifically mentioned that under no circumstances he will be permitted to have the assistance of lawyer to appear on his behalf in the above enquiry proceedings and therefore he regrets his inability to permit the charge-sheeted workman to engage a lawyer to participate in the enquiry and he also informs the Petitioner that he will shortly advise him as to the next date of enquiry. In response to this letter of the Enquiry Officer, the charge-sheeted workman had sent Ex. M-18 on 28-3-1977, wherein he draws the attention of the Enquiry Officer to paragraph 19.12(a)(iii) of Bipartite settlement which clearly provides that with the permission of the Bank, a lawyer could be engaged and therefore he again requested to allow him to engage a lawyer. He was not a member of any trade union and he is unable to defend himself and therefore sought permission to engage a lawyer. As soon as the Enquiry Officer received this letter Ex. M-18 from the Petitioner he had addressed the disciplinary authority, Trivandrum as to what he should do. The Regional Manager on 11-4-1977 under the original of Ex. W-5 regretted to permit the Petitioner to engage a lawyer at the enquiry proceedings. Therefore at the enquiry proceedings, the charge-sheeted workman could not get the assistance of any trade union leader because he is not member of any union and could not engage a lawyer as his request was turned down by the Management. In the first place, the learned counsel for the Petitioner points out that as between the presenting officer who represented the Management before the Enquiry Officer and the delinquent who had studied only upto 7th standard and is only a Peon (Last Grade servant) obviously there is no match between the two. In other words, it is a battle between two unequals. From Ex. M-15, page 2, it can be noted that Sri N. J. Joseph, Manager, State Bank of Travancore Manjeri has been directed to be present at the enquiry and prove all charges against the delinquent. Thus it is clear that the Management was represented by the Manager, State Bank of Travancore while the poor half-literate workman has to defend himself with no help. Learned counsel for the Petitioner points out that even at the time of issuing the enquiry notice Ex. W-7 and Ex. M-15 the Management had already made up their mind not to permit the assistance of an advocate to the charge-sheeted workman and therefore they have pre-judged the course of enquiry. As already pointed out paragraph 19—12 of the Bi-partite settlement lays down the right on the charge-sheeted workman to be defended by certain categories of persons. Admittedly, clause (i) will be inapplicable because the Petitioner is not a member of any registered trade union of the Bank employee. From Ex. W-7, it can be seen that even at that time, the Management was perfectly conscious that Petitioner was not a member of any Union and therefore did not refer to paragraph 19.12(a)(i)(x) and paragraph 19.12(a)(i)(y). They had also deleted paragraph 19.12(i)(ii) and the Bank exercise their prerogative and refused permission to be defended by a lawyer under paragraph 19.12(a)(iii). Although the Bi-partite settlement enables the Management to decline the assistance of a lawyer the decision of the Management even at that stage of issuing notice not to permit the worker to have the assistance of an advocate although he is not a member of any Union would to a considerable extent indicate the bias on the part of the Management in not permitting the worker the right to be represented by an advocate. It will be altogether a different story if when a request is made before the Enquiry Officer as was done in this case and the Enquiry Officer declines to permit the assistance of an advocate. Here also when the charge-sheeted workman made an application to the Enquiry

Officer, the Enquiry Officer has sought for the opinion of the disciplinary authority. That action again shows that the Enquiry Officer has not exercised his own discretion with regard to the claim of the delinquent-workman whether he should be permitted the assistance of an advocate or not. The proper procedure would have been for the Enquiry Officer to call on the officer who is presenting the case of the Management to find out if the Bank has any objection to the employment of an advocate by the charge-sheeted workman. Instead, the Enquiry Officer apparently a subordinate of the disciplinary authority, the Regional Manager, Trivandrum has taken instructions from the disciplinary authority. Thus it is a violation of the right of the matter being decided independently by the Enquiry Officer. It is important to note that even in Ex. W-5, the Regional Manager does not at all give any reason for refusing to give permission in spite of the fact that the Bank is aware that the Petitioner is not a member of any Union and that he has none to assist it. On behalf of the Management, reliance is sought to be placed on the decision reported in 1961-II-L.L.J.-page 417 (Brooke Bond India (Private) Ltd., vs. Subba Raman (S) and another) wherein the Supreme Court held that the refusal by the enquiring officer to the workman being represented at the domestic enquiry by a lawyer or by an outsider would not vitiate the enquiry. But I have just pointed out the refusal in the present case is not by the Enquiry Officer but only by the disciplinary authority and therefore this citation does not assist the Management for the stand taken by them. There is a similar provision to Rule 15(5) of the Central Civil Services (Classification, Control & Appeal) Rules, 1957 which runs as follows :—

"The Disciplinary Authority may nominate any person to present the case in support of the charges before the authority inquiring into the charges (Hereinafter referred to as the Inquiring Authority). The Government servant may present his case with the assistance of any other Government servant approved by the Disciplinary Authority, but may not engage a legal practitioner for the purpose unless the person nominated by the Disciplinary Authority as aforesaid is a legal practitioner or unless the Disciplinary Authority, having regard to the circumstances of the case, so permits."

Dealing with this rule, the High Court of Calcutta in 1974—II-L.L.J.-Page 44 (Director-General of Post and Telegraphs and others vs. N. G. Majumdar alias Narigopal Majumdar and another) has held that from a fair reading of Rule 15(5) it seems clearly obligatory upon the disciplinary authority to allow the assistance of a legal practitioner to a Government servant if the person nominated by the disciplinary authority for presentation of its case is also a legal practitioner; even, if it is not so, then also it is equally obligatory upon the disciplinary authority to consider all other relevant circumstances of the case and then either to accord or refuse such permission and it would therefore be a clear breach of duty on the part of the disciplinary authority in presenting its own case. I have already pointed out how under Ex. W-5 the disciplinary authority does not at all attempt to give any reason for his refusal although the hard fact remains that the person nominated by the disciplinary authority to present the case before the Enquiry Officer is a Manager of the Bank whereas the charge-sheeted workman is a last grade employee, viz., Peon with none to assist because he is not a member of any Union. Under such circumstances, the Calcutta High Court held that the refusal to allow the Petitioner to engage a legal practitioner must be deemed to have denied reasonable opportunity to defend himself. To a similar effect is also the decision of the Kerala High Court reported in 1974-II-L.L.J.-Page 292 (H. Appu vs. Senior Supdt. of Post Offices, Trivandrum and two others). They have also pointed out that the disciplinary authority has a duty to consider whether the request to engage a legal practitioner is justified or not. In that case, the request was refused on the ground that the prosecution is not in the hands of a legal practitioner. But in the present case, as I had already pointed out no reason was assigned for the refusal—vide Ex. W-5. In that case, the charge-sheeted workman was a postman himself. Here also it is a peon and he cannot defend himself. The High Court also points out relying on an earlier decision of the Supreme Court that it is the duty of authority to consider whether and how the case of the department would be prejudiced by the petitioner having the assistance of a legal practitioner. The High Court held that the refusal to permit an advocate is violation of principles

of natural justice. In 1972-I.L.J.-Page 465 (C.L. Subramaniam vs. Collector of Customs, Cochin) the Supreme Court held that the refusal of permission to engage a counsel to defend the Petitioner at the enquiry was held to be a denial of reasonable opportunity. In another latest decision reported in 1979-I.L.J.-Page 10 (Messrs. Kavitha Movie House vs. P. M. Mary and another) the Kerala High Court has held that the Enquiry Officer who conducted the domestic enquiry treated it as merely an empty formality and in spite of the fact that the fight was between two unequals and her request for permission to present her case with the assistance of a lawyer was rejected and that was also in spite of the fact that she specifically stated that she was not a member of any union. The High Court has also referred to the earlier decisions on this aspect and has held that it was not a proper domestic enquiry. In the light of these facts, the procedure adopted by the Enquiry Officer in refusing the aid of a counsel must be held to be opposed to principles of natural justice.

8. Another point urged by the Petitioner is that the procedure followed by the Enquiry Officer is not in accordance with the principles of natural justice. According to him even before the witnesses for the Management were examined, the Enquiry Officer started cross-examining the charge-sheeted workman. Ex. M-21 is the English translation of the enquiry proceedings held. The proceedings were held in Malayalam and the original proceedings had been marked as Ex. M-39. Three charges are levelled against the workman as will be evident from Ex. M-13. No doubt it is just and proper that at the outset of the proceedings for the Enquiry Officer to find out whether the charge-sheeted workman pleads guilty to any of the charges framed against him. With regard to the three charges the question posed by the Enquiry Officer was whether the workman agreed to the charges. To which the workman replied that the two charges are not correct and mentioned the alteration of the telegram receipt and that he has never been absent from duty without leave. It must be remembered that the Enquiry Officer did not call on the delinquent whether he admits the charges or not. Therefore even at the commencement an apparent confusion has set in. All that the workman stated was that two charges out of three charges are not correct. It does not necessarily follow that the third charge is true. The Enquiry Officer again asked as follows: "That means, the third charge is correct." To which the Petitioner has replied "I have cashed my cheques that is correct". After this also, it has to be remembered that the Enquiry Officer again asked as follows:—

"When you say, three charges are not correct, then to disapprove if you have not sent me the list of your witnesses."

Therefore it is clear that even according to the Enquiry Officer the worker does not admit the three charges levelled against him and therefore the Enquiry Officer finds fault with workman for having not sent him a list of witnesses to be examined on his side. Promptly, the Petitioner replied that he has no witness. This should be appreciated in the background that neither in the show cause memo Ex. M-1 nor in the charge-sheet Ex. M-13 is there any whisper about the witnesses proposed, to be examined by the Management or documents to be relied on by the Management. Even at the commencement of the enquiry on 25-4-1977, the Enquiry Officer did not appraise the workman or the witnesses proposed to be examined by the Management or the documents to be relied on by the Management. On the other hand, he takes the charge-sheeted workman to task for not having submitted a list of witnesses to be examined on his side. Therefore it is manifestly a case where the Enquiry Officer is more loyal than the King. Adverting to this conduct of the Enquiry Officer, the Management at page 5 of their counter statement would maintain that the delinquent-workman was not subjected to any cross-examination as such by the Enquiry Officer. And according to the Management, it is open to the Enquiry Officer to clarify the evidence let in and that the Enquiry Officer has right to clarify the evidence let in. When as such no evidence has been adduced on behalf of the Management the question of the right of Enquiry Officer clarifying such evidence does not at all arise. On the other hand, as soon as the workman stated that he has no witnesses, the charge sheeting authority represented by Sri N. J. Joseph, Manager, State Bank of Travancore, Manjeri straightaway started cross-examining the workman and all the subsequent questions will only indicate that the

workman was cross-examined by the Management. The procedure adopted by the Enquiry Officer is unknown to any civilised system. Not rest content with this gross impropriety and when even to the cross-examiner, the Petitioner did not admit his guilt, he proceeded to examine the witness on behalf of the Management. Significantly, when the first witness on behalf of the Management Sri E. J. Joseph was examined, the workman was not asked to cross-examine him. Stopping the examination of the first witness, at one stage, 2nd witness Sri K. P. Krishnan Kutty was examined. No doubt 2nd witness was allowed to cross-examine by the workman and then 3rd witness Sri C. Balakrishnan was examined. While 3rd witness was in the box there is a open conference between the Enquiry Officer and the charge sheeting authority relating to the 2nd charge, during which the workman was also cross-examined by the charge sheeting authority. When the workman said that he has given the necessary leave application, the charge sheeting authority assumes the roll of a witness and says there is no leave application in this office and questioned "Is there any proof to show you have given them." To which the workman again says there is proof and he will produce it later. Again this workman was cross-examined by the charge-sheeting authority "Why have you not brought proof when these charges were mentioned in the Charge Sheet?" To which the workman has replied that he was not able to trace them at once. In the same fashion the charge sheeting authority questioned this half-literate, half informed charge-sheeted workman. The charge sheeting authority further assumes the roll of a witness and represents that the workman's personal leave file will itself show that his leave record was not good and therefore his statement that he has not taken leave without applying for them is not acceptable. It is rather strange even the charge sheeting authority in the immediate presence of the Enquiry Officer not only gives evidence and cross-examines the workman and also passed judgement. Therefore, on a perusal of the enquiry proceedings, it can be seen that almost a shamasha (formality) of enquiry was held in league with the Enquiry Officer, charge sheeting authority and some witnesses and the Petitioner being closely interrogated at every stage whenever either the Enquiry Officer or the charge sheeting authority or witnesses or the witness wanted explanation from the charge-sheeted workman. Thus even a casual perusal of the enquiry proceedings would easily demonstrate that the enquiry was held flouting all known principles of procedure in the matter of enquiries. No reasonable person would dare to characterise this procedure as an enquiry at all. In the face of these facts, I have absolutely no hesitation to find the enquiry was absolutely partial and biased.

9. Paragraph 19.14 of the Bi-partite settlement mentions how officers are authorised as competent officers to conduct the disciplinary enquiry and also appellate authorities. It enables the Chief Executive Officer to decide the disciplinary authority and also the appellate authority and the names of such officers or the body who are empowered to pass the original orders or hear and dispose of the appeal shall, from time to time, be published on the bank's notice board. The grievance of the workman is the names of competent officers were not published in the Bank's notice board and that the workman had not been informed or had the knowledge, as to who are the Officers competent to take disciplinary action against him and to punish him. At the top of page 5 of the counter statement, the Respondent-Management has stated the name of the competent authority would be the charge sheeting authority, disciplinary authority, who would be the Appellate authority had been published in the Notice Board of the Bank as per the Bi-partite settlement. The Petitioner has also filed a rejoinder statement on 15th March, 1980, wherein he has refuted the claim of the Management that such notices were exhibited on the board. Even after such denial the Management has not taken any steps to place oral or documentary evidence to show that in fact such a publication has been made. In the absence of any such acceptable materials it must be held that the provisions of paragraph 19.14 of the Bi-partite settlement had not been followed by the Respondent-Management.

(10) Finally, learned counsel for the Petitioner points out that the so-called findings of the Enquiry Officer are blatantly perverse and are not based on any materials whatsoever. I have earlier referred to the improper procedure adopted at the time of enquiry and how no evidence worth the name had been recorded by the Enquiry Officer Ex. M 22 are the findings of the Enquiry Officer, dated 21-6-1977. At page 2

of Ex. M-22, the Enquiry Officer clearly points out that he had impressed on the Petitioner that as long as he has not admitted the charges against him it is the duty of the Petitioner-worker to prove that the charges are baseless. Thus it can be seen that the Enquiry Officer has put the cart before the horse and has reversed the *jura* prudence to which we are now committed. Therefore there is basically error even on the face of the enquiry proceedings that the approach of the Enquiry Officer gathered the materials which are unnatural justice. Comparing Ex. M-21, the English translation of the enquiry proceedings, I am unable to find from where the Enquiry Officer gathered the materials which are incorporated in his findings Ex. M-22. Therefore it is obvious that the Enquiry Officer has pressed into service materials which were not actually before him to come to the conclusion that he has arrived at. A perusal of the enquiry findings would disclose the casual manner in which the Enquiry Officer has dealt with the charges and the materials. Therefore there is room enough to accept the contention of the learned counsel for the Petitioner that the Enquiry Officer thought that he was going through mere formality assuming that the workman is guilty of charges levelled against him. I have already pointed out how the Enquiry Officer have grievously erred in holding that the Petitioner is guilty until and unless the contrary is proved.

(11) I shall now advert to salient features of the actual materials placed before the Enquiry Officer. The first and the main charge is that Petitioner has temporarily misappropriated a sum of Re. 1. With regard to 1st charge, the Enquiry Officer has placed strong reliance on the so-called admission made by the Petitioner before the Branch Manager. The Branch Manager himself has not been examined as witness. It may also be noted the Branch Manager was the charge-sheeting authority who was conducting the prosecution on behalf of the Management. There is absolutely no clear admission made by the Petitioner that he has committed either the defalcation of Re. 1 or the alteration in the postal receipt. According to the incident, the telegram receipt is dated 4-12-1976. If in fact the version of the Petitioner is false and that the Management is true certainly even on the evening of 4-12-1976, the concerned clerk must have known the so-called misappropriation of Re. 1. The concerned clerk does not at all give any complaint either in writing or orally to the Manager. On the other hand only six days later on 10-12-1976, a report is made to the Head Office—vide Ex. M-2. Therefore, merely because the poor workman had agreed to alter the figure in the receipt to the dictate of the superiors it does not necessarily follow that he alone must have committed the fraud. In 1977—II—L.L.J.—Page 263 (Andhra Handloom Weavers' Co-op. Society, Vijayawada Vs. Labour Court and others), the High Court has pointed out that in the absence of any clear admission of guilt on the part of the workman with regard to charge of misappropriation a domestic enquiry must be held. That apart, the case of admission has to be taken as a whole and cannot be torn to pieces. The Petitioner has given his explanation under Exs. M-9 and M-14 and therefore his explanations have to be taken as a whole in order to appreciate the charge levelled against him. It should also be remembered that he is not a member of the Union of bankmen. Therefore it is not unlikely that he has been pitched upon to serve as a scape goat. Moreover, a Peon who has to be in 14 years of service is not likely to have altered a figure to gain Re. 1. Hence the inference is irresistible that for some ulterior purpose, a situation arose and that is pressed into service against this poor undefended workman with no union strength. With regard to charge No. 2, under Ex. M-14 the Petitioner has clearly stated that he had applied for leave with medical certificate and that he had also sent a telegram by his letter dated 14-12-1976. There is not an iota of evidence on the side of the Management to show that no leave application was received and no medical certificate had been received and no telegram had been received. Admittedly, the Management had not played all the cards before the Enquiry Officer. With regard to charge No. 3, it relates to discounting of cheques. Here also the workman has clearly stated his case that his brother-in-law had been directed to remit Rs. 800 by 14-12-1976 and therefore Petitioner was emboldened to discount cheque at different place of the Respondent-Bank within the amount promised by his brother-in-law. It must be remembered that Petitioner being an employee of the Bank he had got this facility of discounting cheques at any branch of the bank irrespective of the fact whether he maintained the

account or not in that particular Bank. Petitioner has in fact availed of this facility and has discounted cheque. Merely because the cheques were not honoured on the ground refer to the drawer, it does not necessarily mean that the action of the Petitioner was lacking in bona fide. As a matter of fact the pay for December, 1976 including allowances remained unpaid with the Management. There is no question of Petitioner misusing the facility offered to him. According to the Management the act of the Petitioner would come under Paragraph 19.5 of the Bipartite settlement. But a careful perusal of this clause would not admit the use of such facility by the employee of the Bank as a misconduct. Therefore there is no basis to hold that Petitioner has committed any misconduct much less gross misconduct, much less wilful damage to the Bank. The bona fides of the Petitioner discounting the cheque can also be gathered from the document placed by the Management Ex. M-6 wherein the Manager of the Bank reports that because of heart disease to the mother-in-law of the Petitioner, urgent money had to be raised and therefore there is material to show that Petitioner has discounted this cheque only for bona fide reasons, thereby negating the claim of an intentional discounting of cheques. It is true that the Tribunal is neither revisional nor the appellate authority on the findings of the disciplinary authority as confirmed by the appellate authority. I have pointed out certain important features from the materials to show that the findings of the Enquiry Officer are perverse and based on no legal evidence. In view of my findings earlier that the entire domestic enquiry proceedings are violated by principles of natural justice for the several reasons mentioned above, the findings cannot be upheld and therefore it follows that the charges levelled against the Petitioner had not been properly substantiated before domestic Enquiry Officer. Assuming that the domestic enquiry held was fair and proper and the findings were not perverse and based on evidence even then in the light of the Supreme Court decision referred by me earlier the conclusions arrived at can be disturbed by this Tribunal. The poor workman studied only upto 7th standard and he had no assistance, much less legal assistance and had bona fide acted under certain circumstances, the punishment of dismissal of a last grade servant who has put 14 years of service without any blemish (the Management has not produced any scrap of paper to show that his last record was anything but satisfactory) is manifestly disproportionate to the innocuous acts attributed to him. He is only aged 34 years. Much bigger fishes are let off for nothing. Thus the imposition of the extreme penalty of dismissal itself ex-facie amounts to act of victimisation on the part of the Management. In that view also the order of dismissal cannot be sustained.

(12) In the result, an Award is passed holding that the action of the Management is unjustified and that the Petitioner is to be reinstated with half back wages and continuity of service. Petitioner is residing at Trivandrum and has to trek all the way from Trivandrum to Madras for four or five hearings and eventually he had also engaged a counsel to plead his cause before this Tribunal. In the circumstances it is only just and fair to direct the Respondent-Management to pay Petitioner a sum of Rs. 500 towards cost.

Dated, this 14th day of July, 1980

T. SUNDARSANAM DANIEL, Presiding Officer

[No. L-12012/138/78-D.II. (A)]

S. K. BISWAS, Desk Officer

#### WITNESSES EXAMINED

For both sides : None.

#### DOCUMENTS MARKED

For workman

- Ex. W-1/4-1-77—Letter from the employee to the Bank requesting permission to draw pay and allowances. (copy)
- Ex. W-2/22-1-77—Letter from the employee to the Bank requesting permission to sign attendance register once in a month. (copy)
- Ex. W-3/2-2-77—Letter from the Bank to the employee regarding the request to permit him to report and sign the attendance register at Kozhinjapara Branch (copy)

- Ex. W-4/13-4-77—Letter from the employee to the Bank for payment of subsistence allowance. (copy)
- Ex. W-5/11-4-77—Letter from the Bank to the employee refusing permission to engage lawyer (copy)
- Ex. W-6/16-2-77—Letter from the Bank to the employee intimating their decision not insisting to report to the Manjeri Branch daily.
- Ex. W-7/4-3-77—Enquiry notice issued to the employee.
- For Management
- Ex. M-1/10-12-76—Show cause a memo issued to the employee.
- Ex. M-2/10-12-76—Letter from the Branch Manager to the Head Office about the employee.
- Ex. M-3/16-12-76—Letter from the Branch Manager to the Head Office about the employee.
- Ex. M-4/18-12-76—Letter from the Branch Manager, Medical College, Trivandrum to the Head Office regarding the cheque of the employee.
- Ex. M-5/22-12-76—Telegram from the Colachel Branch to the Head Office regarding the cheque discounted by the employee.
- Ex. M-6/22-12-76—Letter from the Colachel Branch to the Head Office regarding the discounting of cheque by the employee.
- Ex. M-7/22-12-76—Show cause notice issued to the employee about his unauthorised absence from duty.
- Ex. M-8/23-12-76—Letter from the Udyogamandal Branch to the Head Office regarding the discounting of cheque by the employee.
- Ex. M-9/20-12-76—Explanation of the employee to Ex M-1.
- Ex. M-10/24-12-76—Suspension order issued to the employee.
- Ex. M-11/31-12-76—Letter from the Manjeri Branch to the Head Office intimating the service of suspension order on the employee.
- Ex. M-12/4-1-77—Letter from the employee to the Head Office for cancelling the suspension order.
- Ex. M-13/7-2-77—Charge sheet issued to the employee.
- Ex. M-14/19-2-77—Explanation of the employee to Ex. M-13
- Ex. M-15/4-3-77—Enquiry notice issued to the employee.
- Ex. M-16/21-3-77—Letter from the employee to the Enquiry Officer for permission to engage a lawyer. (copy)
- Ex. M-17/24-3-77—Reply letter from the Enquiry Officer to Ex. M-6.
- Ex. M-18/28-3-77—Letter from the employee to the Head Office for permission to engage a lawyer.
- Ex. M-19/30-3-77—Letter from the Enquiry Officer to the Head Office requesting to advise decision regarding the lawyer's engagement for the employee.
- Ex. M-20/16-4-77—Letter from the Enquiry Officer to the employee intimating the date of enquiry.
- Ex. M-21—English translations of the Enquiry Proceedings.
- Ex. M-22/21-6-77—Findings of the Enquiry Officer.
- Ex. M-23—Show cause notice proposing the punishment of dismissal.
- Ex. M-24/28-6-77—Letter from the Regional Manager of the Bank to the Manjeri Branch sending show cause notice for service on the employee.
- Ex. M-25/20-7-77—Reply of the employee to the show cause notice proposing the punishment of dismissal.
- Ex. M-26/20-8-77—Dismissal order issued to the employee.
- Ex. M-27/3-9-77—Memorandum of appeal of the employee.
- Ex. M-28/24-11-77—Memo of personal hearing of the employee.
- Ex. M-29/22-12-77—Order of the Appellate Authority agreeing the punishment of dismissal.
- Ex. M-30/22-12-77—Order of the Appellate Authority confirming the dismissal order issued to the employee.
- Ex. M-31/20-2-78—Letter from the employee to the Head Office for re-instatement in service.
- Ex. M-32/14-3-78—Letter from the employee to the Assistant Labour Commissioner (Central) raising dispute.
- Ex. M-33/8-5-78—Conciliation letter to the parties from the Assistant Labour Commissioner (Central), Ernakulam.
- Ex. M-34/8-12-78—Conciliation failure report.
- Ex. M-35/4-12-76—Postal receipt No. 1651.
- Ex. M-36/4-12-76—Postal receipt No. 1652.
- Ex. M-37/28-12-76—Letter from the Post Master, Manjeri, to the Manjeri Branch.
- Ex. M-38/25-4-77—Receipt signed by the employee for Rs. 9.25.
- Ex. M-39/25-4-77—Enquiry Proceedings in Malayalam. (Register)
- Note : Parties are directed to take return of their documents within six months from the date of publication of the Award.
- (sd) T. SUNDARSANAM DANIEL,  
Presiding Officer
- New Delhi, the 29th July, 1980
- S.O. 2219.**—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal No. 1, Dhanbad, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of South Jharia Colliery of Messrs Bharat Coking Coal Limited, Post Office Jharia, District Dhanbad and their workmen, which was received by the Central Government on the 24th July, 1980.
- BEFORE MR. JUSTICE B. K. RAY, PRESIDING OFFICER  
CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL  
DHANBAD**
- In the matter of a reference under Section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947
- Reference No. 48 of 1978**
- (Ministry's Order No L-20012/123/78-D, III(A), dated 30th November, 1978)
- PARTIES :**
- Employers in relation to the management of South Jharia Colliery of Messrs Bharat Coking Coal Limited, Post Office Jharia, District Dhanbad,
- AND**
- Their workman.



## APPEARANCES :

For the Management—Shri T. P. Choudhury, Advocate.  
For the Workman—Shri Shankar Bose, Secretary, Rashtriya Colliery Mazdoor Sangh.

STATE : Bihar

INDUSTRY : Coal.

Dated Dhanbad, the 17th July, 1980.

## AWARD

By notification No. L-20012/123/78-D. III(A), dated the 30th November, 1978 the Central Government being of opinion that an Industrial Dispute exists between the employers in relation to the management of South Jharia Colliery of Messrs Bharat Coking Coal Limited, Post Office Jharia, District Dhanbad and their workmen have referred the dispute mentioned in the schedule to the notification to this Tribunal for adjudication. The schedule to the notification reads thus :

"Whether the action of the management of South Jharia Colliery of Messrs Bharat Coking Coal Limited, Post Office Jharia, District Dhanbad in imposing a punishment of 10 days suspension on Shri Mangru Gope, Onsetter is justified? If not to what relief is the said workman entitled."

2. On receipt of the reference parties have been noticed and they have filed their respective written statements. The case of the management as revealed from their written statement is as follows: One Tribeni Gope a trammer in South Jharia Colliery was transferred as such to a neighbouring place under Bharat Coking Coal Limited on 10th August, 1977 by order issued for the headquarters of B.C.C.L. The local authorities including Asstt. Manager had nothing to do with the order of transfer. On receipt of the order from headquarters the local authorities at South Jharia Colliery by order of the same date directed that Tribeni Gope be relieved immediately. The orders of transfer and of release were tried to be served on Tribeni Gope through Peon Book of the local office. But Tribeni Gope refused to accept them even though he was aware of the contents of the orders. This was evident from the entry in the Peon Book. The order of transfer and the order to relieve him irritated Tribeni Gope who was under the impression that the local authorities at South Jharia were responsible for these orders. According to the management the order of transfer was the result of an agreement between the authorities at the headquarters of B.C.C.L. and the union and that the local authorities had no say in the matter. On 10th August, 1977 at about 4 p.m. Tribeni Gope and another worker namely Mangru Gope who is the workman concerned in the case and was a sympathiser of Tribeni Gope met the Assistant Manager of South Jharia Colliery at the pit top. The two workmen told the Assistant Manager there that he will reap the consequences. This according to the management was a threat to the Asstt. Manager. On 10th August, 1977 at about 7 p.m. while the Asstt. Manager was returning from inspection of South Jharia Section (an underground mine) and was proceeding to inspect another mine which was a quarry, on his motor cycle, near a Kali temple he was assaulted by Tribeni Gope with a lathi as a result of which Assistant Manager sustained injuries, fell down and his motor cycle was damaged. In course of the tussle between the Assistant Manager and Tribeni Gope over the lathi used by Tribeni Gope, the white cloth with which Tribeni Gope had covered part of his face fell down. After the cloth fell down the Assistant Manager recognised his assailant as Tribeni Gope. At that time the Assistant Manager saw Mangru Gope the concerned workman standing near the place of assault. The Assistant Manager seeing Mangru Gope called him for help. Mangru Gope instead of coming to the rescue of the Assistant Manager replied that he had been rightly dealt with. Thereafter one security man who was passing by was asked by the Assistant Manager to call his officer. Officer V. Gupta on being called came to the place of occurrence and helped the Assistant Manager to go to the Camp office nearby. Thereafter authorities of the management were informed about the occurrence and an F.I.R. was lodged before the police by the Assistant Manager regarding the incident. On the following day chargesheets were issued against Tribeni Gope and Mangru Gope and upon the charge-sheets so issued the replies of the two workmen having been found unsatisfactory two separate domestic enquiries were held by the management in which the workmen were found to be guilty. Upon this finding management dismissed Tribeni Gope from service which is the subject matter

Reference No. 1 of 1979 and in that reference it has been held by this Tribunal that the action of the management in dismissing Tribeni Gope is justified. Upon the F.I.R. lodged before the police the latter submitted a charge-sheet against Tribeni Gope only U/s. 307 L.P.C. Tribeni Gope was tried by Session Judge, Dhanbad and was ultimately acquitted after having been given a benefit of doubt. On the basis of finding against the concerned workman in this case he has been inflicted a punishment of suspension for ten days.

3. The charge against the concerned workman as framed by the management is that he threatened Assistant Manager at No. 1 Pit top of South Jharia Section with dire-consequences in connection with transfer of Tribeni Gope, that on the same day at about 7 p.m. while the Assistant Manager was returning from inspection of South Jharia Section and was going to 10 Seam quarry for further inspection, the concerned workman was present near Kali temple where the Assistant Manager was assaulted by Tribeni Gope by Lathi, and that when the Assistant Manager called the concerned workman for help, the concerned workman turned his face and said that the Assistant Manager deserved that treatment. On these allegations the chargesheet says that the concerned workman had threatened the Assistant Manager and incited Tribeni Gope to assault the Assistant Manager and thereby abetted the assault. These acts according to the charge-sheet constitute misconduct under clause 18(r)(t) and (u) of the Certified Standing Order.

In the show cause submitted by the concerned workman his case is that he did not threaten the Assistant Manager as alleged in the charge-sheet, that he was not present at the place of alleged assault and that on the day in question he being ill was not in the Colliery at all.

The above reply of the concerned workman having been found unsatisfactory a domestic enquiry was held in which the concerned workman was found guilty of having abetted the offence of assault by Tribeni. On the question as to whether the concerned workman threatened the Assistant Manager at 4 p.m. on 10th August, 1977 and incited Tribeni Gope to assault the Assistant Manager at 7 p.m. on 10th August, 1977 the findings recorded by the enquiry officer is in negative and so are in favour of the workman.

4. By order dated 21st May, 1980 the Tribunal has held that the domestic enquiry is fair and proper. No further evidence has been adduced by the parties when the case has been taken up for hearing on merit. In the domestic enquiry the records reveal that on behalf of the management 3 witnesses were examined of whom Assistant Manager the person assaulted and threatened was M.W. 1. He has fully supported his case as in the charge-sheet regarding threat given by concerned workman at 4 p.m. and abetment of the offence of assault on him at 7 p.m. on 10th August, 1977. M.W. 2 the other witness examined by the management is intended to support the case of the Assistant Manager regarding threat given to him at 4 p.m. The enquiry officer after thorough discussion of the evidence of the two witnesses regarding the incident of threat, has recorded a finding that the concerned workman did not threaten. I do not see any reason to differ from this finding. The management has not examined any independent witnesses who is an eye witness to the occurrence relating to assault. The only witness on the point is the Assistant Manager. After scrutinising the evidence of the Assistant Manager the enquiry officer has found that there is no evidence that the concerned workman incited Tribeni Gope to assault the Assistant Manager. I do not find anything wrong in this finding also. The enquiry officer has therefore rightly exonerated the concerned workman of the charge of inciting Tribeni Gope to assault the Assistant Manager. But regarding the case of abetment the enquiry officer has found the concerned workman guilty. While dealing with this aspect of the case the enquiry officer has held and that also rightly that the concerned workman was present at the place of assault at a distance of 10 to 20 ft. from the place of occurrence. The case of the concerned workman that he was ill on that day and was confined to bed has not been accepted by the enquiry officer because practically no evidence was led by the concerned workman that he was lying ill at the relevant time. After carefully examining the papers relating to enquiry proceedings, the evidence recorded in the domestic enquiry, the report and the arguments advanced before me by the parties I do not see any reason to differ

from the conclusion of the enquiry officer that the concerned workman was present at the place of assault and that when the Assistant Manager called the concerned workman for help the latter turned his face and said that the Assistant Manager had been rightly dealt. Nothing has been shown by the concerned workman under what circumstances he was present at the place of assault. His case of illness has been disbelieved. Naturally it has to be inferred that the concerned workman and Tribeni Gope were there at the place of assault with the common object to seek an opportunity to assault the Assistant Manager. Normally a person who is a stranger to an incident of assault on another and sees the assault, would resort and if possible would come to the rescue of the person assaulted. The conduct of the concerned workman as revealed from evidence is somewhat unnatural. That apart the evidence is that when the Assistant Manager called the concerned workman for help he turned his face aside and said that the Assistant Manager had been rightly dealt with. This evidence if believed cannot but lead to the conclusion that the concerned workman was at the place to render assistance to Tribeni Gope in his attack on the Assistant Manager. Because no help was required by Tribeni Gope so there was no necessity for the concerned workman to do some tangible act to help Tribeni Gope. But the way the concerned workman behaved and the words he spoke to the Assistant Manager when the latter called the concerned workman for help irresistibly lead to the conclusion that Tribeni Gope is an abettor and was not there merely as a sight seer. The argument advanced by Shri Bose for the union that without corroborative evidence the version of the Assistant Manager can not be accepted has no substance. It is only when material evidence is suppressed that the prosecution may be found to be at fault. But when there is no eye witness to an occurrence of assault as in the present case, the evidence of the single witness who was assaulted if otherwise inspires confidence has to be accepted. Reading the evidence of the Assistant Manager as a whole there appears to be a ring of truth in it and no serious infirmity has been pointed to me in the evidence. Nothing has been shown that there were other eye witnesses to the occurrence. The judgement in the Cr. case in which Tribeni Gope has been acquitted referred to above shows that Tribeni has been given benefit of doubt. There is no invariable rule that the finding in a Cr. court has always to be accepted in a departmental enquiry by the management. That apart when the order of acquittal of Tribeni Gope is not on merit and when he has been given benefit of doubt, the judgement in the Cr. case can be of no assistance to the concerned workman in the present case. So I hold that the finding of the enquiry officer that the concerned workman is an abettor of the offence of assault which is a misconduct under certified standing order is correct.

5. Now coming to the question of quantum of punishment it is found that the concerned workman has not been removed from service. Only a punishment of suspension of 10 days has been inflicted on the concerned workman. The offence committed by Tribeni Gope is of very serious nature and is certainly a grave misconduct which warrants a punishment of dismissal. When no separate punishment is provided for a misconduct which is abutment of another grievous misconduct entailing a punishment of dismissal the misconduct of abetment in such a case should normally entail also a punishment of dismissal. In this view therefore it must be held that the management has been very lenient in punishing the concerned workman. The order of punishment of suspension for 10 days therefore calls for no interference. The reference is answered accordingly.

B. K. RAY, Presiding Officer.

[No. L-20012/123/78-D. III(A)]

**S.O. 2220.**—In pursuance of section 18 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal No. 1, Dhanbad, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of South Jharia Colliery of Messrs Bharat Coking Coal Limited, Post Office Jharia, Dhanbad and their workmen, which was received by the Central Government on the 24th July, 1980.

**BEFORE MR. JUSTICE B. K. RAY, PRESIDING OFFICER CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 1 AT DHANBAD**

In the matter of a reference Under Section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947.

**Reference No. 1. of 1979**

[Ministry's Order No. L-20012/173/78-D.III(A), dated 28-12-1978].

**PARTIES :**

Employers in relation to the management of South Jharia Colliery of Messrs Bharat Coking Coal Limited, Post Office Jharia, District Dhanbad.

**AND**

Their workmen

**APPEARANCES :**

For the Management—Shri T. P. Choudhury, Advocate.

For the Workmen—Shri S. Bose, Secretary, Rashtriya Colliery Mazdoor Sangh.

**STATE : Bihar**

**INDUSTRY : Coal**

Dated Dhanbad, the 16th July, 1980

**AWARD**

By notification No. L-20012/173/78-D.III(A), dated the 28th December, 1978 the Central Government being of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of South Jharia Colliery of Messrs Bharat Coking Coal Limited and their workmen in respect of matters specified in the schedule to the notification have referred the dispute for adjudication to this Tribunal in exercise of powers conferred on them by Cl. (i) of sub-section (1) of Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947. The schedule to the notification reads thus :

"Whether the action of the management of South Jharia Colliery of Messrs Bharat Coking Coal Limited, Post Office Jharia, District Dhanbad in dismissing Shri Tribeni Gope, Trammer, from service with effect from 24th February, 1978, is justified ? If not to what relief is the said workman entitled?"

2. After receipt of the reference parties have been noticed and they have filed their respective written statements. The union sponsoring the dispute having pleaded in its written statement that the domestic enquiry alleged to have been held by the management preceeding the impugned order of dismissal of the concerned workman is not fair and proper and principles of natural justice have not been followed in the enquiry and the management having denied this plea of the union, a preliminary issue as to whether domestic enquiry is fair and proper has been framed and the said issue has been decided preliminary as desired by the management by order dated 9th May, 1980 in their favour.

3. The facts as revealed from the pleadings of the management which led to the impugned order of dismissal may be briefly stated thus : The concerned workman who was working as a Trammer in South Jharia Colliery was ordered to be transferred to a neighbouring place under the management by order dated 10th August, 1977 issued from the headquarters of the management. To give effect to the order of transfer Tribeni Gope was ordered to be relieved immediately. The order to relieve Tribeni Gope was tried to be served on him through Peon Book. Tribeni Gope refused to accept the same as per the entry in the Peon Book. After having come to know about his transfer order, Tribeni Gope bore a grudge against the local officers functioning in South Jharia Colliery under the management being under an impression that the local authorities in South Jharia Colliery had brought about his transfer. On 10-8-77 at 4 p.m. Tribeni Gope and another worker namely Mangru Gope met the Asstt. Manager at No. 1 Pit top of South Jharia Colliery and threatened him (Asstt. Manager) by saying that he will reap the consequences. On that very day i.e. on 10-8-77 at 7 p.m. the Asstt. Manager while going for inspection to



another mine after finishing inspection of South Jharia Section in his Motor Cycle, was stopped and assaulted by Tribeni Gope with lathi near Kali Temple. As a result of the assault the motor cycle was damaged and the Asstt. Manager sustained several injuries on different parts of his body including his head. He also fell down. In course of assault when Asstt. Manager tried to save himself by catching hold of the lathi from the assailant a tussle ensued and in course the tussle the cloth with which Tribeni Gope had covered his face fell down. Thereafter Asstt. Manager could recognise his assailant to be Tribeni Gope. The other workman Mangru Gope who was standing at the place of occurrence was called by the Asstt. Manager to come to his help. Instead of helping the Asstt. Manager Mangru turned his face aside and said that the Asstt. Manager had been rightly dealt with. On being assaulted Asstt. Manager raised an alarm. One security man who was coming by that way ran to the Asstt. Manager on hearing his cry. When the Security man reached the place Asstt. Manager asked the Security man to call his officer. On being so asked the Security man ran to his officer and called his officer who was V. Gupta. Shri Gupta then came to the spot and helped the Asstt. Manager to go to the Camp office. The authorities were then informed about the incident and a chargesheet was issued against Tribeni Gope on the following day asking him to Show cause why disciplinary action should not be taken against him for his misconduct under clause 18(e) & (r) of the Certified Standing Orders. The charge sheet issued against Tribeni Gope is Ext. M-1. The workman concerned submitted a reply to the chargesheet denying all the allegations therein. The reply not having been found satisfactory the management held a domestic enquiry in which Tribeni Gope was found guilty. Upon that findings the management inflicted punishment of dismissal on Tribeni Gope by the impugned order. In these circumstances the management claim that the impugned order of dismissal is justified.

4. It may be mentioned here that besides bringing the incident of assault to the notice of the management which led to the domestic enquiry and finally to the order of dismissal, a first information report regarding the incident was also lodged before the Police which submitted a chargesheet against Tribeni Gope u/s. 307 I.P.C. Upon that chargesheet Tribeni Gope was tried and was ultimately acquitted by Session Judge, Dhanbad. The certified copy of the Judgement of acquittal which has been filed before this Tribunal by the union shows that Tribeni Gope has been given a benefit of doubt. The last two paragraphs of the Judgement read thus :—

"28. Even if it is found that the informant was assaulted it cannot be said beyond all doubt on the basis of evidence so far adduced that it was this accused who assaulted him. There is no evidence that there was any light at the time of occurrence.

29. I, therefore, find that prosecution has failed to prove the charge beyond all doubt and hence I give benefit of doubt to the accused and he is acquitted of the charge."

On the aforesaid facts Mr. S. Bose for the union argues that in view of the judgment of acquittal of the Session Judge the finding of the enquiry officer that Tribeni Gope is guilty of the charges cannot be said to be justified, because the evidence before the Session Judge being same as was before the enquiry officer and on the same evidence the Session Judge having observed that the prosecution cannot be said to have proved the charge beyond all doubt, the finding of the Session Judge should be preferred to that of the Enquiry Officer. Secondly it is contended that on the basis of uncorroborated statement of the Asstt. Manager the finding regarding the guilt of the concerned workman cannot be sustained because as appears from the judgement in Cr. case there was a tea shop and a house of a person near the place of occurrence and none from either the house or the tea shop has been examined in support of the version of the Asstt. Manager. I shall deal with these contentions one by one.

5. I shall first of all deal with the point raised regarding the judgment of acquittal of the Session Judge relating to the very same incident which is the subject matter of the reference. In the case reported in S.C.L. Judgments Vol. 2 at page 1340 (Delhi Cloth and General Mills Ltd., and

Kushal Bhan) a question similar to the question raised by Mr. Bose arose. In that case the cycle of one Ram Chandra, Head Clerk of the company was alleged to have been stolen by Kushal Bhan the respondent a Peon under the Company. The company issued a chargesheet against the respondent on the allegation that he had stolen the cycle of Ram Chandra and the respondent was asked to show cause as to why disciplinary action would not be taken against him for misconduct. The cause shown by the respondent was found to be unsatisfactory and so, the company initiated a domestic enquiry against the respondent. The respondent refused to take part in the domestic enquiry on the plea that on the self same allegation against him a Cr. case had been started that the case was pending disposal and that the domestic enquiry should await the judgment in the Cr. case. The Company however did not accept the plea of the respondent and directed the domestic enquiry to proceed. Accordingly the domestic enquiry proceeded in the absence of the respondent and in the enquiry the respondent was found guilty of the charge. On that finding against the respondent the Company dismissed the respondent from service. In the meantime however in the Cr. case the respondent was given benefit of doubt and was acquitted. It was urged in that case for the respondent that the domestic enquiry should have awaited the decision in the Cr. case and that the domestic enquiry not having been stayed there was violation of principles of natural justice. Had the domestic enquiry awaited the decision in the Cr. case the respondent having been acquitted in the Cr. case the finding against him in the domestic enquiry could not have been what it was. Their Lordships deciding the case clearly observed that principles of natural justice do not require that the employer should always await the decision of Cr. case. When however facts and questions of law involved were complicated it would be fair on the part of the employer to await the decision in the Cr. case. But when facts were simple the employer can not be blamed because he does not await the decision of the case pending against the delinquent in a criminal court regarding the very same incident which in the subject matter of charge in the domestic enquiry. Their Lordships held in that case that the allegation of charge against the respondent were very simple and so the company was justified in proceeding against the respondent in the domestic enquiry without awaiting for the decision of the Cr. case and in dismissing the respondent on the basis of the finding in the domestic enquiry holding the workman guilty. The judgment of acquittal in the Cr. case in which the respondent had been given benefit of doubt would not affect the order of dismissal. The facts of the case before their Lordships are almost similar to the facts of the case before me. In the judgment in the Cr. case the concerned workman has been given benefit of doubt. In the domestic enquiry the concerned workman never wanted the enquiry to await the decision of the Cr. court and on the other hand he participated in the enquiry. It was therefore open to the management in exercise of its managerial function to draw up a chargesheet against the concerned workman and to proceed according to the provisions of the certified standing orders. On the basis of the findings against the concerned workman the management was fully within its limits to pass an order of dismissal against the concerned workman dismissing him from service. The pendency of the proceeding in the Cr. Court regarding the very same incident which was the subject matter of domestic enquiry would not stand in the way of the management to proceed against the concerned workman as per provisions of certified standing order which embody the conditions of service for the workman and authorise the management to take action against him as provided in the said orders. The enquiry officer in the case is fully competent to arrive at his own conclusion regarding the guilt of the concerned workman on the evidence led before him. If the evidence does not support the conclusion then it may be said that the report is perverse. But the enquiry officer is not bound to accept the findings of a criminal court even if the evidence led before him as well as in Cr. case is almost the same provided the conclusion arrived by him is possible on such evidence. There is nothing in law that the findings of a Cr. Court should have preference over the findings of an enquiry officer in a domestic enquiry. That apart in the present case the Session Judge has given the concerned workman only a benefit of doubt. The main reason that has weighed with the Session Judge is that there was no corroboration to the version of the Asstt. Manager regarding assault and that at 7 p.m. on 10-8-77 there was no light to enable the Asstt. Manager to

identify his assailant. The reasons are not so weighty. In August the day is longer than night. By 7 p.m. it will not be so dark in which the Asstt. Manager would not recognise the concerned workman. Moreover the concerned workman being a direct subordinate to the Asstt. Manager, it will be very easy for the Asstt. Manager to identify the concerned workman in little light. Regarding corroboration an adverse inference can only be drawn against the prosecution when it withholds available material evidence. But when facts are such that there are no eye witness to the occurrence, a Cr. case has to proceed on the solitary uncorroborated story of the prosecutor or the complaint and in such a case it is always open to a Cr. court to accept the uncorroborated version of the complaint and to prosecute he accused. In the case before me there is nothing to show that other eye witnesses who were available had been withheld. Mr. Bose invites my attention to a portion of Cr. court judgment which has reproduced the evidence of the I.O. According to the I.O. when he visited the place of occurrence he found that there were a tea shop and a house of a person nearby. But that evidence does not disclose that persons were present in the tea shop and in the house nearby when the occurrence took place. In such state of things it cannot be said that prosecution is guilty of suppression of material evidence. Therefore the reasons which weighed with Session Judge are not of such a nature that one would be inclined to accept the same in preference to the reasons given by the enquiry officer. So the points raised by Mr. Bose on the basis of Judgment of acquittal in the Cr. court are of no avail as the same are devoid any merit. For the reasons given by me above it can not be said that the findings of the enquiry officer are not justified because the Session Judge has given a benefit of doubt to the concerned workman.

Now coming to the actual evidence led before the enquiry officer it is found that the management examined as many as 3 witnesses namely Asstt. Manager who was the person assaulted, R.S. Ram, Personnel Officer of the Colliery and V. Gupta, an officer of Security Deptt. A reference to the evidence shows that the Personnel Officer and Mr. V. Gupta were not eye witnesses to the occurrence of assault. Mr. Gupta was the person who being informed by the Security man came to the spot after assault and helped the Asstt. Manager to go to the Camp Office, where after other authorities were informed regarding the incident. Mr. R.S. Ram is not also an witness to assault and speaks of threat given by the concerned workman at 4 p.m. on 10-8-77 to the Asstt. Manager. The present case is not concerned with this and the finding of the enquiry officer relating to the occurrence of threat is in favour of the workman. On the day following the occurrence management issued a chargesheet. This being the evidence before the enquiry officer, it must be said there was no other eye witnesses to the occurrence. The Judgment in the Cr. case also does not show if there were other eye witnesses. The enquiry officer was therefore competent to accept the version of Asstt. Manager. Sri V. Gupta who is a post occurrence witness who visited the place of occurrence immediately after the assault lends support to the evidence of Asstt. Manager. No suggestion has been made either to the Asstt. Manager or to Mr. V. Gupta in cross-examination that there was no light at the time of occurrence to enable the Asstt. Manager to recognise the concerned workman. That apart as I have said earlier the concerned workman was working in the colliery in which the person assaulted was the Asstt. Manager till the date of occurrence. So the Asstt. Manager had chance to see the concerned workman working in the colliery very often. Therefore little light would be enough for the Asstt. Manager to recognise the concerned workman as the assailant. It is contended by Mr. Bose that U/s. 11A of the I.D. Act this Tribunal has to reappraise the evidence led before the enquiry officer and to come to its own conclusion because the earlier position in law that if there has been a fair and proper enquiry and that if there is some evidence in support of the findings of guilt against delinquent in a domestic enquiry a Tribunal has no jurisdiction to set aside the findings is no longer available after incorporation of section 11A in the Industrial Disputes Act. This contention of Mr. Bose is well founded. What was a question of satisfaction of the enquiry officer before amendment has now become the question of satisfaction of the Tribunal after amendment. The Tribunal

after amendment has the power to reappraise the evidence. It must at the same time also bear in mind that the officer entrusted with the work of holding a domestic enquiry is not a person well versed either in procedure obtaining in law courts or in law of evidence and is not a judicial officer. Therefore while reappraising the evidence led before the enquiry officer Tribunal should not expect from the enquiry officer the same standard which is expected of an experienced judicial officer. The Tribunal has of course to see if all the circumstances revealed in the case have been considered, if the evidence which is contrary to the evidence in support of enquiry officer's findings has been properly taken note of, if proper inference has been drawn therefrom, if cogent reasons have been given by the enquiry officer for accepting the evidence led by the management and if serious lacunae in management's case have been lost sight of in the domestic enquiry. Looking at the evidence led in the enquiry in the context of observations made above I do not see reason to interfere with the findings of the enquiry officer in the case holding the concerned workman guilty. Mr. Bose then argues that the doctor's evidence does not support the evidence of the Asstt. Manager regarding his story of assault and that there is no reason when First Information Report was lodged before the police on the very night of occurrence why the Asstt. Manager was not examined on Police requisition on the following day. These circumstances relied upon by Mr. Bose do not appear to me to be of such grave nature that would affect the merit of finding of the enquiry officer. After giving due consideration to the points raised on behalf of the union I have no doubt in mind that the management has proved satisfactorily the charge of misconduct of the concerned workman. Lastly it is argued by Mr. Bose that if according to management local authorities in the colliery had no hand in the transfer of Tribeni Gope why should he bear any grudge against the Asstt. Manager and would assault him. The management's case is that So far as the workman is concerned he was under the impression that the local authorities affected the transfer. It is well known that motive is not a very essential factor in determining the guilt of an accused. If the incident is proved by reliable evidence the author of the incident must be held responsible for it even if there is no motive behind. Motive is a factor to be considered to lend support to the evidence regarding the incident. It does not follow therefore when motive is not established the occurrence must be held not to have taken place. When the evidence regarding assault by the concerned workman has been accepted, he must be held to be guilty of the charge. In this connection I may refer to the plea of alibi taken by the concerned workman before the enquiry. Such a plea had not been taken in his reply to the chargesheet. So the plea of alibi is a belated one taken by the workman concerned. It is therefore very difficult to accept the plea unless it is satisfactorily established. In the present case on scrutiny of evidence led in the enquiry by the concerned workman it is found that the plea has remained a plea only. There is no evidence worth the name to support the plea.

6. The act complained of is of very grave nature. In the interest of good and efficient administration such act must be seriously dealt with. Under the Certified Standing Orders dismissal is a punishment for a misconduct of the present nature. When the concerned workman has been found guilty of the charge of misconduct the punishment of dismissal inflicted on him can not but be said to be justified in view of the gravity of the misconduct of which the workman has been found guilty. The punishment according to me is not so severe as to lead to a conclusion that the case is either one of victimisation or of unfair labour practice. The misconduct proved against the workman concerned warrants a punishment of dismissal and so the management is fully justified in dismissing the concerned workman from service with effect from 24th February, 1978. The workman therefore is not entitled to any relief.

Sd/—

B. K. RAY, Presiding Officer  
[No. L-20012/173/78-D.II(A)]

S.H.S. IYER, Desk Officer